

॥ ओ३म् परमात्मने नमः ॥

हिन्दी-संस्कृत धातु कोषः

आचार्य रामदयालु एम० ए०



संस्कृत सेवा संस्थान (पंजी.)

५९/८, मध्य मार्ग, तुगलकाबाद विस्तार
नव दिल्ली ११००१९

सम्मति

डा० मण्डन मिश्र

प्राचार्य श्री लालबहादुर शास्त्री,

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ

कुतुब होटल के पास, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-16

संस्कृत सेवा संस्थान के दशाब्दी समारोह के अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित 'हिन्दो-संस्कृत-धातु-कोष' में धातुओं के विभिन्न अर्थों का अत्यन्त सरल और मनोवैज्ञानिक पद्धति से विवेचन किया गया है। इसका सम्पादन संस्कृत के लिए समर्पित व्यक्ति आचार्य श्री रामदयालु ने किया है, जिनका इस क्षेत्र में मौलिक चिन्तन और अनुभव है। उनके व्यावहारिक ज्ञान की सफलता के इसमें प्रत्यक्ष दर्शन होते हैं। मेरा विश्वास है कि संस्कृत-अध्येताओं के लिए यह कोष परम सहायक होगा।

सद्विपक
के कि
सकनवा
विपन अ
रामदयल
सपदान
मनोवशाति
सं भावना
पर संस्था
संस्कृत

कुर्वत दीत

ओं परमात्मने नमः

हिन्दी-संस्कृत धातुकोषः

आचार्य रामदयालु, एम०ए०



संस्कृत सेवा संस्थान (पंजी०)

५६/८, मध्य मार्ग, तुगलकाबाद विस्तार

नव दिल्ली-११००१६

प्रकाशक :

संस्कृत सेवा संस्थान (पंजी०)

५६/८, मध्य मार्ग, तुगलकाबाद विस्तार

नव दिल्ली-११००१६

© सुरक्षित

कुतुब हो

संस्कृत
पर संस्कृत
में धातु
मनोवैज्ञानिक
सम्पादन
रामदयाल
चिन्तन
सफलता
है कि
सहायक

संस्करण : द्वितीय

मूल्य : ६५/-

विक्रम संवत् २०४५, सन् १९८८

मुद्रक :

ब्रह्मा प्रिंटिंग प्रेस

१२३२, चौक शाह मुबारक बाजार सीताराम

दिल्ली-११०००६ ✱ दूरभाष : ७३३६६२, ७३१०१५

प्राक्कथनम्

- सच्चिदानन्द संरूप विश्वरूप महाप्रभो ।
 त्वदृते भगवन्नस्मि मूर्तिमानिव निरीश्वरः ॥ १ ॥
- देहि मे देव सामर्थ्यं ह्यवकाशं तथैव च !
 देवभाषाप्रसाराय किञ्चिदस्मि चिकीषितुम् ॥ २ ॥
- शब्दार्थतनुसंदृष्टां भावात्मासमन्विताम् ।
 सुकृतैः प्राप्य वागीशां कर्तुमीहे सुसेविताम् ॥ ३ ॥
- विपुलं संस्कृतं क्षेत्रं तटे तिष्ठामि ह्यल्पधीः ।
 लघुमार्गस्य पद्धत्या गन्तुमिच्छामि तद्यथा ॥ ४ ॥
- चार्टकोषकुलाक्रीडाः चित्रपत्रादीनि वै ।
 रञ्जनानि नवीनानि साधनानि करोम्यहम् ॥ ५ ॥
- हिन्द्या संस्कृतं वेत्तुमीहन्ते ये महाशयाः ।
 तेषां कृते प्रयोगोज्यमनुसन्धानवतां तथा ॥ ६ ॥
- प्रवेशार्थी च विद्यार्थी ज्ञानार्थी लवयत्नकः ।
 नूनं प्रवेक्ष्यति भाषां शनैरेतेन त्वध्वना ॥ ७ ॥
- कथङ्कारं हि संस्पृष्टा उपकृताः संस्कृतेन च ।
 ये ते कुर्वन्तु तत्सेवाभितीहे खलु सदिच्छया ॥ ८ ॥

मान्य पाठक वृन्द ! यास्क, शाकटायन आदि शब्द शास्त्रवेत्ता मुनियों ने संस्कृत भाषा के सभी पदों को आख्यातज (धातुओं से उत्पन्न) माना है ! क्रियाएँ तो धातुज होती ही हैं परन्तु अन्य शब्द भी धातुओं से उत्पन्न होने के कारण संस्कृत वाङ्मय में धातुओं की महत्ता स्वयं सिद्ध है । भाषा को धातुओं से पृथक् कर दें तो उसका अस्तित्व ही नहीं रह जाता । धातुओं के विभिन्न रूपात्मक प्रयोग ही भाषा के जनक होते हैं । अतः भाषा ज्ञान के लिए धातुओं का विस्तृत और विविध व्यौरा समझना नितान्त आवश्यक है ।

अब तक "संस्कृत से हिन्दी कोष" तो कई उपलब्ध हो गए हैं, परन्तु हिन्दी से संस्कृत धातु कोषों का अभाव अभी तक बना हुआ है । इसी कारण संस्कृत

प्रशिक्षुओं और विशेषकर आरम्भिक जिज्ञासुओं के लिए अपने मूल रूप (प्रकृति) सहित तथा धातु के पूर्वांश की इत्संज्ञा आदि करके संस्कृत धातुओं के विविध अर्थों एवम् उपसर्गों के योग से उत्पन्न विभिन्न अर्थों का ज्ञान कराना अत्यन्त आवश्यक प्रतीत हुआ। फलस्वरूप यह “हिन्दी संस्कृत धातुकोष” आपके सामने है।

आज से बहुत वर्ष पूर्व श्री पं. गणेश शर्मा काले ने एक “संस्कृत धातुकोष” (जो बहुत पहले से ही अप्राप्य है) बनाया था। उसी को सुलभ बनाने के लिए श्री पं. युधिष्ठिर जी मीमांसक ने नवीन प्रकार से सम्पादित करके विस्तृत भाषार्थ सहित एक बहुत सुन्दर “संस्कृत धातुकोष” तैयार करके रामलाल कपूर ट्रस्ट से प्रकाशित कराया है। मैंने उन्हीं से “हिन्दी संस्कृत धातुकोष” सम्पादन करने की प्रार्थना की थी। परन्तु उन्होंने अपनी असमर्थता बताकर मुझे ही यह काम करने की प्रेरणा दी। अतः उन्हीं की प्रेरणा और आशीर्वाद से मैं यह कोष आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

संस्कृत की सभी धातुएँ गणों में विभाजित हैं। वे गण कौन-कौन से हैं? इसका ज्ञान निम्न लिखित श्लोक से हो जाता है—

भ्वाद्यदादिः जुहोत्यादिः दिवादिः स्वादिरेव च।

तुद्घादिस्तनुक्र्यादिः चुरादिश्चेति घातवः ॥

अर्थात् सभी धातुएँ १. भ्वादिगण, २. अदादिगण, ३. जुहोत्यादिगण, ४. दिवादिगण, ५. स्वादिगण, ६. तुदादिगण, ७. रुधादिगण, ८. तनादिगण, ९. क्रयादिगण, १०. चुरादिगण वाली होती हैं। इस धातुकोष में गणों की संख्याएँ इसी क्रम के अनुसार दी गई हैं।

इस “हिन्दी संस्कृत धातुकोष” में प्रत्येक धात्वर्थ के साथ निम्नलिखित क्रम रखा गया है—

- (१) मूल हिन्दी धातु (कोष्ठक में समानार्थक सहित)।
- (२) संख्या अर्थात् इस मूल हिन्दी धातु के लिए यहां कितनी संस्कृत धातुएँ दी गई हैं—१, २, ३ इत्यादि।
- (३) संस्कृत धातु (एक, दो आदि प्रकृतियों के साथ, उपसर्गों के साथ, अन्त्य स्वर या व्यञ्जनादि लोप के साथ)।
- (४) गण संख्या (गणों के नाम और संख्या क्रम ऊपर लिखे हैं)।
- (५) धातु संख्या अर्थात् धातुपाठ में यह संस्कृत धातु किस संख्या पर है (धातुपाठ रामलाल कपूर ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित)।

- (६) (कोष्ठक में) उस पद में उस धातु का पहला (लट्, प्रथम पु० एकवचन का) रूप (पाठान्तर सहित) ।
- (७) उभयपदी धातु हो तो परस्मैपदी रूप के साथ आत्मनेपद बोध के लिए केवल 'ते' प्रत्यय दिया गया है ।
- (८) आवश्यकतानुसार विकरण का वैकल्पिक रूप भी दिया गया है ।
- (९) अदन्त, हलन्त आदि स्पष्टीकरण भी यत्र-तत्र दर्शाया गया है ।
- (१०) अन्य उपयोगी टिप्पणियाँ भी जहाँ तहाँ दी गई हैं ।

संकेत-विवरण

प० = परस्मैपदी धातु
 उ० = उभयपदी धातु
 मता० = मतान्तरे स्वीकृत
 उदा० = उदाहरण स्वरूप
 स्व० = स्वरितेत् धातु
 नाधा० = नाम धातु
 + = योग (जमा) चिन्ह
 — = इसके बाद के रूप चलेंगे
 केषाम् = केषाञ्चिन्मते

आ० = आत्मनेपदी धातु
 क्व० = क्वचित्, क्वचित्कः
 छा० = छान्दस (वैदिक धातु)
 पाठा० = पाठान्तर (पाठभेद)
 क्षीर० = क्षीरतरंगिणी में पठित
 वा० = वातिकों में पठित धातु
 माधा० = माधवीय धातुवृत्ति
 खनति, ते = खनति, खनते

वा० ३/१/३५ = वातिक संख्या ३/१/३५ से धातु ली गई ।

दुःखी (दरिद्री) होना = दुःखी होना, दरिद्री होना (उभयार्थ) ।

७/३/६५ सूत्र = उक्त धातु अष्टाध्यायी के ७/३/६५ संख्या वाले सूत्र में पठित है
 इत्यादि ।

मैंने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए और भी अनेक नवीन प्रयोग किये हैं, जिन्हें क्रमशः आपके सामने प्रस्तुत किया जा रहा है, आशा है मेरे इस प्रयास में आप सब विद्वान् पाठक वृन्द एवं संस्कृतानुरागी सज्जनों का मुझे पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा । संस्कृत सम्बन्धी नवीन प्रकाशित-प्रकाशयमान रचनाओं की सूची पृष्ठ आठ पर अंकित है ।

मैं संस्कृत भाषा का सामान्य सेवक हूँ, मुझ से भूलें हो सकती हैं, अतः आप सब सहृदय सज्जनों से निवेदन है कि इस कार्य में उपयोगी परामर्श देकर मुझे कृतार्थ करें, जिससे कि इसे भविष्य में और भी अधिक उपयोगी बनाया जा सके ।

धन्यवाद ।

सर्वे संस्कृताः सन्तु ।

संस्कृत सेवक

आचार्य रामदयालु

अनन्त प्रणाम

वैदिक काल से लेकर आज तक संस्कृत के उपासक अग्नि-वायु आदित्य-अङ्गिरा वेदों के इन चार आदि उद्गाताओं को, ब्रह्मा आदि उपदेष्टाओं को, मधु-च्छन्दा-मेधातिथि आदि मन्त्रद्रष्टा ऋषि-महर्षियों को, आयुर्वेद आदि उपवेदकारों को, वेदों के शाखा-प्रशाखा प्रणेताओं को, शिक्षा-कल्पादि वेदांगकारों को, कल्पादि सूत्र-कारों को, शतपथ आदि ब्राह्मण ग्रन्थकार महामुनियों को, नाराशंसी-पुराण कर्त्ता पुरुष सत्तमों को, उपनिषत् प्रणेता महा तपस्वियों को, अरण्य वासी आरण्यक रचयिताओं को, प्रातिशाख्य प्रणेताओं को, आदि लौकिक संस्कृतकार इन्द्र-व्याडि आदि देव मानवों को, स्मृतिकार मनु आदि महाराजाओं को, वाल्मीकि आदि महाकाव्यकारों को, महाभारत कर्त्ता श्री कृष्ण द्वैपायन व्यास आदि इतिहासकारों को, पाणिनि आदि महा वैयाकरणों को, पतञ्जलि आदि योग-भाष्यकारों को, यास्क आदि निरुक्तकारों को, भास आदि नाटककारों को, भरतमुनि आदि नाट्यशास्त्र प्रणेताओं को, कालिदास आदि कवि सम्राटों को, आनन्दवर्धन आदि लक्षण-ग्रन्थ-कारों को, चाणक्य आदि राजार्थशास्त्र निर्माताओं को, वराहमिहिर जैसे बृहत्संहिताकारों को, अश्वघोष जैसे अलंकृत काव्यकारों को, माघ आदि महाकवियों को, भर्तृहरि-विष्णुशर्मा आदि नीतिकारों को, गुणादय आदि कथाकारों को, बाण-दण्डी आदि गद्यकारों को, राजशेखर आदि प्रबन्धकारों को, अमर आदि कोषकारों को, सोमदेव आदि चम्पूकारों को, जयदेव आदि गीतकारों को, पिंगल आदि छन्दःशास्त्र प्रणेताओं को, आर्यभट्ट जैसे भूगोल-खगोल ज्योतिष शास्त्रियों को, धन्वतरी आदि महावैद्यों को, चरक सुश्रुत आदि आयुर्वेदकारों को, क्षेमेन्द्र आदि उपदेश काव्यकारों को, भोजराज आदि सूक्तिकारों को पण्डितराज जगन्नाथ जैसे महान् संस्कृतकारों को एवम् आधुनिक युग के ज्ञात-अज्ञात, द्रष्टा, स्रष्टा, उपदेष्टा, भाष्यकार, अनुवादक, लेखक, पाठक, अन्वेषक, चित्रक, शिल्पी, प्रचारक, स्मरणकर्त्ता समर्थक आदि सभी भूत-भविष्यत् वर्तमान के विविध संस्कृत साधकों को हमारा अनन्त प्रणाम ।



नैव क्लिष्टा वचनीया

सुरस सुबोधो विश्वमनोज्ञा ललिता हृद्या रमणीया ।

अमृतवाणी संस्कृतभाषा नैव क्लिष्टा वचनीया ॥

कविकोकिलवाल्मीकिविरचिता रामायणरमणीयकथा ।

अतीव सरला मधुरमञ्जुला नैव क्लिष्टा वचनीया ॥

व्यासविरचिता गणेशलिखिता महाभारते दिव्य कथा ।

कौरवपाण्डवसंगरमथिता नैव क्लिष्टा वचनीया ॥

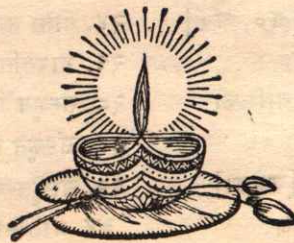
कुरुक्षेत्रसमराङ्गणगीता विश्ववन्दिता भगवद्गीता ।

अमृतमधुरा कर्मदीपिका नैव क्लिष्टा वचनीया ॥

कविकुल गुरु नवरसोन्मेषजा ऋतुरघुकुमार कविता ।

मालविका-विक्रम-शकुन्तला नैव क्लिष्टा वचनीया ॥

(विश्व संस्कृत प्रतिष्ठान के सौजन्य से)



[८]

संस्कृत शिक्षण के नवीन चार्टों की सूची

- | | |
|--|--|
| १. प्रायोगिक संस्कृत विभाग चित्रम् | ९. उपसर्ग, उपपद प्रयोग चित्रम् |
| २. परस्मैपद षट्कार ज्ञान चित्रम्
[लघु] | १०. सर्वनाम पद रूपार्थ चित्रम् |
| ३. कारक विभक्ति ज्ञान चित्रम् [लघु] | ११. सामान्य विशेषण रूपार्थ चित्रम् |
| ४. परस्मैपद प्रत्ययार्थ चित्रम् | १२. संख्या विशेषण रूपार्थ चित्रम् |
| ५. आत्मनेपद प्रत्ययार्थ चित्रम् | १३. प्रमुख अव्ययार्थ चित्रम्
[संस्कृत-हिन्दी] |
| ६. मुख्य स्वरान्त रूपार्थ चित्रम् | १४. प्रमुख अव्ययार्थ चित्रम्
[हिन्दी-संस्कृत] |
| ७. मुख्य व्यञ्जनान्त रूपार्थ चित्रम्
[पु०] | १५. दशगणी धातु रूपार्थ चित्रम् [पर.] |
| ८. मुख्य व्यञ्जनान्त रूपार्थ चित्रम्
[नपु० स्त्री०] | १६. दशगणी धातु रूपार्थ चित्रम्
[आत्म०] |

संस्कृत सम्बन्धी नवीन रचनाएँ

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------------|
| १. चुटकुला सहस्रम् [क्रमशः] | २. क्रीडा शतकम् [क्रमशः] |
| ३. बाल-संस्कृत वार्तालापः | ४. सामान्य संस्कृत वार्तालापः |
| ५. विशेष संस्कृत वार्तालापः | ६. संस्कृत सम्भाषण विधाः |
| ७. भाष्य भूमिका सारः [समाप्त] | ८. हिन्दी संस्कृत धातुकोषः |
| ९. रसालंकार छन्दो दीपिका | १०. निरुक्त निर्वचनिका |
| ११. मीमांसा प्रमेय | १२. दशाब्दी स्मारिका |
| १३. निरुक्त पञ्चाध्याय सारः | १४. भारतीय संस्कृति प्रश्नोत्तरी |
| १५. व्यावहारिक संस्कृत धातु सूची | १६. संस्कृत चित्राक्षरी |
| १७. कृदन्त रूप रचना | १८. प्रतिनिधि शब्द रूपावली |
| १९. चित्र संस्कृतम् [क्रमशः] | २०. संस्कृत प्रारम्भ कोषः |
| २१. संस्कृत गवाक्षः | २२. कृष्वस्ति प्रयोग संस्कृतम् |
| २३. गृह शब्द कोषः [हि०, सं०, अं०] | २४. गीता नाट्यम् |
| २५. गीताक्षरी प्रतियोगिता | २६. भारतेतिवृत्तम् |
| २७. संस्कृत साहित्य तिथि तालिका | २८. संस्कृत शिक्षण समस्याः |
| २९. संस्कृत शिक्षण सर्वेक्षण | ३०. संस्कृत गान गुम्फनम् |
| ३१. संस्कृत सूक्ति सागरः [क्रमशः] | ३२. संस्कृत-काष्ठ-पटलः |
| ३३. संस्कृत [ताश] पत्राणि | ३४. प्रतिनिधि धातु रूपावली |
| ३५. संस्कृत शिक्षण विधियां | ३६. अव्ययार्थ काव्यम् |

संस्कृत सेवा संस्थान

५९/८, मध्य मार्ग, तुगलकाबाद विस्तार, नव दिल्ली-११००१९

हिन्दी-संस्कृत धातुकोष

विस्तृत-भाषार्थ-सहितः

अ

- अकड़ के चलना = १. अङ्क १०।३५५ १।६६६ प० (संस्वरति) ।
 उ० (अङ्कयति, ते) ।
 अकड़ जाना = १. आ + कुञ्च १। ६६२ आ० (संतिष्ठते) ।
 ११३ प० (आकुञ्चति) ।
 अकेला जाना = १. वठि-वण्ठ १। ६६२ आ० (वण्ठते) ।
 अग्रभाग में (आगे) जाना = १. पुर ६।५७ प० (पुरति) ।
 अग्रणी होना = १. लघि-लङ्घ १०। २२४ उ० (लङ्घयति, ते) ।
 अग्रसर होना = १. पुर ६।५७ प० (पुरति) ।
 अचल (स्थिर) होना = १. ध्रु १। ६७६ प० (ध्रुवति), २. ध्रुव ६।१०८, १०६ प० (ध्रुवति) ।
 अचानक ज्ञान होना = १. प्रति + भासृ १।४१५ आ० (प्रतिभासते) ।
 अचानक सूझना = १. प्रति + भासृ १।४१५ आ० (प्रतिभासते) ।
 अच्छा आचरण करना = १. समा + चर १।३७६ आ० (समाचरते) ।
 अच्छा करना = १. सु + कृञ् ८।१० प० (सु करोति) ।
 अच्छा शब्द करना = १. सम् + स्तृ १।३७२ प० (धोरति) ।
 अच्छी होना = १. सम् + स्था १। ६६२ आ० (संतिष्ठते) ।
 अच्छी तरह जानना (समझना) = १. प्र + ज्ञा १।४० उ० (प्रजानाति, प्रजानीते), २. सच १।७२३ उ० (सचति, ते), ३. सम् + लक्ष १०।५ उ० (संलक्षयति, ते), ४. सम् + ज्ञा १।४० उ० (सञ्जानाति, सञ्जानीते) ।
 अच्छी तरह व्यापना = १. संवि + आप्लु ५।१५ प० (संव्याप्नोति) ।
 अच्छी रीति से जाना = १. धोर्क १।३७२ प० (धोरति) ।
 अच्छी रीति से वर्तना = १. परा + कृञ् ८।१० प० (पराकरोति) ।
 अच्छे प्रकार बोलना = १. सम् + भाष १।४०७ आ० (सम्भाषते) ।
 अजीर्ण (रोगयुक्त) होना = १. अम १०।१८६ उ० (आमयति, ते) ।
 अटकाना = १. अह्ण क्वा० १० उ० (अह्णयति, ते), २. अव + गृह १।६४ उ० (अवगृह्णाति, अवगृह्णीते), ३. पृच १०। २३१ उ० (पर्चयति, ते । शपि पर्चति) ।
 अटकाव करना = १. बाधृ १।५ आ०

(वाघते) ।

अज्ञाना = १. नह ४।५५ उ० (नह्यति, ते) प्र-प्रणह्यति, ते) ।

अतिक्रमण करना = १. उत् + क्रमु १।३१६ प० (उत्क्रामति/उत्क्राम्यति), २. व्या + क्रमु १।३१६ आ० (व्याक्रमते/व्याक्रम्यते), ३. अति + वृतु १।५०८ आ० (अतिवर्तते), ४. अति + रिचिर् रिच ७।४ उ० (अतिरिणक्ति, अतिरिङ्क्ते), ५. अति + इण् २।३८ प० (अत्येति) ।

अतिरिक्त होना = १. अति + रिचिर् रिच ७।४ उ० (अतिरिणक्ति, अतिरिङ्क्ते) ।

अतिशय होना = १. अति + शीङ् २।२५ आ० (अतिशेते) ।

अति शोक या अति हर्ष से रुके कण्ठ से बोलना = १. गद्गद १।१२५ प० (गद्गदयति) ।

अतिदान करना = १. प्र + मुचि-मुञ्च १।१०३ आ० (प्रमुञ्चते) ।

अत्याचार करना = १. अत्या + चर् १।३७६ प० (अत्याचरति) ।

अदृश्य होना = १. लुबि-लुम्ब १।२६१ प० (लुम्बति), १०।१२५ उ० (लुम्बयति, ते), २. स्नुसु ४।५ प० (स्नुस्यति) ।

अद्भुत प्रश्न करना = १. अभि + युजिर्-युज् ७।७ उ० (अभियुनक्ति, अभियुङ्क्ते) ।

अद्भुत सामर्थ्य होना = १. सुर ६।५१ प० (सुरति), २. सु १।६७४ प० (सवति) २।३४ प० (सौति) ।

अधिक करना = १. लिप-लिम्प ६।१४२ उ० (लिम्पति, ते) २. अति + कृञ्

८।१० उ० (अतिकरोति, अतिकुरुते) ।

अधिक खाना = १. अति + अश ६।५४ प० (अत्यश्नाति) ।

अधिक (श्रेष्ठ) होना = १. वृधु १।५०६ आ० (वर्धते), २. वि + शिष १०।२४१ उ० (विशेषयति, ते/विशेषति), ३. अधि + स्था १।६६२ आ० (अधितिष्ठते), ४. अति शीङ् २।२५ आ० (अतिशेते), ५. अट्ट १।१५५ आ० (अट्टते), ६. अति + इण् २।३८ प० (अत्येति) ।

अधिक संदिग्ध होना = १. आ + रेकृ १।६५ आ० (आरेकते) ।

अधिकार करना = १. शासु २।६८ प० (शास्ति) ।

अधिकार होना = १. अधि + कृञ् ८।१० आ० (अधिकुरुते), २. ईश २।१० आ० (ईष्टे), ३. अधि + स्था १।६६२ आ० (अधितिष्ठते) ।

अधिरूढ होना = १. आ + स्था १।६६२ प० (आतिष्ठति) ।

अधीर होना (घबरा जाना) = १. धृष १०।२७७ उ० (धर्षयति, ते/शपि धर्षति) ।

अधूरा छोड़ना = १. शठ १०।३३ उ० (शाठयति, ते) ।

अधोमुख होना = १. नि + उञ्ज ६।२० प० (न्युञ्जति) ।

अधोवायु छोड़ना = १. गृधु १।५१० प० (शर्धति) ।

अध्ययन करना = १. अभि + आस् २।११ आ० (अभ्यास्ते), २. अधि + इङ् २।३६ आ० (अधीते), ३. शिक्ष १।४०० आ० (शिक्षते), ४. वच २।५६ प० (वक्ति) १०।२६६ उ० (वाचयति, ते/शपि वचति) ।

अनन्तर बोलना = १. अनु + वद १।
७३५ आ० (अनुवादयते) ।

अन्नादि काटना = १. वप १।७२६
उ० (वाति, ते) ।

अनादर (तिरस्कार, अपमान)
करना = १. शृधु १०।२०२ उ० (शर्धयति,
ते), २. सूक्ष्यं १।३४१ प० (सूक्ष्यति),
३. दृवृ क्षीर० १।६६६ प० (द्वरति),
४. तुडु १।२४३ प० (तुडति) ५. पुस्त
१०।६० उ० (पुस्तयति, ते), ६. हिडि-
हिण्ड १।१६७ आ० (हिण्डते), ७. स्मिड्
१०।४२ आ० (स्मापयते), ८. स्मिट् १०।
४१ उ० (स्मेटयति, ते), ९. स्फिट् १०।
४१ पाठा० उ० (स्फेटयति, ते), १०. तुडु
१ क्वा० प० (तुडुति) ११. अट्ट १०।३१
प० (अट्टयति) ।

अनुकरण करना = १. अनु + इण्
२।३८ प० (अन्वेति) ।

अनुकूल होना = १. अनु + कूल १।
३५२ प० (अनुकूलति) ।

अनुक्रम से रखना = १. व्या + असु
४।६६ प० (व्यास्यति) ।

अनुगमन करना = १. अनु + हृज्
१।६४० उ० (अनुहरति, ते) ।

अनुचित आचरण करना = १. फक्क
१।८१ प० (फक्कति) ।

अनुपयुक्त को निकालना = १. विप
६।५७ प० (विष्णाति) ।

अनुपयुक्त को अलग करना = १. विप
६।५७ प० (विष्णाति) ।

अनुपयुक्त होना = १. क्षर १।५६०
प० (क्षरति) ।

अनुरक्त होना = १. आ + सञ्ज १।

७१३ प० (आ सजति), २. अनु + रञ्ज्
१।७२५ उ० (अनुरजति, ते) ४।५६
(अनुरज्यति, ते) ।

अनुभव करना (विषयों का) =
१. भज १।७२४ उ० (भजति, ते) ।

अनुमान करना = १. अनु + मन ४।
६५ आ० (अनुमन्यते), २. अनु + मनु
८।६ आ० (अनुमनुते) ।

अनुमोदन करना = १. उप + गम्लृ-
गच्छ १।७०६ प० (उपगच्छति), २. अनु +
ज्ञा ६।४० उ० (अनुजानाति, अनुजानीते),
३. अनु + मन ४।६५ आ० (अनुमन्यते),
४. अनु + मनु ८।६ आ० (अनुमनुते),
५. अनु + मुद १।१५ आ० (अनुमोदते) ।

अनुमोदन (आज्ञा) करना = १. सम् +
ज्ञा ६।४० उ० (सञ्जानाति, सञ्जा-
नीते) ।

अनुमोदन देना (हां करना) =
१. सम् + मन ४।६५ आ० (सम्मन्यते),
२. सम् + मनु ८।६ आ० (सम्मनुते),
३. प्रति + पद ४।५८ आ० (प्रतिपद्यते)
१०।३२० आ० अदन्त (प्रतिपद्यते),
४. प्रति + ग्रह ६।६४ प० (प्रतिग्रह्णाति),
५. अनु + रुध ४।६३ आ० (अनुरुध्यते) ।

अनुसरण (नकल) करना = १. अनु +
या २।४२ प० (अनुयाति) २. अनु + वृत्तु
१।५०८ आ० (अनुवर्तते), ३. अनु + हृज्
१।६४० उ० (अनुहरति, ते), ४. द्रु १।
६७७ प० (द्रवति), ५. सेवृ १।३३७ आ०
(सेवते), ६. अनु + पद ४।५८ आ० (अनु-
पद्यते) १०।३२० आ० अदन्त (अनुपद-
यते), ७. अनु + बन्ध ६।४१ प० (अनु-
बध्नाति, ८. अनु + चर १।३७६ प०

(अनुचरति), ९. अनु+इण् २।३८ प०
(अन्वेति), १०. अनु+गम्लृ-गच्छ १।७० ९
प० (अनुगच्छति) ।

अनुसंधान करना=१. अनुसम्+
धाञ् ३।१० उ० (अनुसंदधाति, अनु-
संधत्ते) ।

अनृत (भूठ) बोलना=१. गुद्वि-गुन्द्र
१०।६ पाठा० उ० (गुन्द्रयति, ते/गुन्द्रते) ।

अनेक तरह का रंग देना=१. लिंगि-
लिङ्ग १०।२०८ उ० (लिङ्गयति, ते/
लिङ्गति) ।

अन्धा होना=१. अन्ध १०।३५३
उ० (अन्धयति, ते) ।

अन्तर्धान होना=१. चुलुम्प वा०
३।१।३५ प० (चुलुम्पति) ।

अन्तर्हित होना=१. तुम्बि-तुम्ब १०।
१२५ उ० (तुम्बयति, ते) ।

अन्त्रकूजन होना=१. कर्दं १।४८
प० (कर्दति) ।

अपकार करना=१. रघ ४।८२ प०
(रघयति), २. शडि-शण्ड् १।१७८ आ०
(शण्डते) ।

अपकारक भाषण करना=१. अप+
बद १०।२६८ उ० (अपवदति, ते) ।

अपकार की इच्छा से कहना=
१. सूच १०।२९६ उ० (सूचयति, ते) ।

अपना अभिप्राय समझाना (दूसरे
को)=१. स्था १।६६२ आ० (तिष्ठते) ।

अपना उद्योग करना=१. व्या+
यम १।७१० आ० (व्यायच्छते) ।

अपनाना=१. द्वृ धीर० १।६६६
प० (द्वरति) ।

अपनी वस्तु बटोरना=१. सम्+
यम १।७१० उ० (संयच्छति, ते) ।

अपने अधिकार में लाना=१. अड
१/२४७ प० (अडति/वव० अड्तीति) ।

अपने को बड़ा समझना=१. धृपा
५।२२ प० (धृणाति) ।

अपने समान वर्तना=१. कुल १।
५८३ प० (कोलति) ।

अपमान (तिरस्कार) करना=

१. तिरस्+कृञ् ८।१० प० (तिरस्करोति),

२. अव+ज्ञा ९।४० उ० (अवजानाति,

अवजानीते), ३. तुष्ट १ क्वा० प० (तुष्टति),

४. अव+मन ४।६५ आ० (अवमन्यते),

५. अव+मनु ८।९ आ० (अवमनुते),

६. यु १०।१७९ आ० (यावयते), ७. शृष्टु

१०।२०२ उ० (शर्धयति, ते), ८. शिट

१।१९८ प० (शेटति), ९. सुष्ट १०।३१

उ० (सुष्टयति, ते), १०. हेडृ १।१८३

आ० (हेडते), ११. होडृ १।१८३ आ०

(होडति), १२. निर्+हृञ् १।६४० उ०

(निर्हरति, ते), १३. हिडि-हिण्ड १।१६७

आ० (हिण्डते), १४. लज १।१४७ प०

(लजति), १५. लजि-लञ्ज १।१४७ प०

(लञ्जति), १६. रोडृ १।२४६ प०

(रोडति), १७. रौडृ १।२४५

(रौडति), १८. लुटि-लुण्ट १।२१९ प०

(लुण्टति/क्वा० लुण्टयति), १९. बुस्त

१०।६० उ० (बुस्तयति, ते), २०. अप,

अव+मान १०।२७० उ० (अपमान-

यति, ते/अवमानयति, ते/अपमानति, अव-

मानति), २१. सूक्ष्य १।३४१ प० (सूक्ष्य-

ति), २२. सिट १।१९८ प० (सेटति),

२३. परि+भू १।१ प० (परिभवति),

२४. अप+कृञ् ८।१० आ० (अपकुरुते),

२५. अव+धीर (नामधातु) उ० (अव-

धीरयति, ते) ।

अपान वायु छोड़ना = १. पदं ११२४ आ० (पदंते) ।

अप्रतिष्ठा करना = १. प्रतिसम् + ह्व् १६४० उ० (प्रतिसंहरति, ते), २. लुटि-लुण्ट ११२१६ प० (लुण्टति, क्वा० लुण्टयति) ।

अपराध करना = १. मन्त् १११२ उ० (मन्तूयति, ते), २. अप + राध ५११७ प० (अपराध्नोति) ३. अघ १०१३६६ प० (अघयति) ।

अपेक्षा करना = १. अप + ईक्ष ११४०५ आ० (अपेक्षते) ।

अभिनन्दन करना = १. अभि + नदि-नन्द ११५५ प० (अभिनन्दति) ।

अभिनय करना = १. अभि + नीञ् ११६४२ उ० (अभिनयति, ते), २. नट १०१२२४ उ० (नाटयति, ते) ।

अभिप्राय (सूचित करना) बताना = १. चुल्ल ११३८५ प० (चुल्लति), २. चुड्ड ११२३८ प० (चुड्डति) ।

अभिमान करना = १. अभि + मन ४१६५ आ० (अभिमन्यते), २. अभि + मनु ८१६ आ० (अभिमनुते), ३. गर्व १०१३२८ आ० (गर्वयते), ४. शौट्ट ११२७ प० (शौटति), ५. अभिनि + विश ६११३३ आ० (अभिनिविशते) ।

अभिनिवेश करना = १. अभिनि + विश ६११३३ आ० (अभिनिविशते) ।

अभिज्ञान करना = १. शंसु ११४८३ प० (शंसति) ।

अभ्यञ्जन करना = १. अभि + अञ्ज ७१२० प० (अभ्यनक्ति/क्व० अभ्यञ्क्ते)

२. मिदा ११४६५ आ० (मिदते) ४११२६ प० (मिद्यति) १०१८ पाठा० उ० (मिदयति, ते), ३. मिदि-मिन्द् १०१८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति) ।

अभ्यास करना (सीखना) = १. अभि + आस २१११ आ० (अभ्यास्ते), २. शिक्ष ११४०० आ० (शिक्षते), ३. शील १० क्वा० उ० (शीलयति, ते/शीलति) ।

अमानत रखना = १. सूद ११२० आ० (सूदते) १०११८६ उ० (सूदयति, ते) ।

अमानवी पराक्रम करना = १. वृष १०११७३ आ० (वर्षयते), २. पत्लू-पत् ११५८४ प० (पत्तति) ।

अमानवीय पराक्रम होना = १. इदि-इन्द् ११५१ प० (इन्दति), २. सु ११६७४ प० (सवति) २१३४ प० (सीति), ३. सुर ६१५१ प० (सुरति), ४. वृष १०११७३ आ० (वर्षयते) ।

अमानवी पराक्रम की सिद्धि के लिए आरम्भ करना } सिधु ४१८१ प० (सिध्यति) ।

अयथार्थ बोलना = १. श्वठ १०१२८२ अदन्त उ० (श्वठयति, ते) ।

अयथार्थ भाषण करना = १. श्वठ १०१२८२ अदन्त उ० (श्वठयति, ते) ।

अयोग्य रीति से वर्तना = १. फक्क ११८१ प० (फक्कति) ।

अयोग्य रीति से हंसना = १. कुस्म १०११८० आ० (ण्णि-कुस्मयते) ।

अयोग्य वचन बोलना = १. श्वठ १०१२८२ अदन्त उ० (श्वठयति, ते) ।

अरण्य पशु सा पुकारना = १. री ६१

३२ प० (रिणाति) ।

अर्क खींवना (निकालना) = १. शुच्य १।३४३ प० (शुचयति), २. सुञ् ५।१ उ० (सुनोति, सुनुते), ३. चुच्य १।३४३ प० (चुचयति) ।

अर्चा करना = १. स्तुञ् २।३६ उ० (स्तौति, स्तुते/वेदे-स्तवीति, स्तवीते), २. शील १।३५० प० (शीलति) ।

अर्जन करना = १. प्र+अर्थ १०। ३२६ आ० (प्रार्थयते/क्वा० प० प्रार्थयति) ।

अर्पण करना = १. प्रति+विद १०। १७७ प० (प्रतिवेदयति), २. यज १। ७२८ उ० (यजति, ते), ३. अभ्युन्+हृ-हर् १।६४० उ० (अभ्युद्धरति, ते) ।

अलग करना = १. वि+युजिर्-युञ् ७।७ उ० (वियुनक्ति, वियुङ्क्ते), २. भज १०।२०१ उ० (भाजयति, ते), ३. वि+शिष्णु ७।१४ प० (विशिनष्टि), ४. विजिर्-विज् ३।१२ प० (वेवेक्ति), ५. व्युष् ४।८, १०५ प० (व्युष्यति), ६. विविर्-विच् ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते), ७. मडि-मण्ड् १।१७२ आ० (मण्डते), ८. वटि-वण्ट् १०।३४८ उ० वण्टयति, ते/वण्टति) ।

अलग-अलग करना = १. विप्र+युजिर्-युञ् ७।७ उ० (विप्रयुनक्ति, विप्रयुङ्क्ते), २. वडि-वण्ड् १।१७१ आ० वण्डते १०।५५ उ० (वण्डयति, ते/वण्डति), ३. अप+कृ ६।११८ प० (अपकिरति), ४. वि+गृह् ६।६४ प० (विगृह्णाति), ५. कडि-कण्ड् १०।४६ उ० (कण्डयति, ते/शपि कण्डति), ६. रिच

१०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति), ७. वि+छिदिर्-छिद् ७।३ उ० (विच्छिनन्ति, विच्छिन्ते), ८. वट १०।३४६ उ० (वटयति, ते) ।

अलग खड़ा रहना = १. वि+स्था १।६६२ आ० (वितिष्ठते) ।

अलग-अलग जाना = १. वि+सृ १। ६६६ प० (विसरति) ३।१६ प० (विससति) ।

अलगाव होना = १. स्फुटिर्-स्फुट् १।२२१ प० (स्फोटति) ।

अलसाना = १. लुठि-लुण्ठ् १।२३५ प० (लुण्ठति), २. शुठ १०।११३ उ० (शोठयति, ते) ।

अलग-अलग होना = १. वि+छिदिर्-छिद् ७।३ उ० (विच्छिनन्ति, विच्छिन्ते), २. वि+रह् १।४८६ प० (विरहति) १०।६४ उ० (विराहयति, ते) १०।२८४ अदन्त उ० (विरहयति, ते), ३. विजिर्-विज् ३।१२ प० (वेवेक्ति), ४. विविर्-विच् ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते) ।

अलंकृत करना (संवारना) = १. अत्र+तसि-तंस् १०।१६८ उ० (अवतंसयति, ते), २. भूष १।४५६ प० (भूषति) १०।१६८ उ० (भूषयति, ते), ३. मकि-मङ्क १।७० आ० (मङ्कते), ४. मृजू १०।२७५ उ० (मार्जयति, ते), ५. मधि-मद्ध् १।६३ प० (मद्धति), ६. स्वन १।५५८ प० (स्वनति), ७. मडि-मण्ड् १।२१३ प० (मण्डति) १०।५७ उ० (मण्डयति, ते/मण्डति), ८. तसि-तंस् १०।१६८ उ० (तंसयति, ते), ९. राख् १। ८६ प० (राखति), १० रूप १।४५५

प० (रूपति), ११. ओख १।८६ प० (ओखति/प्र-ओखति), १२. उखि-उह्व १।८८ प० (उह्वति) ।

अल्प (कम) करना = १. कुञ्च-कुञ्च १।११३ प० (कुञ्चति/कुञ्चति) ।

अल्प भाषण करना = १. लट १।१६४ प० (लटति) ।

अल्प (कम, न्यून, परिमित) होना = १. सुट्ट १०।३१ उ० (सुट्टयति, ते), २. लिट ११।३६ प० (लिटयति), ३. लधि-लह्व १।६४ प० (लह्वति), ४. कुञ्च १।११३ प० (कुञ्चति), ५. हस १।४७२ प० (हसति), ६. क्रुञ्च १।११३ प० (क्रुञ्चति), ७. चुटि-चुण्ट १।२१६ पाठा० प० (चुण्टति) ।

अवधि के बाद जन्म लेना = १. खव ६।६२ प० (खौनाति), २. खच १ क्वा० प० (खचति) — ६।६१ प० (खच्नाति) ।

अवयव रूप से सटकर रहना = १. सट १।२०६ प० (सटति) ।

अवयव होना = १. सट १।२०६ प० (सटति), २. बिदि-बिन्द १।५२ (बिन्दति) ।

अवरोध करना = १. यम १।७१० प० (यच्छति), २. स्पश १।६२७ प० (स्पशति), ३. स्तभि-स्तम्भ १।२७१ आ० (स्तम्भते), ४. स्तुभु १।२७८ प० (स्तोभति) ।

अवज्ञा (अनादर) करना = १. तृदि-तृद् ७।८ उ० तृणति, तृन्ते । १ क्वा० प० (तर्दति) ।

अशक्त करना = १. शार १०।२६३ पाठा० प० (शारयति), २ कूप १० क्वा०

प० (कूपयति) ।

अशक्त होना = १. शार १०।२६३ पाठा० प० (शारयति), २. कूप १० क्वा० प० कूपयति ।

अशान्त चित्त होना = १. वि + सद्लू १।५६३, ६।१३६ प० (विषीदति) ।

अशुद्ध करना = १. अक्ष १०।१३० पाठा० उ० अक्षयति, ते) ।

अशुद्ध बोलना = १. म्लक्ष १०।१३० उ० म्लक्षयति, ते), २. अछ १०।१३० उ० (अच्छयति, ते), ३. म्लेच्छ १।१२१ प० (म्लेच्छति १०।१३१ उ० म्लेच्छयति, ते) ।

असहिष्णु होना = १. चीक १०।२५४ उ० (चीकयति, ते/चीकति) ।

असावधान रहना = १. युछ १।१२६ प० (युच्छति) ।

असंस्कृत रखना = १. इवठ, इवठि-इवण् १०।३३ उ० (इवाठयति, ते/इवण्ठयति, ते) ।

असंबद्ध बोलना (भाषण करना) = १. म्लक्ष १०।१३० उ० (म्लक्षयति, ते); २. म्लेच्छ १।१२१ प० (म्लेच्छति) — १०।१३१ उ० (म्लेच्छयति, ते) ।

अस्त (असित) होना = १. अभिनि + म्लुच् म्लुञ्चु १।११६ प० (अभिनिम्लोचति/अभिनिम्लुञ्चति), २. अस्त १०।८४ प० (अस्तयति) ।

अस्थिर होना = १. अमु ४।६५ प० आम्यति/भ्रमति) ।

अस्पष्ट बोलना = १. गुजि-गुञ्ज १।११६ प० (गुञ्जति), २. क्लप १०।१२७ उ० (क्लपयति, ते), ३. अञ्चु-अञ्च् १।६०२ उ० (अञ्चति, ते), ४. म्लेच्छ

१।१२१ प० (म्लेच्छति)—१०।१३१
उ० (म्लेच्छयति, ते), ५. अचि-अञ्च्
६।६०४ उ० (अञ्चति, ते), ६. कुङ्
१।६८२ आ० (कवते), ६।११२ आ०
(कुवते)—६ क्व० उ० (कुनाति,
कुनीते) ।

अस्पष्ट शब्द करना (बोलना) =
१. हिकका १।६०१ उ० (हिककति, ते)
२. मण १।३०३ प० (मणति), ३. क्षिद १
क्वा० प० (क्षेदति), ४. क्लेश १।४०२
(आ० क्लेशते), ५. कल्ल १।३३५ आ०
(कल्लते), ६. क्षीज् १।१४६ प०
(क्षीजति), ७. ह्लाद १।२१ आ० (ह्लादते),
८. कुजि-कुञ्ज् १।११६ पाठा० प०
(कुञ्जति), ९. गुड् १।६८०, ८२ आ०
(गवते), १०. गुज १।११६ प० (गोजति),
११. क्वा० क्षिवदा १।४६७ आ० (क्षेदते)-
४।१३० प० (क्षिवद्यति), १२. कूज १।१३३
प० (कूजति), १३. रेष् १।४२३ आ०
(रेषते), १४. क्षिवड १ क्वा० प० (क्षे-

डति), १५. शिजि-शिञ्ज् २।१६ आ०
(शिङ्कते) ।

अस्पष्ट (मालूम न हो ऐसा)
करना = १. कूट १०।१७० पाठा० आ०
(कूटयते) ।

अस्पष्ट ध्वनि करना = १. स्विदा
१।७०५ प० (स्वेदति) ।

अहंकार करना = १. शौट् १।१८७
प० (शौटति) ।

अंकुर उत्पन्न होना = १. प्र + रुह
१।५६८ प० (प्ररोहति) ।

अंग घोना = १. वाड् १।१८४ आ०
(वाडते) ।

अंगीकार (स्वीकार) करना =
१. अभ्युप् + इण् २।३८ प० (अभ्युपेति),
२. प्रति + गृह् ६।६४ प० (प्रति-गृह्णाति),
३. आ + धाञ् ३।१० उ० (आदधाति,
आवत्ते), ४. सम् + ज्ञा ६।४० उ०
(सञ्जानाति, सञ्जानीते) ।

आ

आकलन करना = १. नि + यम
१।७१० प० (नियच्छति) ।

आकर्षण करना (खींचना) = १. प्र,
सम् + लृभ् ४।१२५ प० (प्रलुभ्यति,
संलुभ्यति), २. आ + कृप १।७१६ प०
(आकर्षति)—६।६ उ० (आकृपति, ते),
३. चूर्ण १०।११० उ० (चूर्णयति, ते),
४. आ + क्षिप ६।५ उ० (आक्षिपति, ते),
५. सम् + क्षिप ६।५ उ० (संक्षिपति, ते),

६. नि + यम १।७१० प० (नियच्छति) ।

आक्रमण करना = १. वेवीड् २।७०
आ० (वेवीते), २. वी २।४१ प० (वेति) ।

आकार बदलना = १. मसी ४।१११
प० (मस्यति) ।

आकार बनाना = १. रूप १०।३६०
उ० (रूपयति, ते) ।

आकाश में उड़ जाना = १. डीङ्
१।६६५ आ० (डयते)—४।२५ (डीयते) ।

आकाश से उतरना=१. अव+
डीङ् १।६६५ आ० (अवड्यते)-४।२५
(अवडीयते) ।

आकुञ्चित करना (समेटना)=
१. कुच ६।७७ प० (कुचति/आ-आकु-
चति), २. सम्+कृष् १।७१६ प०
(संक्रुषति)-६।६ उ० (संक्रुषति, ते),
३. कुच १।५६६ प० (कोचति) ।

आकुञ्चित होना=१. आ+कुञ्च
१।११३ प० (आकुञ्चति), २. कुच
६।७७ प० (कुचति/आ-आकुचति),
३. कुच १।५६६ प० (कोचति) ।

आकृति से वक्र होना=१. हृच्छा
१।१२६ प० (हृच्छति) ।

आक्रोश करना=१. दिव् १०।१७५
आ० (देवयते), २. हिट १।२११ प०
(हेटति), ३. बिट १।२१० प० (बेटति) ।

आग लगाना=१. ध्मा १।६६१
प० (धमति) ।

आग सुलगाना=१. ध्मा १।६६१
प० (धमति) ।

आगे आना=१. प्र+सृ १।६६६ प०
(प्रसरति)-३।१६ प० (प्रससति) ।

आगे जाना=१. सम्प्र+स्था १।६६२
आ० (सम्प्रतिष्ठते), २. प्र+सृ १।६६६
प० (प्रसरति)-३।१६ प० (प्रससति),
३. प्र+स्था १।६६२ आ० (प्रतिष्ठते),
४. परि+वृत् १।५०८ आ० (परिवर्तते),
५. निर्+गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (निर्ग-
च्छति), ६. घृ २।३३ प० (घौति),
७. निस्+क्रमु १।३१६ प० (निष्क्रामति,
निष्क्राम्यति), ८. सन्नि+पत्लृ-पत्
१।५८४ प० (सन्निपतति), ९. निर्+या

२।४२ प० (निर्याति) ।

आगे रखना=१. उप+ढौकृ १।७४
आ० (उपढौकते) ।

आग्रह करना=१. येष् १।४११
पाठा० आ० (येषते) ।

आग्राह करना=१. शिधि-शिङ्घ
१।६५ प० (शिङ्घति) ।

आचमन करना=१. उप+स्पृश
६।१३१ प० (उपस्पृशति), २. आ+चमु
१।३१७ प० (आचमति) ।

आचरण करना=१. समा+स्था
१।६६२ आ० (समातिष्ठते), २. प्र+चर
१।३७६ प० (प्रचरति), ३. चर १।३७६
प० (चरति) ।

आच्छादन करना (छिपाना,
ढांपना)--१. अपि+धाञ् ३।१० उ०
(अपिदधाति, अपिधत्ते), २. ब्रुड ६।१०२
प० (ब्रुडति), ३. व्ली ६।३४ प०
(व्लिनाति, व्लीनाति), ४. खट्ट १०।
१०० उ० (खट्टयति, ते), ५. वृञ् १।
३६६ आ० (वृञ्ते), ६. ऊर्णुञ् २।३२
उ० (ऊर्णुति-ऊर्णोति, ऊर्णुते), ७. व्येञ्
१।७३३ उ० (व्ययति, ते), ८. वृश ४।११६
प० (वृश्यति), ९. पुड ६।६३ प०
(पुडति), १०. सगे १।५३८ प०
(सगति), ११. अप, परि+वृञ् ५।८ उ०
(अपवृणोति, अपवृणुते/परिवृणोति,
परिवृणुते), १२. व्री ६।३१ प०
(व्रीणाति-व्रीणाति) १३. व्रीङ् ४।३०
आ० (व्रीयते) ।

आच्छादित करना (ढकना)=१. तक्ष
१।४४६ प० (तक्षति), २. अप+जा ६।४०
उ० (अपजानाति, अपजानीते), ३. छद

१०।२४८ उ० छादयति, ते), ४. आ+
 छद १०।२४८ उ० (आच्छादयति, ते),
 ५. दवृ क्षीर० १।६६६ प० (द्वरति),
 ६. थुड ६।६५ प० (थुडति), ७. स्फुड
 ६।१०२ प० (स्फुडति), ८. स्फिट १०।
 ४१ पाठ० उ० (स्फेटयति, ते) ९. स्कुञ्
 ६।६ उ० (स्कृनाति, स्कुनीते), १०. ऋच
 ६।१६ प० (ऋचति), ११. ह्णगे १।५३६
 प० (ह्णगति), १२. खद १ क्वा० प०
 (खादयति), १३. वल्ह १।४२६ आ०
 (वल्हते), १४. निवास १०।३१० उ०
 निवासयति, ते), १५. भ्रुड ६।१० प०
 (भ्रुडति), १६. वृञ् १०।२३७ उ०
 (वारयति, ते/वरति), १७. वृ १।६६८ प०
 (वरति), १८. वृ १।६६८ प० (वरति),
 १९. स्तृञ् ६।१३ उ० (स्तृणाति, स्तृ-
 णीते), २०. स्तृञ् ५।६ उ० (स्तृणोति,
 स्तृणुते), २१. स्तगे १।५३६ प० (स्त-
 गति), २२. हुल १।५८४ प० (होलति),
 २३. कुञ्जि-कुम्ब् १।२६० प० (कुम्बति)-
 १०।१२३ उ० (कुम्बयति, ते), २४.
 कुञ्जि-कुम्ब् १०।१२४ उ० (कुम्बयति,
 ते) २५. त्वच् ६।१८ प० (त्वचति),
 २६. बल १।३३० आ० (शलते), २७.
 कूल १।३५२ प० (कूलति), २८. वहँ
 १।४२६ आ० (वहँते), २९. बल १।१३१
 आ० (बलते), ३०. बल १।३३१ आ०
 (बलते), ३१. ह्णगे १।५३६ प०
 (ह्णगति), ३२. तुत्थ १०।३६६ उ०
 तुत्थयति, ते), ३३. बिल ६।६८ प०
 (बिलति) ।

आड़े आना=१. रूठ १।२८८ क्वा०
 आ० (रोठते) ।

आतिथ्य पूजन (सत्कार, सम्मान)
 करना=१. खर्ज १।१३८ प० (खर्जति) ।

आत्म प्रशंसा करना=१. रिह ६।
 २४ प० (रिहति), २. रिफ ६।२३ प०
 (रिफति) ।

आत्म-निग्रह करना=१. दीक्ष १।
 ४०४ आ० (दीक्षते) ।

आत्म श्लाघा करना=१. स्तोम
 १०।३५१ उ० (स्तोमयति, ते), २. शल्भ
 १।२७३ आ० (शलभते) ।

आत्म स्तुति करना=१. श्लाघृ १।
 ८० आ० (श्लाघते), २. शीमृ २।२६७
 आ० (शीभते), ३. रिफ ६।२३ प०
 (रिफति) ।

आदत्त होना=१. शील १० क्वा०
 उ० (शीलयति, ते/शीलति) ।

आदर न करना=१. सूर्क्ष १।४४८
 उ० (सूर्क्षति, ते) ।

आदर मान देना (सत्कार करना) =
 १. बुस्त १०।६० उ० (बुस्तयति, ते),
 २. अचु-अच् १।६०३ उ० (अचति, ते),
 ३. सूर्क्ष १।४४८ उ० (सूर्क्षति, ते), ४.
 आदृङ् ६।१२० आ० (आद्रियते) ।

आदेश देना=१. दीक्षा १।४०४
 आ० (दीक्षते) ।

आधार बनाना=१. धीङ् ४।२६
 आ० (धीयते) ।

आनन्द (मनोरंजन) करना=१
 मदि-मन्द १।१२ आ० (मन्दते), २. पृड
 ६।४० प० (पृडति), ३. पृण ६।४१ प०
 (पृणति), ४. रुच १।४६८ आ० (रोचते),
 ५. वात १०।३०७ उ० (वातयति, ते),
 ६. वृण ६।४२ प० (वृणति), ७. दिव्

४।१ प० (दीव्यति), न. क्रथ १० क्वा० प० (क्रथयति) ।

आनन्द (प्रसन्न) होना = १. दिव् ४।१ प० (दीव्यति) ।

आनन्दानुभव करना = १. सुख १०।३५७ उ० (सुखयति, ते) ।

आनन्दित (प्रसन्न) करना = १. तूष १।४५२ प० (तूषति), २. ऋधु ४।१३१ प० (ऋधयति) ५।२४ (ऋध्नोति), ३. जप १०।६० उ० (ज्ञापयति, ते), ४. अय १।३६६ प० (अयति), ५. सुख १०।३५७ उ० (सुखयति, ते) । ६. स्मृ ५।१४ प० (स्मृणोति), ७. पूरी ४।४२ आ० (पूर्यते) १०।२२६ उ० पूरयति, ते) ।

आनन्दित (प्रसन्न) होना = १. मुद १।१५ आ० (मोदते), २. रभ १।७०१ आ० (रभते आ-आरभते), ३. उत् + लम् १।४७३ प० (उल्लसति), ४. दृष ४।८५ प० (दृष्यति), ५. आ + नदि-नन्द १।५५ प० (आनन्दति), ६. उत् + सह १।५६१ आ० (उत्सहते) - १०।२३३ उ० (उत्साहयति, ते/उत्सहति, ते), ७. स्वर्द १।१७ आ० (स्वर्दते), न. प्र + सद् लृ १।५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति), ६. मडि-मण्ड् १।२१३ प० (मण्डति) - १०।५७ उ० (मण्डयति, ते/मण्डति) ।

आनन्द पाना = १. चदि-चन्द् १।५६ प० (चन्दति), २. जिवि-जिन्व १।३६२ प० (जिन्वति), ३. नदि-नन्द १।५५ प० (नन्दति) ।

आनन्द प्रकट करना = १. द्रक् १।६४ आ० (द्रक्ते) ।

आनन्द (खुशी) से जाना = १. सु + गम्लृ-गच्छ् १।७०६ प० (सुगच्छति) ।

आना = १. आ + गम्लृ-गच्छ् १।७०६ प० (आगच्छति), २. अनु + पद ४।५८ आ० (अनुपद्यते) - १०।३२० अदन्त आ० (अनुपदयते), ३. प्रेष १।४१२ आ० (प्रेषते), ४. लिश ६।१३० प० (लिशति), ५. आ + या २।४२ प० (आयाति/समा-समायाति, ६. वि + सू १।६६६ प० (विसरति) - ३।१६ प० विससति) ।

आपद्ग्रस्त होना = १. स्वर्त १०।७४ क्षीर० उ० (स्वर्तयति, ते), २. विजी ६।६ आ० (विजते/उद्-उद्विजते), ३. ७।२२ (विनक्ति), ४. वन १।३१२, १३ प० (वनति/क्वा० वनयति) ।

आमन्त्रण करना (बुलाना) = १. संकेत १०।३१६ उ० (संकेतयति, ते), २. गुर्द १०।१३५ उ० (गुर्दयति, ते), ३. पुर्व १०।१३५ उ० (पूर्वयति, ते), ४. नि + मन्त्रि-मन्त्र् १०।१४६ आ० (निमन्त्रयते/निमन्त्रति) ।

आरती करना = १. निर् + राज् १।५६६ आ० (नीराजते) ।

आरम्भ करना = १. अधि-अङ्घ्र १।७६ आ० (अङ्घ्रते) ।

आराधना करना = १. आ + राध् ५।१७ प० (आराध्नोति), २. यक्ष १०।१६१ उ० (यक्षयति, ते) ।

आराम करना = १. सम् + विश् ६।१३३ आ० (संविशते), २. अभिनि + विश् ६।१३३ आ० (अभिनिविशते), ३. वि, आ, उप रमु १।५६२ प० (विरमति,

आरमति, उपरमति) ।

आरूढहोना=१. आ+रूह १।५६८ प० (आरोहति) ।

आरे से काटना=१. अरर् ११।१७ प० (अरर्यति) ।

आरोहण करना=१. अधि+रूह १।५६८ प० (अधिरोहति) ।

आर्द्र (गीला) करना=१. सच्च १।६७ आ० (सच्चते), २. मृधु १।६१३ उ० (मर्द्धति, ते) ।

आर्द्र (गीला) होना=१. वनूयी १।३२६ आ० (वनूयते), २. क्लिद् ४।१२८ प० (क्लिद्यति), ३. शुचिर्-शुच् ४।५४ उ० (शुच्यति, ते), ४. शृधु १।६१३ उ० (शर्धति, ते), ५. तीम ४।१७ प० (तीम्यति), ६. तिम ४।१७ प० (तिम्यति), ७. उन्दी-उन्द ७।१६ प० (उनत्ति) ।

आलस्य करना=१. शूठ १०।११३ उ० (शोठयति, ते), २. रुठि-रुण्ठ १।२३७ प० (रुण्ठति) ।

आलाप करना=१. आ+लप १।२८५ प० (आलपति) ।

आलिङ्गन करना=१. आ+लिगि-लिङ्ग १।८८ प० (आलिङ्गति), २. लुट ६।८६ प० (लुटति), ३. पुट ६।७६ प० (पुटति)-१०।३३३ उ० (पुटयति, ते), ४. पैणू १।३०६ प० (पैणति), ५. उप+स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते), ६. सञ्ज १।७१३ प० (सजति), ७. श्लिष ४।७५ प० (श्लिष्यति)-१०।४३ उ० (श्लेषयति, ते), ८. स्वञ्ज १।७०३ आ० (स्वञ्जते),

९. लस १।४७३ प० (लसति), १०. अक्व १।३६६ प० (अक्वति) ११. परि+रभि-रम्भ् १।२७० आ० (परिरभ्यते) ।

आवाज (शब्द) करना=१. खुड् १।६८२ आ० (खवते), २. ह्रस १।४७२ प० (ह्रसति), ३. ह्वेच् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते) ४. ह्रस् १।४७२ प० (ह्रसति), ५. स्वृ १।१६६ प० (स्वरति), ६. स्यमु १।५७१ प० (स्यमति), ७. स्त्यू १।६५० प० (स्तूयति), ८. मज क्षीर० १।१५६ प० (मजति), ९. वनूयी १।३२६ आ० (वनूयते), १०. वाशृ ४।५२ आ० (वाश्यते), ११. स्तन १।३१२ प० (स्तनति), १२. स्वन १।५७१ प० (स्वनति), १३. स्वर १०।२८८ उ० (स्वरयति, ते), १४. ह्य १।३४२ प० (ह्यति) १५. लचि-लम्ब् १।२६२, १३ आ० (लम्बते), १६. घुड् १।६८२ आ० (घवते), १७. व्रण १।३०३ प० (व्रणति) १८. रभि-रम्भ् १।२७० आ० (रम्भते), १९. रस १।४७२ प० (रसति), २०. लेपृ १।२५८ आ० (लेपते), २१. रण १।३०३, ५३६ प० (रणति), २२. द्रेक् १।६४ आ० (द्रेकते), २३. मुज, मुजि-मुञ्ज् १।१५२ प० (मोजति, मुञ्जति), २४. मीमृ १।३१५, १६ प० (मीमति), २५. तुस् १।४७२ प० (तोसति), २६. रु २।२८ प० (रोति), २७. मिश १।४७८ प० (मिशति) ।

आवृत करना=१. परि+वृनु १।५०८ आ० (परिवर्तते) ।

आशा करना=१. लुभ ४।१२३ प० (लुभ्यति), २. आ+शामु २।१२ आ० (आशास्ते), ३. वर १०।२८० उ० (वर-

यति, ते), ४. भ्रूण १०१५६ आ० (भ्रूणयते), ५. गर्ध १०१३४ उ० (गर्धयति, ते) ।

आशीर्वाद देना=१. श्वठ १०१२८२ अदन्त उ० (श्वठयति, ते), २. आ+शासु २११२ आ० (आशास्ते), ३. नाथू ११६ आ० (नाधते), ४. नाघू ११६ आ० (नाघते) ।

आशंका करना=१. वि+कित ११७१६ प० (सनि+विचिकित्सति) ।

आश्चर्य करना=१. पूर्व १०१३५ प० (पूर्वयति), २. वि+स्मिञ् ११६७६ आ० (विस्मयते), ३. कुह १०१२२३ आ० (कुहयते), ४. चित्र १०१३४४ उ० (चित्रयति, ते) ।

आश्चर्य से देखना=१. चित्र १०१३४४ उ० (चित्रयति, ते) ।

आश्रय करना=१. अव+लबिलम्ब ११२६२, ६३ आ० (अवलम्बते), २. आ+श्रिञ् ११६३८ उ० (आश्रयति, ते) ।

आश्रय देना=१. श्री ११३८ प० (श्रीणाति, भ्रिणाति), २. वृ १११६ उ० (वृणाति, वृणीते) ३. तनु १०१२६६ उ० (तानयति, ते/तनति), ४. अव+लबिलम्ब ११२६२, ६३ आ० (अवलम्बते), ५. वि+भू १११ प० (विभवति) ।

आश्वसन करना=१. आ+श्वस २१६२ प० (आश्वसति) ।

आसन से उठना=१. प्रोत्+स्था ११६६२ आ० (प्रोत्तिष्ठते), २. उत्+स्था ११६६२ प० (उत्तिष्ठति) ।

आसक्त होना=१. आ+सञ्ज ११७१३ प० (आसजति) ।

आहुति देना=१. दाशू ११६२२ उ० (दाशति, ते)-क्षीर० १०१२५ आ० (दाशयते) ।

आज्ञा (हुक्म) करना=१. कस २११५ आ (कस्ते), २. कसि-कस् २११४ आ० (कस्ते), ३. व्यव+स्था ११६६२ आ० (व्यवतिष्ठते), ४. वर्ण १०११६, २० (वर्णयति, ते), ५. शासु २१६८ प० (शासित), ६. अनु+ज्ञा ११४० उ० (अनुजानाति, अनुजानीते), ७. आ+ज्ञा १०१२०० उ० (आज्ञापयति, ते), ८. दिश ६१३ उ० (दिशति, ते), ९. आ+दिश ६१३ उ० (आदिशति, ते), १०. यत् १०१२०३ (यातयति, ते) ११. सिधू ११३८ प० (सेधति), १२. क्षीर० १०१२१ उ० (दाभयति, ते), १३. दभि-दम्भ् क्षीर० १०१२१ उ० (दम्भयति, ते), १४. वि+घ्राञ् ३११० उ० (विदधाति, विघत्ते), १५. पैण्टू ११३०६ प० (पैणति), १६. नि+युजिर्-युञ् ७१७ उ० (नियुनक्ति, नियुङ्क्ते)

आज्ञा (हुक्म) मानना=१. अव ११३६६ प० (अवति) ।

आज्ञा भंग करना=१. अति+चर् ११३७६ प० (अतिचरति), २. उदा+चर ११३७६ आ० (उदाचरते), ३. अति+वृत् ११५०८ आ० (अतिवर्तते) ४. व्या+क्रमु ११३१६ आ० (व्याक्रमते, व्याक्रम्यते), ५. उत्+क्रमु ११३१६ प० (उत्क्रामति, उत्क्राम्यति) ।

आंख खोलना=१. उत्+मिषु
१।४६५ प० (उन्मेषति) ।

आंखें भौंचना=१. इमील १।३४७
प० (इमीलति) ।

आंखें मूंदना=१. कण १०।१८४
उ० (कणयति, ते), २. अन्ध १०।३५३
उ० (अन्धयति, ते), ३. मील १।३४७

प० (मीलति) ।

आञ्जना=१. मिदि-मिन्द १०।८
उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति), २. मिदा
१।४६५ आ० (मेदते)—४।१२६ प०
(मेद्यति)—१०।८ पाठा० उ० (मेदयति,
ते) ।

इ

इकट्टा करना=१. स्तै १।६५७ प०
(स्नायति), २. मेवृ १।६१० उ० (मेथति,
ते), ३. मेवृ १।६११ उ० (मेघति, ते) ।

इकट्टा होना=ग्राम १०।३१६ उ०
(ग्रामयति, ते) ।

इच्छा करना, चाहना=१. तमु
४।६२ य० (ताम्यति), २. हर्य १।३४४
प० (हर्यति), ३. इषु—इच्छ ६।६१ प०
(इच्छति) ४. आ+शासि १।४१६ आ०
(आशांसते), ५. ई २।४१ प० (एति),

६. सम्+ईह १।४२१ आ० (समीहते),
७. तृष ४।११८ प० (तृष्यति) ८.

ध्वाक्षि—ध्वाङ्क्ष १।४५० प० (ध्वाङ्-
क्षति), ९. लष १।६२८ उ० (लषति, ते),

१०. लल १०।१५६ आ० (लालयते),

११. वर १०।२८० उ० (वरयति, ते),

१२. द्राक्षि—द्राङ्क्ष १।४५० प०
(द्राङ्क्षति), १३. अभि+मन ४।६५

आ० (अभिमन्यते), १४. अभि+मनु ८।६

आ० (अभिमनुते), १५. वश २।७२ प०

(वष्टि), १६. वेवीङ् २।७० आ०

(वेवीते), १७. स्पृह १०।२६४ अदन्त उ०
(स्पृहयति, ते), १८. वाङ्नि—वाङ्भ्
१।४४६ प० (वाङ्भति), १९. वाङ्छि—
वाङ्छ् १।१२३ प० (वाङ्छति), २०. वी
२।४१ प० (वेति) ।

इच्छितार्थ पाना=१. सम्+सद्लु
१।५६३, ६।१३६ प० (संसीदति),
२. समा+सद्लु १।५६३, ६।१३६ प०
(समासीदति), ३. अक्षू—अक्ष् १।४३७
प० (अक्षति/अक्षणीति) ।

(इधर-उधर) घूमना=अमु १।५८६
प० (अमति/अम्यति) ।

इनाम देना=दय १।३२२ आ०
(दयते) ।

इन्द्रिय का बल घट जाना=ऋछ
६।१५ प० (ऋच्छति) ।

इन्द्रिय दमनपूर्वक ध्यान रखना=
प्रत्या+हृज् १।६४० उ० (प्रत्याहरति,
ते) ।

इशारा करना=चुड्ड १।२३८ प०
(चुड्डति) ।

इष्टार्थं सिद्ध होना = गम्लू - गच्छ
१।७०६ प० (गच्छति) ।

ईश्वरी शक्ति होना = इदि-इन्द
१।५१ प० (इन्दति) ।

ईर्ष्या करना = १. ईर्ष्यं १।३४१ प०

(ईर्ष्यति), २. ईर्ष्यं १।३४१ प० (ईर्ष्यति),
३. इरस १।१८ प० (इरस्यति), ४. इरज
१।१८ प० (इरज्यति), ५. इरञ्-इर्
१।१८ उ० (ईर्ष्यति, ते) ।

उ

उगना = १. कुह १।३२३ आ०
(कुहयते), २. प्र+रुह १।५६८ प०
(प्ररोहति) ३. उत्+इ १।२१५ प०
(उदयति), ४. उत्+इण् २।३८ प०
(उदेति), ५. आ+क्रमु १।३१६ आ०
(आक्रमते, आक्रम्यते) ।

उघाड़ना = १. व्या+दाण्-यच्छ
१।६६४ प० (व्यायच्छति) २. व्या+
दान् ३।६ उ० (व्याददाति, व्याददते) ।

उचकना = दुल १।६७ उ० (दोल-
यति, ते) ।

उच्चाटन करना = उत्+चट
१।१६० उ० (उच्चाटयति, ते) ।

उच्चारण करना = १. उत्+चर्
१।३७६ प० (उच्चरति) २. अभिव्या+
हृञ् १।६४० उ० (अभिव्याहरति, ते) ।

उच्छेद करना = नक्क १।०६२ उ०
(नक्कयति, ते) ।

उजाला करना = दृप १।०२४५ उ०
(दर्पयति, ते/दर्पति) ।

उज्वल होना = पिश ६।१४६ प०
(पिशति) ।

उज्ज्वल करना = १. शिल ६।७२ प०
(शिलति) २ उच्चि-उज्ज १।१३०, ६।१३

प० (उज्जति) ।

उठ खड़ा रहना = समुत्+स्था
१।६६२ आ० (समुत्तिष्ठते) ।

उठाना = १. बृह ६।५६ प० (बृहति)
२. उत्+कृष १।७१६ प० (उत्कर्षति);
६।६ उ० (उत्कृषति, ते), ३. उत्+क्षिप
५।६ उ० (उत्क्षिपति, ते) ।

उठाना, फेंकना = व्ली ६।३४ प०
(व्लिनाति, व्लीनाति) दुल १।०६७ उ०
(दोलयति, ते) ।

उड़ना = १. प्लुङ् १।६८४ आ०
(प्लवते), २. मुठि-मुण् १।१६४ आ०
(मुण्ठते) ।

उड़ाना = १. विस ४।१०७ प०
(विस्यति) २. विल १।०७२ उ० (विल-
यति, ते) ३. विस ४।१०७ प० (विस्यति);
४. विल १।०७३ उ० (विलयति, ते),
५. उलडि-उलण्ड् १।०६ पाठा० उ०
(उलण्डयति, ते), ६. किल प० १० क्वा०
(केलयति), ७. उड़ाना, फेंकना = कल
१।०७२ उ० (कलयति, ते) ८. ई २।४१
प० (एति), ९. अप+कृ ६।११८ प०
(अपकिरति), १०. लाभ १।०३६३ प०
(लाभयति), ११. पिल क्षीर० १।०५६

उ० (पेलयति, ते), १२. स्कुञ् १।६ उ० (स्कुनाति, स्कुनीते) १३. वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते), १४. पथ १०।२३ उ० (पाथयति, ते), १५. सू ६।११७ प० (सुवति) ।

उड़ जाना=१. द्रा २।४७ प० (द्राति), २. मुठि-मुण्ठ् १।१६४ आ० (मुण्ठते), ३. समभि + वृत् १।५०८ आ० (समभिवर्तते) ।

उड़कर जाना=रेव् १।३३६ आ० (रेवते) ।

उड़ा देना=तमु ४।१०२ प० (तस्यति) ।

उतरना=१. अरु + रुह १।५६८ प० (अदरोहति) २. अभि, अरु + पल्लु-पत् १।५८५ प० (अभिपतति/अरुपतति), ३. अरु + तृ १।६६६ प० (अरुतरति); ४. आ + धावु १।३६७ उ० (आधावति, ते) ।

उत्तम दशा को प्राप्त होना=प्र + सद्ल् १।५६३, ६।१३६. प० (प्रसीदति) ।

उत्तम प्रकार से आदर-सत्कार करना=सम् + पूज् १०।१११ उ० (संपूजयति, ते) ।

उत्तर की ओर झुकना, जाना=उद् + अञ्चि-अञ्च् १।६०४ उ० (उदञ्चति, ते) ।

उत्तर जवाब देना=१. उत् + तृ १।६६६ प० (उत्तरति) २. उपस् + कृञ् ८।१० प० (उपस्करोति), ३. प्रति + भण् १।३०३ प० (प्रतिभणति), ४. प्रति + वद १।७३५ प० (प्रतिवदति) ।

उत्तेजन करना=१. उत् + कृष १।७१६ प० (उत्कर्षति), २. ६।६ उ० (उत्कृषति, ते) ।

उतावला होना=चीक १०।२५४ उ० (चीकयति, ते/चीकति) ।

उत्कण्ठा पूर्वक यत्न करना=जेह् १।४२८ आ० (जेहते) ।

उत्कण्ठा पूर्वक स्मरण करना=सम् + ज्ञा १।४० उ० (सञ्जानाति, सञ्जानीते) ।

उत्कृष्ट होना=परि, सम् + पुष् १।४६६ प० (परिपोषति, सम्पोषति)-४।७१ (परिपुष्यति, संपुष्यति)-१।५६ प० (परिपुष्णाति, सम्पुष्णाति) ।

उत्कण्ठित होना=१. उत् + कठि-कण्ठ् १०।३७४ उ० (उत्कण्ठयति, ते/शपि उत्कण्ठति) २. तृष ४।११८ प० (तृष्यति), ३. मठि-मण्ठ् १।१६३ आ० (मण्ठते), ४. कठि-कण्ठ् १०।१७४ उ० (कण्ठयति, ते/शपि कण्ठति) ।

उत्पत्ति (उत्पादन) कर देना=१. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते) ।

उत्पन्न (पैदा) करना=१. वि + अञ्ज् ७।२० प० (व्यनक्ति), २. जन णिचि ४।४० आ० (जनयते), ३. सु १।६७४ प० (सवति, प्र-प्रसवति-२।३४ प० (सौति/प्र-प्रसौति), ४. वप १।७२६ उ० (वपति, ते), ५. सूङ् २।२४ आ० (सूते)-४।२२ आ० (सूयते), ६. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते), ७. शुल्ब १०।७८ प० (शुल्बयति), ८. फल १।३५७ प० (फलति), ९. हेठ १।६३ प० (हेठ-

नाति) १०. शूष १।४५६ प० (शूषति),
११. अनु + पद ४।५८ आ० (अनुपद्यते)
१०।३२० (अनुपद्यते)।

उत्पन्न(पैदा) होना = १. उत् + पद
४।५८ आ० (उत्पद्यते), १०।३२० आ०
अदन्त (उत्पद्यते), २. नि + धाञ् ३।१०
उ० (निदधाति, निधत्ते), ३. जन ३।२२
प० (जजन्ति), ४. जनी ४।४० आ०
(जायते), ५. भू १।१ प० (भवति/सम्-
सभवति), (उत्-उद्भवति), ६. रुह
१।५६८ प० (रोहति)।

उत्साह करना = १. रुच १।४६८
आ० (रोचते), २. वृण ६।४२ प०
(वृणति)।

उत्साहित होना = १. उत् + सह
१।५६१ आ० (उत्सहते), १०।२३३ उ०
(उत्साहयति, ते/उत्सहति, ते)।

उदास होना = १. शट १।१६५ प०
(शटति)।

उदाहरण पूर्वक कहना = उदा +
हृञ् १।६४० उ० (उदाहरति, ते)।

उद्घाटन करना = उद् + घट
१०।१६१ उ० (उद्घाटयति, ते)।

उद्धार करना = १. उत् + हृञ् १।
६४० उ० (उद्धारति, ते)।

उद्धृत करना (ऊपर उठाना) = १.
अव + कृष १।७१६ प० (अवकर्षति/उत्-
उत्कर्षति) ६।६ उ० (अवकृषति, ते/उत्-
उत्कृषति, ते)।

उद्यम (प्रयत्न) करना = १. अड १।
२४७, प० (अडति/क्व० अड्नाति)
२. त्रिदि-त्रन्द १।५७, प० (त्रन्दति)।

उद्यम में निमग्न रहना = १. त्रिदि-
त्रन्द १।५७, प० (त्रन्दति)।

उद्योग करना = १. बृह् ६।५६ प०
(बृहति), २. यती १।२५ आ० (यतते),
३. अर्ज १०।१६४ उ० (अर्जयति, ते),
४. पण १।२६८ आ० (पणते), ५. उत् +
सह १।५६१ आ० (उत्सहते), १०।२३३
उ० (उत्साहयति, ते/उत्सहति, ते), ६. वनु
१।५४४ उ० (विणच् (वनयति, ते), ७.
प्र + वृत् १।५०८ आ० (प्रवर्तते), ८.
व्यव + सिञ् ५।२ उ० (व्यवसिनोति,
व्यवसिनुते), ६।५ उ० (व्यवसिनाति,
व्यवसिनीते), ९. उत् + यम १।७१० उ०
(उद्यच्छति, ते), १०. व्यव + हृञ् १।
६४० उ० (व्यवहरति, ते)।

उन्मत्त होना = १. मदि + मन्द् १।
१२ आ० (मन्दते), २. लोड् १।२४६ प०
(लोडति), ३. रोड् १।२४६ प० (रोडति)।

उपकार करना = १. उप + कृञ् ८।
१० प० (उपकरोति)।

उपकार मानना = १. प्रति + नदि-
नन्द १।५५ प० (प्रतिनन्दति)।

उपदेश करना = १. उप + दिश
६।३ उ० (उपदिशति, ते), २. गुण १०।
३१६ उ० (गुणयति, ते), ३. कृण १०।
३१६ उ० (कृणयति, ते), ४. काल १०।
३०५ उ० (कालयति, ते), ५. वेल १०।
३०५ उ० (वेलयति, ते), ६. कूट १०।
३१५ उ० (कूटयति, ते)।

उपदेश देना = १. दीक्ष १।४०४ आ०
(दीक्षते)।

उपनयन करना = १. दीक्ष १।४०४

आ० (दीक्षते) ।

उपनयन संस्कार करना = १. उप + नीञ् १।६४२ आ० (उपनयते) ।

उपपन्न होना = १. उप + पद ४। ५८ आ० (उपपद्यते), १०।३२० आ० अदन्त (उपादयते) ।

उपभोग करना = १. अधि + वस १।७३१ प० (अधिवसति), २. अड १। २४७ प० (अडति/क्व० अड्नोति); ३. निर् + विश ६।१३३आ० (निर्विशते), ४. भज १।७२४ उ० (भजति, ते) ।

उपयोग करना = १. उप + युजिर् युज ७।७ उ० (उपयुनक्ति, उपयुङ्क्ते) २. आ + श्रिञ् १।६३८ उ० (आश्रयति, ते), ३. अनु + स्था १।६६२ आ० (अनुतिष्ठते) ।

उपवास करना = १. लवि — लङ्घ १।७४. ७५ आ० (लङ्घते) २. उप + वस १।७३१ प० (उपवसति), ३. निरा + हृञ् १।६४० उ० (निराहरति, ते) ।

उपशमन करना = १. उप + शमु ४। ९१ णिच् प० (उपशमयति) ।

उपस्थित होना = १. समा + पद ४। ५८ आ० (समापद्यते), १०।३२० आ० अदन्त (समापदयते) ।

उपस्थित (विद्यमान) होना = १. आस २।११ आ० (आस्ते) ।

उपहार देना = १. परि + विश ६। १३३ आ० (परिविशते) ।

उपहास ठट्टा करना = १. आ + क्षिप ६।५ उ० (आक्षिपति, ते), २. तक १।८२ प० (तकति), ३. भडि-भण्ड १।१७२ आ० (भण्डते), ४. क्रीड् १।२४१प० (क्रीडति) ।

उपाध्याय करना = १. सिध् १।३८ प० (सेधति) ।

उपाय करना = १. प्रति + कृञ् दा १० आ० (प्रतिकुष्टे) ।

उपार्जन करना = १. सर्ज १।१३४ प० (सर्जति), २. उप + अशूङ्-अश् ५। १८ आ० (उपाशुते) ।

उपासना (भजन) करना = १. आ + राध ५।१७ प० (आराध्नोति), २. पर्युप + अमु ४।९९ प० (पर्युपासयति) ३. उप + प्रास २।११ आ० (उपास्ते) ।

उपेक्षा करना = १. उद् + आस २। ११ आ० (उदास्ते), २. जमु १०।१८७ उ० (जासयति, ते), ३. उप + ईक्ष १।४०५ आ० (उपेक्षते), धीङ् ४।२६ आ० (धीयते) ।

उबालना (पकाना) = १. आ २।४६ प० (आति), २. क्वथे १।५८५ प० (क्वथति) ।

उलाघना = १. अभि + कृ ६।११८ प० (अभिकिरति) ।

उल्लेख जल में कुटी वस्तु डालकर रस निकालना = १. फण १।५६७ उ० (फणयति, ते) ।

ऊ

ऊपर उठाना=१. पर्युत्+गम्लृ-
गच्छ् १।७०६ प० (पर्युद्गच्छति), २. उत्
+यम १।७१० उ० (उच्चच्छति, ते), ३.
स्कुदि-स्कुन्द् १।८ आ० (स्कुन्दते), ४. उत्
+नम् १।७०८ प० (उन्नमति), ५. स्कुञ्
६।६ उ० (स्कुनाति, स्कुनीते), ६. ओलडि
ओलण्ड १०।६ प० (ओलण्डयति/ओल-
ण्डति/ओकारस्य इत्संज्ञायाम्, लण्डयति),
७. उत्+डीङ् १।६६५ आ० (उड्डयते),
४।२५ आ० (उड्डीयते) ।

ऊपर उड़ना=१. उत्+प्नुङ् १।
६८४ आ० (उत्प्लवते) ।

ऊपर उड़ाना=१. लडि-लण्ड् १०।६
उ० (लण्डयति, ते/लण्डति) ।

ऊपर करना (उठाना)=१. नि+
धाञ् ३।१० उ० (निदधाति, निधत्ते),
२. उत्+नीञ् १।६४२ आ० (उन्नयते) ।

ऊपर कूदना=१. उत्+प्नुङ् १।
६८४ उ० (उत्प्लवते) ।

ऊपर को पहुँचना=१. उद्+अशूङ्-
अश् ५।१८ आ० (उदश्नुते) ।

ऊपर चढ़ना=१. उत्+पल्-पत्
१।५८४ प० (उत्पतति), २. उत्+सद्लृ
१।५६३, ६।१३६ प० (उत्सीदति),
३. अधि+रुह् १।५६५ प० (अधि-
रोहति), ४. सम्+चर् १।३७६ आ०
(संचरते), ५. उत्+यम १।७१० उ०
(उच्चच्छति, ते), ६. आ+रुह् १।५६८
प० (आरोहति) ।

ऊपर जाना (उठना)=१. उत्+
चर १।३७६ प० (उच्चरति), २. उत्+
इण् २।३८ प० (उदेति), ३. उत्+इ १।
२१५ प० (उदयति) ।

ऊपर से जाना=१. उत्+तृ १।
६६६ (उत्तरति) ।

ऊपर से देखना=१. उत्+दृशिर्-
दृश् १।७१४ प० (उत्पश्यति) ।

ऊपर देखना=१. उत्+ईक्ष् १।
४०५ आ० (उदीक्षते) ।

ऊपर फेंकना (उड़ा देना)=१. डुल
१० क्वा० उ० (डोलयति, ते), २. समुत्+
गृ १०।१७६ आ० (समुद्गारयते),
३. ओलडि-ओलण्ड् १०।६ प० (ओलण्ड-
यति, ओलण्डति/ओकारस्य इत्संज्ञायाम्-
लण्डयति), ४. ध्रस् ६।५५ प० (ध्रस्नाति)
१०।२११ उ० (ध्रासयति, ते) ।

ऊपर को फेंकना=१. लडि-लण्ड्
१०।६ उ० (लण्डयति, ते/लण्डति) ।

ऊपर बैठना=१. आ+रुह् १।५६८
प० (अवरोहति), २. नि+सद्लृ १।५६३,
६।१३६ प० (निषीदति), ३. अधि+
वस १।७३१ प० (अधिवसति), ४. अधि+
आस् २।११ आ० (अध्यास्ते), ५. अधि+
स्था १।६६२ आ० (अधितिष्ठते),
६. आ+स्था १।६६२ प० (आतिष्ठति) ।

ऊपर रखना=१. प्र+हृन् २।२ प०
(प्रहन्ति) ।

ऊपर रहना=१. अधि+स्था १।

६६२ आ० (अधितिष्ठते) ।

ऊपर लेना = १. नि + धाञ् ३।१०
उ० (निदधाति, निधत्ते), २. उत् + हृञ्
१।६४० उ० (उद्धरति, ते) ।

ऊहापोह (कल्पना, तर्क) करना =
१. ऊह १।४३१ आ० (ऊहते) ।

ऊँचा उठाना = १. मच्चि-मञ्च् १।

१०० आ० (मञ्चते) ।

ऊँचा लेना = १. उत्, समुत् + श्रिञ्
१।६३८ उ० (उच्छ्रयति, ते/समुच्छ्रयति,
ते), २. तट १।२०१ प० (तटति) ।

ऋ

ऋण चुकाना = १. वि + नीञ् १।
६४२ आ० (विनयते) ।

ऋण देना = १. परि + दाण्-यच्छ

१।६६४ प० (परियच्छति), २. प्र +
युजि-र-युञ् ७।७ उ० (प्रयुनक्ति, प्रयुङ्क्ते),
३. वि + नीञ् १।६४२ आ० (विनयते) ।

ए

एक ओर होना = १. पक्ष १।४४७
प० (पक्षति), १०।१८ उ० (पक्षयति, ते) ।

एक-एक करके बानना = १. शिल
६।७२ प० (शिलति) ।

एक-एक दाना उठाना (बीनना) =
१. ईष १।४६१ प० (ईषति) ।

एक-एक दाना चुगना = १. सिल ६।
७२ प० (सिलति) ।

एक पक्ष का समर्थन करना = १. पक्ष
१।४४७ प० (पक्षति), १०।१८ उ० (पक्ष-
यति, ते) ।

एक पक्ष का स्वीकार करना =
१. पक्ष १।४४७ प० (पक्षति), १०।१८
उ० (पक्षयति, ते) ।

एक मत से चोरी करना = १. व्यति +

हृञ् १।६४० आ० (व्यतिहरते) ।

एक मत से योजना बनाना = १. सम-
भिव्या + हृञ् १।६४० उ० (समभिव्या-
हरति, ते) ।

एक मत होना = १. सम् + स्था १।
६६२ आ० (संतिष्ठते) ।

एक में एक अटकाना = १. पुट ६।
७६ प० (पुटति), १०।३३३ उ० (पुट-
यति, ते) ।

एक सम्मत से योजना बनाना =
१. समभिव्या + हृञ् १।६४० उ० (सम-
भिव्याहरति, ते) ।

एक समान रहना = १. सम १।५७२
प० (समति) ।

एक ही बार से मारना = १. भट १।

११६ प० (भटति) ।

एकत्र (इकट्टा, जमा) करना (बटोरना, जोड़ना) = १. समा + नीञ् १।६४२ आ० (समानयते), २. सम् + धाञ् ३। १० उ० (संदधाति, संघत्ते), ३. हुङि-हुण्ड् १।१६८, १७६ आ० (हुण्डते), ४. समुप + हृञ् १।६४० उ० (समुप-हरति ते), ५. समा + हृञ् १।६४० उ० (समाहरति, ते), ६. स्पश १।६२७ प० (स्पशति), ७. शम्ब १०।२५ उ० (शम्ब-यति, ते), ८. सम् + वस् १।७३१ प० (संवसति), ९. शङि-शण्ड् १।१७८ आ० (शण्डते), १०. श्रोणृ १।३०७ प० (श्रोणाति), ११. सम्बर १।१४२ प० (सम्बरयति), १२. वट १।१६६ प० (वटति), १३. सम् + हन् २।२ प० (संहन्ति), १४. अनु + बन्ध ६।४१ प० (अनुबध्नाति, नि-निबध्नाति), १५. उच ४।११४ प० (उच्यति), १३. डिप १०। १४७ उ० (डेपयति, ते), १७. डप १०। १४७ आ० (डापयते), १८. हुड ६।६६ प० (हुडति), १९. विनि + युजिर्-युज् ७। ७ उ० (विनियुनक्ति, विनियुङ्क्ते), २०. लोण्ट १।१५८ आ० (लोण्टते), २१. रिच १०।१४० उ० (रेचयति, ते/ रेचति), २२. सम् + असु ४।६६ प० (समस्यति), २३. इम्भ क्व० १० आ० (इम्भयते), २४. सम् + नीञ् १।६४२ आ० (संनयते), २५. श्लोणृ १।३०८ प० (श्लोणाति), २६. मृक्ष १।४४४ प० (मृक्षति), २७. यत १०।२०३ उ० (यात-

यति, ते), २८. म्रक्ष १।४४५ प० (म्रक्षति), २९. म्लक्ष १।४४५ पाठा० प० (म्लक्षति), ३०. मिघृ १।६११ उ० (मेघति, ते), ३१. भ्रुड ६।१०३ प० (भ्रुडति), ३२. मिथृ १।६१० उ० (मेथति, ते), ३३. मुस्त १०।६६ उ० (मुस्तयति, ते), ३४. मुद १०।२०६ उ० (मोदयति, ते), ३५. भू १०।२७१ उ० (भावयति, भवते, भवति), ३६. मिश्र १०।३४६ उ० (मिश्रयति, ते), ३७. युजिर्-युज् ७।७ उ० (युनक्ति, युङ्क्ते, नि-नियुनक्ति, नियुङ्क्ते), ३८. सम् + अञ्चु १।६०२ उ० (सम-ञ्चति, ते), ३९. पूर्ण १०।१०३ उ० (पूर्णयति, ते), ४०. सम् + अञ्जु ७।२० प० (समनक्ति), ४१. अम्बर १।१४१ प० (अम्बरयति), ४२. सम् + कृ ६।११८ प० (संकिरति) ।

एकत्र करके बांधना = १. चृती ६। ३५ प० (चृतति) ।

एकत्र होकर भागना = १. समा + द्रु १।६७७ प० (समाद्रवति) ।

एकत्र होकर स्पष्ट करना = १. सम्प्र + वद १०।२६८ आ० (सम्प्र-वादयते) ।

एकत्र (इकट्टा) होना = १. भट १। १६६ प० (भटति), २. साम्ब १०।२२६ उ० (साम्बयति, ते), ३. ऊष १।४६० प० (ऊषति), ४. जट १।१६६ प० (जटति), ५. उच ४।११४ प० (उच्यति), ६. सम् + ऊह १।४३१ आ० (समूहते) ।

एका करना = १. श्लिष ४।७५ प०

(श्लिष्यति), १०।४३ उ० (श्लिषयति, ते) ।

ऐश्वर्य आदि से प्रसिद्ध होना =
१. अभ्युत् + इण् २।३८ प० (अभ्युदेति),
२. अभ्युत् + इ १।२१५ य० (अभ्युद-
यति) ।

ऐश्वर्य युक्त होना = १. तप ४।४८
आ० (तप्यते), २. इदि-इन्द १।५१ प०

एकार्थ से दूसरा अर्थ जानना =
१. उप + लक्ष १०।५ उ० (उपलक्षयति,
ते) ।

ए

(इन्दति) ।
ऐठना = १. कृण ६०।१५७ आ०
(कृणयते), १०।३१७ उ० (कृणयति,
ते), २. कृण १०।१५७ पाठा० आ०
(कृणयते) ।

ओ

ओढ़ना = १. वस २।१३ आ० (वस्ते) ।

औ

औघा लटकना = १. अघ + लवि-लम्ब् १।२६२, ६३ आ० (अवलम्बते) ।

क

कटु वचन कहना = १. शठ १०।२८२
उ० (शठयति, ते) ।

कठिन (टढ़, सख्त) होना = १. ऋछ
६।१५ प० (ऋच्छति), २. रूक्ष १०।
३३१ उ० (रूक्षयति, ते) ।

कठोर बोलना = १. दसि-दस् १०।

२२४ उ० (दंसयति, ते) ।

कठोर वचन बोलना = १. रूक्ष १०।
३३१ उ० (रूक्षयति, ते) ।

कतरना = १. स्फुट १०।१६० उ०
(स्फोटयति, ते), २. स्खद १।५१६ आ०
(स्खदते), ३. उत् + छिदिर्-छिदिर् ७।३

उ० (उच्छिनति, उच्छिन्ते), ४. वल्यूल
१०।३०६ पाठा० उ० (वल्यूलयति, ते),
५. चुलुम्प् वा० ३।१।३५ प० (चुलुम्पति),
६. छेद १०।३६१ उ० (छेदयति, ते),
७. चुट १ क्वा० प० (चोटति), ६।८६
प० (चुटति), १०।८० उ० (चोटयति,
ते), ८. लृञ् ६।१२ उ० (लुनाति,
लुनीते), ९. वस १०।२१३ उ० (वास-
यति, ते), १०. वृश्चू ६।११ प० (वृश्च-
ति), ११. लुम्पृ-लुम्प् ६।१४० उ०
(लुम्पति, ते), १२. लुञ्च् १।११४ प०
(लुञ्चति), १३. तृड् १।२४३ प०
(तृडति), १४. तुड् १।२४२ प० (तोडति),
१५. मुस् ४।११० प० (मुस्ति),
१६. पिच्छ १०।४५ उ० (पिच्छयति, ते),
१७. पल्यूल १०।३०६ पाठा० उ० (पल्यू-
लयति, ते), १८. पल्यूल १०।३०६ उ०
(पल्यूलयति, ते) १९. कुट १०।१६७ आ०
(कोटयते), २०. कृवि १।३६४ प०
(कृणोति) ।

कतरना, काटना=१. कृती-कृन्त् ६।
१४४ प० (कृन्तति) ।

कतरना, चीरना, छेदना=१. क्षुर
६।५५ प० (क्षुरति), २. खुर ६।५३ प०
(खुरति) ।

कतरना (छांटना)=१. छो ४।३७
प० (छद्यति) ।

कतरना (तोड़ना)=१. छुर ६।८१
प० (छुरति), २. चुटि-चुण्ट् १०।१२८
प० (चुण्टयति), ३. चुडि-चुण्ड् १०।१२८
पाठा० प० (चुण्डयति), ४. छुट ६।८६

प० (छुटति/१० क्वा० छोटयति), ५. ऋट
६।८४ प० (ऋटति/ऋटयति), १०।१६६
आ० (त्रोटयते) ।

कतरना, विभाग करना=१. दो ४।
३६ प० (द्यति) ।

कथन करना=१. समुदा+हृञ् १।
६४० उ० (समुदाहरति, ते) ।

कथनानुसार न करना=१. विसम्+
वद १।७३५ प० (विसंवदति) ।

कनात लगाना=१. चटे १।१६१ प०
(चटति) ।

कपट करना=१. सम+लप १।
२०५ प० (समलपति) ।

कपट पूर्वक जाना=१. तसर १।३७३
प० (तसरति) ।

कपड़ा ओढ़ना=१. स्थुड ६।६६ प०
(स्थुडति) ।

कपड़े पहनना=१. चिल ६।६५ प०
(चिलति) ।

कबूल (स्वीकार) करना=१. सम्+
मन ४।६५ आ० (सम्मन्यते), २. सम्+
मनु ८।६ आ० (सम्मनुते), ३. प्र+ईक्ष
१।४०५ आ० (प्रेक्षते) ४. प्रतिसम्+श्रु
१।६७५ आ० (प्रति संश्रुणुते), ५. हुडि-
हुण्ड १।१६४, ७६ आ० (हुण्डते) ।

कम (ग्यून) करना (घटाना)=
१. अघर नामधातु प० (अघरयति),
२. ऊन १०।३१३ उ० (ऊनयति, ते),
३. लिश् ४।६८ प० (लिश्यति) ।

कम (अल्प) होना=१. ह्रस १।
४७२ प० (ह्रसति), २. लिट् १।१३६

प० (लिटचति), ३. लघि-लङ्घ् १।६४
प० (लङ्घति), ४. सै १।६५२ प०
(सायति), ५. चुट्ट १०।३० उ० (चुट्ट-
यति, ते) ६. चुडि-चुण्ड् १।२१६ प०
(चुण्डति), ७. जि १।६७८ प० (जयति) ।

कम्पित करना (हिलाना) = १. वि +
कृञ् ८।१० प० (विकरोति), १. नट १०।
१३ उ० (नाटयति, ते) ३. घृ ६।१०६ प०
(ध्रुवति) ।

कम्पित होना (हिलना) = १. घृ ६।
१०६ प० (ध्रुवति), २. चेलृ १।३६३ प०
(चेलति), ३. क्वेलृ १ क्वा० (क्वेलति),
४. घृञ् ५।६ पाठा० उ० (घृनोति, ध्रुनुते),
६।१६ (धुनाति, धुनीते), ५. केपृ १।२५७
आ० (केपते), ६. केलृ १।३६३ (केलति)
७. खेलृ १।३६३, ६४ प० (खेलति) ।

करना = १. कृञ् ८।१० उ०
(करोति, कुरुते), २. आ + धाञ् ३।१०
उ० (आदधाति, आधत्ते), ३. सम् + पद
४।५८ आ० (सम्पद्यते), १०।३२० अदन्त
सम्पदयते), ४. समा + स्था १।६६२ आ०
(समातिष्ठते) ।

करना, बनाना = १. कगे १।५३७
प० (कगति) ।

करबट लेना = १. सम् + विश् ६।
१३३ आ० (सविशते) ।

कराहना = १. क्षीज १।१४६ प०
(क्षीजति), २. क्षिद १ क्वा० प०
(क्षेदति) ।

कर्म (आचरण) करना = १. आ +
चर् १।३७६ प० (आचरति), २. अव १।

३६६ प० (अवति) ।

कलम करना = १. मूल १०।७७ उ०
(मूलयति, ते) ।

कलह करना = १. कुच १।५६६ प०
(कोचति), २. मिष ६।६२ प० (मिषति) ।

कला कौशल जानना = १. लश १०।
१७४ पाठा० क्षीर० प० (लाशयति),
२. लष १०।१७४ पाठा० क्षीर० प०
(लाषयति), ३. लस १०।१६४ उ०
(लासयति, ते) ।

कलाहीन होना = १. चुट १ क्वा०
प० (चोटति), ६।८६ (चुटति), १०।८०
उ० (चोटयति, ते) ।

कल्पना (विचार) करना = १. कृप
१०।२१८ उ० (कल्पयति, ते) ।

कवच पहनना = १. सम् + नह ४।
५५ उ० (सन्नहति, ते) ।

कविता करना = १. कवृ १।२६४
पाठा० आ० (कवते), २. कु २।३५ प०
(कौति) ३. श्लोकृ १।६३ आ० (श्लोकते) ।

कष्ट करना = १. लुधि-लुन्थ् १।३६
प० (लुन्थति), २. व्या + यम १।७१०
आ० (व्यायच्छते), ३. आ + यमु ४।१००
प० (आयस्यति) ।

कष्ट देना = १. स्वद १।५१६ आ०
(स्वदते) ।

कष्ट से दिन बिताना = १. कठ १।
२२५ प० (कठति), २. कटी १।२१२ प०
(कटति) ।

कसकर बाँधना = १. नि + नह ४।
५५ उ० (निनहति, ते) ।

कहना = १. शासु २।६८ प० (शास्ति),

२. ब्रूञ् २।३७ उ० (ब्रूवीति, ब्रूते/ब्रूह),
 ३. भञ्जि-भञ्ज् १०।२२३ उ० (भञ्ज-
 यति, ते), ४. कहना (स्पष्ट) = १. भण
 १।३०३ प० (भणति), ५. शुल्क १०।८४
 उ० (शुल्कयति, ते), ६. समुदा + हृञ् १।
 ६४० उ० (समुदाहरति, ते), ७. उदा +
 हृञ् १।६४० उ० (उदाहरति, ते),
 ८. व्या + हृञ् १।६४० उ० (व्याहरति,
 ते), ९. वल्ह १।४२६ आ० (वल्हते),
 १०. वह् १।४२६ आ० (वहते), ११. वच
 २।५६ प० (वक्ति), १०।२६६ उ० (वाच-
 यति, ते/वाचि वक्ति), १२. वद १।७३५
 प० (वदति), सन्देशवचने, १०।२६८ उ०
 (वादयति, ते/वदति), १३. वि + धाञ्
 ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते),
 १४. मुचि-मुञ्च १।१०३ आ० (मुञ्चते),
 १५. मुच १।१०३ पाठा० आ० (मोचते),
 १६. रिफ ६।२३ प० (रिफति), १७. रिह
 ६।२४ प० (रिहति), १८ कथ १०।२७६
 उ० (कथयति, ते) वृद्धौ पुगि (कथापयति,
 ते)।

कहना (बोलना) = १. दिश ६।३ उ०
 (दिशति, ते), २. उव् + ईर् १०।२३४
 उ० (उदीरयति, ते), ३. प्र + कृञ् ८।१०
 आ० (प्रकुरुते)।

कहना (व्याख्यान करना) = १. ख्या
 २।५३ प० (ख्याति)।

कंपाना (हिलाना) = १. धुञ् ५।६
 उ० (धुनोति, धुनुते)।

कंपाना (हिलाना, क्षोभित करना) =
 १. धूञ् ५।६ पाठा० उ० (धूनोति, धुनुते),
 ६।१६ (धुनाति, धुनीते), १०।२६२ (धाव-

यति, ते/धूनयति, ते/धवति, ते)।

कम से रखना = १. श्रन्थ ६।४५ प०
 (श्रथ्नाति) १० उ० (श्रन्थयति, ते/श्रन्थ-
 ति)।

कम से लगाना = १. व्या + असु ४।
 ६६ प० (व्यास्यति)।

क्रय-विक्रय करना = १. दिव् ४।१
 प० (दीव्यति)।

काटना (कुतरना) = १. वर्ध १०।
 १२२ उ० (वर्धयति, ते), २. पल्यूल १०।
 ३०६ पाठा० उ० (पल्यूलयति, ते),
 ३. पल्पूल १०।३०६ उ० (पल्पूलयति,
 ते), ४. दाप् २।५२ प० (दाति), ५. वि +
 अद् २।१ प० (व्यति)।

काटना (उसना) = १. दस-दसि-दंसु
 १०।१४६ आ० (दासयते, दंसयते)।

काढ़ा बनाना = १. क्वथे १।५ = ५
 प० (क्वथति)।

कानों को छिदवाना = १. छिद्र १०।
 ३५२ उ० (छिद्रयति, ते)।

कानों में छेद करना = १. छिद्र १०।
 ३५२ उ० (छिद्रयति, ते)।

कान्तिमान् होना = १. ओख् १।८६
 प० (ओखति प्र-प्रोखति), २. ज्युन् १।
 २६ पाठा० आ० (ज्योतते)।

कान्तियुक्त होना (चमकना) =
 १. अत्र १।३६६ प० (अवति)।

कान्तिहीन होना = १. अस्त १०।८४
 प० (अस्तयति)।

काबू में रखना = १. यम १०।६१ उ०
 (यमयति, ते)।

कामक्रीडा करना = १. चुड् १।२३८

प० (चुड्ति) ।

काम खराब करना = १. दुम् + कृञ्
ना१० प० (दुष्करोति) ।

काम बुद्धि से वर्तना = १. चिल्ल १।
३६० प० (चिल्लति) ।

काम में लगना = १. प्र + वृत् १।
५०८ आ० (प्रवर्तते) ।

काम में लगाए रखना (पेलना) =
१. पिल क्षीर० १०।५६ उ० (पेलयति,
ते) ।

काम में लगाना = १. अधि + वस १।
७३१ प० (अधिवसति) ।

काम में लाना = १. उप + युजिर्-
युञ् ७।७ उ० (उपयुनक्ति, उपयुङ्क्ते),
२. आ + श्रिञ् १।६३८ उ० (अश्रयति,
ते), ३. अनु + स्था १।६६२ आ० (अनु-
तिष्ठते) ।

कामना करना = १. अघ १।३६६ प०
(अघति), २. प्रीञ् ६।२ उ० (प्रीणाति,
प्रीणीते) ।

कामवेग से तड़पना = १. रुट १।५००
आ० (रोटते) ।

कामातुर होकर बोलना = १. मज
१।१५६ क्षीर० प० (मजति) ।

कारणीभूत होना = १. वि + सिञ्
५।२ उ० (विसिनोति, विसिनुते), ६।५
उ० (विसिनाति विसिनुते) ।

कार्य पूरा करना = १. पार १०।
३३२ उ० (पारयति, ते) ।

कार्य में लगाना = १. सू ६।११७ प०
(सुवति) ।

कार्यक्षम होना = १. लाखृ १।८६ प०
(लाखति), २. लाघृ १।७८ आ० (लाघते),
३. राखृ १।८६ प० (राखति) ।

काल की गिनती करना = १. काल
१०।३०५ उ० (कालयति, ते) ।

काल गणना करना = १. वेल १०।
३०५ उ० (वेलयति, ते) ।

कांपना = १. लुट १।२०७ प०
(लोटति), २. वि + गाहृ १।४३२ आ०
(विगाहते), ३. शेलृ १।३६४ प० (शेलति)
४. स्पदि-स्पन्द १।१३ आ० (स्पन्दते),
५. स्फर ६।१०० प० (स्फरति), ६. विजी
६।६ आ० (विजते/उद्-उद्विजते), ७।२२
प० (विनक्ति), ७. वेलृ-वेल्ल १।३६३
प० (वेलति, वेल्लति), ८. सल १।३६८
प० (सलति), ९. ह्यल १।५४६ प०
(ह्यलति), १०. ह्यल १।५४६ प०
(ह्यलति), १० प० (ह्यलयति), ११. स्फुल
६।१०१ प० (स्फुलति) ।

कांपना, थरथराना = १. क्ष्वेल १।
३६३ प० (क्ष्वेलति), २. क्षल १ क्वा०
प० (क्षलति), ३. एजू १।१४३ प०
(एजति), ४. ईर २।८ आ० (ईर्ते) ।

कांपना, हिलना = १. गेपृ १।२५७
आ० (गेपते), २. तगि-तङ्ग १।८८ प०
(तङ्गति), ३. त्वगि-त्वङ्ग १।८८, ९० प०
(त्वङ्गति), ४. धुञ् ५।६ उ० (धुनोति,
धुनुते) ।

कांव-कांव शब्द करना = १. ध्वाक्षि-
ध्वाङ्ग १।४५० प० (ध्वाङ्कति),
२. द्राक्षि-द्राङ्ग १।४५० प० (द्राङ्कति) ।

किसी ओर जाना=१. प्रति+या
२।४२ प० (प्रतियाति) ।

किसी को जानना=१. प्रति+बुध
१।५६७ प० (प्रतिबोधति), ४।६१ आ०
(प्रतिबुध्यते), २ प्रति+बुध्-बुध् १।
६१४ आ० (प्रतिबोधते) ।

किसी कृत्य में आसक्त रहना=
१. व्या+पृष्ठ् ६।११२ आ० (व्याप्रियते) ।

किसी प्रकार समाप्त करना=१. हन
२।२ प० (हन्ति) ।

कीट (जंग) लगना=१. कीट १०।
१०६ उ० (कीटयति, ते) ।

क्रीडा करना (खेलना)=१. किल
६।६३ प० (किलति), २. लस १।४७३
प० (लसति), ३. वि+अमु १।५८६ प०
अमति, अम्यति), ४. लड १।२४८ प०
(लडति), ५. रमु १।५६२ आ० (रमते),
६. लल १।२४८ पाठा० प० (ललति),
७. तेऽ १।३३६ आ० (तेवते), ८. दिवु
४।१ प० (दीव्यति), ९. वि+हृज् १।
६४० उ० (विहरति, ते), १०. हिल ६।
७१ प० (हिलति), ११. उर्द १।१८ आ०
(उर्दते), १२. गूर्द १।१६ पाठा० आ०
(गूर्दते), १३. केला १।१२६ आ० (केला-
यते), १४. गुर्द १।१६ आ० (गूर्दते),
१५. छृत्-छृत् ७।८ उ० (छृणति, छृन्ते),
१६ उर्द १।१८ आ० (उर्दते) ।

क्रीडा (बिलास) करना=१. एला
१।१२६ प० (एलायते) ।

कीर्तित करना=१. कृत १०।१२१
उ० (कीर्तयति, ते) ।

कीर्तिमान् होना=१. प्र+सिध् १।
३८ प० (प्रसेधति), २. वि+श्रु १।६७५
प० (विश्रुणोति), ३. आ+ख्या २।५३
प० (आख्याति) ।

कीलों से हड़ करना=१. कील १।
३५१ प० (कीलति) ।

कुचल देना=१. द्राड् १।१८५ आ०
(द्राडते), २. क्षुदिर ७।६ उ० (क्षुणति,
क्षुन्ते) ।

कुछ का कुछ समझना=१. निल ६।
७० प० (निलति/प्र-प्रणिलति) ।

कुछ काल तक ठहरना=१. प्रवि+
ऊह १।४३१ आ० (प्रव्यूहते) ।

कुटुम्ब पोषण करना=१. तन्त्रि-तन्त्र्
१०।१४८ प० (तन्त्रयति) ।

कुडकुडाना=१. अचि-अञ्च १।
६०४ उ० (अञ्चति, ते), २. अञ्चु-
अञ्च् १।६०२ उ० (अञ्चति, ते) ।

कुण्ठित करना=१. कुडि-कुण्ड् १।
२१४ प० (कुण्डति), २. कुठि-कुण्ठ् १।
२३४ प० (कुण्ठति), ३. कुठि-कुण्ठ् १०।
५२ उ० (कुण्ठयति, ते), ४. कुठि-कुण्ठ्
१।२३४ मता० प० (कुण्ठति) ।

कुत्ते के समान बोलना=१. बुक्क
१।८४ प० (बुक्कति), १०।१८२ उ०
(बुक्कयति, ते) ।

कुम्हलाना=१. दल १।३६६ प०
(दलति), १०।२२२ उ० (दालयति, ते),
२. तसु ४।१०४ प० (तस्यति), ३. पै १।
६५५ प० (पायति), ४. म्लै १।६४४ प०
(म्लायति), ५. क्लमु ४।६७ प० (क्ला-

म्यति) ।

कुलाचार करना = १. नि + यम १।
७१० प० (नियच्छति) ।

कुशल होना = १. लस १०।१६४ उ०
(लासयति, ते) ।

कूजना (कूकना) = १. कूज १।१३३
प० (कूजति) ।

कूटना = १. पिच्छ १०।४५ उ०
(पिच्छयति, ते), २. च १०।६३ उ०
(चपयति, ते), ३. मच १।१०३ आ०
(मचते), ४. मृड ६।४८ प० (मृड्नाति),
५. मृद ६।४७ प० (मृदनाति), ६. अद
१।५१८ आ० (अदते), ७. मुचि-मुञ्च् १।
१०३ आ० (मुञ्चते), ८. घृषु १।४७०
प० (घर्षति) ।

कूटना, पीसना = १. क्षुदिर् ७।६ उ०
(क्षुणति, क्षुन्ते) ।

कूटना, कतरना = १. कुट्ट १०।२८
उ० (कुट्टयति, ते) ।

कूट(गूढ, रहस्यात्मक)जैसा करना =
१. कूट १०।१७० आ० (कूटयते) ।

कूद के जाना = १. समभि + वृत्तु १।
५०८ आ० (समभिवर्तते) ।

कूदते हुए जाना = १. शश २।४८१
प० (शशति) ।

कूदना = १. स्कुदि-स्कुन्द १।८ आ०
(स्कुन्दते), २. स्कुञ् ६।६ उ० (स्कुनाति,
स्कुनीते), ३. चञ्चु १।११६ प० (चञ्चति)
४. क्ष्वेल १।३६३ प० (क्ष्वेलति) ।

क्रूरता से बोलना = १. क्लप १०।
१२७ उ० (क्लपयति, ते) ।

क्रूर होना = १. हेठ १।१६५ प०
(हेठति) ।

कृपा करना = १. अनु + नीञ् १।६४२
उ० (अनुनयति, ते) ।

कृपा, अनुग्रह करना = १. अनु + ग्रह
६।६४ उ० (अनुगृह्णाति, अनुगृह्णीते) ।

कृपा (उपकार) करना + १. उप +
ग्रह ६।६४ प० (उपगृह्णाति) ।

कृपा (दया) करना = १. ऋत सौत्र
३।१।२६ आ० इयङ् (ऋतीयते) ।

कृपालु होना = १. अनु + ह्य ४।६३
आ० (अनुह्यते), २. अभि + नीञ् १।
६४२ उ० (अभिनयति, ते) ।

कृश (सूक्ष्म) होना = १. दरिद्रा २।
६६ प० (दरिद्राति), २. त्वक्ष १।४३८ प०
(त्वक्षति), ३. कृश ४।११७ प०
(कृश्यति) ।

कृषि कर्म करना = १. कृष १।७१६
प० (कर्षति), ६।६ उ० (कृषति, ते) ।

कृत्रिम से करना = १. नि + वृत्तु १।
५०१ आ० (निवर्तते) ।

केली करना, खेलना = १. एला १।१।
२६ प० (एलायति) ।

कै (वमन) करना = १. क्षिवु १।
३८१ प० (क्षिवति/क्षवा० क्षीव्यति),
२. उत् + छृदिर्-छृद ७।८ उ० (उच्छृ-
णति, उच्छृन्ते), ३. स्नुह ४।८८ प०
(स्नुह्यति), ४. छृदं १०।४६ उ० (छृदं-
यति, ते), ५. नि, उत् + गृ ६।२६ प०
निगृणाति, उद्गृणाति) ।

कै (वमन) होना = १. वम १।५८८

प० (वमति) ।

कोई धन्धा करना=१. वनु १।५४४ उ० णिच् (वनयति, ते) ।

क्रोध (गुस्सा) करना=१. मश १।४७६ प० (मशति), २. वक्ष १।४४३ प० (वक्षति), ३. हृणीङ् १।१३१ आ० (हृणीयते), ४. रुट १०।१४१ उ० (रोटयति, ते) ५. मिश १।४७६ प० (मेशति), ६. रुङ् १।६८६ आ० (रवते), ७. मन्तु १।१।२ उ० (मन्तूयति, ते), ८. रूप १०।१४० उ० (रोषयति, ते), ९. गुध १।४६ प० (गुध्नाति), १०. क्रुध ४।७८ प० (क्रुध्यति) ।

क्रोध (गुस्सा) होना=१. क्षुभ १।५०२ आ० (क्षोभते) ।

कोए के समान काँव-काँव शब्द करना=१. घ्राक्षि-घ्राङ्क्ष १।४५० प० (घ्राङ्क्षति), २. कर्द १।४८ प० (कर्दति) ।

कलान्त होना=१. अरव + सदलृ १।५६३, ६।१३६ प० (अरवसीदति) ।

क्लेश या दुःख देना=१. क्लिशू १।५३ प० (क्लिशनाति) ।

क्लेश सहना=१. शठ १।२३१ प० (शठति) ।

क्लेशित करना=१. लुथि-लुन्थ १।३६ प० (लुन्थति) ।

क्वण-क्वण शब्द करना=१. क्वण १।३०३ प० (क्वणति) ।

ख

खारना=१. क्षु २।२६ प० (क्षीति) ।

खड़ा करना=१. उत् + नम् १।७०८ प० (उन्नमति) ।

खड़ा (स्थिर) रहना=१. प्रोत् + स्था १।६६२ आ० (प्रोत्तिष्ठते), २. स्थल १।५७७ प० (स्थलति), ३. नि + सदलृ १।५६३, ६।१३६ प० (निपीदति), ४. ऋज १।१०७ आ० (अर्जति) ।

खड़ा होना=१. उत् + स्था १।६६२ प० (उत्तिष्ठति) ।

खड़े रहना (हाथ जोड़कर)=

१. प्रति + स्था १।६६२ आ० (प्रति-तिष्ठते) ।

खण्ड-खण्ड करना=१. मुटि-मुण्ट् १।२२३ पाटा० क्षीर० प० (मुण्टति) ।

खण्डन करना=१. दान १।७२० उ० (दानति, ते), २. प्र + अमु ४।६६ प० (प्रास्यति) ।

खण्डन (नाहीं) करना=१. प्रत्या + ख्या २।५३ प० (प्रत्याख्याति) ।

खन-खन आदि शब्द करना=१. शिजि-शिञ्ज् २।१६ आ० (शिङ्कते) ।

खबर देना=१. सम् + दिश् ६।३

उ० (संदिशति, ते) ।

खराब करना = १. अ० + कृञ् ८।१०
(अ० कृहते) ।

खरीदना, बेचना = १ दिव् ४।१ प०
(दीव्यति) ।

खरीदना = १. क्रीञ् ६।१ उ०
(क्रीणाति, क्रीणीते) ।

खरौंचना = १. खच १० क्वा० प०
(खचयति) ।

खर्च करना = १. विनि + युजिर्-युज्
७।७ उ० (विनियुनक्ति, विनियुङ्क्ते),
२. आ + ली १०।२३५ उ० (आलाययति,
ते/आलयति, आलीनयति, ते), ३. व्यय
१०।३५६ उ० (व्याययति, ते) ।

खाना = १. छमु १।३२७ प०
(छमति), २. वी २।४१ प० (वेति),
३. वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते), ४. चमु
१।३१७ प० (चमति), ५।२६ (चम्नोति),
५. वल्भ १।२७४ आ० (वल्भते), ६. जक्ष
६।४ प० (जक्षति), ७. चप १।६२६ उ०
(चपति, ते), ८. वि + चमु १।३१७ प०
(विचमति), ९. चर्व १।३८६ प०
(चर्वति), १० क्वा० (चर्वयति), १०. कुड
६।६२ प० (कुडति), ११. अम १।३१४
प० (अमति), १२. चर्व १।२८८, ८६ प०
(चर्वति), १३. सम् + अञ्जू ७।२० प०
(समनक्ति) क्वा० आ० (समङ्क्ते);
१४. चर १।३७६ प० (चरति), १५. अश
६।५४ प० (अशनाति/उप-उपाशनाति),
१६. घस्लृ १।४७४ प० (घसति),
१७. कूड ६ क्वा० प० (कूडति), १८. कूड
६।१०३ प० (कूडति), १९. खद १।४० प०

(खदति), २०. भुज ७।१७ आ० (मुङ्क्ते),
२१. हु ३।१ प० (जुहोति), २२. स्वद १।
५।१६ आ० (स्वदते), २३. स्नुमु ४।५ प०
(स्नुस्यति), २४. उप + युजिर् युज् ७।७
उ० (उपयुनक्ति, उपयुङ्क्ते), २५. भ्रक्ष
१।६३२ उ० (भ्रक्षति, ते), २६. भ्लक्ष १।
६३२ उ० (भ्लक्षति, ते), २७. भक्ष १।
६३३ उ० (भक्षति, ते), १०।२७ उ०
(भक्षयति, ते), २८. प्लक्ष १।६३४ उ०
(प्लक्षति, ते), २९. खाह १।३६ प०
(खादति) ।

खाना, निगलना = १. गृ ६।११६ प०
(गिरति/गिलति) २. ग्रमु १।४२० आ०
(ग्रसते) ।

खाना छोड़ देना = १. अ० + अद २।
१ प० (अवाति) ।

खाना (जीमना) भक्षण करना =
१. गल १०।२०४ उ० (गालयति, ते),
२. गल १।३६७ प० (गलति), ३. जमु
१।३१७ प० (जमति), ४. खेट १०।२६७
उ० (खेटयति, ते), ५. खेड १०।२६८ उ०
(खेडयति, ते), ६. क्षेड १० क्वा० उ०
(क्षेडयति, ते) ७. क्षद १ क्वा० प०
(क्षदति), ८. गूर १०।१६३ पाठा० आ०
(गूरयते), ९. खोट १०।२६६ उ० (खोट-
यति, ते), १०. अद २।१ प० (अति) प्र,
आ, सम्- (प्राप्ति, आत्ति, समत्ति),
११. तृदिर्-तृद ७।८ उ० (तृणति, तृन्ते/
१ क्वा० प० तर्दति), १२. भमु १।३१७
प० (भमति), १३. जिमु १।३१८ उ०
(जिमति, ते) ।

खाना, हजम करना = १. ग्लसु १।
४२० आ० (ग्लसते) ।

खाने की इच्छा करना = १. नामधातु
अशन प० (अशनायति), २. अद २।१ प०
सन् (जिघत्सति) ।

खाने को देना = १. यम १०।६१ प०
(यामयति) ।

खाल खींचना = १. त्वच नामधातु
प० (त्वचयति) ।

खांसना, खखारना = १. कासृ १।
४१४ आ० (कासते) ।

खिन्न होना = १. वि + सद्लृ १।
५६३, ६।१३६ प० (विषीदति), २. सद्लृ
१।५६३, ६।१३६ प० (सीदति), ३. शट
१।१६५ प० (शटति) ।

खिन्न होना, दुःख सहना = १. खिद
४।५६ आ० (खिद्यते/७।१२ आ० खिन्ते) ।

खिलना = १. उत् + मील १।३१७
प० (उन्मीलति), २. स्फुट १।१६० आ०
(स्फोटते), ६।८२ प० (स्फुटति), ३. स्फट
१।२२६ क्षीर० उ० (स्फटति, ते),
४. स्फटि-स्फण्ट् १।२२६ प० (स्फण्टति),
५. विकस १।५६६ प० (विकसति),
६. प्र + सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प०
(प्रसीदति), ७. उत् + श्वस् २।६२ प०
(उच्छ्वसति) ।

खिलाना = १. उत् + श्वस् २।६२ प०
(उच्छ्वसति) ।

खिलाना, पिलाना = १. अश ६।५४
प० (पिच्छति/आशयति), २. अद २।१ एिच्
प० (आदयति) ।

खीजना = १. क्षीज १।१४६ प०
(क्षीजति) ।

खींचना, आकर्षण करना = १. अग्र +
नीञ् १।६४२ उ० (अग्रयति, ते) २. चूर्ण
१०।१६ उ० (चूर्णयति, ते), ३. नि +
यम १।७१० प० (नियच्छति) ।

खींच लेना = १. प्र, सम् + लुभ ४।
१२५ प० (प्रलुभ्यति, संलुभ्यति) ।

खुजलाना = १. कण्डूज् १।११ उ०
(कण्डूयति, ते) ।

खुरचना = १. खुर ६।५३ प०
(खुरति) ।

खुराटा (खुराटा) मारना = १. नाम्
१।४१६ आ० (नासते/प्र-प्रणासते) ।

खुलना = १. स्फट १।२२६ क्षीर०
उ० (स्फटति, ते) २. स्फटि-स्फण्ट् १।
२२६ क्षीर० प० (स्फण्टति) ।

खुश होना = १. चदि चन्द १।५६
प० (चन्दति), २. तुष ४।७३ प०
(तुष्यति) ।

खुशामद करना = १. स्तोम १०।
३५१ उ० (स्तोमयति, ते) ।

खुबसूरत होना = १. शुभ ६।३३
प० (शुभति), २. शुम्भ ६।३३ प०
(शुम्भति), ३. सुभ सुम्भ ६।३३ पाठा०
प० (सुभति, सुम्भति) ।

खेलना = १. खेलृ १।३६३, ६४ प०
(खेलति) २. क्ष्वेल १।३६३ प० (क्ष्वेलति),
३. क्रीडृ १।२४१ प० (क्रीडति), ४. तेवृ
१।३३६ आ० (तेवते), ५. रमु १।५६२
आ० (रमते), ६. वि + भ्रमु १।५८६ प०
(विभ्रमति/विभ्रम्यति), ७. लल १।२४८

पाठा० प० (ललति), ८. लस १।४७३ प० (लसति), ९. वि+हृञ् १।६४० उ० (विहरति/ते), १०. लल १०।१५६ आ० (लालयते), ११. अनु, आ, परि, सम्+क्रोड् १।२४१ आ० (अनुक्रीडते, आक्राडते, परिक्रीडते, संक्रीडते) ।

खेलना, क्रीडा करना=१. देवृ १।३३६ आ० (देवते), २. दीधीङ् २।६६ आ० (दीधीति), ३. चल ६।६६ प० (चलति), ४. कुदं १।१९ आ० (कुदंते), ५. कूदं १।१९ पाठा० आ० (कूदंते), ६. खुदं १।१९ आ० (खुदंते), ७. गुद १।१९ आ० (गोदते), ८. गुध १।१९ आ० (गोधते) ।

खेलना, प्रेम क्रीडा करना=१. इला १।१२७ प० (इलायति) ।

खेंचना=१. दुह २।४ उ० (दोषिघ, दुघे) ।

खेंच के बाहर निकालना=१. निस्+कुष ६।५० प० (निष्कुष्णाति) ।

खेंच के बांधना=१. खच १० क्वा० प० (खचयति) ।

खेंच के समीप में लाना=१. सन्नि+कृष १।७१६ प० (सन्निकर्षति), ६।६ उ० (सन्निकृषति, ते) ।

खोना=१. निर+यसु ४।१०० प० (निर्यस्यति) ।

खोजना=१. उत्+स्था १।६६२ आ० (उत्तिष्ठते) ।

खो जाना=१. नश ४।८३ प० (नश्यति/प्र-प्रणश्यति) ।

खोट मिला कर (सोने आदि में) चुराना=१. खोट १०।२९९ उ० (खोटयति, ते) ।

खोट मिलाना=१. खोट १०।२९९ उ० (खोटयति, ते) ।

खोटे (निन्दित) मार्ग पर चलना=१. खोट १०।३० क्व० क्षेपे उ० (खोटयति, ते) २. खोड १०।३०० पाठा० प० (खोडयति) ।

खोदना=१. तसु ४।१०२ प० (तस्यति), २. खै १।६५१ प० (खायति), ३. खनु १।६१८ उ० (खनति, ते) ४. रह १।४३ प० (रहति) ।

खोलना=१. व्या+दाब् ३।९ उ० (व्याददाति, व्यादत्ते), २. व्या+दाण्-यच्छ् १।६६४ प० (व्यायच्छति) ।

खोब देखना=१. वेद १।१।१० प० (वेद्यति) ।

ग

गङ्गड़ाना=स्फूर्जा १।१४४ पाठा० स्फूर्जा १।१४४ प० (स्फूर्जति) ।

गङ्गड़ होना=सम्+भ्रमु १।५८९

प० (सम्भ्रमति, सम्भ्रम्यति) ।

गण्डमाला होना=गडि-गण्ड १।५३; २।५१ प० (गण्डति) ।

- गति करना=अधि-अङ्घ् १।७५
 आ० (अङ्घते) ।
- गति देना=सेलू १।३६४ प०
 (सेलति) ।
- गतिशील करना=सेलू १।३६४ प०
 (सेलति) ।
- गतिरोध करना=पील १।३४८ प०
 (पीलति) ।
- गद्गद् स्वर में बोलना=गद्गद्
 १।१२५ प० (गद्गद्यति) ।
- गमन करना=ष्वष्क १।७४ आ०
 (ष्वष्कते) ।
- गमन में विघ्न होना=शुठ १।२३२
 प० (शोठति) ।
- गरम करना, तपाना=१. धूप
 १।२८० प० (धूपायति), २. कुट १०।
 १६७ आ० (कोटयते), ३. कुट्ट १०।१७१
 आ० (कुट्टयते) ।
- गर्जना करना, पुकारना=१. गूज
 १।१५२ प० (गर्जति), २. गूजि-गूञ्ज
 १।१५२ प० (गूञ्जति) ।
- गर्त में होना=१. अभि+कृ ६।
 ११८ प० (अभिकरति) ।
- गर्भ गिराना=१. रिचिर्-रिच्
 ७।४ उ० (रिणक्ति/रिङ्कते) ।
- गर्भधारण करना=१. सु १।६७४
 प० (सवति), २. सु २।३४ प० (सौति,
 प्र-प्रसौति), ३. सूष १।४५६ पाठा० प०
 (सूषति), ४. सूड् २।२४ आ० (सूते),
 २।२२ आ० (सूयते), ५. भ्रूण १०।
 १५६ आ० (भ्रूणयते) ।

- गर्भपाल कराना=१. रिचिर्-रिच्
 ७।४ उ० (रिणक्ति, रिङ्कते) ।
- गर्भवती (गाभिन) होना=१.
 वेवीड् २।७० आ० (वेवीते), वी २।४१
 प० (वेति), २. वृष १०।१७३ आ०
 (वर्षयते), ३. ई २।४१ प० (एति) ।
- गर्व करना=१. मच १।१०३ आ०
 (मचते), २. शौट्ट १।१८७ प० (शौटति),
 ३. कक १।७१ आ० (ककते), ४. गर्व
 १।३८८ प० (गर्वति), ५. खर्व १।३८८
 प० (खर्वति), ६. खर्व १।२८८ प०
 (खर्वति), ७. धृषा ५।२२ प० (धृष्णोति),
 ८. मुचि-मुञ्च् १।१०३ आ० (मुञ्चते) ।
- गर्व (बड़ाई) करना=१. कर्व १।
 ३८८ प० (कर्वति) ।
- गर्वित होना=१. ह्य ४।८५ प०
 (ह्यति) ।
- गर्वादि से दिवाना होना=१. दिवु
 ४।१ प० (दीव्यति) ।
- गर्वीला होना=१. चह १।४८४ प०
 (चहति), १०।६२ उ० (चाहयति, ते), २.
 मठ १।२२४ प० (मठति), ३. मन १०।
 १७८ आ० (मानयते) ।
- गलती करना=१. श्रम्भु १।२७७
 आ० (श्रम्भते) ।
- गलती न करना=१. रघ ४।८२
 प० (रघ्यति) ।
- गलना=१. क्षर १।५६० प०
 (क्षरति) ।
- गल जाना=१. परि+गल आ०
 (परिगलयते) ।
- गलाना=१. ली १०।२३५ उ०

(लाययति, ते/लयति/लीनयति, ते) ।

गलित होना=१. वि+शृ ६।१७
आ० (विशीर्यते) ।

गले लगाना (आलिगन करना) =
१. प्रति+गृह ६।६४ प० (प्रति-गृह्णाति),
२. उप+स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते),
३. स्वञ्ज् १।७०३ आ० (स्वञ्जते),
४. परि+रभि-रम्भ् १।२७० आ०
(परिरम्भते), ५. लस १।४७३ प०
(लसति), ६. आ+लिंगि-लिङ्ग १।८८ प०
(आलिङ्गति), ७. सञ्ज १।७१३ प०
(सजति), ८. अत्र १।३६६ प० (अवति),
९. श्लिष ४।७५ प० (श्लिष्यति), १०।
४३ उ० (श्लेषयति, ते), १०. कुश ४।
१०८ पाठा० प० (कुश्यति), ११. पुट
६।७६ प० (पुटति), १०।३३३ उ० (पुट-
यति, ते) ।

गाली बेना=१. परि+हृञ् १।६४०
उ० (परिहरति, ते), २. हिट १।२११
प० (हेटति), ३. चर्च १।४७५, ६।१७
प० (चर्चति), ४. बिट १।२१० प०
(बेटति), ५. शप १।७२३ उ०
(शपति, ते), ४।५७ उ० (शप्यति, ते), ६.
आ+कृश १।५६५ प० (आक्रोशयति) ।

गालों पर रोप होना=१. गडि-गण्ड
१।५३, २।५१ प० (गण्डति) ।

गाना=१. गै १।६५३ प०
(गायति) ।

गाभिन होना=१. वृष १०।१७३
आ० (वर्षयते), २. वी २।४१ प०
(वेति) ।

गांठ बांधना=१. ग्रथि-ग्रन्थ १।२६
आ० (ग्रन्थते), २. पश १०।१८८ उ०
(पाशयति, ते), १०।२८७ पाठा०
(पशयति, ते) ।

गांठ लगाना=१. ग्रन्थ १०।२५१
प० (ग्रन्थयति) ।

गिड़गिड़ाना=१. स्था १।६६२
आ० (तिष्ठते) अभि+शसु १।४८२ प०
(अभिशासति) ।

गिनना=१. शृत्व १०।७८ प०
(शृत्वयति), २. शूर्प १०।७६ उ० (शूर्प-
यति, ते), ३. निष्क १०।१५५ आ०
(निष्कयते), ४. अङ्क् १०।३५५ उ०
(अङ्कयति, ते), ५. कल १०।२६० उ०
(कलयति, ते), ६. कुल १।५८३ प०
(कोलति), ७. अधि+गरा १०।२८१
प० (अधिगरायति), ८. अकि-अङ्क् १।
६८ उ० (अङ्कयति, ते), ९. कल १।
३३४ आ० (कलते), १०. माह १।६३६
उ० (माहति, ते) ।

गिनना, नापना=१. गण १०।२८१
प० (गणयति) ।

गिनना, संकलन करना=१. सम्+
ख्या २।५३ प० (संख्याति) ।

गिरना=१. नड क्षीर० १०।१२
पाठा० उ० (नाडयति, ते), २. अंशु १।
५०४ पाठा० आ० (अंशते), ३. अंसु
१।५०४ आ० (अंसते), ४. रीङ् ४।२८
आ० (रीयते), ५. अशु १।५०६ आ०
(अशते), ६. अंशु १।५०६ आ० (अंशते),
४।११५ प० (अश्यति), ७. संसु १।५०४

आ० (जंसते) ८. शद्लृ ११५६४, ६।
१३७ आ० (शीयते), ६. स्खल ११३६५
प० (स्खलति) ।

गिरना, गिर पड़ना=१. वि+शृ
६।१७ आ० (विशीर्यते), २. घृङ् १०।
६८७ आ० (घरते), ३. च्युङ् १।६८४
आ० (च्यवते) ।

गिरना, हिलना=१. क्षर १।५६०
प० (क्षरति) ।

गिरवी रखना=१. द्राह् १।४२६
आ० (द्राहते) ।

गिराना=१. वल्यूल १०।३०६
पाठा० उ० (वल्यूलयति, ते), २. पल्पूल
१०।३०६ उ० (पल्पूलयति, ते), ३.
पल्पूल १०।३०६ पाठा० उ०
(पल्पूलयति, ते) ।

गिराना, हिलाना, ढहाना=१. क्षर
१।५६० प० (क्षरति) ।

गीला करना=१. स्विदा १।४६६
आ० (स्वेदते), २. मिवि १।३६१ प०
(मिन्वति). ३. मृधु १।६१३ उ० (मर्दति,
ते), ४. सच १।६७ आ० (सचते), ५.
मिह १।७१८ प० (मेहति), ६. शीकृ १।
६१ आ० (शीकते), ७. उक्ष १।४३६ प०
(उक्षति), ८. चुत १ क्वा० प०
(चोतति) ।

गीला करना, तरड़ा देना, सींचना=
१. घृ १।६७१ प० (घरति) ।

गीला होना=१. चुत १. क्वा० प०
(चोतति), २. स्तिम, स्तीम ४।१७ प०
(स्तिम्यति, स्तीम्यति). ३. वर्ष १।४०८
आ० (वर्षते), ४. मृधु १।६१३ उ०

(मर्दति, ते), ५. शृधु १।६१३ उ०
(शर्धति, ते), ६. शुचिर्-शुच् ४।५४ उ०
(शुच्यति, ते), ७. तीम ४।१७ प०
(तीम्यति) ।

गुञ्जारना=१. कुजि-कुञ्ज १।११६
पाठा० प० (कुञ्जति) ।

गुञ्जारव=१. गुज ६।७८ प०
(गुजति), गुजि-गुञ्ज १।११६ प०
(गुञ्जति) ।

गुणदोष दिखाना=१. शिष्लू ७।१४
प० (विशिनष्टि) ।

गुणाकार करना=१. अनु+पद
४।५८ आ० (अनुपद्यते), १०।३२० आ०
अदन्त (अनुपदयते) ।

गुणा (गुणन) करना=१. गुण
१०।३१६ उ० (गुणयति, ते) ।

गुन गुनाना=१. स्विदा १।७०५ प०
(स्वेदति) ।

गुप्त भाषण करना=१. मन्त्रि-मन्त्र
१०।१४६ आ० (मन्त्रयते/मन्त्रति) ।

गुप्त (छिपकर) रहना=१. प्रसि
+घाञ् ३।१० उ० (प्रसिदधाति,
प्रसिधत्ते) ।

गुप्त होना=१. लुबि-लुम्ब १।२६१
प० (लुम्बति), १०।१२५ उ० (लुम्बयति),
२. अन्तर्+घीङ् ४।२६ आ० (अन्त-
र्धीयते) ३. तुबि-तुम्ब १०।१२५ उ०
(तुम्बयति, ते) ।

गुम्फित करना=१. स्पश १।६२७
प० (स्पशति), २. अन्थ ६।४५ प०
(अन्थति), १० उ० (अन्थयति, ते/
अन्थति) ।

गुस्सा करना=१. वक्ष १।४४३ प० (वक्षति), २. हृणीङ् ११।३१ आ० (हृणीयते), ३. रुष १०।१४० उ० (रोषयति, ते), ४. रुड् १।६८६ आ० (रवते), ५. रुट् १०।१४१ उ० (रोटयति, ते) ६. आ+मृष ४।५३ उ० (आमृष्यति, ते), १०।२७६ उ० (आमर्षयति, ते/आमर्षति), ७. मिश १।४७६ प० (मेशति), ८. जूरी ४।४५ आ० (जूर्यते), ९. मन्तु ११।२ उ० (मन्तूयति, ते), १०. चडि-चण्ड १।१७७ आ० (चण्डते), १०।५६ उ० (चण्डयति, ते), ११. भाम १।३०० आ० (भामते/उ० भामयति, ते), १२. कुप ४।१२२ प० (कुप्यति) ।

गूंगा होना=१. कल्ल १।३३५ आ० (कल्लते) ।

गूथना=१. मुट् १०।८१ उ० (मोटयति, ते), २. चृती ६।३५ प० (चृतति), ३. हमी ६।३४ प० (हमति), ४. ग्रथि-ग्रन्थ १।२६ आ० (ग्रन्थते), ५. श्रन्थ ६।४५ प० (श्रथ्नाति), १०. उ० (श्रन्थयति, ते/श्रन्थति), ६. सिञ् ५।२ उ० (सिनोति, सिनुते), ६।५ उ० (सिनाति, सिनीते) ७. पुट् ६।७६ प० (पुटति), १०।३३३ उ० (पुटयति, ते), ८. विनि+युजिर्-युज् ७।७ उ० (विनियुनक्ति, विनियुङ्क्ते), ९. युञ् ६।७ उ० (युनाति, युनीते), १०. वट् १।१६६ प० (वटति), ११. वट् १०।२८३ उ० (वटयति, ते) ।

गूथना, लपेटना=१. पट् १०।२८३

उ० (पटयति, ते) ।

गूथना, गुम्फन करना=१. गुफ, गुम्फ ६।३१ प० (गुफति, गुम्फति) ।

गोदना=१. लुबि-लुम्ब १।२६१ प० (लुम्बति), १०।७२५ उ० (लुम्बयति, ते) ।

गोद में लेना=१. अङ्क १०।३५५ उ० (अङ्कयति, ते), २. अकि, अङ्क १।६८ उ० (अङ्कयति, ते) ।

ग्रन्थ बनाना=१. रच १०।२८६ उ० (रचयति, ते), २. गाघृ १।४ आ० (गाघते) ।

ग्रन्थन करना, रचना=१. गुफ, गुम्फ ६।३१ प० (गुफति, गुम्फति) ।

ग्रन्थ लिखना=१. ग्रन्थ ६।४५ प० (ग्रथ्नाति) १०।२६४ प० (ग्रन्थयति) ।

ग्रन्थादि की समाप्ति करना=उप-सम्+आप्लृ ५।१५ प० (उपसमाप्नोति) ।

ग्रहण करना=१. हु ३।१ प० (जुहोति), २. स्नुसु ४।५ प० (स्नुस्यति), ३. स्पर्श १०।१५० पाठा० आ० (स्पर्शयते), ४. हृव् १।६४० उ० (हरति, ते), ५. ला २।५१ प० (लाति), ६. तुञि-तुञ्ज् १०।३५ उ० (तुञ्जयति, ते), ७. त्वच ना० धा० प० (त्वचयति) ।

ग्रहण करना, लेना=१. अष १।६२६ उ० (अषति, ते), २. प्रति+इषु-इच्छ ६।६१ प० (प्रतीच्छति), ३. ऋषि क्वा० १. प० (अर्षति), अष १।३६६ प० (अवति), ४. कृक् १।७१ आ० (कोकते), ५. पक्ष १।४४७ प० (पक्षति), १०।१८ उ० (पक्षयति, ते) ।

ग्लानियुक्त होना = १. ग्लै १६४४ प० (ग्लायति) ।

घ

घटना, कम होना = १. पुट्ट १०३० उ० (पुट्टयति, ते) ।

घटित होना = १. नि + पत्लू-पत् १५८४ प० (निपतति) ।

घण्टा के समान शब्द करना = १. प्र + नद १४४ प० (प्रणदति/समुत्-समुन्नदति) ।

घना (निबिड) होना = १. गह १० क्वा० प० (गहयति) ।

घना (टढ़) होना = १. निल ६७० प० (निलति, प्र-प्रणिलति) ।

घबराणा = १. भी ३२ प० (बिभेति), २. शकि-शङ्क् १६७ आ० (शङ्कते, आ-आशङ्कते), ३. क्रदि-क्रन्द १५२३ आ० (क्रन्दते), ४. क्लद १५२५ आ० (क्लदते), ५. क्लदि-क्लन्द १५२३ आ० (क्लन्दते), ६. ह्वल १५४६ प० (ह्वलति), १०. प० (ह्वलयति) ।

घबरा जाना = १. क्रद १५२४ आ० (क्रदते) २. लस्जी ६१० आ० (लज्जते), ३. रूप ४१२४ प० (रूप्यति), ४ युप ४१२४ प० (युप्यति), ५. कदि-कन्द १५२३ आ० (कन्दते) ।

घबरा जाना, व्याकुल होना = १. क्रद १५२४ आ० (कदते) ।

घातकी होना = १. हठ १२२७ प० (हठति) ।

घाव करना = १. ब्रण १०३६४ उ० (ब्रणयति, ते), २. शर्व १३८६ प० (शर्वति), ३. सम् + तक्षू १४३८ प० (संतक्षति/संतक्ष्योति), ४. तुद ६११ उ० (तुदति, ते), ५. शुचिर्-शुच् ४५४ उ० (शुच्यति, ते), ६. सूद १२० अ० (सूदते), १०१८६ उ० (सूदयति, ते) ।

घास खाना = १. तृणु ८६ उ० (तृणोति, तृणुते/तृणोति, तृणुते) ।

घिसना = १. लुप्त-लुम्प् ६१४० उ० (लुम्पति, ते), २. मुट १२१५ प० (मोटति), ३. घृषु १४७० प० (घषति), ४. घष १. क्वा० आ० (घषते), ५. मुट ६१८३ प० (मुटति) ।

घिस के स्वच्छ करना = १. घष १. क्वा० आ० (घषते) ।

घुंघरुओं का शब्द होना = १. पिजि-पिञ्ज २२० आ० (पिङ्कते) ।

घुङ्कना = १. भर्त्स १०१५१ आ० (भर्त्सयते), २. भृ ६२० प० (भृणाति), ३. भाम १३०० आ० (भामते/उ० भामयति, ते) ।

घुसाना = १. परि + अञ्चु-अञ्च् १६०२ उ० (पर्यञ्चति, ते) ।

घुसना = १. विश ६१३३ प० (विशति, प्र-प्रविशति) ।

घुसना, घंसना = १. अघ १३६६

प० (अवति) ।

घूमना=१. हिडि-हिण्ड् १।१६७
आ० (हिण्डते, आ-आहिण्डते), २. व्रज
१।१५४ प० (व्रजति), ३. व्रज १०।
८३ उ० (व्राजयति, ते), ४. वि+च्
१।३७६ आ० (विचरते), ५. अग १।५३८
प० (अगति), ६. परि+क्रमु १।३१९प०
(परिक्रामति, परिक्राम्यति), ७. क्लथ
१।३४२ प० (क्लथयति), ८. पथि-पन्थ
१०।४४ उ० (पन्थयति, ते/पन्थते)

घूमना-फिरना=१. अट १।१९२
प० (अटति/क्व० आ० अटते) ।

घूरना, घुराना=१. घुर ६।५६ प०
(घुरति) ।

घूसा मारना=१. चडि-चण्ड् १।
१७७ आ० (चण्डते), १०५६ उ०
(चण्डयति, ते) ।

घेरना=१. स्तै १।६५७ प० (स्ना-
यति), २. स्तयै १।६५० प० (स्तयायति),
३. स्तै १।६५६ प० (स्तायति), ४. वट
१।१९६ प० (वटति), ५. वी २।४१ प०
(वेति, सम-समवेति), ६. परि+वृत्तु १।
५०८ आ० (परिवर्तते), ७. वल १।३३१
आ० (वलते), ८. वेष्ट १।१५६ आ०
(वेष्टते), ९. आ, परि+वृञ् ५।८ उ०
(आवृणोति, आवृणुते—परिवृणोति,
परिवृणुते), १०. कुठि-कुण्ड १०।५२ उ०
(कुण्डयति, ते), ११. कटे १।१९० प०
(कटति), १२. कुस ४।१०८ प०
(कुस्यति), १३. गुध ४।१४ प० (गुध्यति),
१४. रुधिर-रुध् ७।१ उ० (रुणद्धि-रुन्धे),

(उप-उपरुणद्धि, उपरुन्धे) १५. मगध १।१।
१३ प० (मगध्यति), १६. मुर ६।५४ प०
(मुरति), १७. परि+भू १।१ प०
(परिभवति) ।

घेर लेना=१. स्तिघ ५।१९ आ०
(स्तिघ्नते), २. सम+वी २।४१ प०
(समवेति), ३. वट १।१९६ प० (वटति),
४. अस १०।२२० उ० (आसयति, ते), ५.
परि+गम्लू-गच्छ् १।७०९ प० (परि-
गच्छति), ६. रुधिर-रुध् ७।१ उ०
(रुणद्धि, रुन्धे/उप-उपरुणद्धि, उपरुन्धे) ।

घेरना, पर्वा डालना=१. गुठि-गुण्ठ
१०।५२ उ० (गुण्ठयति, ते) ।

घेर लेना, वेष्टित करना=१. कृती
७।१० प० (कृणति) ।

घेरना, घेर लेना=१. गुडि-गुण्ड्
१०।५१ उ० (गुण्डयति, ते) ।

घेराव करना=१. अड्ड १।२३९
प० (अड्डति) ।

घेरे में लेना=१. हेड १।५२८ प०
(हेडति) ।

घृणा करना=१. अवधीरना० धा०
उ० (अवधीरयति, ते), २. अप+कृष
१।७१६ प० (अपकर्षति), ६।६ उ०
(अपकृषति ते), ३. तिरस्+कृञ् ८।१०
प० (तिरस्करोति), ४. बध १।७००, १०।
१५ आ० (बधते/उ० बाधयति, ते) ।

घोटना (चलाना), हिलाना=१.
घट १०।१९१ उ० (घाटयति, ते) ।

घोषित करना=१. घुषिर-घुष १०।
१९५ उ० (घोषयति, ते) ।

च

चक्रमा (घोला) देना = १. चक १।
७३ प० (चकति)।

चक्राकार उड़ना = १. परि + डीङ्
१।६६५ आ० (परिडयते), ४।२५
(परिडीयते)।

चक्राकार घूमना = १. घूर्ण १।२६७
आ० (घूर्णते), ६।५० प० (घूर्णति), २.
आ + वृत् १।५०८ आ० (आवर्तते, परि-
परिवर्तते, वि-विवर्तते), ३. भ्रमु १।५८६
प० (भ्रमति/भ्रम्यति)।

चक्राकार घूमना, फिरना, लोटना =
१. घुण १।२६७ आ० (घोणते), ६।५०
प० (घुणति)।

चकित होना = १. स्तम्भि-स्तम्भ १।
२७१ आ० (स्तम्भते)।

चखना = १. लिह २।६ उ० (लेडि,
लीडे), २. लग १०।१८७ क्षीर उ० (लाग-
यति, ते), ३. स्वद १।१७ आ० (स्वदते),
१०।२२८ उ० (स्वादयति, ते), ४. स्वाद
१।२३ आ० (स्वादते), १०।२२६ उ०
(स्वादयति, ते), ५. स्वदं १।१७ आ०
(स्वदंते), ६. रस १०।३५८ उ०
(रसयति, ते)।

चञ्चल होना = १. कक १।७१ आ०
(ककते)।

चढ़ना = १. अधि + र्ह १।५६८
प० (अधिरोहति)।

चढ़ाई करना = १. आ + सद १०।
२५८ उ० (आसादयति, ते/आसदति, ते),

२. अय + स्कन्दिर-स्कन्द् १।७०६ आ०
(अयस्कन्दते)।

चतुर होना = १. लश्, २. लष् १०।
१७४ पाठा० क्षीर० प० (लाशयति,
लाषयति), ३. लस् १०।१६४ उ०
(लासयति, ते)।

चतुराई से चलना = १. घोर्त् १।
३७२ प० (घोरति), २. घोर्त् १।३७२
प० (घोरति)।

चपलता से उड़ना = १. प्र + डीङ्
१।६६५ आ० (प्रडयते) २।२५ आ०
(प्रडीयते)।

चपलता से यत्न करना = १. पेष् १।
४११ आ० (पेषते)।

चपेटना = १. यत् १०।२०३ उ०
(यातयति, ते)।

चबाना = १. चर्व १।२८८, ८६ प०
(चर्वति), २. वि + अद् २।१ प०
(व्यत्ति), ३. चर्व १।३८६ प० (चर्वति/
१० क्वा० चर्वयति)।

चबाना, दांतों से काटना = १. खर्द
१।४६ प० (खर्दति)।

चमकना, प्रकाशित होना, बेदी-
प्यमान होना = १. लुट १०।२२३ उ०
(लोटयति, ते), २. लज, लजि-लञ्ज्
१०।२२४ उ० (लाजयति, ते)/..., ३.
उत् + लस १।७७३ प० (उल्लसति), ४.
लधि-लङ्घ् १०।२२४ उ० (लङ्घयति,
ते), ५. रेज् १।१११ पाठा० क्षीर० आ०

(रेजते), ६. रुशि-रुंश् १०।२२४ उ० (रुंश-
यति, ते/रुंशति), ७. रुट १०।२२४ उ०
(रोटयति, ते), ८. रुच १।४६८ आ०
(रोचते), ९. सिभु, सिम्भु १।२६४ प०
(सेभति, सिम्भति), १०. सुर ६।५१ प०
(सुरति), ११. शुभ १।५०१ आ० (शोभते),
१२. शुम्भ ६।३३५० (शुम्भति), १३. शीक
१०।२२३ उ० (शीकयति, ते), १४. वृत्तु
१०।२२३ उ० (वर्तयति, ते), १५. वृष्टु
१०।२३२ उ० (वर्षयति, ते), १६. वृहि-
वृंह १०।२२३ उ० (वृंहयति, ते/वृंहति),
१७. पुथ १०।२२३ उ० (पोथयति, ते),
१८. पुट १०।२२३ उ० (पोटयति, ते),
१९. पिसि-पिप्स् १०।२२३ उ० (पिसयति,
ते), २०. पुटि-पुण्ट १०।२२४ उ० (पुण्टयति,
ते), २१. भा २।४४ प० (भाति), २२. भासू
१।४१५ आ० (भासते), २३. भजि-भञ्ज
१०।२२३ उ० (भञ्जयति, ते), २४. भस
३।१७ प० (बभस्ति), २५. लडि-लण्ड
१०।२२५ उ० (लण्डयति, ते/लण्डति),
२६. भ्रेजू १।१०६ आ० (भ्रेजते), २७.
भ्राजू १।१०६, ५७० आ० (भ्राजते),
२८. भ्लाशू १।५७० आ० (भ्लाशते/
भ्लाशयते), २९. मदि-मन्द् १।१२ आ०
(मन्दते), ३०. भ्राशू १।५७० आ०
(भ्राशते/भ्राशयते), ३१. मिजि-मिञ्ज
१०।२२३ उ० (मिञ्जयति, ते/मिञ्जति),
३२. भृशि-भृंश् १०।२२४ उ० (भृंश-
यति, ते), ३३. राजू १।५६९ आ०
(राजते, वि-विराजते), ३४. कच १।
१०१ आ० (कचते), ३५. कृप १०।२२३

उ० (कोपयति, ते), ३६. अभि + ख्या २।
५३ प० (अभिख्याति), ३७. कुशि-कुंश्
१०।२२३ उ० (कुंशयति, ते/कुंशति),
३८. ऋच ६।१९ प० (ऋचति), ३९.
अञ्जू-अञ्ज् ७।२० प० (अनक्ति न्व०
आ० अङ्क्ते), ४०. अर्च (वेदे) १।१२०
प० (अर्चति), १०।२३२ उ० (अर्चयति,
ते), ४१. काशू १।४३० आ० (काशते/
४।५१ काश्यते), ४२. कासू १।४१४ आ०
(कासते), ४३. कचि-कञ्च् १।१०२ आ०
(कञ्चते), ४४. कनि १।३११ प०
(कनति), ४५. कनसि-कनस् १. क्वा०
(कनसति, १० प० कनसयति), ४६. क्षपि-
क्षम्प् १।०८६ उ० (क्षम्पयति, ते/क्षम्पते),
४७. नहि-नंह १०।२२४ उ० (नंहयति, ते),
४८. नल १०।२२५ उ० (नालयति, ते),
४९. पट १०।२२३ उ० (पाटयति, ते), ५०.
चकासू २।६७ प० (चकास्ति, न्व० आ०
चकास्ते), ५१. ज्युतू १।२६ पाठा० आ०
(ज्योतते), ५२. तड १०।२२५ उ० (ताड-
यति, ते), ५३. चीव १०।२२३ उ० (चीव-
यति, ते), ५४. घृ (छा०) ३।१४ प०
(जिघर्ति), ५५. घट १०।२२३ उ०
(घटयति, ते), ५६. घटि-घण्ट १०।२२३
उ० (घण्टयति, ते), ५७. जुतू १।२६
आ० (जोतते), ५८. घण्ण ८।७ पाठा० उ०
(घणोति; घणुते), ५९. घृणु ८।७ उ०
(घृणोति, घृणोति/घृणुते, घृणुते), ६०.
तर्क १०।२२३ उ० (तर्कयति, ते), ६१.
चदि-चन्द १।५६ प० (चन्दति), ६२.
छदिर-छद ७।८ उ० (छणति, छन्ते), ६३.

कुसि-कुंस् १०।२२३ उ० (कुंसयति, ते/
कुंसति), ६४. कुष १।५० प० (कुषणाति),
६५. दंशि-दंश् १०।२२३ उ० (दंशयति,
ते), ६६. वचं १।१६६ आ० (वचंते), ६७.
विच्छ १०।२२३ उ० (विच्छयति, ते),
६८. वल्ह १०।२२३ उ० (वल्हयति, ते);
६९. वर्ह १०।२२३ उ० (वर्हयति, ते),
७०. वर्ण १०।३३५ उ० (वर्णयति, ते),
७१. रहि-रंह १०।२२४ उ० (रंहयति,
ते), ७२. तुज १०।३५ उ० (तोजयति, ते),
७३. वनसु ४।७ प० (वनस्यति), ७४.
स्तुच १।१०६ आ० (स्तोचते), ७५. हर्यं
१।३४४ प० (हर्यति), ७६. हट १।२०५
प० (हटति), ७७. युतृ १।२६ आ०
(योतते), ७८. रधि-रड्घ् १०।२२४ उ०
(रंहयति, ते), ७९. लेला १।१७ प०
(लेलायते), ८०. लोकृ १०।२२३ उ०
(लोकयति, ते), ८१. लोचृ १०।२२३ उ०
(लोचयति, ते), ८२. त्रसि-त्रंस् १०।२२३
उ० (त्रंसयति, ते), ८३. तुजि-तुञ्ज् १०।
३५, २२३ उ० (तुञ्जयति, ते), ८४. द्युत
१।४६३ आ० (द्योतते), ८५. दसि-दंस्
१०।२२४ उ० (दंसयति, ते), ८६. दिवृ
४।१ प० (दीव्यति), ८७. नद १०।२२३
उ० (नादयति, ते), ८८. दीधीङ् २।६९
आ० (दीधीते), ८९. नट १०।२२४ उ०
(नाटयति, ते) ९०. त्विष् १।७०७ उ०
(त्वेषति, ते), ९१. इन्धी७।१ आ० (इन्धे),
९२. अष् १।६२६ उ० (अपति, ते), ९३.
घूप १०।२२३ उ० (घूपयति, ते) ।

चमकाना प्रकाशित करना=१.

काचि-काञ्च् १।१०२ आ० (काञ्चते),
२. अस् १।६२५ उ० (असति, ते), ३.
चृप १०।२४५ उ० (चर्पयति, ते/चर्पति),
४. तिज १।६९८ आ० (तेजते), १०।१२०
उ० (तेजयति, ते), ५. घुषि-घुष् १।४३५
आ० (घुषते) ।

चमकीला करना=१. पिजि-पिञ्ज
२।२० आ० (पिङ्कते) ।

चमत्कार करना=१. कुह १०।३२३
आ० (कुहयते) ।

चरना=१. तृणु ८।६ उ० (तृणोति,
तृणुते/तर्णोति, तर्णुते) ।

चरमोत्कर्ष पर पहुंचना=१. रेखा
१।१३३ प० (रेखायति) ।

चर्चा करना=१. सम्प्र+घाञ् ३।
१० उ० (संप्रदधाति, सम्प्रघत्ते) प्रतिसम्-
प्रतिसंदधाति, प्रतिसंधत्ते) ।

चलना=१. स्कुदि-स्कुन्द १।८ आ०
(स्कुन्दते), २. हाङ् ३।७ आ० (जिहीते),
३. रुङ् १।६८६ आ० (रवते), ४. सद्लृ
१।५६३, ६।१३६ प० (सीदति), ५. श्वठ्
श्वठि-श्वण् १०।३३ उ० (श्वाठयति, ते/
श्वण्ठयति, ते), ६. फण १।५६७ उ०
(फणयति, ते), ७. मर्व १।२८८ प०
(मर्वति), ८. शट १।१६५ प० (शटति),
९. वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते) ।

चलना टहलना=१. अग्नि-अङ्ग्
१।८८ प० (अङ्गति) ।

चाकरी करना=१. श्रिञ् १।६३८
उ० (श्रयति, ते), २. सत् १।३३३ प०
(सनति), ३. वृतृ ४।४६ आ० (वृत्यते);

४. म्लेवृ १।३३७ आ० (म्लेवते), ५. वावृतु ४।४६ आ० (वावृत्यते), ६. वन १।३१२, १३ प० (वनति/क्वा० वनयति), ७. सेवृ १।३३७ आ० (सेवते), ८. अक्व + स्था १।६६२ आ० (अक्वतिष्ठते) ।

चाटना = १. लिह २।६ उ० (लेढि, लीढे) ।

चापलूसी करना = १. प्र + नीवृ १।६४२ आ० (प्रणयते) ।

चादर आदि से मुखादि छिपाना = १. अक्व + अथि-अन्थ १।२६ आ० (अक्व-अन्थते) ।

चार आदमियों के सामने बोलना = १. प्र + वद् १०।२६८ प० (प्रवदति) ।

चारों ओर घिर कर बैठना = १. पर्युप + अमु ४।६६ प० (पर्युपास्यति) ।

चारों ओर घुमाना = १. परि + इण २।३८ प० (पर्येति) ।

चारों ओर फैलना = १. अभि + सू १।६६६ प० (अभिसरति), ३।१६ प० (अभिससति) ।

चारों ओर फैलाना = १. विश ६।१३३ प० (विशति) ।

चारों ओर सन्ताप होना = १. इक्व क्व० ११ प० (इक्वस्यति) ।

चारों ओर से बांधना = १. आ + बन्ध ६।४१ प० (आबध्नाति) ।

चारों ओर से व्यापना = १. अभिवि + आप्लु-आप् ५।१५ प० (अभिव्याप्नोति, परिवि-परिव्याप्नोति), २.

अभिवि + आप्लु १०।२६५ उ० (अभिव्यापयति, ते/परि-पर्यापयति, ते) ।

चाल चलना = १. तिग ५।२० प० (तिगनोति), २. तिक ५।२० प० (तिकनोति) ।

चाहना, इच्छा करना = १. लष् १।६२८ उ० (लषति, ते/अभि-अभिलषति, ते), २.

लल १०।१५६ आ० (लालयते), ३. लड १०।७ उ० (लाडयति, ते), ४. लुभ ४।

१२५ प० (लुभ्यति), ५. अनु + रुघ ४।

६३ आ० (अनुरुध्यते), ६. आ + शसि १।४१६ आ० (आशंसते), ७. शृषु ४।१३२

प० (शृष्यति), ८. अभि + मन ४।६५ आ० (अभिमन्यते), ९. अभि + मनु ८।६

आ० (अभिमनुते), १०. मदि-मन्द १।१२ आ० (मन्दते), ११. अर्थ १०।३२६ आ०

(अर्थयते/क्व० प० अर्थयति/प्र-प्रार्थयते, प्रार्थयति), १२. एषु १।४१२ आ०

(एषते), १३. खट २०२ प० (खटति), १४. अप + ईक्ष १।४०५ (अपेक्षते),

१५. तृषु ४।११८ प० (तृष्यति), १६. दिवु ४।१ प० (दीव्यति), १७. धाक्षि-धाङ्क्ष

१।४५० प० (धाङ्क्षति), १८. हर्यं १।३४४ प० (हर्यति), १९. वर १०।२८०

उ० (वरयति, ते), २०. स्पृह १०।२६४ अदन्त उ० (स्पृहयति, ते), २१. वश २।७२

प० (वशति), २२. आ + शंसु १।४८३ प० (आशंसति), २३. वाक्षि-वाङ्क्ष १।४४६

प० (वाङ्क्षति), २४. वाञ्छि-वाञ्छ १।१२३ प० (वाञ्छति), २५. वेवीङ् २।७०

आ० (वेवीते), २६. कम १।३०२ आ०

(कामयते), २७. अभि+नदि-नन्द १।५५ प० (अभिनन्दति), २८. जुष १०।२६१ उ० (जोषयति, ते/जोषति), २९. कनी १।३११ प० (कनति), ३०. गर्ध १०।१३४ उ० (गर्धयति, ते), ३१. काक्षि-काङ्क्ष १।४४९ प० (काङ्क्षति/आ-आकाङ्क्षति)।

चाहे जो कर सकने की शक्ति होना=१. ईश २।१० आ० (ईंटे)।

चिकना करना=१. आ+अञ्जू ७।२० प० (आनक्ति...)।

चिकना होना=१. प्लुष ९।५८ प० (प्लुष्णाति), २. स्विदा १।४९६ आ० (स्वेदते) ३. तिल ६।६४ प० (तिलति) १०।७४ उ० (तेलयति, ते)।

चिकित्सा करना=१. भिषज् १।१। १८ प० (भिषज्यति)।

चिघाड़ना(हाथी का)=१. वृहि-बृह् १।४८८, ८९ प० (बृहति), २. वृहिर-वृह १।४९० उ० (बर्हति, ते)।

चित्त स्थिर करना=१. युज् ४।६६ आ० (युज्यते)।

चित्त वैकल्य होना=१. युष ४।१२४ प० (युष्यति)।

चित्र (तस्वीर) खींचना=१. चित्र १०।३४४ उ० (चित्रयति, ते), २. कवृ १।२६४ पाठा० आ० (कवते)।

चित्र बनाना=१. चित्र १०।३४४ उ० (चित्रयति, ते)।

चित्रित करना, रंगना=१. कृप १०।२१८ उ० (कल्पयति, ते)।

चिन्तन, मनन (विचार) करना=

१. ध्वी १।६४८ प० (ध्यायति), २. भू १०।२७१ उ० (भावयति, भवते/भवति), ३. स्यम १०।१६२ आ० (स्यामयते), ४. चिति-चिन्त १०।२ उ० (चिन्तयति, ते/चिन्तति)।

चिन्ता करना=१. चिति-चिन्त १०।२ उ० (चिन्तयति, ते/चिन्तति)।

चिह्न (निशान) करना=१. लाञ्छि-लाञ्छ् १।१२२ प० (लाञ्छति), २. लच्छ् १।१२२ प० (लच्छति), ३. अङ्घ् १०। ३५५ पाठा० उ० (अङ्घयति, ते), ४. अङ्ग १०।३५६ उ० (अङ्गयति, ते), ५. अङ्क १०।३५५ उ० (अङ्कयति, ते), ६. चिह्न १० क्वा० प० (चिह्नयति)।

चिह्नित करना=१. अकि-अङ्क १। ६८ आ० (अङ्कते)।

चिह्नों से दिखाना=१. अभि+नीञ् १।६४२ उ० (अभिनयति, ते)।

चिपक रहना=१. अनु+स्था १। ६६२ आ० (अनुतिष्ठते)।

चिपक के (सटके) रहना=१. येषु १।४११ पाठा० आ० (येषते), २. कृन्थ ९।४६ पाठा० प० (कृन्थति), ३. उप +पद ४।५८ आ० (उपपद्यते), १०।३२० आ० अदन्त (उपपद्यते)।

चिपकाना (मलना)=१. अनु+बन्ध ९।४१ प० (अनुबन्धाति), २. मल, मल्ल १।३३२ आ० (मलते, मल्लते)।

चिपके रहना=१. श्लिष ४।७५ प० (श्लिष्यति), १०।४३ उ० (श्लेषयति, ते), २. सञ्ज १।७१३ प० (सजति)।

चौरना, फाड़ना (रन्वा लगाना) =

१. रद १।४३ प० (रदति), २. स्फुट १०।१६० उ० (स्फोटयति, ते), ३. वर्ध १०।१२२ उ० (वर्धयति, ते), ४. वल्यूल १०।३०६ पाठा० उ० (वल्यूलयति, ते), ५. वस १०।२१३ उ० (वासयति, ते), ६. मुस ४।११० प० (मुस्यति), ७. बिल १०।७३ उ० (बिलयति, ते), ८. भिदिर्-भिद् ७।२ उ० (भिनत्ति, भिन्ते), ९. बिल ६।६८ प० (बिलति), १०. विल ६।६८ प० (विलति), ११. लुञ्च् १।११४ प० (लुञ्चति), १२. लुम्प-लुम्प् ६।१४० उ० (लुम्पति, ते), १३. लूम् ६।१२ उ० (लुनाति, लुनीते), १४. पूयी १।३२५ आ० (पूयते), १५. पिच्छ १०।४५ उ० (पिच्छयति, ते), १६. पिश ६।१४६ प० (पिशति), १७. वि+पट १०।२२३ उ० (विपाटयति, ते), १८. वृ ६।२२ प० (वृणाति), १९. दम्भु ५।२३ प० (दम्भोति), २०. ध्राड् १।१८५ आ० (ध्राडते), २१. द्राड् १।१८५ आ० (द्राडते), २२. दल १।३६६ प० (दलति), १०।२२२ उ० (दालयति, ते)।

चुटकी भर होना = १. चुडि-चुण्ड १।२१६ प० (चुण्डति)।

चुप रहना = १. श्वठ १०।२८२ अदन्त उ० (श्वठयति, ते)।

चुप होना = १. शठ १०।२८२ उ० (शठयति, ते)।

चुपके काम करना = १. घुषिर्-घुष् १।४३६ प० (घोषति)।

चुपके रहना = १. शठ १०।२८२ उ० (शठयति, ते)।

चुपड़ना = १. क्षिवा १।४६७ आ० (क्षिवादते), ४।१३० प० (क्षिद्यति), २. क्षिवा ४।१३० पाठा० प० (क्षिद्यति)।

चुमना = १. शल १।३३० आ० (शलते)।

चुम्बन लेना = १. निक्ष १।४४१ प० (निक्षति, प्र-प्रणिक्षति)।

चुराना = १. ह्व् १।६४० उ० (हरति, ते), २. लुण्ठ १०।३२ उ० (लुण्ठयति, ते), ३. रुटि-रुण्ट १।२१६ प० (रुण्टति), ४. रुठि-रुण्ठ १।२२० प० (रुण्ठति), ५. ह्व् २।७४ आ० (ह्वनुते), ६. अप+ह्व् १।६४० उ० (अपहरति, ते), ७. मूष १।४५४ प० (मूषति), ८. मुष १।४५८, ६।६० क्षीर० प० (मोषति, मुष्णाति), ९. स्तेन १०।३१८ उ० (स्तेनयति, ते), १०. लुटि-लुण्ट १।२१६ प० (लुण्टति/क्वा० लुण्टयति), ११. लुठि-लुण्ठ १।२२० प० (लुण्ठति)।

चुराना, चोरी करना = १. ग्रुजु १।११७ प० (ग्रोजति), २. कुजु १।११७ प० (कोजति)।

चुराना, मूसना = १. खुजु १।११७ प० (खोजति), २. चुरण् १।१२२ प० (चुरण्यति), ३. चूर् १०।१ उ० (चोरयति, ते)।

च्युत होना = १. स्खल १।३६५ प० (स्खलति), २. भृशु ४।११५ प० (भृ-

श्यति) ।

चूक कराना=१. लुप ४।१२४ प० (लुप्यति) ।

चूकना=१. लुप ४।१२४ प० (लुप्यति), २. श्रम्भु १।२७७ आ० (श्रम्भते), ३. स्रम्भु १।२७६ आ० (स्रम्भते) ।

चूटियां भरना=१. चुटि-चुण्ट १०।१२८ प० (चुण्टयति), २. त्वच् ना० धा० प० (त्वचयति) ।

चूना (भरना)=१. स्तेपृ १।२५२ आ० (स्तेपते), २. स्तु १।६७३ प० (स्तवति), ३. स्यन्दू १।५११ आ० (स्यन्दते, अनु-अनुस्यन्दते) ४. स्तिपृ १।२५२ आ० (स्तेपते), ५. चुत् १ क्वा० प० (चोतति), ६. रीड् ४।२८ आ० (रीयते), ७. स्तु २।३१ प० (स्तौति), ८. तिपृ १।२५२ आ० (तेपते) ।

चूसना=१. निक्ष १।४४१ प० (निक्षति, प्र-प्रणिक्षति), २. निसि-निस् २।१७ आ० (निस्ते), ३. चुवि-चुम्ब १।२६२ उ० (चुम्बति, ते), ४. (क्व०) घ्रा-जिघ्र १।६६० प० (जिघ्रति) ।

चूर्ण करना (मीडना)=१. मुट १०।८१ उ० (मोटयति, ते), २. मुडि-मुण्ड १।२१७ प० (मुण्डति), ३. मृड ६।४८ प० (मृड्याति), ४. मृद ६।४७ प० (मृदनाति), ५. चूर्ण ना० धा० ३।१२५ उ० (चूर्णयति, ते), ६. पिष्ट्लू ७।१५ प० (पिन्ष्टि) ।

चूर्ण करना, पीसना=१. जुडि-जुण्ड

१०।११५ पाठा० प० (जुण्डयति), २. जुड १०।११५ उ० (जोडयति, ते), ३. पुडि-पुण्ड १।२१८ प० (पुण्डति), ४. ध्वंसु १।५०४, ५०५ आ० (ध्वंसते) ।

चूर्ण होना=१. ध्वंसु १।५०४, ५०५ आ० (ध्वंसते) ।

चूसना=१. चूष् १।४५१ प० (चूषति) ।

चेतना=१. प्रेषृ १।४१२ आ० (प्रेषते) ।

चेताना=१. पीड १०।१२ उ० (पीडयति, ते) ।

चेष्टा (हरकत) करना=१. चेष्ट १।१५७ आ० (चेष्टते), २. पीड १०।१२ उ० (पीडयति, ते), ३. एठ १।१६६ आ० (एठते) ।

चोट पहुँचाना=१. द्रूव् ६।६ उ० (द्रूणाति, द्रूणीते) ।

चोट मारना=१. चुट १ क्वा० प० (चोटति), ६।८६ प० (चुटति), १०।८ उ० (चोटयति, ते) ।

चोरना, मूसना=१. ग्लुचु १।११७ प० (ग्लोचति) ।

चोरी करना=१. अप+ह्व १।६४० उ० (आहरति, ते), २. ह्व १।६४० उ० (हरति, ते), ३. मूष १।४५४ प० (मूषति), ४. मुष १।४५८, ६।६० क्षीर० प० (मोषति, मुष्याति) ।

चौकस करना=१. अनु+युजिर्-युज् ७।७ उ० (अनुयुनक्ति, अनुयुङ्क्ते) ।

चौकस होना=१. अधि+कृञ् ८।१० आ० (अधिकृस्ते) ।

छ

छल करना=१. दुःख १०३५७ उ० (दुःखयति, ते), १११५ प० (दुःखयति) ।

छलना=१. उदा+कृञ् ङा० आ० (उदाकुरुते) ।

छानना=१. शुच्य १३४३ प० (शुच्यति), २. तेषु १२५२, २५४ आ० (तेपते) ।

छाल निकालना=१. लुञ्च ११४ प० (लुञ्चति), २. त्वक्षु १४३८ प० (त्वक्षति) ।

छिद्र करना=१. बिल ६६८ प० (बिलति) ।

छिन्न-भिन्न करना=१. छिद्विर्- छिद् ७३ उ० (छिनत्ति, छिन्ते) ।

छिपना=१. कूप १० क्वा० प० (कूपयति), २. तिम ४१७ प० (तिम्यति), ३. नि+अञ्जू ७२० प० (न्यनक्ति), ४. निर्+पत्लू-पत् १५८४ प० (निर्पतति), ५. हुच्छी ११२६ प० (हूच्छति) ।

छिपकर जाना=१. त्सर १३७३ प० (त्सरति) ।

छिप जाना=१. अन्तर्+धीङ् ४१२६ आ० (अन्तर्धीयते), २. निल ६१७ प० (निलति, प्र-प्रणिलति) ।

छिपाना=१. हनुङ् २१७४ आ० (हनुते/आ-आहनुते/नि-निहनुते) २. स्थगे १५३४ क्षीर० प० (स्थगति, क्वा० उ० स्थगयति, ते), ३. सम्+वृञ् ५१८ उ०

(संवृणोति, संवृणुते), ४. लज १०११ उ० (लाजयति, ते), ५. खुड १ क्वा० प० (खोडति) ६१६७, ६८ प० (खुडति), १० क्वा० प० (खोडयति), ६. चुड १०१०२ प० (चुडति), ७. कूल १३५२ प० (कूलति), ८. छद १०२६० स्व० उ० (छादयति, ते/छदति, ते), अदन्त १०३६२ उ० (छदयति, ते), व्यव+घाञ् ३१० उ० (व्यवदधाति, व्यवधते) ।

छिपाना, ढांपना=१. विपरि+अङ्ग १०३५६ प० (विपर्यङ्गयति) ।

छिपाना, लुकाना=१. निर्, निष्+काशु १४३० आ (निष्काशते), ४५१ (निष्काशते) ।

छिपाना, वस्त्रादि से ढांकना=१. गृह १६३७ उ० (गोहति, ते) ।

छील के पैनाना=१. शो ४३६ प० (श्यति) ।

छीलना=१. तक्षु १४३८ प० (तक्षति/तक्षणोति), २. त्वक्षु १४३८ प० (त्वक्षति), ३. लुञ्च १११४ प० (लुञ्चति), ४. वृश्चू ६११ प० (वृश्चति) ।

छींकना=१. क्षु २१२६ प० (क्षीति) ।

छींटा देना=१. श्चुतिर्-श्चुत् १३४ पाठा० प० (श्चोतति), २. सिञ्च-सिञ्च् ६१४३ उ० (सिञ्चति, ते), ३. स्यन्दू १५११ आ० (स्यन्दते) ।

छींटा मारना=१. सच् ११६७ आ०

(सचते), २. शीकृ १।६१ आ० (शीकृते) ।

छूट जाना, मुक्त होना = १, प्र + उज्भ ६।२१ प० (प्रोज्भति) ।

छटना = १. विचिर्-विच् ७।५ उ० विनक्ति, विङ्क्ते) २. विजिर्-विज् ३। १२ प० (वेवेक्ति) ।

छूना = १. मृश ६।१३४ प० (मृशति) २. लगे १।५३५ उ० (लगति, ते) ३. स्पृश ६।१३१ प० (स्पृशति), ४. स्पर्श १०। १५० पाठा० आ० (स्पर्शयते) ५. स्पश १।६२७ प० (स्पशति), ६. शीक १०। २५३ उ० (शीकयति, ते/शीकति) ।

छूना, स्पर्श करना = १. चीक १०। २५४ उ० (चीकयति, ते/चीकति), २. छुप ६।१२८ प० (छुपति) ।

छेद करना = १. छेद १०।३६१ उ० (छेदयति, ते), २. बिल ६।६८ प० (बिलति), ३. बिल १०।७३ उ० (बिलयति, ते), ४. वृश्चू ६।११ प० (वृश्चति), ५. शट १।१६५ प० (शटति), ६. उपस् + कृ ६।११८ प० (उपस्करोति/ उपकरोति) ।

छेदना = १. व्यथ ४।७० प० (विध्यति), २. शट १।१६५ प० (शटति), ३. श्वभ्र १०।८६ उ० (श्वभ्रयति, ते), ४. स्फुट १०।१६० उ० (स्फोटयति, ते),

छेदना, कोचना = १ कर्ण १०।३५२ पाठा० उ० (कर्णयति, ते) ।

छोटा करना = १. छुट ६।८६ प० (छुटति/१० क्वा० छोटयति) ।

छोटा होना = १. चुट १ क्वा० प० (चोटति), ६।८६ प० (चुटति), १०।८०

उ० (चोटयति, ते), २. कण १।५३६ प० (कणति) ।

छोटे भाई का पहले विवाह करना १. परि + विद्लू ६।१४१ आ० (परि-विन्दते) ।

छोड़ के आगे जाना = १. वि + सृ १।६६६ प० (विसरति), ३।१६ प० (विससति) ।

छोड़ देना = १. दधि-दङ्घ क्षीर० १।६४ प० (दङ्घति), २. प्रति + पद ४। ५८ आ० (प्रतिपद्यते), अदन्त १०।३२० आ० (प्रतिपदयते), ३. युगि-युङ्ग १।६१ प० (युङ्गति), ४. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते), ५. उत् + सृज ४।६७ आ० (उत्सृज्यति), ६।१२४ प० (उत्सृ-जति/वि-विसृज्यति, विसृजति/नि-निसृ-ज्यति, निसृजति) ।

छोड़ना = १. प्रतिसम् + ह्व १। ६४० उ० (प्रतिसंहरति, ते), २. रह १। ४८६ प० (रहति), १०।६४ उ० (राहयति, ते), १०।२८४ अदन्त उ० (रहयति, ते), ३. विनि + क्षिप ६।५ उ० (विनिक्षिपति, ते), ४. बुगि बुङ्ग १।६१ प० (बुङ्गति), ५. मुच्लू-मुच्च् ६।१३६ उ० (मुच्चति, ते), ६. मुच १०।२१२ उ० (मोचयति, ते), ७. वुस ४।१०६ प० (वुस्यति). ८. मोक्ष १०।१७७ क्षीर० प० (मोक्षयति), ९. उप + या २।४२ प० (उपयाति) १०. अपा + श्रिञ् १।६३८ उ० (अपाश्रयति, ते), ११. वुगि-वुङ्ग १।६१ पाठा० प० (वुङ्गति), १२. श्रथ १०।२४६ उ०

(श्राथयति, ते/श्रथति), १३. स्विदा १।
४६६ आ० (स्वेदते), १४. अप+वृञ् ५।
उ० (अपवृणोति, अपवृणुते), १५. वृजी २।
२२ आ० (वृङ्क्ते), ७।२३ प० (वृणक्ति)
१०।२३६ उ० (वर्जयति, ते/वर्जति), १६.
सृज ४।६७ आ० (सृज्यति), ६।१२४ प०
(सृजति), १७. हाक् ३/८ प० (जहाति),
१८. परि+हृञ् १।६४० उ० (परिहरति,
ते) ।

छोड़ना, त्यागना=१. उज्झ ६।२१
प० (उज्झति), २. उद्+आस् २।
११ आ० (उदास्ते), ३. अप+असु ४।

६६ प० (अपास्यति), ४. त्यज् १।७१२
प० (त्यजति), ५. पुड ६।६३ प०
(पुडति), ६. उच्छी १।१३०, ६।१४ प०
(उच्छति, वि-व्युच्छति) ।

छोड़ना, फेंकना=१. कुपुभ १।११२
प० (कुपुम्यति) ।

छोड़ देना, मुक्त करना=१. उत्
+अन्थ १०।२५१ प० (उद्ग्रन्थयति),
२. कर्त्रं १०।३३६ पाठा० उ० (कर्त्रयति,
ते), ३. कर्तं १०।३३६ उ० (कर्तयति, ते),
४. कत्र १०।३३५ उ० (कत्रयति, ते) ।

ज

जकड़ना=१. हठ १।२२७ प०
(हठति), २. मूङ् १।६६४ आ० (मवते),
३. मूव् ६।११ उ० (मुनाति, मुनीते),
४. श्रथ १०।२४६ उ० (श्राथयति, ते/
श्रथति) ।

जखम करना=१. शर्व १।३८६ प०
(शर्वति), २. शुचिर्-शुच् ४।५४ उ०
(शुच्यति, ते) ।

जखमी करना=१. व्रण १०।३६४
उ० (व्रणयति, ते) ।

जगना, जागृत रहना=१. द्राह् १।
४२६ आ० (द्राहते) ।

जगना, नींद न लेना=१. जागृ २।
६५ प० (जागति) ।

जगाना=१. उत्+मील १।३४७
प० (उन्मीलति) ।

जगाना, उकसाना=१. परि+अङ्ग
१०।३५६ प० (पल्यङ्गयति) ।

जड़ से उखाड़ना=१. उत्+मूल
१०।७७ उ० (उन्मूलयति, ते), २. उत्
+पट १०।२२३ उ० (उत्पाटयति, ते),

जड़ जमाना=१. मूल १।३५६ उ०
(मूलति, ते) ।

जड़ बुद्धि होना=१. स्तम्भु (सौत्र)
प० (स्तम्नोति/स्तम्नाति) २. स्तभि-
स्तम्भ १।२७१ आ० (स्तम्भते) ।

जड़ीभूत होना=१. स्तभि-स्तम्भ
१।२७१ आ० (स्तम्भते) ।

जताना=१. सूच १०।२६६ उ०
(सूचयति, ते) ।

जनना=१. शूष १।४५६ प०
(शूषति), २. सूष १।४५६ पाठा० प०
(सूषति), ३. सूङ् २।२४ आ० (सूते), २।
२२ आ० (सूयते), ४. सु १।६७४ प०

(सवति), २।३४ प० (सौति/प्र-प्रसवति, प्रसौति), ५. प्रस १।५१७ आ० (प्रसते)।

जनाना=१. वच २।५६ प० (वक्ति), १०।२६६ उ० (वाचयति, ते/वचति)।

जन्म देना=१. हेठ ६।६३ प० (हेठ्नाति)।

जन्म लेना=१. रह १।५६८ प० (रोहति)।

जन्म होना=१. रह १।५६८ प० रोहति।

जपना, जप करना=१. जप १।२८१, ८२ प० (जपति)।

जबरदस्ती करना=१. हू ३।१५ प० (जिहति)।

जबरन लेना=१. उप+युजिर्-युज् ७।७ उ० (उपयुनक्ति, उपयुङ्क्ते) २. वस् १०।२१० उ० (त्रासयति, ते)।

जबाब देना=१. प्रति+वद १।७३५ प० (प्रतिवदति), २. प्रति+भण १।३०३ प० (प्रतिभणति)।

जमना, जम जाना=१. नि+हृञ् १।६४० उ० (निहरति, ते), २. कृड ६।६४ प० (कृडति), ३. निल ६।७० प० (निलति, प्र-प्रशिलति)।

जमाना=१. दिह २।५ उ० (देधिष, दिग्धे)।

जमा होना=१. जट १।१६६ प० (जटति)।

जमीन पर गिरना=१. व्यपा+श्रिञ् १।६३८ उ० (व्यपाश्रयति, ते)।

जमीन पर लेटना=१. रुट १।५०० आ० (रोटते), २. लुठ ६।६० प०

(लुठति)।

जम्हाई लेना=१. जभि-जम्भ १।२७२ पाठा० आ० (जम्भते), २. जभी १।२७२ आ० (जभते), ३. जृभि-जृम्भ १।२७२ आ० (जृम्भते), ४. ग्लै १।६४४ प० (ग्लायति)।

जय जयकार (मान) करना=१. अनु+अर्च १।१२० प० (अन्वर्चति)।

जय पाना=१. साध ५।१७ प० (साध्नाति)।

जय पाना, अधिक होना=१, आ+क्रमु १।३१६ प० (आक्रामति, आक्राम्यति)।

जल्द जाना=१. परि+धावु १।३६७ उ० (परिधावति, ते)।

जलदी करना=१. प्र+कृञ् ८।१० आ० (प्रकुरुते), २. त्वरा १।५२५ आ० (स्वरते), ३. तूरी ४।४३ आ० (तूर्यते), ४. अघि-अङ्घ् १।७६ आ० (अङ्घते)।

जलदी चलना=१. धोर्त् १।३७२ प० (धोरति)।

जलदी जान लेना=१. मेघा १।११ प० (मेघायति)।

जलदी जाना=१. अघि-अङ्घ १।७६ आ० (अङ्घते), २. परि+पत्ल्-पत् १।५८४ प० (परिपतति), ३. शल १।५८४ प० (शलति), ४. त्वरा १।५२५ आ० (त्वरते), ५. तुरण १।१२३ प० (तुरण्यति), ६. तुर ३।१६ प० (तुर्ताति), ७. जुड् १।६८४ पाठा० आ० (जवते)।

जलदी भागना=१. जुड् १।६८४

पाठा० आ० (जवते) ।

जलना=१. व्युष ४८८ प० (व्युष्यति), २. उष १४६४ प० (ओषति), ३. कुडि-कुण्ड ११६६ आ० (कुण्डते), ४. दु ५११० प० (दुनोति), ५. ज्वल ११५५, ५७३ प० (ज्वलति) ।

जल पर तरना=१. तृ ११६६६ प० (तरति) ।

जल मय होना=१. वि+प्लुङ् ११६८४ आ० (विप्लवते) ।

जल सिंचन से संस्कृत करना=१. उक्ष १४३६ प० (उक्षति) ।

जलाना, दग्ध करना=१. ज्वल ११५५, २७३ प० (ज्वलति), २. धिक्ष ११३६८ आ० (धिक्षते), ३. व्युष ४८८, १०५ प० (व्युष्यति), ४. छृष १०१२४५ उ० (छर्षयति, ते/छर्षति), ५. ज्वल णिच् ११५५, ५७३ प० (ज्वलयति), ६. चूरी ४१४७ आ० (चूर्यते), ७. चृत १०१२४५ पाठा० प० (चर्तयति, चर्तति), ८. छृदी १०१२४४ उ० (छर्दयति, ते/छर्दति), ९. अिषु १४६७ प० (श्रेषति), १०. श्लिषु १४६७ प० (श्लेषति), ११. प्रृषु १४६७ प० (प्रोषति), १२. कूट १०१३१५ उ० (कूटयति, ते), १३. प्लुस ४१६ प० (प्लुस्यति), १४. दह १७१७ प० (दहति) ।

जलाना, भूजना=१. प्लुष १४६७ प० (प्लोषति), ४१०६ प० (प्लुष्यति) ।

जलाना, तपाना=१. दु ५११० प० (दुनोति) ।

जलाना प्रज्वलित करना=१. तृप १०१२४५ पाठा० आ० (तर्पयते/णिजभावे

तर्पति) ।

ज्यादा होना=१. वि+शिष १०१२४१ उ० (विशेषयति, ते/विशेषति) ।

ज्वर आना=१. ज्वर ११५२६ प० (ज्वरति) ।

जागना=१. प्रति+बुध ११५६७ प० (प्रतिबोधति), ४१६१ आ० (प्रतिबुध्यते), २. प्रति+बुधर्-बुध ११६१४ आ० (प्रतिबोधते), ३. प्रतिवि+बुध ११५६७ प०, ४१६१ उ० (प्रतिविबोधति, प्रतिविबुध्यते), ४. प्रतिवि+बुधर्-बुध् ११६१४ आ० (प्रतिविबोधते) ।

जातिबहिष्कृत करना=१. जुगि-जुङ्ग ११६१ (जुङ्गति) ।

जादू टोना करना=१. अभि+चर ११३७६ प० (अभिचरति) ।

जानना=१. मिदृ ११६०६ उ० (मेदति, ते), २. मिधृ ११६११ उ० (मेधति, ते), ३. वेणू ११६१६ उ० (वेणति, ते), ४. वेनृ ११६१७ उ० (वेनति, ते), ५. मी १०१२५० उ० (माययति, ते/मयति), ६. विद २१५७ प० (वेत्ति, वेद), ७. विद १०११७७ आ० (वेदयते), ८. मिथृ ११६१० उ० (मेथति, ते), ९. मेथृ ११६१० उ० (मेथति, ते), १०. मेदृ ११६०६ (मेदति, ते), ११. मेधृ ११६११ उ० (मेधति, ते), १२. मन ४१६५ आ० (मन्यते), १३. मनु ८१६ आ० (मनुते), १४. अनु+भृ १११ प० (अनुभवति), १५. बुध ११५६७ प० (बोधति), ४१६१ आ० (बुध्यते), १६.

अव+बुध १।५६७ प०, ४।६१ आ० (अवबोधति, अवबुध्यते), १७. अव+बुधिर-बुध १।६१४ आ० (अवबोधते), १८. बुन्दिर-बुन्द १।६१५ उ० (बुन्दति, ते), १९. बुधिर-बुध १।६१४ आ० (बोधते, अव-अवबोधते), २०. अभि+पद ४।५८ आ० (पद्यते), १०।३२० आ० अदन्त (पदयते), २१. अव+गम्लू-गच्छ् १।७०६ प० (अवगच्छति), २२. कित ३।१८ पाठा० प० (चिकेत्ति)।

जानना, समझना—१. अव १।३६६ प० (अवति), २. अव+इण् २।३८ प० (अवैति), ३. कि ३।१८ प० (चिकेत्ति), ४. ज्ञप १०।६० उ० (ज्ञापयति, ते), ५. ज्ञा ६।४० उ० (जानाति, जानीते), ६. चायू १।६२० उ० (चायति, ते)।

जानना (अच्छे प्रकार से)—१. सम्+बुध १।५६७ प०, ४।६१ आ० (संबोधति, संबुध्यते), ३. सम्+बुधिर-बुध १।६१४ आ० (संबोधते)।

जानना (सूक्ष्म दृष्टि से)—१. बुन्दिर-बुन्द १।६१५ उ० (बुन्दति, ते)।

जान लेना, परिज्ञान कर लेना—१. परि+ज्ञा ६।४० उ० (परिजानाति, परिजानीते)।

जान से मारना—१. सम्+हृक् १।६४० उ० (संहरति, ते), २. क्षणु ८।३ उ० (क्षणोति, क्षणुते)।

जानने की इच्छा करना—१. प्रच्छ् ६।१२२ प० (प्रच्छति)।

जाना—१. इल ६।६७ प० (इलति),

२. सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प० (सीदति), ३. सर्व १।२८८ प० (सर्वति), ४. सर्व १।३८६ प० (सर्वति), ५. फण १।५६७ प० (फणति), ६. प्रुङ् १।६८४ आ० (प्रवते), ७. प्रेषृ १।४१२ आ० (प्रेषते), ८. मभ्र १।३७५ प० (मभ्रति), ९. सिधु १।३७ प० (सेधते), १०. सल १।३६८ प० (सलति), ११. सद १०।२५८ आङ् पूर्व उ० (आसादयति, ते/आसदति, ते), १२. सृ १।६६६ प० (सरति), ३।१६ प० (सर्त्ति), १३. श्वज १ क्वा० आ० (श्वजते), १४. मकि-मङ्क १।७० आ० (मङ्कते), १५. मख, मखि-मङ्ख १।८८ प० (मखति, मङ्खति), १६. मेपृ १।२५८ आ० (मेपते), १७. या २।४२ प० (याति, प्र-प्रयाति), १८. रि ६।१४४ प० (रियति), १९. रिख १।८६ प० (रेखति), २०. रिगि-रिङ्ग १।८८ प० (रिङ्गति), २१. रिवि-रिण्व १।३६३ प० (रिण्वति), २२. री ६।३२ प० (रिणाति), २३. रुङ् १।६८६ आ० (रुवते), २४. रुठि-रुण्ठ १।२३७ प० (रुण्ठति), २५. लिश ६।१३० प० (लिशति), २६. लख, लखि-लङ्ख १।८८ प० (लखति, लङ्खति), २७. लगि-लङ्ग १।८८ प० (लङ्गति), २८. लधि-लङ्घ १।७४, ७।५ आ० (लङ्घते), २९. लिगि-लिङ्ग १।८८ प० (लिङ्गति), ३०. लुठि-लुण्ठ १।२३७ प० (लुण्ठति), ३१. रण १।३०३, १।५३६ प० (रणति), ३२. लर्ब १।२८८ प० (लर्बति), ३३. रख, रखि-रङ्ख १।८८ प० (रखति,

रङ्खति), ३४. रग, रगि-रङ्ग १।८८ प० (रगति, रङ्गति), ३५. रधि, रङ्घ १।७४ आ० (रङ्घते), ३६. रफ, रफि-रम्फ १।२८८ प० (रफति, रम्फति); ३७. रेपृ १.२५८ आ० (रेपते), ३८. रय १।३२३ आ० (रयते), ३९. रवि, रणव १।३६३ प० (रणवति), ४०. मस्क १।७४ आ० (मस्कते), ४१. मर्व १।२८८ प० (मर्वति), ४२. मय १।३२० आ० (मयते), ४३. आ=यम १।७१० प० (आयच्छति), ४४. मीमृ १।३१५, ३१६ प० (मीमति), ४५. मी १०।२५० उ० (माययति, ते/मयति), ४६. म्लेषृ १।६२४ उ० (म्लेषति, ते), ४७. भेषृ १।६२३ उ० (भेषति, ते), ४८. मगि-मङ्ग १।८८ प० (मङ्गति), ४९. अघि-अङ्घ १।७६, ७७ आ० (मङ्घते), ५०. अचु, अञ्चु १।११६ प० (अचति, मुञ्चति), ५१. प्र+ञ् १।१ प० (प्रभवति). ५२. पिसृ १।४७६ प० (पेसति), ५३. पश १०।१८८ उ० (पाशयति, ते), १०।२८७ पाठा० (पाशयति, ते), ५४. अेषृ १।६२३ उ० (अेषति, ते), ५५. म्लुचु, म्लुञ्च १।११६ प० (म्लोचति, म्लुञ्चति), ५६. पष १०।२८७ उ० (पषयति, ते), ५७. पि ६।११४ प० (पियति), ५८. पिस १०।३६ उ० (पेसयति, ते), ५९. वस्त १०।१५२ आ० (वस्तयते), ६०. पय १।३२० आ० (पयते), ६१. पर्प, पर्व १।२८८ प० (पर्पति, पर्वति), ६२. बर्व १।२८८ प० (बर्वति), ६३. पल १।५८० प० (पलति), ६४. पथ १।

५८६ प० (पथति), ६५. पद ४।५८ आ० (पद्यते), १०।३२० अदन्त (पदयते), ६६. फला १।३४६ प० (फलति), ६७. फरा १।५६७ उ० (फरायति, ते) ६८. पथि-पन्थ १०।४४ उ० (पन्थयति, ते/पन्थते), ६९. पैणू १।३०९ प० (पैणति), ७०. पेसृ १।४७६ प० (पेसति), ७१. पेलू १।३६४ प० (पेलति), ७२. प्लिह १।४२७ आ० (प्लेहते), ७३. प्ली ६।३५ प० (प्लीनाति), ७४. प्लुङ् १।६८४ आ० (प्लवते), ७५. किट १।२१२ प० (किटति), ७६. नेषृ १।४१२ आ० (नेषते), ७७. पडि-पण्ड १।१८० आ० (पण्डते), ७८. नुद...उ० (नुदति, ते), ६।१३५ प० (नुदति), ७९. घर्व १।२८८ पाठा० प० (घर्वति), ८०. खर्व १।२८८ प० (खर्वति), ८१. खेलू १।३६३, ६४ प० (खेलति), ८२. ऋ १.६७० प० (ऋच्छति), ८३. ऋ ३।१६ प० (इयति), ८४. क्ष्वेल १।३६३ प० (क्ष्वेलति), ८५. अस १।६२५ उ० (असति, ते), ८६. अहि-अंह १।४२३ आ० (अंहते), ८७. क्रप १।५२२ आ० (क्रपते), ८८. ऋछ ६।१५ प० (ऋच्छति), ८९. अञ्चु-अञ्च् १।११५ प० (अञ्चति), ९०. अज १।३३६ प० (अजति), ९१. अचि-अञ्च् १।६०४ उ० (अञ्चति, ते), ९२. अग १।५३८ प० (अगति), ९३. अक १।५३८ प० (अकति), ९४. गर्ब १।२८८ प० (गर्वति), ९५. गम्लू-गच्छ १।७०९ प० (गच्छति, सम्-संगच्छति), ९६. अञ्जू-

अञ्ज् ७।२० प० (अनक्ति/क्व० आ० अङ्क्ते), ६७. अन २।६३ प० (अनिति, पाठा० आ० अन्यते), ६८. अठ १।२२५ प० (अठति), ६९. अत १।३१ प० (अतति), १००. अवि-अम्ब् क्वा० १ प० (अम्बति), १०१. अय १।३२० आ० (अयते, क्व० अयति), १०२. अम १।३१४ प० (अमति/वेदे अमिति, अमीति), १०३. ऋज् १।१०७ आ० (अर्जते), १०४. ऋ ६।२८ प० (ऋणाति), १०५. इ १.२१५ प० (अयति), १०६. कुञ्च १।११३ प० (कुञ्चति), १०७. ककि-कङ्क् १।७४ आ० (कङ्क्ते), १०८. कसि-कस् २।१४ आ० (कस्ते), १०९. कस् २।१५ आ० (कस्ते), ११०. कटि-कण्ट् १।२१२ पाठा० प० (कण्टति), १११. उखि-उङ्क् १।८८ प० (उङ्क्ति), ११३. कर्ब १।२८८ प० (कर्बति), ११४. कवि-कम्ब् १ क्वा० प० (कम्बति), ११५. ग्लेपृ १।२५५, २५७ आ० (ग्लेपते) ११६. कटी १। २१२ प० (कटति), ११७. कल १०। २६० उ० (कलयति, ते), ११८. क्लुङ्क् १।६८५ आ० (क्लवते), ११९. अर्द १। ४५ प० (अर्दति), १२०. अर्ब १।२८८ प० (अर्बति), १२१. केलृ १।३६३ प० (केलति), १२२. केपृ १।२५७ आ० (केपते), १२३. चय १।३२० आ० (चयते), १२४. चपि-चम्प १०।८५ उ० (चपयति, ते/चम्पति), १२५. चदे १।

६०७ उ० (चदति, ते), १२६. चर १। ३७६ प० (चरति), १२७. अष १। ६२६ उ० (अषति, ते), १२८. तञ्चु १।११६ प० (तञ्चति), १२९. डीङ्क् १।६९५ आ० (डयते), ४।२५ (डीयते), १३०. टीकृ १।७४ आ० (टीकते), १३१. टिकृ १।७४ आ० (टिकते), १३२. जुन ६। ३८ प० (जुनति), १३३. चञ्चु १।११६ प० (चञ्चति), १३४. डौकृ १।७४ आ० (डौकते), १३५. च्युङ्क् १।६८४ आ० (च्यवते), १३६. जुङ्क् १।६८४ पाठा० आ० (जवते), १३७. चरण १।१२१ प० (चरणयति), १३८. चर्ब १।२८८, ८६ प० (चर्बति), १३९. तगि-तङ्ग् १।८८ प० (तङ्गति), १४०, तय १।३२० आ० (तयते), १४१. चण् १।५४० प० (चणति), १४२. जुड ६।३७ प० (जुडति), १४३. तिक ५।२० प० (तिक्नोति), १४४. तिकृ १।७४ आ० (तेकते), १४५. इष ४।१६ प० (इषयति), १४६. ई १।२१५ अ० (अयति), १४७. ई २।४१ प्रश्लेषः प० (एति), १४८. ईख १।८८ प० (एखति), १४९. इखि-इङ्क् १।८८ प० (एङ्क्ति), १५०. इगि-इङ्ग १।८८ प० (इङ्गति), १५१. इट १।२१२ प० (एटति), १५२. इण् २।३८ प० (एति), १५३. ईष १।४०६ आ० (ईषते), १५४. ईख १।८८ (ईखति), १५५. ईखि-ईङ्क् १।८८ प० (ईङ्क्-खति), १५६. ईङ्क् ४।३४ आ० (ईयते), १५७. ईज १।११० आ० (ईजते), १५८. ईजि-ईञ्ज १।११० उ० (ईञ्जति, ते),

१५६. ईर १०।२३४ उ० (ईरयति, ते),
 १६०. ईर २।८ आ० (ईर्ते), १६१. त्रौक
 १।७४ आ० (त्रौकते), १६२. दय १।
 ३२२ आ० (दयते), १६३. दवि-दन्व
 क्षीर० १।३६३ प० (दन्वति), १६४. तु
 ७।३।६५ सौत्र प० (तौति/तवीति);
 १६५. तिल १।३२३ प० (तिलति),
 १६६. त्रख १।८६ प० (त्रखति), १६७.
 जेषु १।४१२ आ० (जेषते), १६८. जेह
 १।४२८ आ० (जेहते), १६९. तिल १।
 ३६१ प० (तेलति), १७०. तिग ५।२०
 प० (तिग्नोति), १७१. घवि-घन्व् १।
 ३६३ प० (घन्वति), १७२. अघ+घृञ्
 १०।२६२ प० (अघघृणयति), १७३. द्रम
 १।३१५ प० (द्रमति), १७४. नक्ष १।
 ४४२ प० (नक्षति, प्र-प्रणक्षति), १७५.
 दु १।६७७ प० (द्वति), १७६. ध्वंसु १।
 ५०४, ५ आ० (ध्वंसते), १७७. तीकृ १।
 ७४ आ० (तेकते), १७८. अनु+धावु
 १।३६७ उ० (अनुधावति, ते), १७९. दक्ष
 १।५२१ आ० (दक्षते), १८०. नख, नखि-
 नङ्ख १।८८ प० (नखति, नङ्खति),
 प्र-प्रणखति, प्रणङ्खति), १८१. घ्रज,
 घ्रजि-घ्रञ्ज् १।१३२ प० (घ्रजति, घ्र-
 ञ्जति), १८२. धावु १।३६७ उ० (धावति,
 ते), १८३. त्वञ्चु १।११६ प० (त्व-
 ञ्चति), १८४. द्रूञ् ६।६ उ० (द्रूणाति,
 द्रूणीते), १८५. धृज, धृजि-धृञ्ज्
 १।१३२ प० (धर्जति, धृञ्जति), १८६.
 तृक्ष १।४४२ प० (तृक्षति), १८७. द्रु १।
 ६७७ प० (द्रवति), १८८. दिवु ४।१ प०
 (दीव्यति), १८९. त्रकि-त्रङ्क १।७४ आ०

(त्रङ्कते), १९०. तूरी...आ० (तूर्यते),
 १९१. त्रखि-त्रङ्ख् १।८६ पाठा० प०
 (त्रङ्खति), १९२. वि+तृ १।६६६ प०
 (वितरति), १९३. त्वगि-त्वङ्ग १।८८,
 ६० प० (त्वङ्गति), १९४. ध्वज, ध्वजि-
 ध्वञ्ज् १।३३२ प० (ध्वजति, ध्वञ्जति),
 १९५. श्रु १।६७५ प० (श्रुणोति), १९६.
 श्वकि-श्वङ्क १।७४ आ० (श्वङ्कते),
 १९७. श्वच, श्वचि-श्वञ्च १।१०० आ०
 श्वचते, श्वञ्चते), १९८. श्रगि-श्रङ्ग १।
 ८८ प० (श्रङ्गति), १९९. श्लगि-श्लङ्ग
 १।८८ प० (श्लङ्गति), २००. श्रथ १०।
 १४ उ० (श्राथयति, ते), २०१. श्रकि-
 श्रङ्क १।६६ आ० (श्रङ्कते), २०२.
 श्लकि-श्लङ्क १।६६ आ० (श्लङ्कते),
 २०३. शव १।४८० प० (शवति), २०४.
 शिखि-शिङ्ख् १।८६ प० (शिङ्खति),
 २०५. शल १।५८४ प० (शलति), २०६.
 शल १।३३० आ० (शलते), २०७. शद्लु
 १।५६४, ६।१३७ आ० (शीयते), २०८.
 शर्ब १।२८८ प० (शर्बति), २०९. श्वभ्र
 १०।८६ उ० (श्वभ्रयति, ते), २१०. शुन
 ६।४८ प० (शुनति), २११. व्ली ६।३४
 प० (व्लिनाति, व्लीनाति), २१२. शेलु
 १।३६४ प० (शेलति), २१३. शोणु १।
 ३०६ प० (शोणाति), २१४. शट १।
 १६५ प० (शटति), २१५. शठ १०।३३
 उ० (शाठयति, ते), २१६. श्यैङ् १।६६०
 आ० (श्यायते), २१७. शण १।५४० प०
 (शणाति), २१८. श्वठ, श्वठि-श्वण्ठ १०।
 ३३ उ० (शवाठयति, ते/श्वण्ठयति, ते),
 २१९. श्वष्क १।७४ आ० (श्वष्कते),

२२०. श्वर्तं १०।८८ उ० (श्वर्तयति, ते),
 २२१. श्वि १।७३६ प० (श्वयति), २२२.
 उप+स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते),
 २२३. प्र+स्था १।६६२ आ० (प्र-
 तिष्ठते), २२४. स्पदि-स्पन्द १।१३ आ०
 (स्पन्दते), २२५. स्पृ ५।१३ प० (स्पृ-
 णोति), २२६. स्फर ६।१०० प०
 (स्फरति), २२७. स्फुर ६।६६ प०
 (स्फुरति), २२८. स्मृ ५।१४ प० (स्मृ-
 णोति), २२९. स्यन्दू १।५११ आ०
 (स्यन्दते), २३०. स्रकि.स्रङ्क १।६६ आ०
 (स्रङ्कते), २३१. स्रिवु ४।३ प० (स्र-
 व्यति), २३२. स्रु १।६७३ प० (स्रवति),
 २३३. वख, वखि-वङ्ख १।८८ प०
 (वखति, वङ्खति), २३४. वगि-वङ्ग
 १।८८ प० (वङ्गति), २३५. वधि-वङ्घ
 १।७६ आ० (वङ्घते), २३६. वज १।
 १५४ प० (वजति), २३७. वज १०।६६
 क्षीर० उ० (वाजयति, ते), २३८. वञ्चु
 १।११६ प० (वञ्चति), २३९. वभ्र १।
 ३७५ प० (वभ्रति), २४०. वय १।३२०
 आ० (वयते), २४१. वरण १।१२१ प०
 (वरणयति), २४२. वल १।३३१ आ०
 (वलते), २४३. वल्ल १।३३१ आ०
 (वल्लते), २४४. वल्गु १।८८ प०
 (वल्गति), २४५. स्रकृ १।६६ आ०
 (स्रकृते), २४६. स्वर्तं १०।७४ क्षीर०
 उ० (स्वर्तयति, ते), २४७. हम्म १।३१५
 प० (हम्मति), २४८. ह्य १।३४२ प०
 (ह्यति), २४९. ह्यं १।३४४ प० (ह्यति),
 २५०. हाङ् ३।७ आ० (जिहीते), २५१.
 हि ५।११ प० (हिनोति), २५२. हेपृ १।

२५६ आ० (हेपते), २५३. ह्रुड, ह्रुड
 ६ क्वा० प० (ह्रुडति, ह्रुडति), २५४.
 वस्क १।७४ आ० (वस्कते), २५५. वा
 २।४३ प० (वाति), २५६. वात १०।
 ३०७ उ० (वातयति, ते), २५७. वी
 २।४१ प० (वेति), २५८. प्रति+वृत्तु
 १।५०८ आ० (प्रतिवर्तते), २५९. वेणू
 १।६१६ उ० (वेणति, ते), २६०. वेनु १।
 ६१७ उ० (वेनति, ते), २६१. वेलू, वेल्ल
 १।३६३ प० (वेलति, वेल्लति), २६२.
 वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते), २६३. व्यय
 १।६२१ उ० (व्ययति, ते), २६४. व्रज १।
 १५४ प० (व्रजति), २६५. व्रज १०।८३
 उ० (व्राजयति, ते), २६६. सृष्टु १।७०६
 प० (सर्पति), २६७. सेलू १।३६४ प०
 (सेलति), २६८. स्तुक्ष १।४४२ प०
 (स्तुक्षति), २६९. सेकृ १।६६ आ०
 (सेकृते), २७०. स्कन्दिर्-स्कन्द १।७०६
 आ० (स्कन्दते), २७१. खल १।३६५
 प० (खलति), २७२. हुडू १।२४४ प०
 (होडते), २७३. हुल १।५८४ प०
 (होलति), २७४. हूडू १।२४४ प०
 (हूडति), २७५. आ+पल्ल-पत् १।५८४
 प० (आपतति), २७६. चते १।६०७ उ०
 (चतति, ते) ।

जाना (मेघ गति) = १. अभ्र १।
 ३७५ प० (अभ्रति) ।

जाना, आना = १. ऋषि ६।७ प०
 (ऋषति) ।

जाना, गमन करना = १. ध्रुव ६।
 १०८, ९ प० (ध्रुवति), २. गुरी ४।४४
 आ० (गुर्यते), ३. गाड् १।६८१ आ०

(गाते), ४. ऋणु ८।५ उ० (अर्णीति, अर्णुति/पक्षे ऋणुति, ऋणुते) ।

जाना, घुमाना=१. अघ १।३६६ प० (अघति) ।

जाना, चलना=१. उर १ क्वा० प० (ओरति), २. कमु १।३१६ प० (क्रामति, क्राम्यति), ३. क्षि ६।११६ प० (क्षियति), ४. अञु-अच् १।६०३ उ० (अचति, ते), ५. अठि-अण्ठ १।६६१ आ० (अण्ठते) ।

जाना, पहुंचना=१. नय १।३२० आ० (नयते, प्र-प्रणयते) ।

जाना, भटकना=१. परि+अट १।१६२ प० (पर्यटति क्वा० आ० अटते) ।

जाना, सरकना=१. क्षज १।५२० पाठा० आ० (क्षजते), २. क्षल १ क्वा० प० (क्षलति) ।

जाना, स्थानान्तर करना=१. पट १।१६२ प० (पटति), २. खल १।३६६ प० (खलति), ३. घट्ट १।१५६ आ० (घट्टते), १०।६८ उ० (घट्टयति, ते), ४. केल १।१६४ प० (केलति), ५. गेपू १।२५७ आ० (गेपते), ६. ग्लुञ्चु १।११७ प० (ग्लुञ्चति) ।

जाने देना=१. अघ+अर्ज १०।१६४ उ० (अघार्जयति, ते), २. अति+अर्ज १०।१६४ उ० (अत्यर्जयति, ते), ३. अनु+अर्ज १०।१६४ उ० (अन्वर्जयति, ते) ।

जाने में बिछन होना=शुठि-शुण्ठ १।२३३, ३६ प० (शुण्ठति) ।

जाने लगना=१. स्फर ६।१००

प० (स्फरति)।

जाल से ढांकना=१. जल १०।१० उ० (जालयति, ते) ।

जाहिर करना=१. शम १०।१६४ आ० (शामयते) ।

जाहिर होना=१. प्रथ १।५१६ आ० (प्रथते), १०।२१ उ० (प्रथयति, ते) ।

जिलाना=१. अन २।६३ गिच् प० (आनयति, प्र-प्राणयति) ।

जिलाना, जीवन देना=१. ऊर्ज १०।१७ उ० (ऊर्जयति, ते) ।

जीतना=१. स्वद १।५१६ आ० (स्वदते), २. अघि+स्था १।६६२ आ० (अघितिष्ठते), ३. अति+वृत् १।५०८ आ० (अतिवर्तते), ४. वि+राजृ १।५६६ आ० (विराजते), ५. साध ५।१७ प० (साध्नोति), ६. श्रुधु १०।२०२ उ० (शार्धयति, ते), ७. अभि+भू १।१ प० (अभिभवति, परा-पराभवति), ८. अति+पत्लू-पत् १।५८४ प० (अतिपतति), ९. क्रीञ् ६।१ उ० (क्रीणाति, क्रीणीते), १०. प्रति+गृह १।६४ प० (प्रतिगृह्णाति), ११. अघि+कृञ् ८।१० आ० (अघिकुरुते), १२. वि+जि १।३७८, ६७८ आ० (विजयते), १३. जि १।३७८, ६७८ प० (जयति), १४. तृ १।६६६ प० (तरति), १५. प्र+तृ १।६६६ प० (प्रतरति). १६. दमु ४।६३ प० (दाम्यति), १७. अधर नाम धातु प० (अधरयति) ।

जीतना, ऊपर निकलना=१. वि

+ क्रमु १।३१६ प० (विक्रामति/ विक्राम्यति) ।

जीतना, जय पाना=१. जि १। ६७८ प० (जयति) ।

जीतना, पराजय करना=१. अभि, सम्+धाञ् ३।१० उ० (अभिसंध्याति, अभिसंधत्ते) ।

जीतना, पराभव करना=१. धृष १०।२७७ उ० (धर्षयति, ते/धर्षति) ।

जीतने की इच्छा करना=२. धृष १०।२७७ उ० (धर्षयति, ते/धर्षति) ।

जीत होना=१. सिधु ४।८१ प० (सिध्यति) ।

जीते रहना=१. स्वस २।६२ प० (स्वसिति) ।

जीना=१. स्वस २।६२ प० (स्वसति), २. विद ४।६० आ० (विद्यते), ३. लाट १।१३० प० (लाटति), ४. ऋज १।१०७ आ० (अर्जते), ५. आस २।११ प० (आस्ते), ६. ओज २ क्वा० प० (ओजति), १० उ० (ओजयति, ते), ७. जीव १।३७६ प० (जीवति), ८. धुक्ष १।३६८ आ० (धुक्षते), ९. अन २।६३ प० (अनति/पाठा० आ० अन्यते) ।

जीता, जीते रहना=१. धिक् १। ३६८ आ० (धिक्ते), २. अण ४।६४ (अण्यते, प्र-प्राण्यते), ३. बल १।५८१ आ० (बलति क्वा० बलयति) ।

जीना, जीवित रहना=१ ऊर्ज १०। १७ उ० (ऊर्जयति, ते) ।

जीभ निकालना=१. लड १।२४८

प० (लडति) ।

जीभ निकाल के हिलाना=१. लल १।२४८ पाठा० प० (ललति) ।

जीर्ण होना=१. शद्ल १।५६४, ६।१३७ आ० (शीयते), २. जूरी ४।४५ आ० (जूयंते), ३. जृष् ४।२१ प० (जीर्यति), ४. जृ १०।२३८ उ० (जारयति, ते/जरति) ।

जीर्ण (वृद्ध, पुराना) होना=१. ज्री ६।२४ पाठा० प० (ज्रीणाति), २. ज्या ६।३० प० (जिनाति), ३. ऋ ६। २५ प० (ऋणाति), ४. भृष ४।२१ प० (भीर्यति), ५. जि १०।२३६ उ० (जाययति, ते/जयति), ६. गूरी ४।४४ आ० (गूर्यंते) ।

जीविका चलाना=१. उद्=अर्ज १०।१६४ उ० (उदर्जयति, ते) ।

जुआ खेलना=१. मधि-मङ्घ १। ७६, ७७ आ० (मङ्घते), २. लेट, लोट १।१६ प० (लेटयति, लोटयति), ३. अवि-अङ्घ १।७६ आ० (अङ्घते) ।

जुटाना=१. ऋट १।१६६ प० (ऋटति) ।

जुड़ना=१. युजिर-युज् ७।७ उ० (युनक्ति, युङ्क्ते), २. मिल ६।७३ प० (मिलति) ।

जुड़ाना=१. मिधु १।६११ उ० (मेधति, ते) ।

जुल्म करना=१. हठ १।२२७ प० (हठति), २. प्र+सह १।५६१ आ०

(प्रसहते), १०।२३३ उ० (प्रसाहयति, ते/प्रसहति, ते) ।

जूड़ा बनाना, बाँधना—१. जुड ६।३७ प० (जुडति) ।

जोड़ना—१. जुड ६।३७ प० (जुडति), २. अनु+बन्ध ६।४१ प० (अनुबध्नाति), ३. मिथृ १।६१० उ० (मेथति, ते) ४. सम्ब्र १०।२४ उ० (सम्ब्रयति, ते), ५. लुट ६।८६ प० (लुटति), ६. स्पाश १०।१५० पाठा० आ० (स्पाशयते), ७. शम्ब्र १०।२५ उ० (शम्ब्रयति, ते) ८. स्पर्श १०।१५० पाठा० आ० (स्पर्शयते), ९. मिधृ १।६११ उ० (मेधति, ते), १०. रिच १०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति), ११. अपि+अर्ज १०।१६४ उ० (अप्यर्जयति, ते) ।

जोड़ना, मिलाना—१. अप्यति+अर्ज १०।१६४ उ० (अप्यत्यर्जयति, ते) ।

जोतना, हल चलाना—१. हल १।५७८ प० (हलति), २. कृष १।७१६ प० (कर्षति) ६।६ उ० (कृषति, ते), ३. कुच १।५६६ प० (कोचति) ।

जोर से गाना, कहना—१. उत्, प्र+गै १।६५३ प० (उद्गायति, प्रगायति) ।

जोर से चिल्लाना—१. रेपृ १।४१३ आ० (रेपते) ।

जोर से पुकारना—१. प्र+कृश १।५६५ प० (प्रक्रोशति), २. समुत्+गृ १०।१७६ आ० (समुद्गारयते) ।

जोर से फेंकना—१. प्र+क्षिप ६।५ उ० (प्रक्षिपति, ते) ।

जोर से बोलना—१. निर्+दिश् ६।३ उ० (निदिशति, ते)

जंगली भाषा बोलना—१. म्लेच्छ १।१२१ प०, १०।१३१ उ० (म्लेच्छति/म्लेच्छयति, ते)

झ

झगड़ना—१. व्या+सञ्ज् १।७१३ प० (व्यासजति), २. तुट ६।८५ प० (तुटति), मिष ६।६२ प० (मिषति), ३. रिफ ६।२३ प० (रिफति), ४. रुट १।५०० आ० (रोटते), ५. युध ४।६२ आ० (युध्यते), ६. वि+गृह ६।६४ प० (विगृह्णाति) ।

झगड़ा करना—१. तुट ६।८५ प० (तुटति) ।

झटका करना—१. झट १।१६६ प० (झटति) ।

झरना—१. वह १।७३० उ० (वहति, ते), २. सूद १।२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति, ते), ३. स्र १।६७३ प० (स्रवति), ४. नट १०।१३३ उ० (नाटयति, ते), ५. स्तिगृ १।२५२ आ० (स्तेपते), ६. स्यन्दू १।५११ आ० (स्यन्दते, अनु-अनुस्यन्दते, निस्-निस्स्य-

न्दते); ७. स्नु २।३१ प० (स्नोति), ८. रोङ् ४।२८ आ० (रीयते), ९. लुङ् ६।९० प० (लुठति), १०. दीङ् ४।२४ आ० (दीयते), ११. श्चुतिर्-श्चुत् १।३४ पाठा० प० (श्चोतति) ।

भरना, चूना=१. तेषु १।२५२, २५४ आ० (तेपते) ।

भलकना=१. एजू १।१०६ आ० (एजते) ।

भाङ्गना=१. अप, प्र+मृजूष्-मृज् २।५६ प० (अपमाष्टि, प्रमाष्टि) ।

भाङ्ग साफ होना=१. वि+रिचिर्-रिच् ७।४ उ० (विरिणक्ति/विरिङ्कते) ।

भाङ्ग होना=१. रिचिर्-रिच् ७।४ उ० (रिणक्ति, रिङ्कते) ।

भुकना=१. अचि+अञ्च ४।६०४ उ० (अञ्चति, ते) ।

भुकाना=१. नम् १।७०८ णिच् प० (नमयति, नामयति), २. आ+अञ्चु-अञ्च् १।६०२ उ० (आञ्चति, ते) ।

भुनभुनाना=१. शिजि-शिञ्ज् २।१६ आ० (शिङ्क्ते) ।

भुलना=१. प्रेङ् खोल १०।३६६ उ० (प्रेङ् खोलयति, ते) ।

भुलाना=१. प्रेङ् खोल १०।३६६ उ० (प्रेङ् खोलयति, ते), २. आन्दोल क्षीर० १०।५५ उ० (आन्दोलयति, ते) ३. अन्दोल १०।३६६ प० (अन्दोलयति) ।

भूठ बोलना=१. हृषु १।४७१ प० (हर्षति), २. अप+कृञ् ८।१० आ० (अपकुरुते), ३. कुट्टि-कुट्ट १०।६ उ० (कुट्टयति, ते) ।

भूठी बड़ाई करना=१. वि+कत्थ १।३० आ० (विकत्थते) ।

भूलना=१. उव्+चुलुम्प वा० ३।१३५ प० (उच्चुलुम्पति) ।

भूला भुलाना=१. डुल १०।६७ उ० (डोलयति, ते) ।

भूले की तरह ऊपर नीचे होना=१. डुल १० क्वा० उ० (डोलयति, ते) ।

भौंकना=१. उलङि-उलण्ड् १०।६ पाठा० उ० (उलण्डयति, ते) ।

भौंकना (भट्टी आदि)=१. क्षिप ६।५ उ० (क्षिपति, ते) ।

ट

टक लगाना, टकटकी बाँधना=१. अभि+ईक्ष १।४०५ आ० (अभीक्षते) ।

टट्टी करना=१. हृद १।७०४ आ० (हृदते) ।

टपकना=१. सूद १।२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति, ते), २. श्चुतिर्-श्चुत् १।३४ पाठा० प० (श्चोतति), ३. रोङ् ४।२८ आ० (रीयते) ।

४. स्तृ १।६७३ प० (स्त्रवति), ५. स्तेपृ १।२५२ आ० (स्तेपते), ६. स्यन्दू १। ५११ आ० (स्यन्दते, अनु-अनुस्यन्दते), ७. स्तिपृ १।२५२ आ० (स्तेपते), ८. गल १०।१६८ आ० (गलयते, परि-परि-गलयते) ।

तपकना, सरना, भरना, चुना=१. क्षर १।५६० प० (क्षरति) ।

तपकना, क्षरित होना=१. घृ ३। १४ प० छा० (जिघर्ति) ।

तपकाना=१. गड १।५२७ प० (गडति/१० क्वा० प० गडयति) ।

तहलना=१. अष १।६२६ उ० (अषति, ते), २. अकि-अङ्क १।६८ उ० (अङ्कयति, ते), ३. अङ्क् १०। ३५५ उ० (अङ्कयति, ते), ४. अङ्ग १०। ३५६ उ० (अङ्गयति, ते) ।

टिकना=१. वस १।७३१ प० (वसति), २. टीकृ १।७४ आ० (टीकते), ३. अक् + लङ्-लम्ब १।२६२, ६३ आ० (अवलम्बते) ।

टिकाना=१. टिकृ १।७४ आ० (टिकते), २. लल १०।१५६ आ० (लाल-यते) ३. अक् + लङ्-लम्ब १।२६२, ६३ आ० (अवलम्बते) ।

दुकड़े करना=१. धाडू १।१८५ आ० (धाडते), २. धृ ६।२३ प० (धृ-णाति), ३. मुटि-मुण्ट १।२२३ पाठा० क्षीर० प० (मुण्टति), ४. खुड १ क्वा० प० (खोडति), ६।६७, ६८ प० (खुडति), १० क्वा० प० (खोडयति), ५. सम् +

तक्षू १।४३८ प० (संतक्षति/संतक्षणाति), ६. दल १।३६६ प० (दलति), १०।२२२ उ० (दालयति ते) ।

दुकड़े-दुकड़े करना=१. भाज १०।३११ उ० (भाजयति, ते), २. मुस ४।११० प० (मुस्यति), ३. लुप्-लुम् ६।१४० उ० (लुम्पति, ते), ४. पिश ६।१४६ प० (पिशति), ५. सम् + चूर्ण १०।११० उ० (संचूर्णयति, ते), ६. द्राडू १।१८५ आ० (द्राडते). ७. द ६।२२ प० (दणाति) ।

दुकड़े, विभाग, खण्ड करना=१. खड १०।४६ उ० (खाडयति, ते), २. खडि-खण्ड १०।४६ उ० (खण्डयति, ते/खण्डति) ।

दुकड़े करना, चोरना=१. खुडि-खुण्ड १०।५३ उ० (खुण्डयति, ते/खुडति) ।

दूट जाना=१. रुजो ६।१२६ प० (रुजति) ।

दूटना=१. विचिर्-विच् ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते), २. विजिर्-विज् ३।१२ प० (वेवेक्ति), ३. व्रुट ६।८४ प० (व्रुटति/व्रुटयति), १०।१६६ आ० (त्रोट-यते) ।

देढ़ा करना=१. अवि-अञ्च् १। ६०४ उ० (अञ्चति, ते), २. द्रुण् ६।४६ प० (द्रुणति), ३. वकि-वङ्क् १।६६, ७४ आ० (वङ्कते), ४. कुञ्च १।११३ प० (कुञ्चति) ।

देढ़ा, बक्र करना=१. ध्वृ १।६७२ प० (ध्वरति) ।

देढ़ा जाना=१. वकि-वङ्क् १।६६, ७४ आ० (वङ्कते), २. त्सर ४।३७३ प०

(त्सरति), ३. अग १।५३८ प० (अगति),
४. अकि-अङ्क १।६८ आ० (अङ्कते),
५. अक् १।५३८ प० (अकति), ६. कुञ्च
१।११३ प० (कुञ्चति) ।

टेढ़ा होना=१. कुञ्च १।११३ प०
(कुञ्चति), २. वकि-वङ्क १।६६, ७४
आ० (वङ्कते), ३. कुट ६।७५ प०
(कुटति), ४. ह्वृ १।६६५ प० (ह्वरति),

५. तुरा ६।४४ प० (तुराति), ६. रुजो
६।१२६ प० (रुजति), ७. भुजो ६।१२७
प० (भुजति) ।

टेढ़ा, वक्र होना=१. नस १।४१७
आ० (नसते, प्र-प्रणसते) ।

टेढ़े रास्ते से जाना=१. अग १।
५३८ प० (अगति) ।

ठ

ठगना=१. वञ्चु १०।१७२ आ०
(वञ्चयते/वञ्चते), २. वेद १।११० प०
(वेद्यति), ३. शठ १।२३१ प० (शठति),
व्यच ६।१२ प० (विचति), ४. दम्भु ५।
२३ प० (दम्नोति), ५. हुच्छा १।१२६ प०
(हूच्छति), ६. मधि-मङ्घ १।७६, ७१
आ० (मङ्घते), ७. मुचि-मुञ्च १।१०३
आ० (मुञ्चते), ८. मुच १।१०३ पाठा०
आ० (मोचते), ९. चप १०।६३ उ०
(चपयति, ते), १०. चह १।४८४ प०
(चहति), १०।६२ उ० (चाहयति, ते),
११. अभि+चर १।३७६ प०
(अभिचरति) ।

ठगना, फंसाना=१. कुट ६।७५ प०
(कुटति) ।

ठट्ठा करना=१. हुसे १।४७१ प०
(हसति), २. स्फुटि-स्फुट् १०।४ पाठा०
उ० (स्फुटयति, ते/स्फुटति), ३. स्फुडि-
स्फुण्ड् १०।४ उ० (स्फुण्डयति,

ते/स्फुण्डति), ४. भडि-भण्ड १।१७२ आ०
(भण्डते), ५. तक १।८२ प० (तकति) ।

ठण्डा करना=१. शमु ४।६१ णिच्
प० (शमयति) ।

ठण्डा होना=१. शमु ४।६१ प०
(शामयति) ।

ठनठनाना=१. शिजि-शिञ्ज् २।
१६ आ० (शिञ्जते) ।

ठहर-ठहर के (धीरे-धीरे) उड़ना=
१. समुत्+डीङ् १।६६५ आ० (समु-
ड्यते), ४।२५ (समुड्यते) ।

ठहरना=१. स्था १।६६२ प०
(तिष्ठति) ।

ठहरना, रहना=१. गावृ १।४ आ०
(गाघते) ।

ठहराना=१. वेह १।४२८ आ०
(वेहते), २. वि+सह १।५६१ आ०
(विसहते), १०।२३३ उ० (विसाहयति, ते/
विसहति, ते), ३. निर्+नीज् १।६४२ आ०

(निर्णयते), ४. यती १।२५ आ० (यतते),
 ५. वृतु ४।४६ (वृत्यते), ६. निवास
 १०।३१० उ० (निवासयति, ते). ७. पेष्
 १।४११ आ० (पेषते), ८. प्रवि+पद ४।
 ५८ आ० (प्रविपद्यते), १०।३२० आ०
 अदन्त (प्रविपदयते), ९. निर्+चिञ् ५।५
 उ० (निश्चिनोति, निश्चिनुते), १०।६६
 उ० (निश्चपयति, ते/निश्चययति, ते/
 निश्चयति, ते)।

ठिठुरना=१. नि+हृच् १।६४०
 उ० (निहरति, ते)।

ठीक न बनाना=१. शठ १०।३३

उ० (शाठयति, ते)।

ठीक निश्चय करना=१. विनिर्+
 चिञ् ५।५ उ० (विनिश्चिनोति, विनि-
 श्चिनुते), १०।६६ उ० (विनिश्चपयति ते/
 विनिश्चययति, ते)।

ठीकना=१. प्र+हृन् २।२ प०
 (प्रहन्ति), आ०(आ-आहते), २. प्र+हृच्
 १।६४० उ० (प्रहरति, ते)।

ठीकर लगना=१. स्खल १।३६५
 प० (स्खलति)।

ठीकर लग के गिरना=१. तगि-
 तङ्ग १।८८ प० (तङ्गति)।

ड

डरना=१. भ्रेषु १।६२३ उ०
 भ्रेषति, ते), २. भेषु १।६२३ उ० (भेषति,
 ते), ३. भ्री ६।३८ प० (भ्रीणाति,
 भ्रिणाति), ४. भ्लेषु १।६२४ उ०
 भ्लेषति, ते), ५. भी ३।२ प० (बिभेति)
 क्वा० १० (भाययति, भयति), ६. भ्यस
 १।४१८ आ०(भ्यसते), ७. त्रसी ४।११ प०
 (त्रसति/त्रसति), ८. त्रपूष्-त्तप् १।२६०
 आ० (त्रपते), ९. व्यथ १।५१५ आ०
 (व्यथते), १०. शकि-शङ्क् १।६७ आ०
 (शङ्कते/आ-आशङ्कते), ११. दभी १०।
 २४६ उ० (दर्भयति, ते/दर्भति), १२.
 विजी ६।६ आ० (विजते/उद्-उद्विजते),
 ७।२२ प० (विनक्ति), १३. क्लब् १ क्वा०
 आ० (क्लबते) ४ आ० (क्लव्यते)।

डर से कांपना=१. विजी ६।६ आ०
 (विजते/उद् उद्विजते) ७।२२ प०
 (विनक्ति)।

डराना=१. भर्त्स १०।१५१ आ०
 (भर्त्सयते), २. तर्ज १।१३६ प०(तर्जति)
 १०।१५१ आ०(तर्जयते), ३. त्रस् १०।
 २१० उ० (त्रासयति, ते), ४. स्मिङ् १।
 ६७६ आ० (स्मिञ्/स्मापयते), ५. किट १।
 २१२ प० (केटति) ६. खिट १।१६७ प०
 (खिटति)।

डराना धमकाना=१. जर्ज १।४७५,
 ६।१७ प० (जर्जति)।

डसना, काटना=१. दश १।७१५
 प०(दशति), २. दशि-दंश १०।१४५ आ०
 (दंशयते)।

डालें पैदा होना=१. शाख् १।८७ प० (शाखति) ।

डूबकी लगाना=१. नि+मस्ज ६। १२५ प० (निमज्जति) ।

डूबना=१. ब्रुड ६।१०२ प० (ब्रुडति), २. नि+मस्ज ६।१२५ प० (निमज्जति), ३. मुडि-मुण्ड १।१७४ आ० (मुण्डते), ४. भ्रुड ६।१०३ प० (भ्रुडति), ५. वि+प्लुङ् १।६८४ आ० (विप्लवते), ६. परि+गल १०।१६८ आ० (परिगल-

यते), ७. क्रुड ६।१०३ प० (क्रुडति), ८. हुड ६।६६ प० (हुडति) ।

डूबना (जल या विचारों में)= १. बुल १०।७१ उ० (बोलयति, ते) ।

डोलना=१. चुलुम्प वा० ३।१।३५ प० (चुलुम्पति) ।

डोलना, हिलना=१. दुल १०।१७ उ० (दोलयति, ते) ।

डंक से मारने के समान बोलना= १. दशि-दंश् १०।२२३ उ० (दंशयति, ते) ।

ढ

ढकना=१. हुल १।५८४ प० (होलति), २. स्कुञ् ६।६ उ० (स्कुनाति, स्कुनीते), ३. ह्गो १।५३६ प० (ह्गति), ४. ह्गो १।५३६ प० (ह्गति), ५. स्तृञ् ५।६ उ० (स्तृणोति, स्तृणुते), ६. स्फिट १०।४१ पाठा० उ० (स्फेटयति, ते), ७. भ्रुड ६।१०३ प० (भ्रुडति), ८. वृक्ष १। ३६६ आ० (वृक्षते), ९. वल्ह १।४२६ आ० (वल्हते), १०. ब्रुड ६।१०२ प० (ब्रुडति), ११. व्येञ् १।७३३ उ० (व्ययति, ते), १२. व्री ६।३१ प० (व्रीणाति/व्रीणाति), १३. व्रीड् ४।३० आ० (व्रीयते), १४. वर्ह १।४२६ आ० (वर्हते), १५. वल, वल्ल १।३३१ आ० (वलते, वल्लते), १६. वव० लग १०। १८७ क्षीर० उ० (लागयति, ते), १७. शल १।३३० आ० (शलते), १८. क्षद

१ क्वा० प० (क्षदति), १९. कुपि-कुम्प् १।२६० पाठा० प० (कुम्पति), १०।१२३ पाठा० (कुम्पयति), ३०. वृञ् १०।२३७ उ० (वारयति, ते/वरति) ।

ढकना, आच्छादित करना=१. छुड ६।६७ प० (छुडति), २. छदि-छन्द १०।४६ उ० (छन्दयति, ते/छन्दति) ।

ढकेलना=१. लुट १।५०० आ० (लोडते), २. ऋपि ६।७ प० (ऋपति) ।

ढाढस, सान्त्वना देना=१. अनु+अव १।३४६ प० (अन्ववति) ।

ढांकना=१. जल १०।१० उ० (जलयति, ते), २. थुड ६।६६ प० (थुडति), ३. चटे १।१६१ प० (चटति), ४. लज १०।११ उ० (लाजयति, ते), ५. स्थगे १।५३४ क्षीर० प० (स्थगति/क्वा० उ० (स्थगयति, ते), ६. अग्नि+धाञ्

३।१० उ० (अपिदधाति, अपिधत्ते), ७.
ब्रीड् ४।३० आ० (ब्रीयते) ।

ढिढोरा पीटना=१. आ०+घृषिर्-
घृष् १०।१६५ उ० (आघोषयति, ते) ।

ढीला, शिथिल करना=१. अथि-
अथन्थ् १।२८ आ० (अथन्थते), २. कत्र १०।
३३५ उ० (कत्रयति, ते), ३. कर्त १०।
३३६ उ० (कर्तयति, ते), ४. कर्त्रे १०।
३३६ पाठा० उ० (कर्त्रयति, ते) ।

ढीला होना=१. श्लथ १।५४२ प०
(श्लथति), २. अथि-अथन्थ् २।२८ आ०
(अथन्थते) ।

ढूँढना, खोजना=१. मार्ग १०।२७३
(मार्गयति, ते/मार्गति), २. मृग ४ गणा-
न्त क्षीर० प० १०।३२२ आ० (मृगयति,
मृगयते), ३. परि+नीञ् १।६४२ आ०
(परिणयते), ४. गाघृ १।४ आ० (गाघते),
५. वि+कृञ् ८।१० आ० (विकुरुते),
६. अनु+इषु इच्छ् ६।६१ प० (अन्वि-
च्छति), ७. चिञ् ५।५ उ० (चिनोति,
चिनुते), १०।६६ (चपयति, ते/चययति,
ते/चयति, ते), ८. चर्व १।४७५, ६।१७
प० (चर्वति), ९. ढुढि-ढुढ १ क्वा० प०
(ढुण्ढति), १०. अनुसम्+घाञ् ३।१० उ०
(अनुसंदधाति, अनुसंधत्ते), ११. प्र+
अर्थ १०।३२६ आ० (प्रार्थयते/क्वा० प०
प्रार्थयति), १२. अनु+इष ४।१६ प०
(अन्विष्यति), १३. सम्+पद ४।५८ आ०
(सम्पद्यते), १०।३२० अदन्त आ०
(सम्पदयते) ।

ढूँढना, पता लगाना=१. गवेष

१०।३०८ उ० (गवेषयति, ते) क्व०
(गवेषते), २. गेषृ १।४०६ आ० (गेषते) ।

ढूँढ निकालना=१. वावृत् ४।४६
आ० (वावृत्यते), २. व्ली ६.३४ प०
(व्लिनाति/व्लीनाति), ३. व्री ६।३१ प०
(व्रिणाति/व्रीणाति), ४. व्रीड् ४।३० आ०
(व्रीयते) ।

ढूँढना, शोध करना=३. ग्लेषृ १।
४१० आ० (ग्लेषते) ।

ढेर (राशि) करना=१. श्रोणृ १।
३०७ प० (श्रोणाति), २. स्तुप ४।१२५
पाठा० क्षीर० प० (स्तुप्यति), १०।१४३
उ० (स्तोपयति, ते), ३. स्फुल ६।१०१
प० (स्फुलति), ४. मुस्त १०।६६ उ०
(मुस्तयति, ते), ५. मृक्ष १।४४४ प०
(मृक्षति), ६. म्रक्ष १।४४५ प० (म्रक्षति),
७. सम्+यम १।७१० उ० (संयच्छति,
ते), ८. श्लोणृ १।३०८ प० (श्लोणाति),
९. व्रु ६।१०२ प० (व्रुडति), १०. वक्ष
१।४४३ प० (वक्षति), ११. शडि-शण्ड्
१।१७८ आ० (शण्डते), १२. लोष्ट १।
१५८ आ० (लोष्टते), १३. शम्ब १०।२५
उ० (शम्बयति, ते), १४. पिडि-पिण्ड १।
१७३ आ० (पिण्डते), १०।१३६ उ०
(पिण्डयति, ते/शपि पिण्डति), १५. पिट
१।२०४ प० (पेटति), १६. पुल १।३५५
प० (पूलति), १०।१०२ उ० (पूलयाति,
ते), १७. पूर्ण १०।१०३ उ० (पूर्णयति,
ते) ।

ढेर लगाना=१. स्तूप ४।१२५ क्षीर०
प० (स्तूप्यति), १०।१४३ पाठा० उ०

(स्तूपयति, ते) ।

ढोना=१. वह १।७३० उ० (वहति, ते) ।

ढो ले जाना=१. वह १।७३० उ०

(वहति, ते) ।

ढोंग करना=१. दम्भु ५।२३ प०

(दम्भोति) ।

त

तत्पर होना =१. अनु+रञ्ज् १। ७२५ उ० (अनुरजति, ते), ४।५६ उ० (अनुरज्यति, ते), २. आ+कुल १।५८३ प० (आकोलति) ।

तत्त्व निकालना=१. परि+हृञ् १।६४० उ० (परिहरति, ते) ।

तप करना=१. श्रमु ४।६४ प० (श्राम्यति) ।

तपाना, गर्म करना=१. अर्क १०। ११२ उ० (अर्कयति, ते), २. पिजि-पिञ्ज् १०।२२३ उ० (पिञ्जयति, ते) ।

तप्त करना, जलाना=१. तप १। ७११ आ० (तपते), १०।२४२ उ० (तापयति, ते) ।

तप्त होना, जलना=१. तप १। ७११ आ० (तपते), १०।२४२ उ० (तापयति, ते) ।

तमाम करना=१. उपसम्+हृञ् १।६४० उ० (उपसंहरति, ते) ।

तरकस बाँधना=१. इषुध ११।२० प० (इषुध्यति) ।

तरह तरह के शब्द करना=१. धुपिर्-धृप् १०।१६५ उ० (धोपयति, ते) ।

तर्क (कल्पना) करना=१. तर्क १०। २२३ उ० (तर्कयति, ते) ।

तर्क वितर्क करना=१. अभ्या+हृञ् १।६४० उ० (अभ्याहरति, ते) ।

तहस-नहस करना=१. पसि-पंस् १०।८२ उ० (पंसयति, ते/पंसति) ।

तलना=१. भृजी १।१०८ आ० (भर्जते), २. लज, लजि-लञ्ज् १।१४७ प० (लजति, लञ्जति) ।

ताडन करना=१. तडि-तण्ड १। १७६ आ० (तण्डते) ।

ताडना करना=१. जर्ज १।४७५, ६।१७ प० (जर्जति), २. जयु १०।१८७ उ० (जासयति, ते) ।

तारतम्य देखना=१. विचिर-विच् ७।५ उ० (विनश्ति, विडक्ते), २. विजिर्-विज् ३।१२ प० (विवेकति), ३. वेणू १। ६१६ उ० (वेणति, ते), ४. वेनू १।६१७ उ० (वेनति, ते), ५. लक्ष १०।१६४ आ० (लक्षयते) ।

तिनके समान मानना=१. निरा +कृञ् ८।१० आ० (निराकुरुते) ।

तिरस्कार करना=१. सूक्ष्यं १।३४१ प० (सूक्ष्यति), २. सुट्ट १०।३१ उ०

(सुटयति, ते), ३. सिट १।१६८ प० (सेटति), ४. भृ ६।२० प० (भृणाति), ५. वृ १।६४५ प० (घायति), ६. वष १।७००, १०।१५ सन् आ० (वीभत्सते), ७. स्मिड् १०।४२ आ० (स्मापयते), ८. स्मिट् १०।४१ उ० (स्मेटयति, ते), ९. रौड् १।२४५ प० (रौडति), १०. हेड् १।१८३ आ० (हेडते), ११. होड् १।१८३ आ० (होडते), १२. हिडि-हिण्ड १।१६७ आ० (हिण्डते), १३. शिट १।१६८ प० (शिटति), १४. अप्, वि+रञ्ज् १।७२५, ४।५६ उ० (अपरजति, ते/अपरज्यति, ते/वि-विरजति, ते, विरज्यति, ते), १५. अय+मान १०।२७० उ० (अपमानयति, ते/अमानति), (अव-अवमानयति, ते/अवमानति), १६. कुत्स १०।१६५ आ० (कुत्सयते), १७. परि+भू १।१ प० परिभवति) ।

तिरस्कृत करना—१. अप+कृष १।७१६ प० (अपकर्षति, ६।६ उ० अपकृषति, ते), (अव-अवकर्षति, ६।६ उ० अवकृषति, ते) ।

तीक्ष्ण. पैना. तेज करना—१. शो ४।३६ प० (श्यति), २. शिच् ५।३ उ० (शिनोति, शिनुते), ३. ज्ञप १०।६० उ० (ज्ञापयति, ते), ४. तिज १।६६८ आ० (तेजते), १०।१२० उ० (तेजयति, ते), ५. क्षणु २।३० प० (क्षणोति/सम्-आ० संक्षणुते) ।

तीक्ष्ण, पैना होना—१. जल १।५७५ प० (जलति) ।

तुन्दिल होना—१. तीव १।३८० प० (तीवति) ।

तुलना, बराबरी करना—१. सम्+ईक्ष १।४०५ आ० (समीक्षते) ।

तुष्ट करना—१. मदि-मन्द् १।१२ आ० (मन्दते) ।

तुष्ट होना—१. स्वद १।१७ आ० (स्वदते), २. स्वद १०।२२८ उ० (स्वादयति, ते) ।

तृप्त, सन्तुष्ट करना—१. तृप ४।८४ प० (तृप्यति), ५।२६ (तृप्नोति), ६।२६ (तृप्ति), १०।२४३ उ० (तर्पयति, ते/तर्पति), २. द्राख् १।८६ प० (द्राखति), ३. तूष १।४५२ प० (तूषति), ४. अश ६।५४ प० णिच् (आशयति), ५. पृ ५।१२ प० (पृणोति), ६. पूरी ४।४२ आ० (पूर्यते), १०।२२६ उ० (पूरयति, ते), ७. मद १०।१७४ आ० (मादयते), ८. सम्+अव प० (समवति), ९. सभाज १०।३१२ प० (सभाजयति), १०. हिवि-हिन्व १।३६२ प० (हिन्वति), ११. हु (वेदे) ३।१ प० (जुहोति), १२. प्रीङ् ४।३५ आ० (प्रीयते) ।

तृप्त करना, होना—१. तृफ-तृम्प-तृम्फ ६।२६ प० (तृफति, तृम्पति, तृम्फति) ।

तृप्त, प्रसन्न (तर्पण) करना—१. प्रीञ् १०।२६३ उ० (प्रीणयति, ते/मतान्तरे प्राययति, ते) ।

तृप्ति करना—१. परि+आप्ल् ५।१५ प० (पर्याप्नोति) ।

तृप्त, सन्तुष्ट होना=१. तृष १।
४५२ प० (तृषति), २. हिवि-हिन्वि १।
३६२ प० (हिन्वति), ३. सह ४।२० प०
(सह्यति), ४. सुह ४।२० प० (सुह्यति),
५. अत्र+अद्र २।१ प० (अव्रति), ६.
कनी १।३११ प० (कनति), ७. इवि-इन्वि
क्षीर० १।३८६ ८८ प० (इन्वति), ८.
तृष ४।८४ प० (तृष्यति, ५।२६ तृप्नोति,
६।२६ तृपति, १०।२४३ तर्पयति, ते/
तर्पति), ९. चक १।७३ प० (चकति),
१०. ध्र १।६४७ प० (ध्रायति), ११.
चक १।५३२ आ० (चकते) ।

तेज करना=१. शान १।७२० उ०
(शीशांसति, ते) ।

तेज चलना=१. श्वल-श्वल्ल १।३७०
प० (श्वलति, श्वल्लति) ।

तेजस्वी होना=१. स्तुच १।१०६
आ० (स्तोचते), २. दिवु ४।१ प०
(दीव्यति) ।

तेजस्वी पाना होना, करना=१. जल
१।५७५ प० (जलति) ।

तेज वस्तु में जलादि डालकर अल्प
तेज करना=१. फण १।५६७ उ०
(फाणयति, ते) ।

तेजो युक्त होना=१. उव्+लस्
१।४७३ प० (उल्लसति) ।

तेजो हीन करना=१. फण १।५६७
प० (फणति) ।

तेल मलना=१. सम्+अञ्जू ७।
२० प० (समनक्ति, आ-आनक्ति, प्रति-
प्रत्यनक्ति, नि-न्यनक्ति) ।

तेल लगाना=१. तिल ६।६४ प०
(तिलति), १०।७४ उ० (तेलयति, ते) ।

तैयार करना=१. वज १०।६६
क्षीर० उ० (वाजयति, ते), २. व्रज १०।
८३ उ० (व्राजयति, ते) ।

तैयार करना, सुधारना=१. अर्ज
१०।१६४ उ० (अर्जयति, ते) ।

तैयार करना (अन्नादि)=१. भज
१०।२०१ उ० (भाजयति, ते) ।

तैयार होना=१. सज्ज १।११८ प०
(सज्जति) ।

तैरकर पार जाना=१. सम्+तृ
१।६६६ प० (संतरति), २. रेवृ १।३३६
आ० (रेवते) ।

तैरना, तिरना=१. प्लुङ् १।६८४
आ० (प्लवते), २. अभि+द्रु १।६७७ प०
(अभिद्रवति), ३. शाड् १।१८६ आ०
(शाडते) ।

तैल मर्दन करना=१. अभि+अञ्जू
७।२० प० (अभ्यनक्ति) ।

तोड़ना=१. दान १।७२० उ०
(दानति, ते), २. तुड् १।२४२ प०
(तोडति), ३. तूड् १।२४३ प० (तूडति),
४. दाप् २।५२ प० (दाति), ५. क्षणु ८।३
उ० (क्षणोति, क्षणुते), ६. चट १०।
१६० उ० (चाटयति, ते), ७. पूथी १।३२५
आ० (पूयते), ८. भिदिर्-भिद् ७।२ उ०
(भिनत्ति, भिन्ते), ९. लुञ्च् १।११४ प०
(लुञ्चति), १०. मुस ४।११० प०
(मुस्यति), ११. स्खद १।५१६ आ० (स्खदते),
१२. स्फुट १०।१६० उ० (स्फोटयति, ते);

१३. वल्यूल १०३०६ पाठा० उ०
(वल्यूलयति, ते) ।

तोड़ना, कतरना=१. तुड १ क्वा०
प०(तोडति), २. तुड ६।६५ प०(तुडति),
३. तुडि-तुण्ड् १।१७५ आ० (तुण्डते) ।

तोड़ना, चीरना=१. फला १।३४६
प० (फलति) ।

तोड़-फोड़ करना=१. कडि-कण्ड
१०।४६ उ०(कण्डयति, ते/शपि कण्डति),
२. दम्भु ५।२३ प० (दम्भोति) ।

तोलना=१. शुल्ब १०।७८ प०
(शुल्बयति), २. शूर्प १०।७६ उ०
(शूर्पयति, ते), ३. तुल १ क्वा० प०
(तोलति), १०।६६ उ० (तोलयति, ते),
४. माह् १।६३६ उ० (माहति, ते) ।

त्याग करना=१. दद १।१६ आ०
(ददते), २. तूल १।३५४ प० (तूलति),
ना० घा० उ० (तूलयति, ते), ३. दधि-
दङ्घ क्षीर० १।६४ प० (दङ्घति), ४.
उप+या २।४२ प० (उपयाति), ५.
युगि-युङ्ग १।६१ प० (युङ्गति), ६.
स्विदा १।४६६ आ० (स्वेदते), ७. परि
+ह्व १।६४० उ० (परिहरति, ते), ८.

निर्+नुद.....उ० (निर्णुदति, ते),
६।१३५ प० (निर्णुदति), ६. रह् १।४८६
प० (रहति), १०।६४ उ० (राहयति, ते)
१०।२८४ अदन्त उ० (रहयति, ते) ।

त्याग देना=१. पथ १०।२३ उ०
(पाथयति, ते) ।

त्यागना=१. प्रतिसम्+ह्व १।६४०
उ० (प्रतिसंहरति, ते), २. मुञ्च-मुञ्च्
६।१३६ उ० (मुञ्चति, ते), ३. वुगि-
वुङ्ग १।६१ पाठा० प० (वुङ्गति), ४.
वुगि-वुङ्ग १।६१ प० (वुङ्गति), ५.
बुस ४।१०६ प० (बुस्यति), ६. सृज ४।
६७ प० (सृजयति); ६।१२४ प०(सृजति),
७. पथ १।५८६ प० (पथति) ।

त्यागना, छोड़ देना=१. जुगि-जुङ्ग
१।६१ प० (जुङ्गति), २. अधि+गम्लू-
गच्छ १।७०६ प० (अधिगच्छति), ३.
निरा+कृञ् ८।१० आ० (निराकुरुते),
४. उप+ईक्ष १।४०५ आ० (उपेक्षते) ।

त्वरा करना=१. तुरण १।१२३ प०
(तुरण्यति), २. तुर ३।१६ प०(तुरोति) ।

थ

थकना=१. म्लै १।६४४ ष० (म्लायति),
२. मदी १।५५५ प० (मदति),
३. शट १।१६५ प० (शटति), ४. श्रमु
४।६४ प० (श्राम्यति), ५. स्वद १।५१६
आ० (स्वदते), ६. वि+स्था १।६६२
आ० (वितिष्ठते), ७. वि+सद्लू १।
५६३, ६।१३६ प० (विपीदति), ८.

अभिनि+विश ६।१३३ आ० (अभिनि-
विशते), ९. क्वा० पृषु १।४६८, ६६ प०
(पर्षति), १०. अत्र+सद्लू १।५६३, ६।
१३६ प० (अवसीदति) ।

थमना=१. निर्+वृत् १।५०८
आ० (निर्वर्तते), २. अत्र+स्था १।६६२
आ० (अवतिष्ठते), ३. स्थल १।५७७ प०

(स्थलति) ।

थमाना, रोकना = १. पील १।३४८ प० (पीलति) ।

थरथराना = १. वेलू-वेल्ल १।३६३ प० (वेलति, वेल्लति), २. शेलू १।३६४ प० (शेलति), ३. सल १।३६८ प० (सलति), ४. स्फर ६।१०० प० (स्फरति), ५. स्पदि-स्पन्द १।१३ आ० (स्पन्दते), ६. हाल १।५४६ प० (हालति), ७. ह्वल १।५४६ प० (ह्वलति), १० प० (ह्वलयति) ।

थाह लगाना = १. सुट्ट १०।३१ उ० (सुट्टयति, ते) ।

थूकना = १. ष्टिवु १।३७७ प० (ष्टीवति), ४।४ प० (ष्टीव्यति), २.

स्नुसु ४।६ प० (स्नुस्यति), ३. स्नुसु ४।५ प० (स्नुस्यति), ४. क्षिवु १।३८१ प० (क्षिवति, ४ क्वा० क्षीव्यति) ।

थेपना, थोपना = १. थिपृ १।२५३ आ० (थेपते), २. थेपृ १।२५३ आ० (थेपते) ।

थोड़ा बोलना = १. लट १।१६४ प० (लटति) ।

थोड़ा-थोड़ा एकत्र करना = १. उच्छि-उच्छ १।१३०; ६।१३ प० (उच्छति) ।

थोड़ा-थोड़ा चुनना, बीनना = १. उधस् ६।५५ प० (उधस्नाति), १०।२११ उ० (उध्रासयति, ते), २. उच्छि-उच्छ १।१३०, ६।१३ प० (उच्छति) ।

द

दध करना = १. दह १।७१७ प० (दहति), २. दिल्षु १।४६७ प० (दिल्षति), ३. व्युष ४।८, १०५ प० (व्युष्यति) ।

दण्ड देना = १. दण्ड १०।३५४ उ० (दण्डयति, ते), २. कस २।१५ आ० (कस्ते), ३. कसि-कंस २।१४ आ० (कस्ते), ४. कश १ क्व० उ० (कशति, ते), २।१६ पाठा० आ० (कष्टे), ५. अक्व+ह्व १।६४० उ० (अक्वहरति, ते) ।

दबाना (पीसना) = १. चूर्ण ना० धा० ३।१२५ उ० (चूर्णयति, ते), २. सुब् ५।१ उ० (सुनोति, सुनुते), ३. मुट १।२१५ प० (मोटति), ४. (भय से

दबाना) तुडि-तुण्ड १।१७५ आ० (तुण्डते) ।

दबाना, दमन करना = १. उब्ज ६।२० प० (उब्जति) ।

दबा लेना = १. ह्नुड् २।७४ आ० (ह्नुते) ।

दबे पांव भाग जाना = १. हुच्छा १।१२६ प० (हुच्छति) ।

दम तोड़ना = १. निर्+श्वस् २।६२ प० (निःश्वसिति) ।

दमन करना = १. दमु ४।६३ प० (दाम्यति) ।

दया (कृपा) करना = १. अनु+रुध्

४।६३ आ० (अनुहृष्यते), २. वस १।०।
२१३ उ० (वासयति, ते), ३. दय १।३२२
आ० (दयते), ४. अनु+कपि-कम्प् १।
२६१ आ० (अनुकम्पते), ५. क्षपि-क्षम्प्
१।०।६ उ० (क्षम्पयति, ते), शपि आ०
(क्षम्पते), ६. अनु+क्रुश १।५६५ प०
(अनुक्रोशति), ७. क्रप १।५२२ आ०
(क्रपते) ।

दरिद्र रहना=१. इवभ्र १।०।६ उ०
(इवभ्रयति, ते), २. इवर्त १।०।६ उ०
(इवर्तयति, ते) ।

दरिद्र होना=१. ग्लेपू १।२५५, ५७
आ० (ग्लेपते) ।

दरिद्री होना=१. दरिद्रा २।६६ प०
(दरिद्राति) ।

दस्त खुलकर होना=१. वि+
रिचिर्-रिच् ७।४ उ० (विरिणक्ति/
विरिङ्कते) ।

दस्त खुलना=१. रिचिर्-रिच् ७।४
उ० (रिणक्ति, रिङ्कते) ।

दस्त देना=१. रिच् १।०।२४० उ०
(रेचयति, ते/रेचति) ।

दहन करना, जलाना=१. अघ १।
३६६ प० (अघति) ।

दक्षता से रहना=१. अघ+रुधिर-
रुध् ७।१ उ० (अघरुणाद्धि, अघरुन्धे) ।

दक्ष (चतुर) होना=१. दक्ष १।४०३
आ० (दक्षते) ।

दक्षिण की ओर झुकना, जाना=
१. अघ+अचि-अञ्च् १।६०४ उ०
(अघाञ्चति, ते) ।

दाग (लांछन) लगाना=१. अकि-

अङ्क १।६६ उ० (अङ्कयति, ते) ।

दांतों से काटना=१. दश १।७१५
प० (दशति) ।

दान करना=१. सनु ८।२ उ०
(सनोति, सनुते), २. भज १।०।२०१ उ०
(भाजयति, ते), ३. वित्त १।०।३५६ प०
(वित्तयति), ४. शण १।५४० प० (शणति),
५. श्रण १।५४० प० (श्रणति), १।०।४७
उ० (श्राणयति, ते) ।

दान देना=१. निर्+यत १।०।२०३
उ० (निर्यातयति, ते), २. अप+वृज्
५।८ उ० (अपवृणोति, अपवृणुते), ३.
ला २।५१ प० (लाति). ४. रिफ ६।२३
प० (रिफति) ।

दान आदि से संरक्षण करना=
१. कुण ६।४७ प० (कुणति) ।

दासत्व करना=१. नीच १।११३
प० (नीचयति) ।

दिखाई देना=१. प्र (णिच्)+
कटे १।१६० प० (प्रकटयति), २. प्र+
भू १।१ प० (प्रभवति), ३. प्रति+भासू
१।४१५ आ० (प्रतिभासते) ।

दिखाई न देना=१. नश ४।८३ प०
(नश्यति/प्र-प्रणश्यति), २. अन्ध १।०।
३५३ उ० (अन्धयति, ते) ।

दिखाना=१. नट १।०।१३ उ०
(नाटयति, ते), २. दिश ६।३ उ०
(दिशति, ते), सम्-(संदिशति, ते). उत्-
(उद्दिशति, ते), ३. अभि+धाञ् ३।१०
उ० (अभिदधाति, अभिधत्ते) ।

दिल में धरना=१. लछ १।१२३
प० (लच्छति) ।

दीनता प्रकट करना=१. खिद ४।
५६ आ० (खिद्यते, ७।१२ खिन्ते) ।

दीप्त प्रकाशित होना=१. जिवि-
जिन्व १०।२२४ उ० (जिन्वयति, ते) ।

दीक्षा देना=१. दीक्ष १।४०४ आ०
(दीक्षते) ।

दुःख अनुभव करना=१. वि+पद
४।५८ आ० (विपद्यते), १०।३२० अदन्त
(विपदयते) ।

दुःख करना=१. मठि-मण्ठ १।१६३
आ० (मण्ठते), २. उत्+कठि-कण्ठ १०।
२७४ उ० (उत्कण्ठयति, ते/क्षपि
उत्कण्ठति) ।

दुःख कारक शब्द करना=१. कूङ्
६।११० आ० (कुवते) ६ क्व० उ०
(कुनाति, कुनीते) ।

दुःख देना=१. कुन्थ ६।४६ प०
(कुन्थति), २. ऋफ ६।३० प० (ऋफति),
३. अट्ट १।१५५ आ० (अट्टते), ४. गूरी
४।४४ आ० (गूर्यते), ५. ईष १।४०६ आ०
(ईषते), ६. रिफ ६।२३ प० (रिफति),
७. रिश ६।१२६ प० (रिशति), ८. रिष
१।४६२ प० (रेषति), ९. रिष ४।१२०
प० (रिष्यति), १०. रिह ६।२४ प०
(रिहति), ११. रि ५।३० प० (रिणोति),
१२. यत् १०।२०३ उ० (यातयति, ते),
१३. मृण ६।४३ प० (मृणोति), १४.
मिथू, मेथू १।६१० उ० (मेथति, ते),
१५. मिद्, मेद् १।६०६ उ० (मेदति, ते),
१६. मिधू, मेधू १।६११ उ० (मेधति, ते),
१७. मृधु १।६१३ उ० (मर्धति, ते), १८.

मष १।४६२ प० (मषति), १९. मीञ् ६।
४ उ० (मीनाति, मीनीते), २०. मथि-
मन्थू १।३६ प० (मन्थति), २१. नभ १।
५०३ आ० (नभते) प्र-(प्रणभते), ४।
१२७ प० (नम्यति), ६।५२ (नम्नाति),
२२. दह १।७१७ प० (दहति), २३. सूद
१।२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ०
(सूदयति, ते), २४. तुड १ क्वा० प०
(तोडति), ६।६५ प० (तुडति), २५.
तुडि-तुण्ड १।१७५ आ० (तुण्डते), २६.
दय १।३२२ आ० (दयते), २७. तुट ६।
८५ प० (तुटति), २८. तुडू १।२४२ प०
(तोडति), २९. तुहिर-तुहू १।४६१ प०
(तोहति); ३०. तुज १।१५० प०
(तोजति), ३१. तृह-तृहू ६।६० प०
(तृहति), ३२. चिरि ५।३० प० (चिरि-
णोति), ३३. तुर्वी १।३८२ प० (तुर्वति/
तुर्वति), ३४. दध ५।२८ प० (दध्नोति),
३५. दुःख १०।३५७ उ० (दुःखयति, ते),
१।११५ प० (दुःखयति), ३६. धुर्वी १।
३८२ प० (धूर्वति), ३७. तृह ७।१८ प०
(तृणोति), ३८. ह्य ६।२६ प० (ह्यति),
३९. द्रुण ६।४६ प० (द्रुणति), ४०.
दूम्प, दूम्फ ६।२६ प० (दूम्पति, दूम्फति),
४१. दाशू ५।३० प० (दाशोति), ४२.
दुर्वी १।३८२ प० (दूर्वति), ४३. चर्च १।
४७५, ६।१७ प० (चर्चति), ४४. री ६।
३२ प० (रिणाति), ४५. रुज १०।२२७
उ० (रोजयति, ते), ४६. रुश ६।१२६ प०
(रुशति), ४७. विष्क १०।१५३ आ०
(विष्कयति), ४८. हिष्क १०।१५४ आ०

(हिष्कयते), ४६. सृभु, सृम्भु ११२६३ प० (सर्भति, सृम्भति), ५०. स्वृ ११६६६ प० (स्वरति), ५१. स्वरु ६ क्वा० उ० (स्वृणाति, स्वरुणाति), ५२. सिभु, सिम्भु ११२६४ प० (सिभति, सिम्भति), ५३. श्रथ ११५४२ प० (श्रथति), ५४. सर्व ११३८६ प० (सर्वति), ५५. शृ ६११७ प० (शृणाति), ५६. लुजि-लुञ्ज १०१३५ उ० (लुञ्जयति, ते), ५७. घूर्वी ११३८२ प० (घूर्वति), ५८. लजि-लञ्ज १०१३५ उ० (लञ्जयति, ते/लञ्जति), ५९. रुष ११४६२ प० (रोषति), ४१२० प० (रुषयति), ६०. वनु ११५४४ उ० गिणच् (वनयति, ते), ६१. स्तृहृ, स्तृहृ ६१६० प० (स्तृहति, स्तृहति), ६२. लूष १०१७७ उ० (लूषयति, ते), ६३. लुबि-लुम्ब ११२६१ प० (लुम्बति), १०१२५ उ० (लुम्बयति, ते), ६४. मृ ६१२१ प० (मृणाति), ६५. स्खद ११५१६ आ० (स्खदते), ६६. लुथि-लुन्थ ११३६ प० (लुन्थति), ६७. शष ११४६२ प० (शषति), ६८. शिष ११४६२ प० (शिषति), ६९. रुङ् ११६८६ आ० (रवते), ७०. स्फुट १०११६० उ० (स्फोटयति, ते), ७१. स्फिट्ट १०११०१ पाठा० उ० (स्फिट्टयति, ते), ७२. नि+वा २४३ प० (निवाति), ७३. वहँ १.४१३६ आ० (वहँते), ७४. हिंसि-हिंस ७१८ प० (हिंसति), १०१२५६ उ० (हिंसयति, ते/हिंसति), ७५. व्यघ ४१७० प० (विघयति) ७६. शडि-शण्ड १११७८ आ० (शण्डते), ७७. शठ

११२३१ प० (शठति), ७८. चुक्क १०१६३ उ० (चुक्कयति, ते), ७९. बाघृ ११५ आ० (बाघते), ८०. वस्त १०१५२ आ० (वस्तयते), ८१. पृषु (के०) ११४६८, ६९ प० (पृषति), ८२. पुथ ४११३ प० (पुथयति), ८३. पिठ ११२३० प० (पिठति), ८४. पिज, पिजि-पिञ्ज १०१३५ उ० (पिजयति, ते, पिञ्जयति, ते/पिञ्जति), ८५. व्या+पद ४१५८ आ० (व्यापयते), १०१३२० अदन्त (व्यापदयते), ८६. पुथि पुन्थ ११३६ प० (पुन्थयति), ८७. पीड १०११२ उ० (पीडयति, ते), ८८. यूष ११४५७ प० (यूषति), ८९. रघ ४१८२ प० (रघयति), ९०. ब्रूस १०११३२ उ० (ब्रूसयति, ते), ९१. दृ ५१३० प० (दृणाति), ९२. तु सौत्र ७३१६५ प० (तौति/तवीति), ९३. दृफ ६१२६ प० (दृफति), ९४. तूरी ४१४३ आ० (तूर्यते), ९५. दुहिर-दुह ११४६१ प० (दोहति) ९६. तुभ ११५०३ आ० (तोभते), ४१२७ प० (तुभयति), ९१५२ प० (तुभनाति), ९७. तदिर्-तृद ७१८ उ० (तृणाति, तृन्ते/१ क्वा० प० तर्दति), ९८. तुम्फ ११२८७, ६१२७ प० (तुम्फति), ९९. वृषु ११४६८, ६९ प० (वृषति), १००. सघ ५१२१ प० (सघ्नोति), १०१. सट्ट १०११०१ (सट्टयति, ते), १०२. दृभी ६१३४ प० (दृभति), १०३. तुफ ११२८७ प० (तोफति/६१२७ तुफति), १०४. शुच्य ११३४३ प० (शुच्यति), १०५. शूरी ४१४६ आ० (शूर्यते), १०६. शुभ, शुम्भ ११२६५ प० (शोभति, शुम्भति), १०७. तुम्प ११२८७;

६।२७ प० (तुम्पति), १०८. तुप १।२८७ प० (तोपति), ६।२७ (तुपति), १०९. तुबि-तुम्ब १।२९१ प० (तुम्बति), १०।१२५ उ० (तुम्बयति, ते), ११०. वृप, वृफ, वृम्प, वृम्फ १।२८७ प० (त्रोपति, त्रोफति, वृम्पति, वृम्फति), १११. शमु १।४८२ प० (शसति), ११२. भष १।४६२ प० (भषति), ११३. चन १।५४३ प० (चनति), ११४. भर्म्म १।४७५. ६।१७ प० (भर्म्मति), ११५. तर्दं १।४५ प० (तर्दति), ११६. जिरि ५।३० प० (जिरि-णोति), ११७. चिकक १०।६३ पाठा० उ० (चिककयति, ते), ११८. सुभ, सुम्भ १।२९५ पाठा० प० (सोभति सुम्भति), ११९. जूरी ४।४५ आ० (जूर्यते). १२०. खनु १।६१८ उ० (खनति, ते), १२१. गन्ध १०।१५२ आ० (गन्धयते), १२२. कृञ् ६।१४ उ० (कृणाति, कृणाते), १२३. कृ ६।२७ प० (कृणाति), १२४. प्रतिस् + कृ ६।११८ प० (प्रतिष्किरति, प्रतिकिरति), १२५. क्लथ १।५४२ प० (क्लथति), १२६. कनथ १।५४२ पाठा प० (कनथति), १०।२५२ पाठा० प० (कनथयति), १२७. कूट १०।३१५ उ० (कूटयति, ते), १२८. कुथि-कुन्थ १।३६ प० (कुन्थति), १२९. कश १ क्वा० उ० (कशति, ते), २।१६ पाठा० आ० (कष्टे), १३०. कष १।४६२ प० (कषति, १० क्वा० कषयति), १३१. रफ, रफि-रम्फ (एके) १।२८८ प० (रफति, रम्फति) ।

दुःख देना, पीडा करना—१. उर्वी १. ३८२ प० (उर्वति), २. क्षिणु ८।४

उ० (क्षिणोति, क्षिणुते), मा० धा० ८।५ (क्षेणोति, क्षेणुते), ३. डूङ् ४।२३ आ० (दूयते), ४. क्षीञ् १ क्वा० उ० (क्षयति, ते), ६।३९ प० (क्षीणाति) ।

दुःख देना, सताना—१. अर्व १।३८६ प० (अर्वति), २. अर्व १।३९६ प० (अर्वति), ३. उहिर-उह १।४९१ प० (ओहति), ४. एठ १।१६६ आ० (एठते), ५. अर्दं १।४५ उ० (अर्दयति, ते/शपि अर्दति, ते), ६. खर्जं १।१३८ प० (खर्जति), ७. क्षि ५।३० प० (क्षिणोति), ९ क्वा० (क्षिणाति), ८. खिद-खिन्द, ६। १४५ प० (खिन्दति), ९. खिद १ क्वा० प० (खिदति), १०. खिट १।१९७ प० (खिटति), ११. क्लेश १।४०२ आ० (क्लेशते), १२. क्षणु ८।३ उ० (क्षणोति, क्षणुते), १३. कृञ् ५।७ उ० (कृणाति, कृणाते), १४. खै १।६५१ प० (खायति) ।

दुःख देने का प्रयत्न करना—१. तिक ५।२० प० (तिकनोति), २. तिग ५।२० प० (तिग्नोति), ३. ऋक्ष, ऋक्षि ५।३० पाठा० प० (ऋक्ष्णोति, ऋक्षिणोति) ।

दुःख देना, पाना—१. चक्क १०।६३ उ० (चक्कयति, ते) ।

दुःख पाना—१. पिठ १।२३० प० (पिठति) ।

दुःख भोगना—१. दु ५।१० प० (दुनोति), २. व्यथ १।५१५ आ० (व्यथते) ।

दुःख भोगना, पीडित होना—१. कुथि-कुन्थ १।३६ प० (कुन्थति) ।

दुःख मानना—१. शुच १।१११ प०

(शोचति) ।

दुःख में रहना = १. कुण ६।४७ प०
(कुणति) ।

दुःख व आनन्द में लीन होना = १.
कड १।२४६; ६।८८ प० (कडति), २.
कडि-कण्ड १।१८१ आ० (कण्डते), १।२५०
प० (कण्डति) ।

दुःख व आनन्द से बेसुध होना = १.
कज क्षीर० १।१४४ प० (कजति) ।

दुःख सहन करना = १. दूङ् ४।२३
आ० (दूयते), २. क्लिश ६।५३ प०
(क्लिशति), ३. क्लिश ४।५० आ०
(क्लिश्यते), ४. क्षजि-क्षञ्ज् १०।८७ उ०
(क्षञ्जयति, ते/षापि क्षञ्जति) ।

दुःख सहना = १. पुथि-पुन्थ १।३६
प० (पुन्थति), २. शठ १।२३१ प०
(शठति) ।

दुःख (तङ्गी) से दिन बिताना = १.
तकि-तङ्क १।८३ प० (तङ्कति) ।

दुःख से जाना = १. दुर् + गम्लृ-
गच्छ् १।७०६ प० (दुर्गच्छति) ।

दुःख से जंजर होना = १. दूङ् ४।२३
आ० (दूयते) ।

दुःख से पीडित होना = १. रुजो ६।
१२६ प० (रुजति) ।

दुःख से रोना = १. आ + नु २।२७
आ० (आनुते) ।

दुःख होना = १. चुक्क १०।६३ उ०
(चुक्कयति, ते) ।

दुःखादि से कुण्ठित होना = १. कुडि-
कु ड १।२१४ प० (कुण्डति) ।

दुःखादि से श्रमित होना = १. कुटि-

कुण्ट १।२३४ मता० प० (कुण्टति) ।

दुःखानुभव करना = १. पिठ १।२३०
प० (पेठति) ।

दुःखित होना = १. क्रद १।५२४
आ० (क्रदते), २. कृवि १।३६४ प०
(कृणोति), ३. क्लदि-क्लन्द १।५२३ आ०
(क्लन्दते) ४. गर्ह १।४२४ आ० (गर्हते),
१०।२७२ उ० (गर्हयति, ते), ५. श्रमु ४।
६४ प० (श्राम्यति), ६. टल १।५७६ प०
(टलति), ७. कुथ ६।४६ पाठा० प०
(कुथ्नाति), ८. ट्वल १।५७६ प०
(ट्वलति), ९. दरिद्रा २।६६ प० (दरि-
द्रति) ।

दुःखित (विह्वल) होना = १. कृन्थ-
६।४६ पाठा० प० (कृथ्नाति) ।

दुःखी होना = १. दिवु १०।१७५
आ० (देवयते), २. क्रदि-क्रन्द १।५२३
आ० (क्रन्दते), ३. क्लिश ४।५० आ०
(क्लिश्यते) ४. निर् + विद २।५७ प०
(निर्वेत्ति, निर्वेद), ५. वि + सद्लृ १।५६३
६।१३६ प० (विपीदति), ६. वि + शृ
६।१७ आ० (विशीर्यते), ७. पम्पस्,
१।११४ प० (पम्पस्यति), ८. तन्तस् १।१।
१४ प० (तन्तस्यति) ।

दुराचारी होना = १. मुवि-मुञ्च
१।१०३ आ० (मुञ्चते), २. मव १।१०३
आ० (मचते) ।

दुर्गन्ध (बदहू) आना = पूयी १।-
३२५ आ० (पूयते), २. वनूयी १।३२६
आ० (वनूयते) ।

दुर्बल का अनुभव करना = १. आ +
पद ४।५८ आ० (अनुपद्यते) १०।३२०

(अनुपदयते) ।

दुर्बल होना=१. सार १०।२६३ उ० (सारयति, ते), २. कृप १०।२६३ उ० (कृपयति, ते) ।

दुर्बल (निर्बल) होना=१. क्लीबृ १।२६५ आ० (क्लीबते), २. क्लीबृ १।२६५ पाठा० आ० (क्लीवते) ।

दुर्भाषण करना=१. शठ १०।२८२ उ० (शठयति, ते) ।

दुर्लक्ष्य करना=१. श्रम्भू १।२७७ आ० (श्रम्भते), २. युच्छ १।१२६ प० (युच्छति) ।

दुर्वचन कहना=१. शठ १०।२८२ उ० (शठयति, ते) ।

दुलारना=१. जुष १०।२६१ उ० (जोषयति, ते/जोषति) ।

दुष्कर्म करना=१. व्यभि+चर १।३७६ प० (व्यभिचरति), २. दुस्+कृञ् ङ।१० प० (दुष्करोति) ।

दुष्कर्मी होना=१. चह १।४८४ प० (चहति), १०।६२ उ० (चाहयति, ते) ।

दुष्ट रीति से वर्तना=१. दुष् ४।७४ प० (दुष्यति) ।

दुष्टता करना=१. वकि-वङ्क १।६६, ७४ आ० (वङ्कते) ।

दुष्टता कराना=१. वकि-वङ्क १।६६, ७४ आ० (वङ्कते) ।

दुष्ट होना=१. ग्रथि-ग्रन्थ १।२६ आ० (ग्रन्थते), २. हठ १।२२७ प० (हठति) ।

दुष्टाचरण करना=१. दुष ४।७४ प० (दुष्यति) ।

दूध निकालना=१. दुह २।४ उ० (दोग्धि, दुग्धे) ।

दूर करना=१. अति+अर्ज १०।१६४ उ० (अत्यर्जयति, ते), २. अप+अञ्चु-अञ्च १।६०२ उ० (अपाञ्चति, ते), ३. लज १०।११ उ० (लाजयति, ते), ४. अप+नुद उ० (अपनुदति, ते), ६।१३५ प० (अपनुदति) ।

दूर की वस्तु अंगुली से दिखाना=१. समुप+दिश ६।३ उ० (समुपदिशति, ते) ।

दूर खड़ा रहना=१. वि+स्था १।६६२ आ० (वितिष्ठते) ।

दूर ले जाना=१. ओणु १।३०५ प० (ओणति) ।

दूषण लगाना=१. उदा+कृञ् ङ।१० आ० (उदाकृष्टे) ।

दूषित करना=१. दूष ४।७४ पाठा० प० (दूष्यति) ।

दूषित होना=१. दुष ४।७४ प० (दुष्यति), २. दूष ४।७४ पाठा० प० (दूष्यति) ।

दूसरे का अपराध न सहना=१. सूक्ष्म १।३४१ प० (सूक्ष्यति) ।

दूसरे का अहित चाहना=१. स्पधं १।३ आ० (स्पधंते) ।

दूसरे का सा करना=१. अनु+हज् १।६४० उ० (अनुहरति) ।

दूसरे की न्यूनता दिखाना=१. सूच १०।२६६ उ० (सूचयति, ते) ।

दूसरे की वस्तु लौटाना=१. निरु+यत १०।२०३ उ० (निर्यातयति, ते) ।

दूसरे के अनुकूल करना = १. अधि + कृञ् ८।१० आ० (अधिकुस्ते) ।

दूसरे के देखने पर उसे निहारना = १. प्रत्युत् + ईक्ष १।४०५ आ० (प्रत्यु-दीक्षते) ।

दूसरे के लिए रोना = १. उपा + रुदिर-रुद २।६० प० (उपारोदिति) ।

दूसरे के समान करना = १. अनु + वृत् १।५०८ आ० (अनुवर्तते) ।

दूसरे के समान कार्य करना = १. अनु + ङण २।३८ प० (अन्वेति) ।

दूसरे के समान बोलना = १ अनु + लप १।२८५ प० (अनुलपति) ।

दूसरे को देख के बैसा करना = १. अनु + सृ १।६६६ प० (अनुसरति), ३।१६ प० (अनुससति), २. अनु + गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (अनुगच्छति) ।

दढ़ करना = १. स्वद १।५१६ आ० (स्वदते) ।

दढ़ निश्चय करना = १. वि + सह १।५६१ आ० (विसहते), १०।२३३ उ० (विसाहयति, ते/विसहति, ते) ।

दढ़ बैठ जाना = मूल १।३५६ उ० (मूलति, ते) ।

दढ़ होना = १. स्तभि-स्तम्भ १। २७१ आ० (स्तम्भते), २. कृड ६। १०३ प० (कृडति), ३. लजि-लञ्ज् १०। ३५ उ० (लञ्जयति, ते/लञ्जति) ।

दढ़ (कठिन) होना = १. कृड ६ क्वा० प० (कृडति), २. कृड ६।६१ प० (कृडति) ।

दढ़ होना, करना = १. उक्ष (वेदे) १।४३६ प० (उक्षति) ।

दृष्टान्त से स्पष्ट करना = १. उदा + हृञ् १।६४० उ० (उदाहरति, ते) ।

दृष्टिगोचर होना = १. प्र + भू १।१ प० (प्रभवति) ।

देखना = १. दस, दसि-दंस् १०।१४६ आ० (दासयते, दंसयते), २. लक्ष १०।५ उ० (लक्षयति, ते), ३. वष्क १०।३४३ उ० (वष्कयति, ते), ४. मृश ६।१३४ प० (मृशति), ५. वि + भू १।१ प० (विभवति), ६. लोकृ १।६२ आ० (लोकते), ७. लोचृ १।६८ आ० (लोचते), ८. अभि + पद ४।५८ आ० (अभि-पद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (अभि-पदयते), ९. दृशिर-दृश १।७१४ प० (पश्यति), १०. सभाज १०।३१२ प० (सभाजयति), ११. दशि-दंश १०।१४५ आ० (दंशयते), १२. ज्ञप १०।६० उ० (ज्ञापयति, ते), १३. आ + दिश ६।३ उ० (आदिशति), १४. चक्षिङ्-चक्ष २। ७ आ० (चष्टे, आ-आचष्टे) ।

देखना, अवलोकन, करना = १. ईष १।४०६ आ० (ईषते), २. ईक्ष १।४०५ आ० (ईक्षते) ।

देखना, ताकना = १. वि + ईक्ष १। ४०५ आ० (वीक्षते), २. निरृ + ईक्ष १। ४०५ आ० (निरीक्षते) ।

देखना, निहारना = १. अव + ईक्ष १।४०५ आ० (अवेक्षते), २. प्र + ईक्ष १। ४०५ आ० (प्रेक्षते) ।

देदीप्यमान होना = १. शुभ १।५०१
आ० (शोभते), २. शुम्भ ६।३३ प०
(शुम्भति) ।

देना = १. यज १।७२८ उ० (यजति,
ते), २. रिफ ६।२३ प० (रिफति), ३.
निर् + यत् १०।२०३ उ० (नियतियति,
ते), ४. प्र + मुचि-मुञ्च १।१०३ आ०
(प्रमुञ्चते), ५. विनि + क्षिप ६।५ उ०
(विनिक्षिपति, ते), ६. वि + घाञ् ३।१०
उ० (विदधाति, विधत्ते), ७. लजि-लञ्ज्
१०।३५ उ० (लञ्जयति, ते/लञ्जति), ८.
ला २।५१ प० (लाति), ९. वि० + श्रण
१।५४० प० (विश्रणति), १०।४७ उ०
(विश्राणयति, ते), १०. श्रण १।५४०
प० (श्रणति), १०।४७ उ० (श्राणयति,
ते), ११. हु ३।१ प० (जुहोति), १२.
लुजि-लुञ्ज् १०।३५ उ० (लुञ्जयति,
ते), १३. अम्युप् + ह्वञ् १।६४० उ०
(अम्युद्धरति, ते), १४. समुप् + ह्वञ् १।
६४० उ० (समुपहरति, ते), १५. शण १।
५४० प० (शणति), १६. वित्त १०।
३५६ प० (वित्तयति), १७. सनु ८।२
उ० (सनोति, सनुते), १८. रा २।५०
प० (राति), १९. भज १०।२०१ उ०
(भाजयति, ते), २०. प्र + दाञ् ३।६
उ० (प्रददाति, प्रदत्ते), परि (परिददाति,
परिदत्ते), (ददाति, दत्ते), २१. प्रति +
विद १०।१७७ आ० (प्रतिवेदयति), २२.
दाण्-यच्छ १।६६४ प० (यच्छति, प्र-
प्रयच्छति, परि-परियच्छति), २३. दाशृ
१।६२२ उ० (दाशति, ते), क्षीर० १०।

१२५ आ० (दाशयते), २४. दासृ १।
६३५ उ० (दासति, ते), २५. रिह ७।२४
प० (रिहति) ।

देना, अर्पण करना = १. दध १।७
आ० (दधते) ।

देना (ऋण) = १. परि + दाञ् ३।
६ उ० (परिददाति, परिदत्ते) ।

देना (द्रव्यादि) = १. मुच १०।२१२
उ० (मोचयति, ते) ।

देना (पारितोषिक) = १. दिश ६।३
उ० (दिशति, ते) ।

देना चाहना = १. याचृ १।६०५ उ०
(याचति, ते) ।

देना, दान करना = १. तृदिर्-तृद्
७।८ उ० (तृणति, तृन्ते/१ क्वा० प०
(तर्दति), २. दद १।१६ आ० (ददते),
३. अक् + त्विप् १।७२७ उ० (अक्त्वेपति,
ते), ४. त्यज १।७१२ प० (त्यजति), ५.
धाञ् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते), ६.
चण १।५४० प० (चणति), ७. दायृ क्षीर०
१।६२२ पाठा० उ० (दायति, ते), ८.
दय १।३२२ आ० (दयते) ।

देना, दान (भेंट) में देना = १. क्षज
१।५२० पाठा० आ० (क्षजते) ।

देना, धर्म करना = १. वि + तृ
१।६६६ प० (वितरति) ।

देना निकालना = १. याचृ १।६०५
उ० (याचति, ते) ।

देर करना = १. वि + लबि-लम्ब्
१।२६२, ६३ आ० (विलम्बते) ।

देव को प्रसन्न करना = १. उप +

स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

देवपूजा करना = १. यज १।७२८ उ० (यजति, ते) ।

देश से निकाल देना = १. उत्-आ + चर् १।३७६ आ० (उदाचरते), २. उत् + हृग् १।६४० उ० (उद्धरति, ते) ।

देह त्यागना = १. मृङ् ६।११३ आ० (म्रियते), २. मीङ् ४।२७ आ० (मीयते) ।

दोष (देना) लगाना = १. मधि-मङ्घ १।७६, ७७ आ० (मङ्घते), २. रिफ ६।२३ प० (रिफति), ३. लाज, लाजि-लाञ्ज १।१४८ प० (लाजति, लाञ्जति), ४. यु १०।१७९ आ० (यावयते), ५. अनु + युजिर-युज ७।७ उ० (अनुयुनक्ति, अनुयुङ्क्ते) अभि- (अभियुनक्ति, अभियुङ्क्ते), ६. निदि-निन्द १।५४ प० (निन्दति, प्र-प्रणिन्दति), ७. निह १।६१२ उ० (नेदति, ते/प्र-प्रणेदति, ते), ८. द्रा २।४७ प० (द्राति), ९. गर्ह १।४२४ आ० (गर्हते), १०।२७२ उ० (गर्हयति, ते), १०. कुत्स १०।१६५ आ० (कुत्सयते), ११. क्षिप ६।५ उ० (क्षिपति, ते), १२. स्वर १०।२८८ उ० (स्वरयति, ते), १३. लिट १।३९ प० (लिट्ति), १४. वधि-वङ्घ १।७६ आ० (वङ्घते), १५. भस ३।१७ प० (बभसति), १६. भङि-भङ् १।१७२ आ० (भङ्गते), १७. नेह १।६१२ उ० (नेदति, ते), १८. भर्म्म १।४७५, ६।१७ प० (भर्म्मति), १९. जर्म्म ६।१७ पाठा० प० (जर्म्मति), २०. जर्ज १।४७५, ६।१७ प० (जर्जति), २१. तर्ज १।१३६ प० (तर्जति), १०।१५१

आ० (तर्जयते), २२. मुट ६।८३ प० (मुटति) ।

दोष (आरोप) लगाना = १. अघि + क्षिप ६।५ उ० (अघिक्षिपति, ते) ।

दोष (दाग) लगाना = १. उप + कृश १।५९५ प० (उपक्रोशति) ।

दोष (देना) लगाना, निन्दा करना = १. ईज १।११० आ० (ईजते), २. गुप १।६९७ आ० (जुगुप्सते), ३. आ + क्षर १० क्वा० आ० (आक्षारयते), ४. गल्ह १।४२४ आ० (गल्हते) ।

दोहना = १. दुह २।४ उ० (दोषिष, दुग्धे) ।

दौड़ना (भागना) = १. श्वल, श्वल्ल १।३७० प० (श्वलति, श्वल्लति), २. पला (परा) + इ १।२१५ प० (पलायति), ३. एषृ १।४१२ आ० (एषते) ।

दौड़ जाना = १. त्रसी ४।११ प० (त्रस्यति, त्रसति) ।

दौड़ाना = १. नि + यम १।७१० प० (नियच्छति), २. वी २।४१ प० (वेति) ।

दंश मारना = १. दशि-दंश १०।१४५ आ० (दंशयते) ।

द्रव करना = १. श्रे १।६५४ प० (श्रायति) ।

द्रव्य को रोकना = १. बल १।५४१ प० (बलति क्वा० बलयति) ।

द्रव्य स्पष्ट करना = १. खव ६।६२ प० (खौनाति) ।

द्वेष करना = १. द्विष २।३ उ० (द्विष्टि, द्विष्टे), २. द्रूह ४।८६ प०

(द्रुहति), ३. बध १।७००, १०।१५ सन् आ० (बीभत्सते) ।

ध

धक धकाना=१. स्फर ६।१०० प० (स्फरति) ।

धक्का देना=१. धक्क १०।६२ उ० (धक्कयति, ते) ।

धक्का मारना=१. लुट १।५०० आ० (लोटते) ।

धन्धा करना=१. व्यव+हृञ् १।-६४० उ० (व्यवहरति, ते), २. व्यव+सिञ् ५।२ उ० (व्यवसिनोति, व्यवसिनुते) १।५ उ० (व्यवसिनाति, व्यवसिनीते) ।

धन्यवाद करना=१. प्रति+नदि-नन्द १।५५ प० (प्रतिनन्दति) ।

धमकाना=१. तड १०।२२५ उ० (ताडयति, ते) ।

धमकाना, घुड़कना=१. अघि-अङ्घ १।७२ आ० (अङ्घते) ।

धरना=१. मल, मल्ल १।३३२ आ० (मलते, मल्लते) ।

धरना, धारण करना=१. नि+धाञ् ३।१० उ० (निदधाति, निधत्ते) ।

धरना पकड़ना, लेना=१. परि+गृह् ६।६४ प० (परिगृह्णाति) ।

धर्मकृत्य करना=१. पुण ६।४५ प० (पुणति) ।

धर्म सम्बन्धी कार्य करना=१. वि+धाञ् ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते) ।

धर्म सिखाना=१. दीक्ष १।४०४ आ० (दीक्षते) ।

धर्मार्थ व्यय करना=१. वित्त १०।३५६ प० (वित्तयति), २. वि+नीञ् १।६४२ आ० (विनयते) ।

धर्माधिकार की दीक्षा देना=१. सिधू १।३८ प० (सेधति) ।

धान्य आदि का छाल (भूसा) निकालना=१. कडि-कण्ड १०।४६ उ० (कण्डयति, ते/शपि कण्डति) ।

धान्य को फटकना=१. वीज १०।३६६ प० (वीजयति) ।

धान्य सञ्चय करना=१. बल १।५८१ प० (बलति, क्वा० बलयति) ।

धारण करना=१. धृञ् १।६४१ उ० (धरति, ते/१० क्वा० धारयति, ते) । २.

दध १।७ आ० (दधते), ३. धाञ् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते), ४. धृङ् ६।१२१ आ० (ध्रियते), ५. धीङ् ४।२६ आ० (धीयते),

६. चीवृ १।६१६ पाठा० प० (चीवति), ७. चीयृ १।६१६ पाठा० उ० (चीयति, ते),

८. भट १।२०० प० (भटति), ९. भृ ६।२० प० (भृणाति), १०. भ्री ६.३८ प०

(भ्रीणाति, भ्रिणाति), ११. मच्चि-मञ्च् १।१०४ आ० (मञ्चते), १२. भृञ् ३।५ उ०

(विभति, विभृते), १३. मल, मल्ल १।३३२
 आ० (मलते, मल्लते), १४. शील १०।३०३
 उ० (शीलयति, ते), १५. स्कुम्भु (सौत्र);
 (स्कुम्नाति/-स्कुम्नोति), १६. भुरण ११।
 २४ प० (भुरण्यति), १७. भल, भल्ल १।
 ३३३ आ० (भलते, भल्लते), १८. पुष १०।
 २२१ उ० (पोषयति, ते), १९. प्रणि + धाव्
 ३।१० उ० (प्रणिदधाति, प्रणिधत्ते) ।

धार लगाना = १. तिज १।६६८ आ०
 (तेजते), १०।१२० उ० (तेजयति, ते) ।

धिक्कार करना = १. धै १।६४५
 प० (धायति) ।

धिक्कारना = १. भर्त्स १०।१५१
 आ० (भर्त्सयते), २. लज, लजि-लञ्ज् १।
 १४७ प० (लजति, लञ्जति), ३. बुस्त
 १०।६० उ० (बुस्तयति, ते), ४. निदि-निन्द
 १।५४ प० (निन्दति, प्र-प्रणिन्दति) ।

धीरे-धीरे कम होना = १. शद्लू १।
 ५६४, ६।१३७ आ० (शीर्यते) ।

धीरे-धीरे चलना = १. चुप १।२८६
 प० (चोपति) ।

धीरे-धीरे जाना = १. फक्क १।८१
 प० (फक्कति) ।

धीरे-धीरे सरकना = १. नट १०।१३
 उ० (नाटयति, ते) ।

धूप देना = १. वास १०।३०६ उ०
 (वासयति, ते) ।

धूपित करना = १. वास १०।३०६
 उ० (वासयति, ते) ।

धूर्तता करना = १. वेद ११।१० प०
 (वेद्यति) ।

धृष्टता करना = १. वि + यत् १०।
 २०३ उ० (वियातयति, ते) ।

धैर्य रखना = १. गल्भ १।२७५ आ०
 (गल्भते) ।

धोना = १. मज्ज ६।१२५ प०
 (मज्जति), २. मृजू १०।२७५ उ० (मार्ज-
 यति, ते), ३. मृजूष-मृजू २।५६ प०
 (मार्षि), ४. धावु १।३६७ उ० (धावति,
 ते), ५. प्र + क्षल १०।६४ उ० (प्रक्षाल-
 यति, ते) ।

धौकना = १. भा २।४४ प०
 (भाति) ।

धंसना = १. विश ६।१३३ प०
 (विशति) ।

ध्यान करना = १. ध्यै १।६४८ प०
 (ध्यायति), २. सम् + विद २।५७ आ०
 (संविन्दते) ।

ध्यान देना = १. सम्, अ + धाव्
 ३।१० उ० (संदधाति/अवदधाति, संधत्ते-
 अवधत्ते), २. अभि + चर १।३७६ प०
 (अभिचरति), ३. उद् + अ + १।३६६ प०
 (उदवति) ।

ध्यान में रखना = १. लछ् १।१२२
 प० (लच्छति) ।

ध्यान में लगाना = १. निश १।४७८
 प० (नेशति, प्र-प्रणेशति) ।

न

नकल करना=१. अनु+नीञ् १।
६४२ उ० (अनुनयति, ते) ।

नखरा करना=१. हिल ६।७१ प०
(हिलति) ।

न घबराना=१. सम १।५७२ प०
(समति) ।

न घबराने देना=१. सम १।५७२
प० णिच् (समयति) ।

नजदीक आना=१. ज्युङ् १ ६८४
आ० (ज्यवते) ।

नजदीक आना या जाना=१. वि+
गल १०।१६८ आ० (विगलयते) ।

नजदीक जाना=१. ज्युङ् १।६८४
आ० (ज्यवते), २. लेपृ १।२५८ आ०
(लेपते) ।

नजर रखना=१. प्रति+हृञ् १।
६४० उ० (प्रतिहरति ते) ।

नदी के समान बहना=१. रेवृ १।
३३६ आ० (रेवते) ।

नमन बन्दना करना=१. नम १।
७०८ प० (नमति) ।

नम (भुक्) जाना=१. नस १।४१७
आ० (नसते, प्र-प्रणसते) ।

नमना=१. वकि-वङ्क १।६६, ७४
आ० (वङ्कते) ।

नमस्कार अभिवादन करना=१.
अभि+वद १०।२६८ प० (अभिवदति),
२. आ, अव, सम्, प्र+नम् १।७०८ प०
(आनमति, अवनमति, सन्नमति,
प्रणमति), ३. नम १।७०८ प० (नमति) ।

नमाना=१. नम १।७०८ णिच् प०

(नमयति, नामयति), २. वकि-वङ्क १।
६६, ७४ आ० (वङ्कते) ।

नम्र होना=१. वि+नीञ् १।६४२
आ० (विनयते) ।

नया आवरण चढ़ाकर असली को
छुपाना=१. धेपृ १।२५३ आ० (धेपते) ।

नरम होना=१. मिदि-मिन्द १०।८
उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति), २. मिदा
१।६५ आ० (मेदते), ४।१२६ प० (मेथति),
१०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते) ।

नवाना, भुकाना=१. धृ १।६७२
प० (ध्वरति) ।

नष्ट करना=१. अव+धूञ् १०।
२६२ प० (अवधूनयति), २. सम्+हृञ्

१।६४० उ० (संहरति, ते), ३. हृञ् १।
६४० उ० (हरति, ते), ४. धृ ६।२३ प०

(धृणाति), ५. दह १।७१७ प० (दहति),

६. जभि-जम्भ १०।१८५ उ० (जम्भयति,
ते), ७. नक्क १०।६२ उ० (नक्कयति, ते),

८. दमु ४।१०३ प० (दस्यति), ९. धक्क
१०।६२ उ० (धक्कयति, ते), १०. क्षि

१।१४५ प० (क्षयति), ११. क्षिप ६।५
उ० (क्षिपति, ते), १२. सम्+क्षिप ६।५

(संक्षिपति, ते), १३. अरर १।११७ प०
(अरर्यति), १४. कित १।७१६ प० सन्

(त्रिकित्सति), १५. अद २।१ प० (अति),
१६. कस २।१५ आ० (कस्ते), १७. कसि-

कंस २।१४ आ० (कस्ते), १८. गाहू १।४३९
आ० (गाहते), १९. पडि-पण्ड १०।८२

उ० (पण्डयति, ते), २०. पसि-पंस १०।
८२ उ० (पंसयति, ते/पंसति), २१. पुट

१।२१५ प० (पोटति), २२. भञ्जो-भञ्ज्
७।१६ प० (भनक्ति), २३. लुप्लृ-लुम्प्
६।१४० उ० (लुम्पति, ते), २४. वस १०।
२१३ उ० (वासयति, ते), २५. स्फुटिर-
स्फुट १।२२१ प० (स्फोटति), २६. प्र+
शमु ४।६२ आ० (प्रशमयते), २७. सद्लृ
२।५६३, ६।१३६ प० (सीदति, उत्-
उत्सीदति), २८. सो ४।३८ प० (स्यति) ।

नष्ट (विध्वंसित) करना=१,
निरा+कृञ् ८।१० आ० (निराकृते) ।

नष्ट होना=१. धृङ् १०।६८७ आ०
(घरते), २. सो ४।३८ प० (स्यति), ३.
चुलुम्प (वा० ३।१।३५), प० (चुलुम्पति),
४. दसु ४।१०३ प० (दस्यति), ५. नश
४।८३ प० (नश्यति/प्र-प्रणश्यति), ६.
अभि+कृ ६।११८ प० (अभिकिरति),
७. म्लै १।६४४ प० (म्लायति), ८. लुबि-
लुम्ब १।२६१ प० (लुम्बति), १०।१२५
उ० (लुम्बयति, ते), ९. नि+वा २।४३
प० (निवाति), १०. स्फुटिर-स्फुट १।
२२१ प० (स्फोटति), ११. वि+ध्वंसु १।
५०४, ५ आ० (विध्वंसते), १२. तुबि-
तुम्ब १०।१२५ उ० (तुम्बयति, ते), १३.
परि+गल १०।१६८ आ० (परिगलयते),
१४. नभ १।५०३ आ० (नभते, प्र-
प्रणभते). ४।१२७ प० (नभ्यति), ६।५२
प० (नभ्नाति) ।

नष्ट होना, भ्रना=१. भृष ४।२१
प० (भीर्यति), २. भृ ६।२५ प०
(भृणाति) ।

नष्ट ह्रास-कम होना=१. क्षै १।
६५२ प० (क्षायति) ।

नष्टेन्द्रिय होना=१. स्तभि-स्तम्भ

१।२७१ आ० (स्तम्भते) ।

नहलाना=१. क्षिवा १।४६७ आ०
(क्ष्वेदते), ४।१३० प० (क्षिद्यति) ।

नहाना=१. मस्ज ६।१२५ प०
(मज्जति), २. मुञ् ५।१ उ० (मुनोति,
मुनुते), ३. वाङ् १।१८४ आ० (वाङ्गते),
४. स्ना २।५४ प० (स्नाति), ५. अभि+
मुञ् ५।१ उ० (अभिसुनोति, अभिसुनुते) ।

नहाना, स्नान करना=१. चुच्य १।
३४३ प० (चुच्यति) ।

नहीं जानना=१. अप+ज्ञा ६।४०
उ० (अपजानाति, अपजानीते) ।

नहीं दिखाई देना=१. स्नुसु ४।५
प० (स्नुस्यति) ।

नहीं देना=१. कूट १०।१७० पाठा०
आ० (कूटयते), २. उपसम्+हृञ् १।६४०
उ० (उपसंहरति, ते) ।

नहीं बोलना=१. शठ १०।२८२ उ०
(शठयति, ते), २. श्वठ १०।२८२ अदन्त
उ० (श्वठयति, ते) ।

नाक खरखराना=१. नासृ १।४१६
आ० (नासते/प्र-प्रणासते) ।

नाक में दम करना=१. धिक्ष १।
३६८ आ० (धिक्षते) ।

नाच, नृत्य करना=१. नृती ४।१०
प० (नृत्यति) ।

नापना=१. मसी ४।१११ प० (मस्यति),
२. माहृ १।६३६ उ० (माहृति, ते), ३.
शुल्ब १०।७८ प० (शुल्बयति), ४. शूर्प
१०।७६ उ० (शूर्पयति, ते), ५. वि+
भजि-भञ्ज १०।२२३ उ० (विभञ्ज-
यति, ते) ।

नापना, गिनना=१. उदं १।१८ आ०

(उर्दते), २. ऊन १०।३१३ उ० (ऊनयति, ते), ३. ऊर्द १।१८ आ० (ऊर्दते) ।

नाम लेना=१. ह्वैञ् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते) ।

नाम से पुकारना=१. ह्वैञ् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते) ।

नाश करना=१. अप+चिञ् ५।५ उ० (अपचिनोति, अपचिनुते) १०।६६ उ० (अपवपयति, ते/अपवययति, ते/अपचयति, ते) ।

निकल जाना=१. उप+क्रमु १।३१६ प० (उपक्रामति, उपक्राम्यति, प्र-प्रक्रामति, प्रक्राम्यति), २. निर+इण् २।३८ प० (निरैति) ।

निकल जाना, परे होना=१. अप+इण् २।३८ प० (अपैति) ।

निकलना=१. निस्+स्यन्दू १।५११ आ० (निरस्यन्दते), २. निस्सू १।६६६ प० (निरसरति), ३।१६ प० (निरसरति) ।

निकलना, ऊपर उठना=१. उत्+गम्लृ-गच्छ् १।७०६ प० (उद्गच्छति) ।

निकाल देना=१. तूल १।३५४ प० (तूलति/ना० धा० उ० तूलयति, ते), ३. निर, निष्+काशृ १।४३० आ० (निष्काशते) ४।५१ आ० (निष्काशयते), ३. निरा+कृञ् ८।१० आ० (निराकुरुते) ।

निकाल देना, बहिष्कृत करना=१. निर+असु ४।६६ प० (निरस्यति), २. अव+कृष १।७१६ प० (अवकर्षति) ६।६ उ० (अवकृषति, ते) ।

निकालना=१. खुड १ क्वा० प० (खोडति), ६।६७, ६८ प० (खुडति), १० क्वा० प० (खोडयति) ।

निकालना (जलादि)=१. उप+अञ्चु-अञ्च् १।६०२ उ० (उपाञ्चति, ते) ।

निगलना=१. कल १०।२०४ उ० (कलयति, ते), २. स्तुमु ४।५ प० (स्तुस्यति), ३. नि+गल १०।२०४ उ० (निगलयति, ते), ४. गल १।३६७ प० (गलति) ।

निद्रा लेना=१. स्वप् २।६१ प० (स्वपिति) ।

निद्रित होना=१. दिवु ४।१ प० (दीव्यति) ।

निनादित करना=१. व्यनु+नद १।४४ प० (व्यनुनदति) ।

निन्दा करना=१. भडि-भण्ड १।१७२ आ० (भण्डते), २. रिह ६।२४ प० (रिहति), ३. हिट १।२११ प० (हेटति) । ४. आ+कृश १।५६५ प० (आक्रोशति), ५. निरा+कृञ् ८।१० आ० (निराकुरुते), ६. निदू १।६१२ उ० (नेदति, ते/प्र-प्रणेदति, ते), ७. निदि-निन्द १।५४ प० (निन्दति, प्र-प्रणिन्दति), ८. आ+गुर १०।१६३ आ० (आगोरयते), अव- (अवगोरयते), ९. गहं १।४२४ आ० (गहंते), १०।२७२ उ० (गहंयति, ते), १०. कुत्स १०।१६५ आ० (कुत्सयते), ११. खोट १०।३० क्व० क्षेपे उ० (खोटयति, ते), १२. खोड १०।३०० पाठा० प० (खोडयति), १३. अड्क् १०।३५५ उ० (अड्कयति, ते), १४. आ, अव+गूरी ४।४४ आ० (आगूर्यते, अवगूर्यते); १५. अकि-अड्क् १।६८ उ० (अड्कयति, ते), १६. अड्घ १०।३५५ पाठा० उ०

(अङ्घ्रयति, ते), १७. द्रा २।४७ प० (द्राति) १८. दभि, दम्भ क्षीर० १०।१२१ उ० (दम्भयति, ते), १९. दभ क्षीर० १०।१२१ उ० (दाभयति, ते), २०. जर्ज १।४७५, ६।१७ प० (जर्जति), २१. जर्भ ६।१७ पाठा० प० (जर्भति), २२. भर्भ १।४७५, ६।१७ प० (भर्भति), २३. तर्ज १।१३६ प० (तर्जति), १०।१५१ आ० (तर्जयते), २४. चर्च १।४७५, ६।१७ प० (चर्चति), २५. भर्त्स १०।१५१ आ० (भर्त्सयते), २६. नेह १।६१२ उ० (नेदति, ते), २७. मघि-मङ्घ १।७६, ७७ आ० (मङ्घते), २८. भस ३।१७ प० (बभस्ति), २९. मुट ६।८३ प० (मुटति), ३०. यु १०।१७६ आ० (यावयते); ३१. लाज, लाजि-लाञ्ज १।१४८ प० (लाजति, लाञ्जति), ३२. रिफ ६।२३ प० (रिफति), ३३. लिट १।१३६ प० (लिटयति), ३४. वधि-वङ्घ १।७६ आ० (वङ्घते), ३५. अप+वद १०।२६८ उ० (अपवदति, ते), ३६. डिप ४।१२१ प० (डिप्यति); ६।८० प० (डिपति), १०।१४२ उ० (डेपयति, ते), ३७. परि+ह्व १।६४० उ० (परिहरति, ते), ३८. स्वर १०।२८८ उ० (स्वरयति, ते) ।

निन्दा करना, दोष लगाना=१. ऋत सौत्र ३।१।२६ आ० इयङ् (ऋतीयते), २. कुट्ट १०।२८ उ० (कुट्टयति, ते) ।

नियत करना=१. प्र+दिश ६।३ उ० (प्रदिशति, ते) ।

नियत काल का उल्लंघन करना=१. हिट ६ क्वा० प० (हिट्नाति) ।

नियत कालोपरान्त पैदा होना=१. हेठ ६।६३ प० (हेठ्नाति) ।

नियम में बाँधना=१. नि+यम १।७१० प० (नियच्छति) ।

नियमित करना=१. आ+स्था १।६६२ आ० (आतिष्ठते), २. वृञ् ५।८ उ० (वृणोति, वृणुते), ३. विनि+युजिर्-युज ७।७ उ० (विनियुनक्ति, विनियुङ्क्ते) ।

नियोजित करना=१. वृ १।६६८ प० (वरति), २. वृञ् ५।८ उ० (वृणोति, वृणुते) ।

निराकरण करना=१. परा+कृञ् ८।१० प० (पराकरोति) ।

निरुत्साह होना=१. म्लै १।६४४ प० (म्लायति) ।

निरूपण करना=१. लक्ष १०।१६४ आ० (लक्षयते), २. भल १०।१६६ आ० (नि-निभालयते) ।

निर्दोष होना=१. रघ ४।८२ प० (रघ्यति) ।

निर्बल करना=१. शार १०।२६३ पाठा० प० (शारयति) ।

निर्बल होना=१. श्रथ १०।२६३ अदन्त उ० (श्रथयति, ते), २. शार १०।२६३ पाठा० प० (शारयति) ।

निर्भयता से जाना=१. क्रमु १।३१६ आ० (क्रमते, क्रम्यते) ।

निर्मल (स्वच्छ, साफ) करना=१. उक्ष १।४३६ प० (उक्षति) ।

निर्वाहार्थ कमाना=१. आ+जीव १।३७६ प० (आजीवति) ।

निर्वाहार्थ पराधीन होना=१. उप+जीव १।३७६ प० (उपजीवति) ।

निर्विण्ण होना=१. निर्+विद
४।६० आ० (निर्विद्यते) ।

निर्णय करना=१. वि+सह १।
५६१ आ० (विसहते), १०।२३३ उ०
(विसाहयति, ते/विसहति, ते) ।

निवारण करना=१. नि, निर्+
वृञ् ५।८ उ० (निवृणोति, निवृणुते,
निवृणोति, निवृणुते), २. अल १।३४५
प० (अलति), ३. जल १०।१० उ०
(जालयति, ते), ४. प्रतिवि+घाञ् ३।१०
उ० (प्रतिविदधाति, प्रतिविधत्ते), ५.
घ्राख् १।८६ प० (घ्राखति) ।

निवास करना=१. अघि+शीङ्
२।२५ आ० (अघिशेते), २. वस १।७३१
प० (वसति) ।

निवास करना, रहना=१. कित १।
७१६ प० (केतति), १० क्व० (केत-
यति) ।

निवेश करना=१. नि+विश ६।
१३३ आ० (निविशते) ।

निशान करना=१. लछ १।१२२
प० (लच्छति) ।

निशान लगना=१. लाञ्छि-लाञ्छ
१।१२२ प० (लाञ्छति) ।

निश्चय करना=१. वेह् १।४२८
आ० (वेहते), २. पेष् १।४११ आ०
(पेषते), ३. निर्+चिञ् ५।५ उ०
(निश्चिनोति, निश्चिनुते), १०।६६ उ०
(निश्चययति, ते/निश्चययति, ते/निश्च-
यति, ते), ४. निर्+नीञ् १।६४२ आ०
(निर्णयते), ५. अघ्यव+सिञ् ५।२ उ०
(अघ्यवसिनोति अघ्यवसिनुते), ६।५ उ०
(अघ्यवसिनाति, अघ्यवसिनीते), ६.

यती १।२५ आ० (यतते) ।

निश्चयपूर्वक कहना=१. वि+गै
१।६५३ प० (विगायति) ।

निश्चय पूर्वक जानना=१. नि+
कि ३।१८ प० (निचिकेति) ।

निश्चय पूर्वक बुलाना=१. आ+
स्था १।६६२ आ० (आतिष्ठते) ।

निश्चल होना=१. शूरी ४।४६
आ० (शूर्यते), २. वसु ४।१०४ प०
(वस्यति), ३. बद् १।४१ प० (बदति) ।

निषेध करना=१. लाख् १।८६ प०
(लाखति), २. राख् १।८६ प० (राखति),
३. द्राख् १।८६ प० (द्राखति), ४. नि,
प्रति+सिघ् १।३८ प० (निषेधति, प्रति-
षेधति) ।

निष्ठुर बोलना=१. विप्र+वद
१०।२६८ उ० (विप्रवादयति, ते) ।

निष्ठुर कठोर होना=१. हेठ १।
१६५ प० (हेठति), २. कड्ड १।२४० प०
(कड्डति) ।

नीच की सेवा करना=१. मगध
१।११३ प० (मगध्यति) ।

नीचे आना=१. रीड् ४।२८ आ०
(रीयते), २. अक्+रुह १।५६८ प०
(अक्रोहति) ।

नीचे उतरना=१. आ+आव् १।
३६७ उ० (आधावति, ते) ।

नीचे खिसकना=१. स्रंसु १।५०४
आ० (स्रंसते) ।

नीचे गिरना=१. भ्रंशु १।५०६,
१।५०४ पाठा० आ० (भ्रंशते), ४।११५
प० (भ्रश्यति), २. भ्रशु १।५०६ आ०
(भ्रशते), ३. भ्रंसु १।५०४ आ० (भ्रंसते),

४. पत १०।२८६ उ० (पतयति, ते/पतति), ५. अव+गल १०।१६८ आ० (अवगलयते), ६. नट १०।१३ उ० (नाटयति, ते), ७. ध्वंमु १।५०४, ५ आ० (ध्वंसते) ।

नीचे गिरना, उतरना=१. पल्लु-पत् १।५८४ प० (पतति) ।

नीचे (औंधा) गिरना=१. लबि-लम्ब १।२६२, ६३ आ० (लम्बते) ।

नीचे गिरना (शारीरिक अयोग्यता आदि से)=१. भृशु ४।११५ प० (भृश्यति) ।

नीचे गिराना+१. शद्लू १।५६४, ६।१३७ आ० (शीयते), २. लुठ १।२२८ प० (लोठति), क्व० १।५०० आ० (लोठते), ३. रुठ १।२८८ प० (रोठति), ४. कूट १०।१७० पाठा० आ० (कूटयते) ।

नीचे जाना=१. पल्लु-पत १।५८४ प० (पतति), २. अभिनि+म्लुचु, म्लुञ्चु १।११६ प० (अभिनिम्लोचति, अभिनि-म्लुञ्चति) ।

नीचे जाना, उतरना=१. पत १०।२८६ उ० (पतयति, ते/पतति) ।

नीचे फेंकना=१. अव+क्षिप ६।५ उ० (अवक्षिपति, ते) २. शद्लू १।५६४, ६।१३७ आ० (शीयते) ।

नीचे बैठना=१. अनु+असु ४।६६ प० (अन्वस्यति) ।

नींद लेना=१. द्र १।६४६ प० (द्रायति, नि-निद्रायति) ।

नीरस होना=१. रूक्ष १०।३३१

उ० (रूक्षयति, ते) ।

नीरोग (स्वस्थ) रहना=१. अग्रद १।३६ प० (अग्रद्यति) ।

नीला रंग लगाना=१. नील १।३४६ प० (नीलति, प्र-प्रणीलति) ।

नृत्य करना, नाचना=१. नट १।२०३, ५३० प० (नटति) ।

नेत्र स्फुरण होना=१. श्मील १।३४७ प० (श्मीलति) ।

नौचना=१. सम्+दशि-दंश् १०।२२३ उ० (सदंशयति, ते), २. चुटि-चुण्ट १०।१२८ प० (चुण्टयति), ३. लुबि-लुम्बू १।२६१ प० (लुम्बति), १०।१२५ उ० (लुम्बयति, ते) ।

नौकरी करना=१. उप+जीव १।३७६ प० (उपजीवति) २. शेवू १।३३८ आ० (शेवते), ३. भिष्णज् १।११६ प० (भिष्णज्यति), ४. पेवू १।३३७ आ० (पेवते) ।

नौकादि से पार उतरना=१. तृ १।६६६ प० (तरति) ।

न्याय करना=१. विनिर्+नीञ् १।६४२ आ० (विनिर्णयति, ते) ।

न्याय से विचार करना=१. विनिर्+नीञ् १।६४२ आ० (विनिर्णयते) ।

न्यून करना=१. लिश ४।६८ प० (लिश्यति) ।

न्यून होना=१. पुट्ट १०।३० उ० (पुट्टयति, ते), २. लघि-लङ्घ १।६४ प० (लङ्घति) ।

न्यूनाधिक देखना=१. अञ्चु-अञ्चू १।६०२ उ० (अञ्चति, ते) ।

प

पकड़ना = १. मल, मल्ल १।३३२
आ० (मलते, मल्लते), २. चीवू १।६१६
उ० (चीवति, ते), ३. वस् १०।२१० उ०
(वासयति, ते) ।

पकड़ना, घेरना = १. प्र + अर्थ १०।
३२६ आ० (प्रार्थयते क्व० प्रार्थयति) ।

पकना = १. शै १।६५४ प०
(शायति), २. रघ ४।८२ प० (रध्यति) ।

पकाना = १. आ २।४६ प० (आति),
२. श्रीञ् ६।३ उ० (श्रीणाति, श्रीणीते),
३. श्रै १।६५४ प० (श्रायति), ४. शै १।
६५४ प० (शायति), ५. अस्ज ६।४ उ०
(भृज्जति, ते), ६. स्त्री १।६५३ क्षीर०
प० (स्नायति), ७. भज १०।२०१ उ०
(भाजयति, ते), ८. पचप्-पच् १।७२२
उ० (पचति, ते) ।

पग गिनते जाना = १. वि + क्रमु
१।३१६ आ० (विक्रमते, विक्रम्यते) ।

पक्व करना = १. शै १।६३४ प०
(शायति), २. स्त्री १।६५३ क्षीर० प०
(स्नायति) ।

पक्व होना = १. रघ ४।८२ प०
(रध्यति), २. शै १।६५४ प० (शायति) ।

पक्षिवत् बोलना = १. वाशू ४।५२
आ० (वाश्यते) ।

पक्षी के समान उच्चैः पुकारना =
१. कुच १।११२ प० (कोचति) ।

पढ़ना = १. पठ १।२२२ प० (पठति),
२. भण १।३०३ प० (भणति) ।

पढ़ना, अध्ययन करना = १. चर्च
१०।१८१ उ० (चर्चयति, ते) ।

पढ़ना, बाँचना = १. वच २।५६ प०
(वक्ति), १।२६६ उ० (वाचयति, ते/
शपि वचति) ।

पतन होना = १. नड क्षीर० १०।
१२ पाठा० (नाडयति, ते) ।

पतला करना = १. शिञ् ५।३ उ०
(शिनोति, शिनुते), २. श्रै १।६५४ प०
(श्रायति), ३. ली १०।२३५ उ० (लाय-
यति, ते/लयति, लीनयति, ते) ।

पतला पदार्थ मुँह में लाना = १. आ
+ चमु १।३१७ प० (आचमति) ।

पतित होना = १. अंशु १।५०६
आ० (अंशते), ४।११५ प० (अश्यति),
२. अंशु १।५०४ पाठा० आ० (अंशते),
३. अमु १।५०४ आ० (अंसते), ४. अशु
१।५०६ आ० (अशते) ।

पदच्छेद करना = १. चर्च १०।१८१
उ० (चर्चयति, ते) ।

पदारूढ़ होना = १. अघि + स्था १।
६६२ आ० (अघितिष्ठते) ।

पदार्थ को संस्कृत करना = १. अर्ज
१०।१६४ उ० (अर्जयति, ते) ।

पर तीर को जाना = १. तृ १।६६६
प० (तरति) ।

परदा डालना = १. तुत्थ १०।३६६
उ० (तुत्थयति, ते) ।

परदेश जाना = १. सम्प्र + स्था १।
६६२ आ० (सम्प्रतिष्ठते) ।

परमेश्वर के अर्पित होना = १. प्रति
+ स्था १।६६२ आ० (प्रतितिष्ठते) ।

परम्परागत व्यवहार का सेवन

करना=१. अनु+हृञ् १।६४० आ०
(अनुहरते) ।

परस्पर मित्र होना=१. व्यक्ति+भू
१।१ प० (व्यक्तिभवति) ।

पराक्रम करना=१. वीर १०।३२४
उ० (वीरयति, ते), २. परा+क्रमु १।
३१६ प० (पराक्रामति, पराक्राम्यति) ।

पराक्रमी करना=१. सुहृ ४।२०
प० (सुहृति) ।

पराक्रमी होना=१. शूर १०।३२४
आ० (शूरयते, क्वा० शूर्यते), २. वीर
१०।३२४ उ० (वीरयति, ते), ३. वृष १०।
१७३ आ० (वर्षयते) ।

पराजय करना=१. स्वद १।५१६
आ० (स्वदते) ।

पराजित करना=१. परा+जि १।
३७८, ६७८ आ० (पराजयते) ।

पराजित होना=१. परा+जि १।
३७८, ६७८ आ० (पराजयते) ।

पराधीन होना=१. ग्लेपृ १।२५५,
२५७ आ० (ग्लेपते) ।

पराभव करना=१. परा+भू १।१
प० (पराभवति), २. जि १।३७८, ६७८
प० (जयति), ३. शृषु १०।२०२ उ०
(शर्षयति, ते) ।

परिक्रमा करना=१. आ+वृत् १।
५०८ आ० (आवर्तते) ।

परिचर्या करना=१. वृङ् ६।४२
आ० (वृणीते), २. दुवस् १।१३४ प०
(दुवस्यति) ।

परिराम होना=१. समी ४।११२
प० (सम्यति) ।

परित्याग करना=१. हाक ३।८ प०

(जहाति) ।

परिधान करना=१. परि+धाञ्
३।१० उ० (परिदधाति, परिधत्ते) ।

परिवार का पालन करना=१.
कुटुम्ब १०।१४८ मता० आ० (कुटुम्ब-
यते) ।

परीक्षा करना=१. कुष ६।५० प०
(कुष्याति) ।

परीक्षा (जांच) करना, शोधना=
१. परि+ईक्ष १।४०५ आ० (परीक्षते) ।

परोत्कर्ष न सहना=१. सूक्ष्यं १।
३४१ प० (सूक्ष्यति) ।

पलक भ्रपकना=१. स्मील १।
३४७ प० (स्मीलति) ।

पलक भ्रपकना, पलक मारना=१.
क्षमील १।३४७ प० (क्षमीलति) ।

पलक मारना=१. मील १।३४७
प० (मीलति), २. नि+मिपु १।४६५
प० (निमेषति) ।

पलक लगाना=१. श्मील १।३४७
प० (श्मीलति) ।

पलटना, बदलना=१. उपस्+
कृञ् ८।१० उ० (उपस्करोति, उप-
स्कुरुते) ।

पवन सा चलना=१. वा २।४३ प०
(वाति) ।

पवन से बुझना=१. नि+वा
२।४३ प० (निवाति) ।

पवित्र (स्वच्छ) करना=१. अप, प्र+
मृजूष-मृज २।५६ प० (अपमार्ष्टि, प्रमा-
ष्टि), २. सूद १।२० आ० (सूदते), १०।
१८६ उ० (सूदयति, ते), ३. शुन्ध १।६०
प० (शुन्धति), ४. पूञ् ६।१० उ०

(पुनाति, पुनीते). ५. पूङ् १।६६३ आ० (पर्वते) ।

पवित्र (शुद्ध) होना = १. मृजू १०। २७५ उ० (मार्जयति, ते), २. गुन्ध १। ६० प० (गुन्धति), ३. वृष ४।८० प० (शुध्यति), ४. पुण ६।४५ प० (पुणति) ।

पशु के समान शब्द करना = १. प्र + नद् १।४४ प० (प्रणदति, समुद्-समु-नदति) ।

पश्चात् गमन करना = १. अनु + सु १।६६६ प० (अनुसरति), १।१६ प० (अनुसर्ति) ।

पश्चात्ताप करना = १. अनु + तप १।७११ आ० (अनुतपते), १०।२४२ उ० (अनुतापयति, ते), (परि--परितपति, परितापयति, ते/ सम्-संतपति, संतापयति, ते) ।

पश्चिम (पीछे) की ओर झुकना, जाना = १. परा + अचि-अञ्च् १।६०४ उ० (पराञ्चति, ते), प्रति (प्रत्यञ्चति, ते) ।

पसन्द करना = १. व्ली ६।३४ प० (व्लिनाति, व्लीनाति), २. वृक्ष १।३६६ आ० (वृक्षते), ३. वृ १।६६८ प० (वरति), ४. वावृतु ४।४६ आ० (वावृत्यते), ५. व्री ६।३१ प० (त्रिणाति, व्रीणाति), ६. व्रीङ् ४।३० आ० (व्रीयते), ७. वृतु ४।४६ आ० (वृत्यते), ८. वृश ४। ११६ प० (वृश्यति), ९. वृञ् ५।८ उ० (वृणोति, वृणुते), १०. वृ ६।१६ उ० (वृणाति, वृणीते), ११. वृञ् ६।१५ उ० (वृणाति, वृणीते), वि + घाञ् ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते) ।

पसन्द करके लेना = १. समा + दाण्-यच्छ १।६६४ प० (समायच्छति); २. समा + दाञ् ३।६ उ० (समाददाति, समादत्ते) ।

पसन्द होना = १. सु + ख्या २।५३ प० (सुख्याति) ।

पसीजना = १. श्रा २।४६ प० (श्राति), २. स्विदा ४।७७ प० (स्विद्यति) ।

पसीना छूटना = १. स्विदा ४।७७ प० (स्विद्यति) ।

पसीना निकलना = १. श्रा २।४६ प० (श्राति), २. श्रै १।६५४ प० (श्रायति) ।

पहचानना = १. प्रत्यभि + ज्ञा ६।४० उ० (प्रत्यभिजानाति, प्रत्यभिजानीते) ।

पहनना = १. जीवृ १।६१६ पाठा० प० (चीवति), २. चीवृ १।६१६ उ० (चीवति, ते), ३. मल, मल्ल १।३३२ आ० (मलते, मल्लते), ४. घाञ् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते), ५. चीयृ १।६१६ पाठा० उ० (चीयति, ते) ।

पहले होना = १. लेट १।१६ प० (लेटति), २. लोट १।१६ प० (लोटयति) ।

पहिनना = १. स्थुड ६।६६ प० (स्थुडति), २. शील १०।३०३ उ० (शीलयति, ते) ।

पहुंचना = १. समा + पद् ४।५८ आ० (समापद्यते), १०।३२० आ० अदन्त (समापदयते), २. या २।४२ प० (याति), ३. अशूङ्-अश् ५।१८ आ० (अश्नुते), ४. अश् १।३६६ प० (अश्ति), ५. प्र +

अशुङ्-अश् ५।१८ आ० (प्राश्नुते), अनु-
(अन्वश्नुते), आ० (आश्नुते), परि-(पर्य-
श्नुते), ५. अभि+या २।४२ प० (अभि-
याति, समा-समायाति) ।

पहुंचाना=१. हज् १।६४० उ०
(हरति, ते), २. ऋ १।६७० प०
(ऋच्छति) ।

पहुंचाना, प्राप्त होना=१. नीज्
१।६४२ उ० (नयति, ते) ।

पागल होना=१. लोड् १।२४६ प०
(लोडति), २. रोड् १।२४६ प०
(रोडति), ३. चूरी ४।४६ आ० (चूर्यते),
४. मुह् ४।८७ प० (मुह्यति). ५. मेट्,
मेड् १।१८९ पाठा० प० (मेटति, मेडति),
६. अट्ट्, अड्ड् १।१८९ प० (अट्टति,
अड्डति), ७. कज क्षीर० १।१४४ प०
(कजति), ८. स्कभि-स्कम्भ् १।२७१
आ० (स्कम्भते/सोत्र प० स्कम्नोति, स्क-
म्नाति), ९. म्लेट्, म्लेड्ड् १।१८९ पाठा०
प० (म्लेटति, म्लेडति) ।

पादना=१. शृधु १।५१० प०
(शार्धति) ।

पाना, प्राप्त करना=१. चमु १।
३१७ प० (चमति), ५।२९ (चम्नोति),
२. अय+आप् १०।२६५ उ० (अवाप-
यति, ते), ३. प्रति+पद ४।५८ आ०
(प्रतिपद्यते); १०।३२० अदन्त आ०
(प्रतिपदयते), ४. उप, सम्+चिञ् ५।५
उ० (उपचिनोति, उपचिनुते, सम्-संचि-
नोति, संचिनुते), १०।९६ उ० (उपचप-
यति, ते/सम्-संचपयति, ते/उपचययति,
ते/ सम्-संचययति, ते/ उपचयति, ते/
संचयति, ते), ५. अशुङ्-अश् ५।१८ आ०

(अश्नुते), ६. अति-अन्त १।५० प०
(अन्तति), ७. आ+अशुङ्-अश् ५।१८
आ० (आश्नुते, उद्-उदश्नुते, उप-उपा-
श्नुते), ८. अय १।३६६ प० (अवति),
९. आप्लृ १०।२६५ उ० (आपयति, ते) ।

पाना, प्राप्त होना, मिलना=१.
अय+आप् ५।१५ प० (अवाप्नोति,
प्र-प्राप्नोति), २. नीज् १।६४२ उ०
(नयति, ते) ।

पानी में उतरना=१. हुड् ६।९६
प० (हुडति) ।

पाप करना=१. अघ १०।३६६ प०
(अवयति) ।

पार जाना=१. सु+गम्लृ-गच्छ्
१।७०९ प० (सुगच्छति), २. तृ १।६९६
प० (तरति, उत्-उत्तरति) ।

पार लगाना=१. तीर १०।३३२
उ० (तीरयति, ते) ।

पारितोषिक देना=१. दायु क्षीर०
१।६२२ पाठा० उ० (दायति, ते) ।

पालन करना=१. स्मृ ५।१४ प०
(स्मृणोति), २. रक्ष १।१४० प० (रक्षति,
परि-परिरक्षति), ३. भुरण १।१२४ प०
(भुरण्यति), ४. वि+भू १।१ प०
(विभवति), ५. भुज ७।१७ प० (भुनक्ति),
६. लड् १०।७ उ० (लाडयति, ते), ७.
दधि-दड्क् क्षीर० १।९४ प० (दड्कति),
८. दध १।७ आ० (दधते), ९. वृ ९।१९
उ० (वृणाति, वृणीते), १०. नि+सद्लृ
१।५९३, ६।१३६ प० (निषीदति), ११.
मुठि-मुण्ठ १।१६४ आ० (मुण्ठते), १२-
श्री ९।३८ प० (श्रीणाति/भ्रिणाति),
१३. तेज १।१४० प० (तेजति), १४. भू

६।२० प० भूणाति), १५. पाल १०।७६ उ० (पालयति, ते), १६. परि-सम्+पुष् १।४६६ प० (परिपोषति, सम्पोषति), ४।७१ (परिपुष्यति, सम्पुष्यति), ६।४६ (परिपुष्णाति, सम्पुष्णाति), १७. प्रा २।४६ प० (पाति) ।

पालन पोषण करना=१. दध ५। २८ प० (दध्नोति), २. पुष १।४६६ प० (पोषति), ४।७१ (पुष्यति), ६।५६ प० (पुष्णाति), ३. पृ, पृ ३।४ प० (पिपति), ४. पूष १।४५३ प० (पूषति) ।

पालन, संभाल करना=१. दय १। ३२२ आ० (दयते) ।

पालना=१. स्पृ ५।१३ प० (स्पृ-णोति), २. सम्बर १।१४१ प० (सम्ब-र्यति), ३. निजिर्-निज् ३।११ उ० (नेनेक्ति, नेनिक्ते) ।

पालना, बढ़ाना=१. चल १०।७५ उ० (चालयति, ते) ।

पावों से कुचलना=१. उप+स्पृश ६।१३१ प० (उपस्पृशति) ।

पास आना या जाना=१. उप+इण २।३८ प० (उपैति), २. उपसम्+आप् ५।१५ प० (उपसमाप्नोति), ३. उखि-उह्व १।८८ प० (उह्वति) ।

पास जाना=१. अभि+या २।४२ प० (अभियाति, समभि-समभियाति), २. उप+सृ १।६६६ प० (उपसरति), ३।१६ प० (उपससति), उप+सद् १। ५६३, ६।१३६ प० (उपसीदति), ४. सन्नि+विश ६।१३३ आ० (सन्निविशते), (उप+विश ६।१३३ प० (उपविशति) ।

पास से जाना=१. उप+स्था १।

६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

पास रखना=१. भट. १।२०० प० (भटति), २. शील १०।३०३ उ० (शील-यति, ते), ३. धाञ् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते) ।

पास रखना या होना=१. धि ६। ११५ प० (धियति) ।

पास रखना, युक्त होना=१. धृङ् ६।१२१ आ० (ध्रियते) ।

पास रहना=१. सन्नि+विश ६। १३३ आ० (सन्निविशते) ।

पिघलना=१. मिदि-मिन्द १०।८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति), २. मिदा १।४६५ आ० (मेदते), ४।१२६ प० (मेद्यति), १०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते) ।

पिघलाना=१. श्रै १।६५४ प० (श्रायति), २. श्रै १।६५३ क्षीर० प० (श्रायति) ।

पीछे जाना=१. अनु+इण २।३८ प० (अन्वेति), २. अप+सृ १।६६६ प० (अपससति) ।

पीछे-पीछे जाना=१. अनु+या २। ४२ प० (अनुयाति), २. अनु+सृ १। ६६६ प० (अनुसरति), ३।१६ प० (अनु-ससति), ३. अनु+वृत् १।५०८ आ० (अनुव्रते) ।

पीछे देना=१. प्रतिसम्+दिश ६।३ उ० (प्रतिसंदिशति, ते), २. मृ ६।२१ प० (मृणाति) ।

पीछे से जाने देना=१. अन्व+ १०।१६४ उ० (अन्ववार्जति, ते) ।

पीछे फँकना=१. अप+ह्वञ् १।

६४० उ० (अपहरति, ते) ।

पीछे बोलना=१. अनु+बद १।
७३५ आ० (अनुवादयते) ।

पीछे-पीछे भागना=१. अनु+धाव्
१।३६७ उ० (अनुधावति, ते) ।

पीछे लौटना=१. विनि+पत्नू-
पत् १।५८४ प० (विनिपतति), २. परा
+इ १।२१५ प० (परायति), ३. परा
+इण् २।३८ प० (परैति), ४. परि+
वृत् १।५०८ आ० (परिवर्तते, विनि-विनि-
वर्तते) ।

पीछे लौटना=१. प्रतिसम्+दिश
६।३ उ० (प्रतिसंदिशति, ते) ।

पीना=१. पा-पिब् १।६५६ प०
(पिबति) ।

पीना, प्राशन करना=१. घेष्ट १।
६४३ प० (घयति), २. पीङ् ४।३२ आ०
(पीयते) ।

पीटना=१. व्यथ ४।७० प०
(विध्यति) ।

पीड़ा करना=१. स्फिट्ट १०।१०१
पाठा० उ० (स्फिट्टयति, ते), २. रिफ ६।
२३ प० (रिफति), ३. शप १।४६२ प०
(शपति), ४. रि ५।३० प० (रिणोति),
५. मृण ६।४३ प० (मृणाति), ६. सृभु,
सृम्भु १।२६३ प० (सर्भति, सृम्भति),
७. स्वृ १।६६६ प० (स्वरति), ८. यूष
१।४५७ प० (यूषति), ९. स्खद १।५१६
आ० (स्खदते), १०. मेढ १।६०६ उ०
(मेदति, ते), ११. मेथृ, मिथृ १।६१०
उ० (मेथति, ते), १२. मेधृ १।६११ उ०
(मेधति, ते), १३. नि+वा २।४३ प०
(निवाति), १४. व्यथ ४।७० प०

(विध्यति), १५. बल्ह १।४२६ आ०
(बल्हते), १६. मिढ १।६०६ उ० (मेदति,
ते), १७. मिधृ १।६१७ उ० (मेधति, ते),
१८. वृषु १।४६८, ६६ प० (वर्षति),
१९. सघ ५।२१ प० (सघ्नोति), २०.
सट्ट १०।१०१ उ० (सट्टयति, ते), २१. शृ
६।१७ प० (शृणाति), २२. सिभु, सिम्भु
१।२६४ प० (सेभति, सिम्भति), २३.
श्रथ १।५४२ प० (श्रथति), २४. सूद १।
२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूद-
यति, ते), २५. सर्व १।३८६ प० (सर्वति),
२६. हभी ६।३४ प० (हभति), २७. दुहिर-
दुह १।४६१ प० (दोहति), २८. ढफ
६।२८ प० (ढफति), २९. ढम्प, ढम्फ ६।
२६ प० (ढम्पति, ढम्फति), ३०. हप ६।
२६ प० (हपति), ३१. चृती ६।३५ प०
(चृतति), ३२. द्रुण ६।४६ प०
(द्रुणति), ३३. जूष १।४५८ उ०
(जूषति, ते), ३४. चिरि ५।३० प०
(चिरिणोति), ३५. चिक्क १०।६३
पाठा० उ० (चिक्कयति, ते), ३६. जुष
१०।२६१ उ० (जोषयति, ते/जोषति),
३७. शूरी ४।४६ आ० (शूर्यते), ३८.
शुच्य १।३४३ प० (शुचयति), ३९. लूष
१०।७७ उ० (लूषयति, ते), ४०. पृषु
(क्रेषाम्), १।४६८, ६६ प० (पर्षति),
४१. लुजि-लुञ्ज १०।३५ उ० (लुञ्ज-
यति, ते), ४२. लुबि-लुम्ब १।२६१ प०
(लुम्बति), १०।१२५ उ० (लुम्बयति,
ते), ४३. लजि-लञ्ज १०।३५ उ०
(लञ्जयति, ते/लञ्जति), ४४. री ६।३२
प० (रिणाति), ४५. पुथ ४।१३ प०
(पुथयति), ४६. पुथि-पुन्थ १।३६ प०

(पुन्यति), ४७. पीड १०।१२ उ० (पीड-यति, ते), ४८. स्तृह, स्तृह् ६।६० प० (स्तृहति, स्तृंहति) ।

पीड़ा देना=१. जष १।४६२ प० (जषति), २. मन्थ १।३५, ६।४४ प० (मन्थति, मथ्नाति), ३. दिवु १०।१६३ उ० (देवयति, ते), ४. श्रथ १०।२४६ उ० (श्राथयति, ते/श्रथति), ५. ऋम्फ ६।३० प० (ऋम्फति), ६. अभि+भू १।१ प० (अभिभवति) ।

पीड़ा, दुःख देना=१. तनु (एके) १०।२६६ उ० (तानयति, ते/तनति), २. तुद ६।१ उ० (तुदति, ते) ।

पीड़ा देना, मार डालना=१. च्युस १०।२१६ उ० (च्योसयति, ते) ।

पीड़ा देना, सताना=१. कर्ज १।३७ प० (कर्जति) ।

पीड़ा भोगना=१. लुधि-लुन्थ १।३६ प० (लुन्थति) ।

पीड़ा सहना=१. शठ १।२३१ प० (शठति) ।

पीड़ा होना=१. शूल १।३५३ प० (शूलति) ।

पीड़ित करना=१. वृषु १।४६८, ६६ प० (वर्षति) २. दुवस् १।१३४ प० (दुव-स्यति), ३. श्रमु ४।६४ प० (श्राम्यति); ४. वि+शृ ६।१७ आ० (विशीर्यते), ५. दुवस् १।१३४ प० (दुवस्यति) ।

पीड़ित होना=१. (केषाम्) पृषु १।४६८, ६६ प० (पर्षति) ।

पीना=१. पा-पिब् १।६५६ प० (पिबति) ।

पीना, प्राशन करना=१. घेद् १।

६४३ प० (घयति), २. पीह् ४।३२ आ० (पीयते) ।

पीसना=१. चूर्ण ना० घा० ३।१२५ उ० (चूर्णयति, ते), २. चप १०।६३ उ० (चपयति, ते), ३. मुचि-मुच्च १।१०३ आ० (मुच्चते), ४. मुच १।१०३ पाठा० आ० (मोचते), ५. मच १।१०३ आ० (मचते), ६. अद १।५१८ आ० (अदते), ७. मृह ६।४८ प० (मृह्याति), ८. मृद ६।४७ प० (मृदनाति), ९. घृषु १।४७० प० (घर्षति), १०. पिष्लृ ७।१५ प० (पिन्ष्टि) ।

पीसना, कूटना=१. चह १०।२६१ अदन्त उ० (चहयति, ते) ।

पीसना, चूर्ण करना=१. गुडि-गुण्ड १०।५१ उ० (गुण्डयति, ते) ।

पीस डालना=१. दिवु १०।१६३ उ० (देवयति, ते) ।

पुकारना=१. ह्वेब् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते), २. कच १ क्वा० प० (कवति), ३. क्रुश १।५६५ प० (क्रोशति); ४. बाशृ ४।५२ आ० (वाश्यते) ।

पुकारना, जोर से बुलाना=१. क्रदि-क्रन्द १।५८ प० (क्रन्दति) ।

पुकार देना=१. परि+दाब् ३।६ उ० (परिददाति, परिदत्ते), २. परि+दाण्-यच्छ १।६६४ प० (परियच्छति) ।

पुनः पुनः करना=१. आ+वृतु १।५०८ आ० (आवर्तते) ।

पुनः सम्पादन करना=१. अव+ह्व् १।६४० उ० (अवहरति, ते) ।

पुस्तकादि पढ़ना=१. अधि+गम्लु-गच्छ १।७०६ प० (अधिगच्छति) ।

पुष्पयुक्त होना = १. पुष्प ४।१६ प० (पुष्पयति) ।

पहुंचना = १. अभि + या २।४२ प० (अभियाति, समा-समायाति) ।

पूछना = १. अनु = युजिर-युज् ७।७ उ० (अनुयुनक्ति, अनुयुङ्क्ते), २. आ + लय १।२८५ प० (आलयति), ३. प्रच्छ ६।१२२ प० (पृच्छति) ।

पूछना, प्रश्न करना = १. चुद १०।८१ उ० (चोदयति, ते) ।

पूजनीय (पूजा योग्य) होना = १. अर्ह १।४६२ प० (अर्हति), १०।१६६ उ० (अर्हयति, ते), १०।२५७ आ० (अर्हयते) ।

पूजने की इच्छा करना = १. अर्च १।१२० सन् प० (अर्चिचिपति) ।

पूजा करना = १. ह्य १।३४२ प० (हयति), २. यक्ष १०।१६१ उ० (यक्षयति, ते), ३. उप + स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते), ४. स्तुज् २।३६ उ० (स्तौति, स्तुते), वेदे (स्तवीति, स्तवीते), ५. अञ्चु-प्रञ्च् १।१२५ प० (अञ्चति), ६. मह १।४८५ प० (महति), १०।२६२ उ० (महयति, ते), ७. वल्गु १।१३ प० (वल्गूयति), ८. सनु ८।२ उ० (सनोति, सनुते), ९. सपर १।१६ प० (सपर्यति), १०. सेव् १।३३७ आ० (सेवते), ११. अर्घ १।४६२ पाठा० क्षीर० रिण्च् प० (अर्घयति) ।

पूजा (अर्चा) करना = १. पूज १०।१११ उ० (पूजयति, ते) ।

पूजा (मान) करना = १. अर्च १।१२० प० (अर्चति), १०।२३२ उ० (अर्च-

यति, ते/प्र-प्रार्चति/प्रार्चयति, ते), सम् (समर्चति, समर्चयति, ते), २. अर्घ १।४६२ पाठा० क्षीर० प० (अर्घति), ३. अर्चि-अञ्च् १।६०४ उ० (अञ्चति, ते) ।

पूजा (सत्कार) करना = १. अर्ह १।४६२ प० (अर्हति), १०।१६६ उ० (अर्हयति, ते), १०।२५७ आ० (अर्हयते) ।

पूजा, सम्मान करना = १. चाय् १।६२० उ० (चायति, ते) ।

पूजित होना = १. मच्चि-मञ्च् १।१०४ आ० (मञ्चते) ।

पूज्य बुद्धि से आदर सत्कार करना = १. प्रति + ईक्ष १।४०५ आ० (प्रतीक्षते) ।

पूरा करना = १. निर् + वृत् १।५०८ आ० (निर्वृत्ते), २. अल १।३४५ प० (अलयति), ३. ऋधु ४।१३१ प० (ऋध्यति), ५।२४ (ऋध्नोति), ४. नि, निर् + वृत् ५।८ उ० (निवृणोति, निवृणुते/निवृणोति, निवृणुते), ५. राघ ५।१७ प० (राघ्नोति), ६. रघ ४।८२ प० (रध्यति) ।

पूरा, पूर्ण करना = १. वि + धाज् ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते), २. पर्व १।३४५ प० (पर्वति) ।

पूरा करना, समाप्त करना = १. उद्धी १।१३१, ६।१४ प० (उच्छति, वि-व्युच्छति) ।

पूरा खर्च न करना = १. शिष १०।२४२ उ० (शिषयति, ते/शिषति) ।

पूरा न करना = १. शठ १०।३३ उ० (शाठयति, ते), २. श्वठ, श्वठि-श्वण्ठ १०।३३ उ० (श्वठयति, ते/श्वण्ठ-

यति, ते) ।

पूरा समझना=१. सप १।२८४ प० (सपति), २. सच १।७२३ उ० (सचति, ते) ।

पूरा होना=१. सम्+स्था १।६६२ आ० (संतिष्ठते), २. राख् १।८६ प० (राखति) ।

पूरी तरह जला देना=१. परि+वह १।७१७ प० (परिदहति) ।

पूर्व (आगे की ओर झुकना, जाना)=१. प्र+अचि-अञ्च् १।६०४ उ० (प्राञ्चति, ते) ।

पूर्ण करना=१. समा+पद ४।५८ आ० (समापद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (समापदयते), २. भृञ् १।६३६ उ० (भरति, ते), ३. मर्व् १।३८५ प० (मर्वति), ४. व्रज १०।८३ उ० (व्राजयति, ते), ५. वर्ध् १०।१२२ उ० (वर्धयति, ते), ६. अक्+सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प० (अवसीदति), ७. साध ५।१७ प० (साध्नोति), ८. तीर १०।३३२ उ० (तीरयति, ते), ९. तु सौत्र ७।३।६५ प० (तौति, तवीति), १०. वि+धाञ् ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते) ।

पूर्ण करना, भरना=१. पृ ३।४ पाठा० प० (पिपति), २. पृ १०।१६ बाठा० उ० (पारयति, ते/शपि, परति), ३. पृ १०।१६ उ० (पारयति, ते/शिज-भावे परति), ४. पृ ३।४ प० (पिपति), ५. पूरी ४।४२ आ० (पूर्यते), १०।२२६ उ० (पूरयति, ते), ६. पुर्व् १।३८५ प० (पूर्वति), ७. प्लुष ६।५८ प० (प्लुष्याति), ८. प्रुष ६।५८ प० (प्रुष्याति) ।

पूर्ण, पूरा करना=१. ध्राख् १।८६ प० (ध्राखति) ।

पूर्णतया जानना=१. सप १।२८४ प० (सपति) ।

पूर्ण ज्ञान होना=१. सप १।२८४ प० (सपति) ।

पूर्ण होना=१. तल १०।६५ उ० (तालयति, ते), २. सिधु ४।८१ प० (सिध्यति), ३. सम्+स्था १।६६२ आ० (संतिष्ठते), ४. पूरी ४।४२ आ० (पूर्यते), १०।२२६ उ० (पूरयति, ते) ।

पूर्ण होना, भरना=१. प्रोथृ १।६०८ उ० (प्रोधयति, ते) ।

पूर्ति करना=१. परि+आप्लृ ५।१५ प० (पर्याप्नोति) ।

पृथक् करना=१. व्युष ४।८, १०।५ प० (व्युष्यति), २. व्युस ४।१०५ पाठा० प० (व्युस्यति), ३. वि+युजिर्-युज ७।७ उ० (वियुनक्ति, वियुङ्क्ते) ।

पृथक्-पृथक् करना=१. शिण्लृ ७।१४ प० (विशिनष्टि), २. यु २।२६ प० (यौति), ३. वि+छेद १०।३६१ उ० (विच्छेदयति, ते), ४. वटि-वण्ट् १०।३४८ (वण्टयति, ते/वण्टति), ५. विचिर्-विच् ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते) ।

पृथक् होना=१. विचिर्-विच् ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते), २. प्युष ४।१०५ पाठा० प० (प्युष्यति) ।

पेट गुड़गुड़ाना=१. कर्द १।४८ प० (कर्दति) ।

पेट दुःखना=१. शूल १।३५३ प० (शूलति) ।

पेशाब करना=१. मूत्र १०।३३०

उ० (मूत्रयति, ते), २. मिह १।७१८ प० (मेहति) ।

पेट साफ करना = १. रिच १०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति) ।

पैठना, घुसना = १. अक्षू-अक्ष १।४३७ प० (अक्षति, अक्षणोति) ।

पैदा करना = १. वप १।७२६ उ० (वपति, ते), २. सु १।६७४ प० (सवति), २।३४ प० (सौति), ३. उप+गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (उपगच्छति), ४. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते); ५. प्र+पद ४।५८ आ० (प्रपद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (प्रपदयते), अनु-(अनुपद्यते, अनुपदयते) ।

पैदा होना = १. रुह १।५६८ प० (रोहति), २. भू १।१ प० (भवति) ।

पैना करना = १. शिञ् ५।३ उ० (शिनोति, शिनुते), २. शान १।७२० उ० (शीशांसति, ते), ३. शो ४।३६ प० (श्यति) ।

पैना करना, धार लगाना = १. अनु+तक्षू १।४३८ प० (अनुतक्षति, अनुतक्षणोति) ।

पैनाना = १. शो ४।३६ प० (श्यति) ।

पैरना = १. शाडू १।१८६ आ० (शाडते) ।

पैसा उधार देना = १. प्र+युजिर्-युज् ७।७ उ० (प्रयुनक्ति, प्रयुङ्क्ते) ।

पोतना = १. मिदि-मिन्द १०।८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति), २. दिह २।५ उ० (दिग्धि, दिग्धे), ३. लिप-लिम्प ६।१४२ उ० (लिम्पति, ते), ४. मिदा

१।४६५ आ० (मिदते), ४।१२६ प० (मेद्यति), १०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते) ।

पोषण करना = १. धाञ् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते), २. भृञ् ३।५ उ० (विभति, विभृते), ३. यम १०।६१ प० (यामयति), ४. देह् १।६८६ आ० (दयते), ५. त्रैह् १।६६२ आ० (त्रायते) ।

पोशाक धारण करना = १. वस २।१३ आ० (वस्ते) ।

पौछना = १. प्र+उछी १।१३१, ६।१४ प० (प्रोच्छति) ।

पंखा करना = १. वीज १०।३६६ प० (वीजयति) ।

प्यार करना = १. रस १०।३५८ उ० (रसयति, ते), २. अव १।३६६ प० (अवति), ३. मिदा १।४६५ आ० (मिदते), ४।१२६ प० (मेद्यति), १०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते), ४. मिदि-मिन्द १०।८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति), ५. प्र+नीञ् १।६४२ आ० (प्रणयते) ।

प्यारा होना = १. अव १।३६६ प० (अवति) ।

प्यास लगाना = १. तृष ४।११८ प० (तृष्यति) ।

प्यासा होना = १. कक २।७१ आ० (ककते) ।

प्रकट करना = १. उत्+दिश ६।३ उ० (उद्दिशति, ते), २. अभि+धाञ् ३।२० उ० (अभिदधाति, अभिधत्ते), ३. शब्द १०।१८३ प० (शब्दयति), ४. निर-निष्+काश् १।४३० आ० (निष्काशते), ४।५१ (निष्काश्यते), ५. अञ्चु-अञ्च १।

६०२ उ० (अञ्चति, ते) ।

प्रकट होना = १. रह १।५६८ प० (रोहति), २. लज, लजि-लञ्ज् १०। ३४७, ४८ उ० (लजयति, ते/ लञ्जयति, ते), ३. प्र+कटे १।१६० णिच् प० (प्रकटयति), ४. जन ३।२२ प० (जजन्ति), ५. प्रा+दुष ४।७४ प० (प्रादुष्यति), ६. स्फुल ६।१०१ प० (स्फुलति), ७. स्फर ६।१०० प० (स्फरति), ८. वटि-वण्ट १०।३४८ उ० (वण्टयति, ते), ९. प्र+भू १।१ प० (प्रभवति) ।

प्रकम्पित, क्षोभित करना = १. वि+घूञ् १०।२६२ प० (विघ्नयति) ।

प्रकाश करना = १. पिस ६।१४६ प० (पिशति) ।

प्रकाशित करना = १. चूप १०।२४५ उ० (चर्पयति, ते/चर्पति), २. चृत १०। २४५ पाठा० प० (चर्तयति, चर्तति), ३. ज्वल १।५४५, ५७३ प० (ज्वलयति), ४. पिजि-पिञ्ज् १०।२२३ उ० (पिञ्जयति, ते) ।

प्रकाशित करना, होना = १. ज्वल १।५४५, ५७३ प० (ज्वलति) ।

प्रकाशित होना = १. रशि-रंश १०। २२४ उ० (रंशयति, ते/रंशति), २. रहि-रंह १०।२२४ उ० (रहयति, ते), ३. भजि-भञ्ज् १०।२२३ उ० (भञ्जयति, ते), ४. भा २।४४ प० (भाति), ५. भासू १।४१५ आ० (भासते), ६. स्तुच १। १०६ आ० (स्तोचते), ७. हर्य १।३४४ प० (हर्यति), ८. हट १।२०५ प० (हटति), ९. युतु १।२६ आ० (योतते),

१०. रधि-रद्ध १०।२२४ उ० (रद्धयति, ते), ११. लेला १।१।७ प० (लेलायति), १२. लोक् १०।२२३ उ० (लोकयति, ते), १३. लोच १०।२२३ उ० (लोचयति, ते), १४. पुट १०।२२३ उ० (पोटयति, ते), १५. पिसि-पिस १०।२२३ उ० (पिसयति, ते), १६. पुय १०।२२३ उ० (पोथयति, ते), १७. रुच १।४६८ आ० (रोचते), १८. शुभ १।५०१ आ० (शोभते), १९. शुम्भ ६।३३ प० (शुम्भति), २०. शीक १०।२२३ उ० (शीकयति, ते), २१. रेजू क्षीर० १।१११ पाठा० आ० (रेजते), २२. भृशि-भृश् १०।२२४ उ० (भृशयति, ते), २३. हट १०।२२४ उ० (रोटयति, ते), २४. जुतु १।२६ आ० (जोतते), २५. तर्क १०। २२३ उ० (तर्कयति, ते), २६. वर्च १। ६६ आ० (वर्चते), २७. भ्लाश १।५७० आ० (भ्लाशते, भ्लाशयते), २८. भ्राजू १।१०६, ५७० आ० (भ्राजते), २९. द्युत १।४६३ आ० (द्योतते), ३०. मदि-मन्द १। १२ आ० (मन्दते), ३१. भ्रेजू १।१०६ आ० (भ्रेजते), ३२. विछ १०।२२३ उ० (विच्छयति, ते), ३३. वह १०।२२३ उ० (वहयति, ते) ३४. वर्ण १०।३३५ उ० (वर्णयति, ते), ३५. वहं १०।२२३ उ० (वहंयति, ते) ३६ वटि-वण्ट १०।३४८ उ० (वण्टयति, ते), ३७. सिभु-सिम्भु १। २६४ प० (सेभति, सिम्भति), ३८. तुज १०।३५ उ० (तोजयति, ते), ३९. त्विष १।७२७ उ० (स्वेपति, ते), ४०. तुजि-तुञ्ज १०।३५, २२३ उ० (तुञ्जयति, ते), ४१. छुदिर-छिद ७।८ उ० (छुरति,

छृन्ते) ।

प्रकाशित होना, चमकना = १. अहि-
ग्रह १०।२२४ उ० (अंहयति, ते), २.
एजू १।१०६ आ० (एजते), ३. गुप १।
२२३ उ० (गोपायति, ते), ४. दीपी ४।
४१ आ० (दीप्यते) ।

प्रख्यात होना = १. वि + श्रु १।६७५
प० (विश्रुणोति) ।

प्रचार में लाना = १. समा + विश
६।१३३ आ० (समाविशते) ।

प्रजोत्पत्ति में समर्थ होना = १.
वृष १०।१७३ आ० (वर्षयते) ।

प्रज्वलित करना = १. छृदी १०।
२४४ उ० (छर्दयति, ते/छर्दति) ।

प्रण करना = १. मुण ६।४६ प०
(मुणति) ।

प्रतारणा करना = १. वञ्चु १०।
२७२ आ० (वञ्चयते/वञ्चते) ।

प्रतिकार करना = १. घुट ६।६४ प०
(घुटति) । २. घुड ६।६४ पाठा० प०
(घुडति) । ३. प्रतिवि + धाञ् ३।१० उ०
(प्रतिविदधाति, प्रतिविधत्ते) ।

प्रतिकूल होना = १. पीड १।१२
उ० (पीडयति, ते), २. मन १०।२७८
आ० (मानयते) ।

प्रतिग्रह करना = १. प्रति + गृह ६।६४
प० (प्रतिगृह्णाति) ।

प्रतिद्वन्द्वी से आगे बढ़ने का यत्न
करना = १. स्पर्ध १।३ आ० (स्पर्धते) ।

प्रतिपालन करना = १. तुजि-तुञ्ज
१।१५१ प० (तुञ्जति) ।

प्रतिबन्ध करना = १. स्तम्भु (सौत्र)
प० (स्तम्भोति, स्तम्भ्नाति), २. व्या +

हन् २।२ प० (व्याहन्ति), ३. रुट १।
५०० आ० (रोटते), ४. लुट १।५००
आ० (लोटते), ५. यम १।७१० प०
(यच्छति), ६. त्रस् १०।२१० उ० (त्रास-
यति, ते), ७. नि + शमु ४।६१ आ०
(निशमयते) । ८. स्कुम्भु (सौत्र-स्कुम्भ्नाति/
स्कुम्भोति), ९. स्कम्भि-स्कम्भ १।२७१
आ० (स्कम्भते/सौत्र-स्कम्भोति, स्क-
म्भ्नाति) ।

प्रतिबन्ध, अटकवाव करना = १.
उप + गृह ६।६४ प० (उपगृह्णाति) ।

प्रतिबन्ध लगाना = १. घुट ६।६४
प० (घुटति) ।

प्रतिरोध करना = १. सह ४।२०
प० (सहति), २. सन्नि + यम १।७१० प०
(सन्नियच्छति), ३. हेट क्वा० आ०
(हेटते), ४. अभिसम् + रधिर्-रुध ७।
१ उ० (अभिसंरुणाद्वि, अभिसंरुध्वे) ।

प्रतिवचन देना = १. प्रति + इषु-
इच्छ् ६।६१ प० (प्रतीच्छति) ।

प्रतिषेध करना = १. विप्र + लप १।
२८५ प० (विप्रलपति) ।

प्रतिज्ञा करना = १. शप १।७२३
उ० (शपति, ते), ४।५७ उ० (शप्यति, ते) ।

प्रतिज्ञा, प्रण करना, वचन देना = १.
सम = जा ६।४० उ० (सञ्जानाति,
सञ्जानीते) ।

प्रतीकार करना = १. प्रति + कृञ्
८।१० आ० (प्रतिकुरुते) ।

प्रतीक्षा करना, बाट जोहना = १.
अप + ईक्ष १।४०५ आ० (अपेक्षते) ।

प्रत्युत्तर देना = १. अनृ + लप
१।२८५ प० (अनुलपति) ।

प्रत्युपकार करना=१. प्रत्युप+
कृञ् ८।१० आ० (प्रत्युपकुर्वते) ।

प्रथम जानना, पहले समझना=१.
उप+ज्ञा १।४० उ० (उपजानाति, उप-
जानीते) ।

प्रदक्षिणा करना=१. आ+वृत् १।
५०८ आ० (आवर्तते), २. परि+इण्
२।३८ प० (पर्यति) ।

प्रदीप्त करना=१. धिक् १।३६८
आ० (धिक्ते) ।

प्रदीप्त करना, जलाना=१. धुक्
१।३६८ आ० (धुक्ते), २. घ्ना १।६६१
प० (घमति) ।

प्रदीप्त होना, जलना=१. इन्धी
७।११ आ० (इन्धे) ।

प्रधान होना=१. तन्त्रि-तन्त्र १०।
१४८ प० (तन्त्रयति) ।

प्रफुल्लित होना=१. प्र+सद्लृ
१।५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति), २.
उत्+श्वस २।६२ प० (उच्छ्वसिति),
३. स्फुट १।१६० आ० (स्फोटते), ६।
८२ प० (स्फुटति), ४. फुल्ल १।३५६
प० (फुल्लति) ।

प्रभात होना, पौ फटना=१. उपस्
१।१।६ प० (उपस्यति) ।

प्रभु होना=१. शामु २।६८ प०
(शास्ति) ।

प्रभु (मालिक) होना=१. अघ १।
३६६ प० (अघति) ।

प्रमाण करना=१. प्र+मान १०।
२७० उ० (प्रमाणायति, ते/प्रमाणाति) ।

प्रमाद करना=१. सम्भु १।२७६
आ० (सम्भते), २. युञ्ज १।१२६ प०

(युञ्जति) ।

प्रयत्न करना=१. गवेष १०।३०८
उ० (गवेषयति, ते/गवेषते), २. येषृ १।
४११ पाठा० आ० (येषते), ३. अड्ड १।
२३६ प० (अड्डति), ४. त्रदि-त्रन्द १।
५७ प० (त्रन्दति), ५. अथ १०।१४ उ०
(आथयति, ते) ।

प्रयत्न, उद्योग करना=१. गूर १०।
१६३ पाठा० आ० (गूरयते), २. ईह १।
४२१ आ० (ईहते), ३. गुर्वी १।३८३ प०
(गूर्वति), ४. गुर १०।१६३ आ० (गोर-
यते), ५. गुरी ६।१०४ आ० (गुरते) ।

प्रवास करना=१. सम्प्र+स्था १।
६६२ आ० (सम्प्रतिष्ठते) ।

प्रवृत्त करना=१. परि+अङ्ग १०।
३५६ प० (पर्यङ्गयति), २. उद+अव
प० (उदवति) ।

प्रवृत्त होना=१. प्र+वृत् १।५०८
आ० (प्रवर्तते) ।

प्रवेश करना=१. प्र+विश ६।१३३
प० (प्रविशति) ।

प्रवेश करना, पैठना=१. अघ १।
३६६ प० (अघति) ।

प्रशंसा करना=१. स्तोम १०।३५१
उ० (स्तोमयति, ते), २. उप+स्था १।
६६२ आ० (उपतिष्ठते), ३. पन १।२६६
उ० (पनायति, ते), ४. स्तुञ् २।३६ उ०
(स्तौति, स्तुते/वेदे स्तवीति, स्तवीते),
५. प्रति+शसि १।४१६ आ० (प्रशंसते),
६. शाङ् १।१८६ आ० (शाङ्ते), ७.
शीभृ २।२६७ आ० (शीभते), ८. अभि
+नदि-नन्द १।५५ प० (अभिनन्दति),
९. शृषिर्-शृष १०।१६५ उ० (शृषयति,

ते), १०. वर्ण १०।३३५ उ० (वर्णयति, ते), ११. श्लाघ १।८० आ० (श्लाघते), १२. शठ १०।१६० आ० (शाठयते), १३. शल्भ १।२७३ आ० (शल्भते), १४. वदि-वन्द १।१० आ० (वन्दते), १५. शंसु १।४८३ प० (शंसति, प्र-प्रशंसति); १६. शल १०।१६० पाठा० उ० (शालयति, ते)।

प्रशंसा स्तुति करना=१. दिवु ४।१ प० (दीव्यति), २. चीभृ १।२६८ प० (चीभति), ३. कवृ १।२६४ आ० (कवते), ४. ईड २।६ आ० (ईडते), १०।१३७ उ० (ईडयति, ते), ५. ऋच ६।१६ प० (ऋचति), ६. कत्थ १।३० आ० (कत्थते), ७. अर्क १०।११२ उ० (अर्कयति, ते), ८. परा १।२६८ प० (परायति), ९. नू ६।१०५ प० (नुवति), १०. नु २।२७ प० (नौति/प्र-प्रणौति)।

प्रशंसा करना, सराहना=१. गा ३।२३ प० (जिगाति)।

प्रश्न करना=१. अनु...युजिर्-युज ७।७ उ० (अनुयुनक्ति, अनुयुङ्क्ते)।

प्रसन्न करना=१. ह्लादी १।२२ आ० (ह्लादते), २. सुख १०।३५७ उ० (सुखयति, ते), ३. मूड ६।३६ प० (मूडति), ४. मूड ६।४८ प० (मूड्णाति), ५. जुषी ६।८ आ० (जुषते), ६. स्पृ ५।१३ प० (स्पृणोति), ७. जिवि-जिन्व १।३६२ प० (जिन्वति), ८. तृ ४।८४ प० (तृप्यति), ५।२६ प० (तृप्नोति); ६।२६ (तृपति), १०।२४३ उ० (तर्पयति, ते/तर्पति), ९. ज्ञप १०।६० उ० (ज्ञापयति, ते), १०. वि+नुद उ० (विनुदति,

ते), ६।१३५ प० (विनुदति), ११. स्मृ ५।१४ प० (स्मृणोति)।

प्रसन्न, आनन्दित करना=१. दिवि-दिन्व १।३६२ प० (दिन्वति)।

प्रसन्न होना=१. ह्लादी १।२२ आ० (ह्लादते), २. स्वद १।१७ आ० (स्वदते), १०।२२८ उ० (स्वादयति, ते), ३. मुच १०।२१२ उ० (मोचयति, ते), ४. हृष ४।११६ प० (हृषयति), ५. स्तुच १।१०६ आ० (स्तोचते), ६. मुद १।१५ आ० (मोदते), ७. मूड ६।३६ प० (मूडति), ८. सुह ४।२० प० (सुह्यति), ९. सह ४।२० प० (सह्यति), १०. तृप ४।८४ प० (तृप्यति), ५।२६ (तृप्नोति), ६।२६ (तृपति), १०।२४३ उ० (तर्पयति, ते/तर्पति), ११. रभ १७०१ आ० (रभते) आ-(आरभते) १२. रुच १।४६८ आ० (रोचते), १३. उत्+लस १।४७३ प० (उल्लसति)।

प्रसन्न, आनन्दित होना=१. दिवि-दिन्व १।३६२ प० (दिन्वति)।

प्रसिद्ध करना=१. अभि+धाञ् ३।१० उ० (अभिदधाति, अभिधत्ते), २. पचि-पञ्च १।१०५ आ० (पञ्चते), ३. समा+चर १।३७६ आ० (समाचरते), ४. कृत १०।१२१ उ० (कीर्तयति, ते), ५. प्र+चर १।३७६ प० (प्रचरति), (समा-समाचरति), ६. उत्+दिश ६।३ उ० (उद्दिशति, ते), ७. स्पश १।६२७ प० (स्पशति), ८. शम १०।१६४ आ० (शामयते)।

प्रसिद्ध, प्रख्यात करना=१. ह्या २।५३ प० (ह्याति, प्र-प्रख्याति)।

प्रसिद्ध होना = १. स्फर ६।१०० प० (स्फरति), २. प्र + सिघ्र १।३८ प० (प्रसेधति), ३. प्रथ १।५१६ आ० (प्रथते); १०।२१ उ० (प्रथयति, ते), ४. प्रा + दुष ४।७४ प० (प्रादुष्यति)।

प्रसूत होना = १. प्र + सु १।६७४ प० (प्रसवति), २।३४ प० (प्रसौति), २. शूष १।४५६ प० (शूषति)।

प्रसृत होना = १. विष्लृ ३।१३ उ० (वेवेष्टि, वेविष्टे)।

प्रस्तुत होना = १. आ + या २।४२ प० (आयाति)।

प्रहार करना = १. प्र + हृज् १।६४० उ० (परिहरति, ते/प्रहरति, ते), २. प्र + हन् २।२ प० (प्रहन्ति)।

प्राप्त करना = १. हन् २।२ प० (हन्ति), २. सेलृ १।३६४ प० (सेलति), ३. भिक्ष १।४०१ आ० (भिक्षते), ४. प्र + पद ४।५८ आ० (प्रपद्यते), १०।३२० अदन्त (प्रपदयते), ५. प्रवि + ली १०।२३५ उ० (प्रविलाययति, ते/प्रविलयति, प्रविलीनयति, ते), ६. निष १ क्वा० प० (नेषति), ७. सर्ज १।१३४ प० (सर्जति), ८. विद्लृ ६।१४१ आ० (विन्दते), ९. अदि-अन्द १।५० प० (अन्दति)।

प्राप्त होना = १. लभष्-लभ् १।७०२ आ० (लभते), २. अनु + पद ४।५८ आ० (अनुपद्यते), १०।३२० अदन्त (अनुपदयते), ३. ली १।३३ प० (लीनाति), ४. लीङ् ४।२९ आ० (लीयते), ५. या २।४२ प० (याति), ६. प्रति + लप १।२८५ प० (प्रतिलपति), ७. सर्ज १।१३४ प० (सर्जति) ८. भू १०।२७१ आ० (भाव-

यते), ९. समा + सद्लृ १।५९३, ६।१३६ प० (समासीदति)।

प्राप्त, उपस्थित होना = १. आ + पल्लृ-पत् १।५८४ प० (आपतति)।

प्राप्त होना, मिलना, पाना = १. निर् + नीज् १।६४२ आ० (निरांयते)।

प्राप्त न होना = १. भिक्ष १।४०१ आ० (भिक्षते)।

प्राप्ति की इच्छा करना = १. उप + स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते)।

प्राप्ति के लिए ढूँढना = १. उत् + स्था १।६६२ आ० (उत्तिष्ठते)।

प्रायश्चित्त करना = १. श्रमु ४।९४ प० (श्राम्यति)।

प्राग्भ करना = १. प्र + कृज् ८।१० आ० (प्रकृष्टते), २. वधि-वड्घ १।७६ आ० (वड्घते), ३. मधि-मड्घ १।७६, ७७ आ० (मड्घते), ४. आ + रभ १।७०१ आ० (आरभते), ५. उप + क्रमु १।३१९ आ० (उपक्रमते, उपक्रम्यते)।

प्राग्भ, शुरू करना = १. प्र + पद ४।५८ आ० (प्रपद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (प्रपदयते)।

प्रार्थना करना = १. चुद १०।८१ उ० (चोदयति, ते), २. समनु + नीज् १।६४२ आ० (समनुनयते)।

प्रार्थना, निवेदन करना = १. अड्ड १।२३९ प० (अड्डति)।

प्राशन करना = १. पा-पिब १।६५९ प० (पिबति)।

प्रीति करना = १. रस १०।३५८ उ० (रसयति, ते), २. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते), ३. दिव् ४।१ प०

(दीव्यति), ४. स्फिठ १०१४० उ० (स्फे-
ठयति, ते), ५. वस १०१२३ उ० (वास-
यति, ते), ६. स्निह ४८६ प० (स्नि-
ह्यति), १०१३६ उ० (स्नेहयति, ते), ७.
कनी ११३११ प० (कनति), ८. मिदि-
मिन्द १०१८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति),
९. मिदा ११४६५ आ० (मेदते), ४१२२६
प० (मेद्यति), १०१८ पाठा० उ० (मेद-
यति, ते), १०. प्रीव् ६१२ उ० (प्रीणाति,
प्रीणीते) ।

प्रीति करना, दुलारना=१. प्रीड्
४१३५ आ० (प्रोयते), २. प्र+नीव् १।
६४२ आ० (प्रणयते) ।

प्रेरणा करना=१. लाभ १०१३६३
प० (लाभयति), २. चुद १०१६१ उ०
(चोदयति, ते), ३. विल १०१७२ उ०
(वेलयति, ते), ४. हि ५१११ प० (हि-
नोति), ५. जुड १०११५ उ० (जोड-
यति, ते), ६. जुडि-जुण्ड १०११५ पाठा०
प० (जुण्डयति), ७. वर्ण १०११६, २०
उ० (वर्णयति, ते), ८. चूर्ण १०११०
उ० (चूर्णयति, ते), ९. पिल क्षीर० १०।
५६ उ० (पिलयति, ते), १०. वि+युजिर्-
युज ७।७ उ० (वियुनक्ति, वियुङ्क्ते),
११. प्र+घाज् ३।१० उ० (प्रदघाति,
प्रघत्ते), १२. इल १०१२२६ उ० (एल-
यति, ते) १३. नुद उ० (नुदति, ते), ६।
१३५ प० (नुदति) ।

प्रेरणा करना, भेजना=१. पृथ
१०१२२ उ० (पर्ययति, ते) ।

प्रेरणा करना, हांकना=१. ईर
१०१२३४ उ० (ईरयति, ते) ।

प्रेरित करना=१. व्रीड ४।१८ प०
(व्रीडयति) ।

प्रोक्षण करना=१. मृषु ११४६८
प० (मर्षति), २. स्तिपृ ११२५२ आ०
(स्तेपते), ३. मृष ६।५८ प० (मृष्णाति),
४. मिह ११७१८ प० (मेहति), ५. इचु-
तिर-इचुत् १।३४ पाठा० प० (इचोतति),
६. वृषु ११४६८, ६६ प० (वर्षति), ७.
विषु ११४६५ प० (वेपति), ८. तेपृ १।
२५२, ५४ आ० (तेपते), ९. मिवि १।
३६१ प० (मिन्वति), १०. मिषु ११४६५
प० (मेषति), ११. सिच सिञ्च ६।१४३
उ० (सिञ्चति, ते), १२. अभि+सुञ्
५।१ उ० (अभिसुनोति, अभिसुनुते),
१३. पिवि-पिन्व १।३६१ प० (पिन्वति) ।

प्रोक्षण करना, सींचना=१. प्लुष
६।५८ प० (प्लुष्णाति), २. तिपृ ११२५२
आ० (तेपते), ३. जिषु ११४६५ प०
(जेपति), ४. वि+घावु १।३६७ उ०
(विघावति, ते), ५. उक्ष ११४३६ प०
(उक्षति) प्र-(प्रोक्षति), ६. पृषु ११४६८,
६६ प० (पर्षति) ।

प्रोत्साहित करना=१. इल १०।
१२६ उ० (एलयति, ते) ।

फ

फटना=१. स्फट १।२२६ क्षीर०
 उ० (स्फटयति, ते), २. स्फटि-स्फण्ट १।
 २२६ क्षीर० प० (स्फण्टति)।
 फन्दे से पकड़ना=१. सिञ् ५।२
 उ० (सिनोति, सिनुते), ६।५ उ० (सिनाति,
 सिनीते)।
 फबना=१. प्र+युजिर्-युज ७।७
 उ० (प्रयुनक्ति, प्रयुङ्क्ते)।
 फरियाद करना=१. अभि+
 युजिर्-युज ७।७ उ० (अभियुनक्ति,
 अभियुङ्क्ते)।
 फलना=१. धन ३।२१ प०
 (दधन्ति)।
 फसल उत्पन्न (पंदा) करना=१.
 धन ३।२१ प० (दधन्ति)।
 फसाना=१. व्यच ६।१२ प०
 (विचति)।
 फाण्ट बनाना=१. फण १।५६७
 उ० (फाणयति, ते)।
 फांस लगाना=१. पष १०।२८७
 उ० (पषयति, ते), २. पश १०।१८८ उ०
 (पाशयति, ते), १०।२८७ पाठा० (पश-
 यति, ते)।
 फिरना=१. शव १।४८० प०
 (शवति)।
 फिर प्राप्त करना=१. अरु+हृञ्
 १।६४० उ० (अरुहरति, ते)।
 फुदकते जाना=१. हठ १।२२७ प०
 (हठति)।
 फुदकते हुए चलना=१. शश १।
 ४८१ प० (शशति), २. वल्गु १।८८ प०

(वल्गति)।
 फुदकना=१. स्कुञ् ६।६ उ० (स्कु-
 नाति, स्कुनीते), २. हठ १।२२७ प०
 (हठति)।
 फुसलाना=१. श्लाघृ १।८० आ०
 (श्लाघते)।
 फूंकना=१. भा २।४४ प०
 (भाति)।
 फूंकना, फूंक लगाना=१. धमा १।
 ६६१ प० (धमति)।
 फूलना=१. फुल्ल १।३५६ प०
 (फुल्लति), २. प्यायी १।३२८ आ०
 (प्यायते), ३. प्यैङ् १।६६१ आ०
 (प्यायते)।
 फूलना, फूल लगाना=१. पुष्प ४।
 १६ प० (पुष्पयति)।
 फेरना, हिलाना=१. गाहू १।४३२
 आ० (गाहते)।
 फेंक देना, बिखेरना=१. कृ ६।११८
 प० (किरति)।
 फेंकना=१. तसु ४।१०२ प०
 (तस्यति), २. मिञ् ५।४ उ० (मिनोति,
 मिनुते), ३. बिल १०।७३ उ० (विलयति,
 ते), ४. लाभ १०।३६३ प० (लाभयति),
 ५. विस ४।१०७ प० (विस्यति), ६.
 विल १०।७२ उ० (विलयति, ते), ७.
 विस ४।१०७ प० (विस्यति), ८. वी
 २।४१ प० (वेति), ९. वेवीङ् २।७० आ०
 (वेवीते), १०. अज १।१३६ प० (अजति),
 ११. अरु+कृ ६।११८ प० (अरुकिरति,
 वि- विकिरति), १२. ईर् १०।२३४ उ०

(ईरयति, ते), १३. क्षोट १।३०० उ० (क्षोटयति, ते), १४. पथ १०।२३ उ० (पाथयति, ते), १५. पथ १।५८६ प० (पथति), १६. पिल क्षीर० १०।५६ उ० (पेलयति, ते) ।

फेंकना, उड़ाना = १. इल ६।६७ प० (इलयति), २. पृथ १०।२२ उ० (पर्थयति, ते), ३. क्षिप ४।१५ प० (क्षिप्यति), ६।५ उ० (क्षिपति, ते), ४. डिप ४।१२१ प० (डिप्यति), ६।८० (डिपति), १०।१४२ उ० (डेपयति, ते) ।

फेंकना, ऊपर फेंकना = १. उलडि-उलण्ड १०।६ पाठा० उ० (उलण्डयति, ते) ।

फेंकना, बिखेरना, उड़ाना = १. अमु ४।१६ प० (अस्यति), प्र-(प्रास्यति) ।

फैलना = १. कुपि-कुम्प १।२६० पाठा० प० (कुम्पति), १०।१२३ पाठा० प० (कुम्पयति), २. उत् + मील १।३४७ प० (उन्मीलति), ३. विण्लृ ३।१३ उ० (वेवेण्टि, वेवेण्टे), ४. इलाखू १।८७ प० (इलाखति), ५. वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते), ६. स्फुच्छी-स्फुच्छी १।१२८ प० (स्फुच्छति), ७. स्फुर ६।६६ प० (स्फुरति), ८. प्र + सृ १।६६६ प० (प्रसरति), ३।१६ प० (प्रसरति), ९. वि + स्तृब् ५।६ उ० (विस्तृगोति, विस्तृगुते), १०. स्त्यै १।६५० प० (स्त्यायति) ।

फैलना, व्यापना = १. अह ५।२७ प० (अह्नोति), २. अड (वेदे) १।२४७ प० (अडति/क्व० अड्नोति), ३. ई २।४१ प० (एति) ।

फैलना, फैलाना = १. प्रथ (वेदे) १।५१६ आ० (प्रथते), १०।२१ उ० (प्रथयति, ते) ।

फैलाना = १. तुत्थ १०।३६६ उ० (तुत्थयति, ते), २. तनु ८।१ उ० (तनोति, तनुते), ३. तायू १।३२६ आ० (तायते), ४. तन्त्रि-तन्त्र १०।१४८ प० (तन्त्रयति), ५. वि + अञ्चु-अञ्च १।६०२ उ० (व्यञ्चति, ते), ६. मिब् ५।४ उ० (मिनोति, मिनुते), ७. व्यप + नीब् १।६४२ आ० (व्यपनयते), ८. बल्ह १।४२५ आ० (बल्हते), ९. रिच १०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति), १०. सत्र १०।३२७ आ० (सत्रयते), ११. वर्ण १०।३३५ उ० (वर्णयति, ते), १२. वि + क्षिप ६।५ उ० (विक्षिपति, ते), १३. प्रस १।५१७ आ० (प्रसते), १४. पयस् १।१३६ प० (पयस्यति), १५. ऋ ३।१६ प० (इर्यति) ।

फैलाना, घोटना = १. परि + घट्ट १।१५६ आ० (परिघट्टते), १०।६८ उ० (परिघट्टयति, ते) ।

फैलाना, पसारना = १. पचि-पञ्च १०।११६ उ० (पञ्चयति, ते) ।

फैलाना, विस्तृत करना = १. व्या + अमु ४।६६ प० (व्यास्यति) ।

फैलाना, व्यापना = १. अशूङ्-अश् ५।१८ आ० (अश्नुते) ।

फैलाना = १. वञ्चु १०।१७२ आ० (वञ्चयते, वञ्चते), २. मुचि-मुञ्च् १।१०३ आ० (मुञ्चते) ।

ब

बकना=१. जल्प १।२८१ प० (जल्पति), २. प्र+लप १।२८५ प० (प्रलपति), ३. वट १।५२६ प० (वटति) ।

बकवाद करना=१. वट १।५२६ प० (वटति), २. प्र+लप १।२८५ प० (प्रलपति) ।

बखानना=१. वर्ण १०।३३५ उ० (वर्णयति, ते) ।

बखानना, स्तुति करना=१. अधि +गण १०।२८१ प० (अधिगणयति) ।

बचाना=१. ब्रू १।६६२ आ० (त्रायते), २. छद १०।२६० स्व० उ० (छादयति, ते/छदति, ते), १०।३६२ अदन्त उ० (छदयति, ते) ।

बचा रखना=१. शिष १०।२४१ उ० (शेषयति, ते/शेषति) ।

बचाव रखना=१. परि+रक्ष १।१४० प० (परिरक्षति) ।

बचना, शेष रहना=१. खिल ६ क्वा० प० (खिलति) ।

बचाना, संरक्षण करना=१. गुप १।६६७ आ० (जुगुप्सते) ।

बटना=१. वेव् १।७३२ उ० (वयति, ते) ।

बटुरना, एकत्र होना=१. अक्षू-अक्ष १।४३७ प० (अक्षति/अक्षणोति) ।

बटोरना=१. ह्रूड, ह्रूड ६ क्वा० प० (ह्रूडति, ह्रूडति), २. सम्+हृञ् १।६४० उ० (संहरति, ते), समा-(समा-

हरति, ते), ३. सम्+हृन् २।२ प० (संहन्ति), ४. वक्ष १।४४३ प० (वक्षति),

५. शङि-शण्ड १।१७८ आ० (शण्डते), ६. शम्ब १०।२५ उ० (शम्बयति, ते),

७. श्लोणू १।३०८ प० (श्लोणति), ८. यत १०।२०३ उ० (यातयति, ते), ९. सम्बर १।१४२ प० (सम्बरयति), १०.

श्रोणू १।३०७ प० (शोणति), ११. अक्ष १।४४५ प० (अक्षति), १२. भ्रुड ६।१०३ प० (भ्रुडति), १३. भू १०।२७१ उ०

(भावयति, भवते/भवति), १४. मुस्त १०।६६ उ० (मुस्तयति, ते), १५. मृक्ष १।४४४ प० (मृक्षति), १६. पूल १।३५५ प० (पूलति), १०।१०२ उ० (पूलयति,

ते), १७. सम्+नीञ् १।६४२ आ० (सम्नयति), १८. खल १।३६६ प० (खलति), १९. ह्रुड ६।६८ प० (ह्रुडति),

२०. कुल १।५८३ प० (कौलति), २१. अशूङ्-अश ५।१८ आ० (अशनुते), २२. इम्भ १० क्वा० आ० (इम्भयते), २३.

हुडि-हुण्ड १।१६८, ७६ आ० (हुण्डते), २४. चुट्ट १०।३० उ० (चुट्टयति, ते), २५. गोष्ट १।१५८ आ० (गोष्टते), २६.

गोष्ठ १।१५८ पाठा० आ० (गोष्ठते) ।

बटोरना, एकत्र करना=१. संस्+कृञ् ८।१० प० (संस्करोति), २. सम्+गृह् ६।६४ प० (संगृह्णाति), ३. घट १०।१६१ उ० (घाटयति, ते), ४. चिञ् ५।५ उ० (चिनोति, चिनुते), १०।६६ (चप-

यति, ते/चययति, ते/चयति, ते) ।

बटोरना, जमा करना = १. उपस् + कृञ् = १० प० (उत्सकरोति), २. कुड ११६२ पाठा० सायण प० (कुडति), ३. उत् + कृञ् = १० आ० (उत्कुरुते) ।

बटोरना, राशि करना = १. डप १०१ १४७ आ० (डापयते) ।

बड़प्पन दिखाना = १. ध्रोकृ ११६४ आ० (ध्रोकते) ।

बड़प्पन प्रकट करना = १. ध्रोकृ ११६४ आ० (ध्रोकते) ।

बड़बड़ाना (दुःखी होकर) = १. क्षीञ् ११४६ प० (क्षीजति) ।

बड़ाई करना (अपनी) = १. ध्रोकृ ११६४ आ० (ध्रोकते) ।

बढ़कर होना = १. अधि + कृञ् = १० आ० (अधिकुरुते) ।

बढ़ जाना = १. परि + वृत् ११५०८ आ० (परिवर्तते) ।

बढ़ना = १. वृधु ११०६ आ० (वर्धते), २. वृश ४११६ प० (वृश्यति), ३. वट ११६६ प० (वटति), ४. वट १०२२३ उ० (वटयति, ते), ५. हि ५१ ११ प० (हिनोति), ६. वहि-वंह १४२२ आ० (वंहते), ७. श्वि १७३६ प० (श्वयति), ८. राध ४१६६ प० (राध्यति), ९. मूर्च्छा ११२७ प० (मूर्च्छति), १०. मूर्च्छा ११२७ पाठा० प० (मूर्च्छति), ११. महि-मंह १४२२ आ० (मंहते), १२. बृहिर-बृह १४६० उ० (बृहति, ते), १३. बृह १४८८ प० (बृहति), १४. बृहि-बृंह १४८८, ८६ प० (बृंहति), १५. सम् + यद् ४१५८ आ० (सम्पद्यते),

१०३२० अदन्त आ० (सम्पदयते), १६. अव १३६६ प० (अवति), १७. तु सौत् ७१३१६५ प० (तौत्ति/तवीत्ति), १८. दह, दहि-दंह १४८८ प० (दहति, दंहति), १९. द्रोकृ ११६४ आ० (द्रोकते), २०. एध ११२ आ० (एधते), २१. ओज १ क्व० प० (ओजति) १० उ० (ओजयति, ते), २२. कज क्षीर० ११४४ प० (कजति), २३. दिह २५ उ० (दिग्धि, दिग्धे), २४. अधि + स्था ११६६२ आ० (अधितिष्ठते) ।

बढ़ना, अधिक होना = १. पूष ११ ४५३ प० (पूषति) ।

बढ़ना, ऊँचा होना = १. पुल ११५८२ प० (पोलति/६ क्वा० पुलति) १०६८ उ० (पोलयति, ते) ।

बढ़ना, बढ़ा होना = १. प्यायी ११ ३२८ आ० (प्यायते), २. प्यैङ् ११६६१ आ० (प्यायते) ।

बढ़ना, बहुत होना = १. ध्रोकृ ११ ६४ आ० (ध्रोकते) ।

बढ़ना, वृद्धि होना = १. ऋधु ४१ १३२ प० (ऋध्यति), ५१२४ प० (ऋध्नोति) ।

बढ़ना, वृद्धिगत होना = १. क्रमु ११ ३१८ आ० (क्रमते, क्रम्यते) ।

बढ़ना, बढ़ाना = १. पुंस १०११०४ उ० (पुंसयति, ते) ।

बढ़ाना = १. लिप-लिम्प ६१४२ उ० (लिम्पति, ते), २. वि + तनु १०२६६ उ० (वितानयति, ते / वितनति) सम्- (संतानयति, ते/संतनति), ३. तनु ८११

उ० (तनोति, तनुते) ।

बढ़ाना ऊँचा करना=१. चुल १०।
६६ उ० (चोलयति, ते) ।

बढ़ाना, दीर्घ करना=१. आच्छि-
आञ्छ १।१२४ प० (आञ्छति) ।

बढ़ाना, वृद्धि करना=१. ऋधु ४।
१३१ प० (ऋध्यति) ५।२४ (ऋध्नोति) ।

बदलू आना=१. शुचिर-शुच ४।५४
उ० (शुच्यति, ते), २. कुथ ४।१२ प०
(कुथ्यति) ।

बदलना=१. प्रति+मृ ६।२१ प०
(प्रतिमृणाति), २. परि+वृत् १।५०८
आ० (परिवर्तते), ३. शव १।४८० प०
(शवति) ।

बदलना, बदल देना=१. घुट १।
४६६ आ० (घोटते) ।

बदलना रूपान्तर करना=१. वि+
कृञ् ८।१० प० (विकरोति) ।

बदला चुकाना=१. निर+यत् १०।
२०३ उ० (निर्यातयति, ते) ।

बदला लेना=१. प्रति+कृञ् ८।१०
आ० (प्रतिकुर्वते) ।

बदले में देना=१. शव १।४८० प०
(शवति), २. प्रति+भू १।१ प० (प्रति-
भवति) ।

बदले में लेना=१. क्रीञ् ६।१ उ०
(क्रीणाति, क्रीणीते) ।

बध करना=१. बध १।७००, १०।
१५ आ० (बधते/उ० बाधयति, ते) ।

बद्ध करना=१. बध १।७००, १०।
१५ आ० (बधते/उ० बाधयति, ते) ।

बनाना=१. रूप १०।३६० उ०

(रूपयति, ते), २. गुड ६।७८ प०
(गुडति) ।

बन्द करना=१. स्तम्भि-स्तम्भ १।
२७१ आ० (स्तम्भते), २. मन १०।१७८
आ० (मानयते), ३. नि+मील १।३४७
प० (निमीलति), ४. सन्नि+रुधिर-रुध
७।१ उ० (सन्निरुधति, सन्निरुधे) ।

बन्द होना=१. नि+मील १।३४७
प० (निमीलति) ।

बन्धन करना=१. श्रथ १०।२४६
(श्राथयति, ते/श्रथति), २. युञ् ६।७ उ०
(युनाति, युनीते) ।

बन्धन मुक्त करना=१. नि+बन्ध
६।४१ प० (निबध्नाति) ।

बरसना=१. वृषु १।४६८, ६६ प०
(वर्षति), २. चटे १।१६१ प० (चटति),
३. कटे १।१६० प० (कटति) ।

बराबरी करना=१. ह्वेञ् १।७३३
उ० (ह्वयति, ते) ।

बर्तना=१. समा+स्था १।६६२
आ० (समातिष्ठते) ।

बलयुक्त करना=१. बल १०।६५
उ० (बालयति, ते) ।

बलयुक्त होना=१. बल १०।६५ उ०
(बालयति, ते) ।

बलवान् करना=१. छदिर-छद १।
५५३ प० (छदति) ।

बलवान् होना=१. लजि-लज्ज
१०।३५ उ० (लज्जयति, ते/लज्जति);
२. पिज, पिजि-पिज्ज १०।३५ उ०
(पेजयति, ते, पिज्जयति, ते/पिज्जति);
३. छदिर-छद १।५५३ प० (छदति);

४. उरस ११३७ प० (उरस्यति), ५.
तुज १०३५ उ० (तोजयति, ते), ६.
तुजि-तुञ्ज १०३५ उ० (तुञ्जयति, ते),
७. अण ४।६४ आ० (अण्यते) ।

बलपूर्वक टुकड़े करना = १. आ +
छिदिर-छिद ७।३ उ० (आच्छिनति,
आच्छिन्ते) ।

बलहीन होना = १. अव + सदलू १।
५६३, ६।१३६ प० (अवसीदति) ।

बलात्कार करना = १. हठ १।२२७
प० (हठति), २. ह ३।१५ प० (जिहति),
३. प्र + सह १।५६१ आ० (प्रसहते), १०।
२३३ उ० (प्रसाहयति, ते/प्रसहति, ते) ।

बलात्कार से लेना = १. आ + यम
१।७१० प० (आयच्छति) ।

बलात् ले जाना = १. अप + हज्
१।६४० उ० (अपहरति, ते) ।

बलिष्ठ (सामर्थ्यवान्) होना = १.
ऋज १।१०७ आ० (अर्जते) ।

बली होना = १. लुजि-लुञ्ज १०।३५
उ० (लुञ्जयति, ते) ।

बहना = १. लृ १।६७३ प०
(स्रवति), २. वह १।७३० उ० (वहति,
ते), ३. लुठ ६।६० प० (लुठति), ४.
च्युतिर-च्युत १।३३ प० (च्योतति), ५.
नट १०।१३ उ० (नाटयति, ते), ६. पय
१।३२० आ० (पयते), ७. ऋषि १ क्वा०
प० (अर्षति), ८. क्षर १।५६० प०
(क्षरति), सम्- (संक्षरति) ।

बहना, भरना = १. गड १।५२७
प० (गडति), १० क्वा० (गडयति) ।

बहस करना = १. वि + वद १०।

२६८ आ० (विवादयते), २. नि + रूप
१०।३६० उ० (निरूपयति, ते) ।

बहादुरी दिखाना = १. शूर १०।
३२४ आ० (शूरयते/क्वा० शूर्यते) ।

बहाना करना = १. व्यप + दिश
६।३ उ० (व्यपदिशति, ते) ।

बहुत दुःख देना = १. पिच्छ १०।
४५ उ० (पिच्छयति, ते) ।

बहुत देना = १. प्र + मुचि-मुञ्च
१।१०३ आ० (प्रमुञ्चते) ।

बहुत विचार करना = १. समा +
युजिर-युज ७।७ उ० (समायुनक्ति, समा-
युङ्क्ते) ।

बहुत होना = १. सम्भूयस् १।१४०
प० (सम्भूयस्यति) ।

बाघ जैसा शब्द करना = १. ह्लादी
१।२२ आ० (ह्लादते) ।

बाजा बजाना = १. ध्रण १।३१०
प० (ध्रणति) ।

बाट जोहना = १. वि + स्था १।६६२
आ० (वि + तिष्ठते), २. स्था १।६६२

प० (तिष्ठति), ३. प्रति + बुध १।५६७
प० (प्रतिबोधति), ४।६२ आ० (प्रति-

बुध्यते), ४. प्रति + बुधिर-बुध १।६१४
आ० (प्रतिबोधते), ५. प्रति + ईक्ष १।

४०५ आ० (प्रतीक्षते), ६. उद् + अत्र
प० (उदवति) ।

बाण धारण करना = १. इषुष
१।१२० प० (इषुष्यति) ।

बाण में पंख लगा के तैयार करना =

१. वज १०।६६ क्षीर० उ० (वाजयति,
ते) ।

बात कहना=१. सूच १०।२६६ उ० (सूचयति, ते) ।

बात बखेड़ा आदि करना=१. व्यव + ह्वञ् १।६४० उ० (व्यवहरति, ते) ।

बाधा देना=१. बाध् १।५ आ० (बाधते) ।

बार बार करना=१. इष ६।५६ प० (इषणाति) ।

बार बार क्रीड़ा करना=१. क्रथ १० व्वा० प० (क्रथयति) ।

बाल आदि उखाड़ना=१. लुञ्च १।११४ प० (लुञ्चति) ।

बालक के समान खेलना, क्रीड़ा करना=१. कुमार १०।३०२ उ० (कुमारयति, ते), २. कुमाल १०।३०२ पाठा० उ० (कुमालयति, ते), ३. कुड ६।६२ प० (कुडति) ।

बालकवत् चेष्टा करना=१. लट १।१६४ प० (लटति), २. क्रुड ६।१०३ प० (क्रुडति) ।

बास आना=१. नल १।५७६ प० (नलति/प्र-प्रणलति) ।

बाहर जाना=१. नि+वस १।७३१ प० (निवसति), २. निर्+विश ६।१३३ आ० (निविशते), ३. निर्+या २।४२ प० (निर्याति), ४. सन्नि+पत्लु-पत् १।५८४ प० (सन्निपतति), ५. निर +गम्लृ-गच्छ १।७०६ (निर्गच्छति), परि-(परिगच्छति), ६. अति+क्रमु १।३१६ प० (अतिक्रामति, अतिक्राम्यति) ।

बाहर निकालना=१. कुष ६।५० प० (कुषणाति) ।

बाहर (देश से) निकाल देना=१. निर्+आस् २।११ आ० (निरास्ते) ।

बाहर फेंकना=१. निर्+नुद उ० (निर्णुदति, ते), ६।१३५ प० (निर्णुदति) ।

बाँका होना=१. रुजो ६।१२६ प० (रुजति), २. ह्व १।६६५ प० (ह्वरति) ।

बाँटना=१. वडि-वण्ड १।१७१ आ० (वण्डते), १०।५५ उ० (वण्डति, ते/वण्डति), २. वठि-वण्ठ १०।५४ उ० (वण्ठयति, ते/वण्ठति), ३. वटि-वण्ट १०।३४८ उ० (वण्टयति, ते/वण्टति), ४. प्लुस ४।६ प० (प्लुस्यति), ५. प्र+कृञ् ८।१० आ० (प्रकुरुते), ६. अय १।३६६ प० (अयति), ७. अंश १०।३४५ पाठा० उ० (अंशयति, ते), ८. अंस १०।३४५ उ० (अंसयति, ते) ।

बाँधना, बन्धन करना=१. वट १।१६६ प० (वटति), २. हठ १।२२७ प० (हठति), ३. मूड् १।६६४ आ० (मवते), ४. मूज् ६।११ उ० (मुनाति, मुनीते), ५. सिन् ५।२ उ० (सिनोति, सिनुते), ६।५ उ० (सिनाति, सिनीते), ६. अथ १०।२४६ उ० (आथयति, ते/अथति), ७. यौट् १।१८८ प० (यौटति), ८. यौड् १।१८८ पाठा० प० (यौडति), ९. युञ् ६।७ उ० (युनाति, युनीते), १०. रिच १०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति), ११. युज् १०।१३१ उ० (योजयति, ते/योजति), १२. मुर्वी १।३८४ प० (मूर्वति), १३. मव १।३६५ प० (मवति), १४. मव्य १।३४० प० (मव्यति), १५. पष १०।२८७ उ० (पषयति, ते), १६.

पश १०१८८ उ० (पाशयति, ते), १०।
 २८७ पाठा० उ० (पशयति, ते), १७.
 पुस्त १०१६० उ० (पुस्तयति, ते), १८.
 बन्ध १०४१ प० (बध्नाति), १९. बध
 १०७०० आ० (बधते), १०११५ उ०
 (बाधयति, ते) २०. नह ४१५५ उ०
 (नह्यति, ते/प्र-प्रणह्यति, ते), २१. नल
 ११५७९ प० (नलति/प्र-प्रणलति), २२.
 ग्रन्थ १०१२५१ प० (ग्रन्थयति), २३.
 पर्या+क्षिप ६१५ उ० (पर्याक्षिपति, ते),
 २४. कचि-कञ्च १११०२ आ० (कञ्चते),
 २५. अति+अन्त ११५० प० (अन्तति);
 २६. काचि-काञ्च १११०२ आ०
 (काञ्चते), २७. कील ११३५१ प०
 (कीलति), २८. कच १११०१ आ०
 (कचते), २९. आ+कल १०१२९० उ०
 (आकलयति, ते), ३०. अदि-अन्द ११५०
 प० (अन्दति), ३१. कीट १०११०९ उ०
 (कीटयति, ते)।

बाँधना, जकड़ना=१. ईति-ईन्त
 ११५० प० (ईन्तति), २. उछी ११३१,
 ६११४ प० (उच्छति/वि-व्युच्छति)।

बाँधना, टांकना, जोड़ना=१.
 टकि-टङ्क १०११०५ उ० (टङ्कयति, ते/
 टङ्कति)।

बिखरना=१. स्फुटिर-स्फुट ११२२१
 प० (स्फोटति), २. इल ६१६७ प०
 (इलति)।

बिगाड़ना=१. वि+घट्ट १११५९
 आ० (विघट्टते), १०१९८ उ० (विघट्ट-
 यति, ते)।

बिठाना=१. तल १०१६५ उ०

(तलयति, ते)।

बिना आहार रहना=१. निरा+
 ह्य ११६४० उ० (निराहरति, ते)।

बिलोना=१. मन्थ ११३५, ६१४४
 प० (मन्थति, मन्थति)।

बीच में बन्द करना (कार्य को)=
 १. स्थगे ११५३४ क्षीर० प० (स्थगति/
 क्वा० उ० स्थगयति, ते)।

बीच में या ऊपर स्थापन करना =
 १. नि+घाञ् ३११० उ० (निदधाति,
 निधत्ते)।

बीच में या किसी ओर जाना=१.
 आ+गम्लू-गच्छ १०७०९ प०
 (आगच्छति)।

बीज का उगना=१. रह ११५९४
 प० (रोहति)।

बीज बोना=१. वप १०७२९
 उ० (वपति, ते)।

बीजारोपण करना=१. सिबु ४१२
 प० (सीब्यति), २. मुल १०१५८ पाठा०
 क्षीर० उ० (मोलयति, ते), ३. मूल १०।
 ७७ उ० (मूलयति, ते)।

बीज से उत्पन्न होना=१. रह १।
 ५९८ प० (रोहति)।

बोना=१. सिल ६१७२ प०
 (सिलति), २. शिल ६१७२ प०
 (शिलति), ३. व्ली ६१३४ प० (व्लि-
 नाति/व्लीनाति), ४. व्री ६१३१ प०
 (व्रिणाति/व्रीणाति), ५. व्रीड् ४१३० आ०
 (व्रीयते)।

बोना, उच्छन्न करना=१. खिल
 ६ क्वा० प० (खिलति)।

बीनना, चुगना=१ ध्रस ६।५५ प० (ध्रस्नाति), १०।२११ उ० (ध्रासयति ते) ।

बीमार होना=१. ज्वर १।५२६ प० (ज्वरति), २. शूल १।३५३ प० (शूलति), ३. शट १।१६५ प० (शटति), ४. शडि-शण्ड १।१७८ आ० (शण्डते), ५. स्व १।६६६ प० (स्वरति), ६. अम १०।१८६ उ० (आमयति, ते), गद १।४२ प० (गदति) ।

बुद्धि पूर्वक कहना=१. परा+मृश ६।१३४ प० (परामृशति), २. ग्राम १०।३१६ उ० (ग्रामयति, ते) ।

बुद्धि भ्रष्ट होना=१. मुह ४।८७ प० (मुहति) ।

बुद्धि से विचार कर कहना=१. संकेत १०।३१६ उ० (संकेतयति, ते) ।

बुनना=१. वेञ् १।७३२ उ० (वयति, ते), २. ऊयी १।३२४ आ० (ऊयते) ।

बुरा भला कहना=१. जर्भ ६।१७ पाठा० प० (जर्भति) ।

बुरा व्यवहार करना=१. क्लेश १।१४०२ आ० (क्लेशते) ।

बुरी नीति से वर्तना=१. तुण ६।४४ प० (तुणति) ।

बुरी रीति से वर्तना=१. दुर्+नीञ् १।६४२ आ० (दुर्णयते) ।

बुलाना=१. आ+दिश ६।३ उ० (आदिशति, ते), २. संकेत १०।३१६ उ० (सङ्केतयति, ते), ३. ह्वेञ् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते), ४. वाशृ ४।५२ आ०

(वाश्यते), ५. नि+मन्त्रि-मन्त्र १०।१४६ उ० (निमन्त्रति, निमन्त्रयते), ६. पुर्व १०।१३५ उ० (पूर्वयति, ते), ७. पूर्व १०।१३५ पाठा० प० (पूर्वयति, ते), ८. कुश १०।३१६ उ० (कुशयति, ते), ९. कवि-कन्द १।५८ प० (कन्दति), १०. ग्राम १०।३१६ प० (ग्रामयति, ते) ।

बुलाना, आमन्त्रण करना=१ गुण-यति, ते), २. कूट १०।३१५ उ० (कूट-यति, ते), ३. केत १०।३१६ पाठा० उ० (केतयति, ते) ।

बुलाना, पुकारना=१. आ+क्रन्द १०।१६६ उ० (आक्रन्दयति, ते), २. क्लदि-क्लन्द १।५८ प० (क्लन्दति) ।

बुहारना=१. अप, प्र+मृजूष-मृज २।५६ प० (अपमार्ष्टि, प्रमार्ष्टि) ।

बूँद बूँद गिरना, टपकना=१. घृ १०।११८ उ० (घारयति, ते) ।

बेचना=१. वि+क्रीञ् ६।१ उ० (विक्रीणाति, विक्रीणीते) ।

बेड़ी डालना=१. पश १०।१८८ उ० (पाशयति, ते), १०।२८७ पाठा० उ० (पशयति, ते) ।

बेधना, बीधना=१. कर्ण १०।३५२ पाठा० उ० (कर्णयति, ते) ।

बेहोश करना=१. मदी १।५५५ प० णिच् (मदयति) ।

बैठना=१. उप+विश ६।१३३ प० (उपविशति), २. आस् २।११ आ० (आस्ते) ।

बैर निकालना=१. निर्+यत १०।२०३ उ० (निर्यातयति, ते) ।

बोध करना=१. शासु २।६८ प० (शास्ति) ।

बोना=१. मूल १०।५८ पाठा० क्षीर० उ० (मोलयति, ते), २. मूल १०। ७७ उ० (मूलयति, ते), ३. सिवु ४।२ प० (सीव्यति), वप १।७२६ उ० (वपति, ते) ।

बोलना=१. गुप १।२२३ उ० (गोपायति, ते), २. कुप १०।२२३ उ० (कोपायति, ते), ३. अजि-अञ्ज १०। २२४ उ० (अञ्जयति, ते), ४. वच २। ५६ प० (वक्ति), १०।२६६ उ० (वाच-यति, ते/वाचि वाचति), ५. कुसि-कुंस १०।२२३ उ० (कुंसयति, ते/कुंसति), ६. चीव १०।२२३ उ० (चीवयति, ते), ७. जिवि-जिन्व १०।२२४ उ० (जिन्व-यति, ते), ८. दसि-दंस १०।२२४ उ० (दंसयति, ते), ९. कुण १०।३१६ उ० (कुणयति, ते), १०. कुशि-कुंश १०।२२३ उ० (कुंसयति, ते/कुंशति), ११. जल्प १।२८१ प० (जल्पति), १२. नहि-नंह १०।२२४ उ० (नंहयति, ते), १३. नल १०।२२५ उ० (नालयति, ते), १४. पुथ १०।२२३ उ० (पोथयति, ते), १५. पट १०।२२३ उ० (पाटयति, ते), १६. पुटि-पुण्ट १०।२२४ उ० (पुण्टयति, ते), १७. पिसि-पिस १०।२२३ उ० (पिसयति, ते), १८. भडि-भण्ड १।१७२ आ० (भण्डते), १९. भट १।५२६ प० (भटति), २०. ब्रूज् २।३७ उ० (ब्रवीति, ब्रूते/आह), २१. मुच १।१०३ पाठा० आ० (मोचते), २२. भूशि-भूँश

१०।२२४ उ० (भूँशयति, ते), २३. मुचि-मुञ्च १।१०३ आ० (मुञ्चते), २४. मच १।१०३ आ० (मचते), २५. मिजि-मिञ्ज १०।२२३ उ० (मिञ्जयति, ते/मिञ्जति), २६. अभि+युजिर्-युज ७।७ उ० (अभि-युनक्ति, अभियुङ्क्ते), २७. सम्+लप १।२८५ प० (संलपति), २८. रहि-रंह १०।२२४ उ० (रहयति, ते), २९. लुट १०।२२३ उ० (लोटयति, ते), ३०. लघि-लङ्घ १०।२२४ उ० (लङ्घयति, ते), ३१. लट १।१६४ प० (लटति), ३२. लज, लजि-लञ्ज १०।२२४ उ० (लाज-यति, ते), ३३. रेट् १।६०६ उ० (रेटति, ते), ३४. रुशि-रुश् १०।२२४ उ० (रुश-यति, ते/रुंशति), ३५. रुट १०।२२४ उ० (रोटयति, ते), ३६. रुङ् १।६८६ आ० (रुवते), ३७. रघि-रङ्घ १०।२२४ उ० (रङ्घयति, ते), ३८. लोक् १०। २२३ उ० (लोकयति, ते), ३९. लोच १०।२२३ उ० (लोचयति, ते), ४०. रट १।१६३ प० (रटति), ४१. रठ १।२२६ प० (रठति), ४२. भजि-भञ्ज १०।२२३ उ० (भञ्जयति, ते), ४३. सिभु, सिम्भु १।२६४ प० (सेभति, सिम्भति), ४४. शुभ-शुम्भ १।२६५ प० (शोभति, शुम्भति), ४५. रिफ ६।२३ प० (रिफति), ४६. विछ् १०।२२३ उ० (विच्छयति, ते), ४७. वृतु १०।२२३ उ० (वर्तयति, ते), ४८. वृधु १०।२३२ उ० (वर्धयति, ते), ४९. वृहि-वृंह १०।२२३ उ० (वृंहयति, ते/वृंहति), ५०. शीक १०।२२३ उ० (शीकयति, ते), ५१. इवल्क १०।३८ उ०

(श्वल्कयति, ते), ५२. वर्ह १४२६ आ० (वर्हते), ५३. वर्ह १०१२२३ उ० (वर्हयति, ते), ५४. वल्क १०३८ उ० (वल्कयति, ते), ५५. आ + शंसु १४८३ प० (आशंसति), ५६. वल्ह १४२६ आ० (वल्हते), ५७. वल्ह १०१२२३ उ० (वल्हयति, ते), ५८. ल्लप १०१२२६ प० (ल्लापयति), ५९. व्या + ह्व् १६४० उ० (व्याहरति, ते), ६०. सुभ, सुम्भ १२६५ पाठा० प० (सोभति, सुम्भति), ६१. भाष १४०७ आ० (भाषते), ६२. भल, भल्ल १३३३ आ० (भलते, भल्लते), ६३. लडि-लण्ड १०१२२५ उ० (लण्डयति, ते/लण्डति), ६४. पिञि-पिञ्ज १०१२२३ उ० (पिञ्जयति, ते) ।

बोलना (स्पष्ट) = १. भरा १३०३ प० (भराति) ।

बोलना (निन्दायुक्त) = १. परि + भाष १४०७ आ० (परिभाषते) ।

बोलना, कहना = १. त्रसि-त्रंस १०१२२३ उ० (त्रंसयति, ते), २. जर्भ ६११७

पाठा० प० (जर्भति), ३. तर्क १०१२२३ उ० (तर्कयति, ते), ४. भर्भ १४७५, ६११७ प० (भर्भति), ५. जर्ज १४७५, ६११७ प० (जर्जति), ६. अभि + धाञ् ३११० उ० (अभिदधाति, अभिधत्ते) ।

बोलना, चर्चा करना = १. चर्च १४७५, ६११७ प० (चर्चति) ।

बोलना प्रारम्भ करना = १. प्र + वच २१५६ प० (प्रवक्ति), १०१२६६ उ० (प्रवाचयति, ते/प्रवचति) ।

बोलना, भाषण करना = १. पुट १०१२२३ उ० (पोटयति, ते) ।

बोलना, सम्भाषण करना = १. धूप १०१२२३ उ० (धूपयति, ते), २. अभि + धाञ् ३११० उ० (अभिदधाति, अभिधत्ते) ।

बौर लगना = १. धन ३१२१ प० (दधन्ति) ।

ब्याहना = १. उप + यम ११७१० उ० (उपयच्छति, ते) ।

भ

भक्षण करना = १. भुज ७११७ आ० (भुङ्क्ते), २. प्सा २१४८ प० (प्साति), ३. वी २१४१ प० (वेति), ४. वल्भ ११२७४ आ० (वल्भते), ५. स्वद १५१६ आ० (स्वदते), ६. हु ३११ प० (जुहोति) ।

भक्षण करना, खाना = १. ई २१४१

प० (एति) ।

भगाना = १. नि + यम ११७१० प० (नियच्छति) ।

भग्न करना = १. सद्लृ १५६३, ६१३६ प० (सीदति) ।

भग्न होना = १. सो ४३८ प० (स्यति) ।

भजन करना=१. स्तुञ् २।३६ उ० (स्तौति, स्तुते/वेदे-स्तवीति, स्तवीते), २. उप+स्था १।६६२ आ० (उप-तिष्ठते) ।

भजना=१. क्रवृ १।३३८ पाठा० आ० (क्रेवते), २. भज १।७२४ उ० (भजति, ते) ।

भटकना=१. च्युड् १।६८४ आ० (च्यवते), २. व्रज १।१५४ पा० (व्रजति), ३. हिडि-हिडि १।१६७ आ० (हिण्डते) ।

भटकना (इधर उधर)=१. भ्रमु २।५८६ प० (भ्रमति, भ्राम्यति) ।

भय दिखाना, घबरा देना=१. खिद ३ क्वा० प० (खिदति) ।

भयंकर होना=१. घुर ६।५६ प० (घुरति) ।

भरना=१. वर्ध १०।१२२ उ० (वर्धयति, ते), २. मर्व १।३८८ प० (मर्वति), ३. पर्व १।३८५ प० (पर्वति), ४. प्रा २।५४ प० (प्राति), ५. अधि+अञ्जू ७।२० उ० (अध्यनक्ति, अध्य-ङ्क्ते), ६. सम्+अञ्जू ७।२० प० (समनक्ति), ७. उप+ग्रह १।६४ प० (उपगृह्णाति) ।

भरना, पूर्ण करना=१. तूण १०।१५८ आ० (तूणयते), २. उभ ६।३२ प० (उभति), ३. उम्भ ६।३२ प० (उम्भति) ।

भरना, भर डालना=१. आ+कृ ६।११८ प० (आकिरति) ।

भरोसा करना=१. तनु १०।२६६ उ० (तानयति, ते/तनति), २. भ्रूण १०।१५६

आ० (भ्रूणयते), ३. आ+लबि-लम्ब् १।२६२, ६३ आ० (आलम्बते), ४. व्यपा+श्रिञ् १।६३८ उ० (व्यपाश्रयति, ते), ५. वि+श्वस २।६२ प० (विश्वसिति), ६. वि+स्रम्भु १।५०७ आ० (विस्त्रम्भते), ७. परि+वृञ् ५।८ उ० (परिवृणोति, परिवृणुते), ८. सेवृ १।३३७ आ० (सेवते) ।

भरोसा, विश्वास करना=१. चन १०।२६७ उ० (चनयति, ते/चनति) ।

भर्जन करना, भूँजना=१. प्रुषु १।४६७ प० (प्रोषति) ।

भर्त्सना करना=१. अघ+मन ४।६५ आ० (अघमन्यते), २. अघ+मनु ८।६ आ० (अघमनुते), ३. निरा+कृञ् ८।१० आ० (निराकृस्ते) ।

भला चाहना=१. आ+शासु २।१२ आ० (आशास्ते) ।

भला होना=१. सम्+स्था १।६६२ आ० (सतिष्ठते) ।

भस्म करना=१. चूरी ४।४७ आ० (चूर्यते) ।

भाड़ा दे नाव पर चढ़ना=१. आ+तृ १।६६६ प० (आतरति) ।

भाड़े पर लेना=१. भट १।२०० प० (भटति) ।

भाप बनना=१. स्तिम, स्तीम ४।१७ प० (स्तिम्यति/स्तीम्यति) ।

भाप से टपकना=१. स्नु २।३१ प० (स्नोति) ।

भावी विचार करना=१. उत्+दृशिर-दृश् १।७१४ प० (उत्पश्यति), १

भाषण करना=१. सम्+लप १।
२८५ प० (संलपति), २. लुट १०।२२३
उ० (लोचयति, ते), ३. लोक् १०।२२३
उ० (लोकयति, ते), ४. लोचृ १०।२२३
उ० (लोचयति, ते), ५. भृश-भृश १०।
२२४ उ० (भृशयति, ते), ६. रुट १०।
२२४ उ० (रोटयति, ते), ७. सिभु,
सिम्भु १।२६४ प० (सेभति, सिम्भति),
८. शुभ, शुम्भ १।२६५ प० (शोभति,
शुम्भति), ९. शीक १०।२२३ उ० (शीक-
यति, ते), १०. विच्छ १०।२२३ उ०
(विच्छयति, ते), ११. शब्द १०।१८३
प० (शब्दयति), १२. श्वल्क १०।३८ उ०
(श्वल्कयति, ते), १३. लडि-लण्ड १०।
२२५ उ० (लण्डयति, ते/लण्डति)।

भाषण का खण्डन करना=१.
विप्र+लप १।२८५ प० (विप्रलपति)।

भाग करना=१. भिदि-भिद् १।५२
प० (भिन्दति)।

भाग जाना=१. वि+पठ १०।२२३
उ० (विपाठयति, ते), २. निर+पल्-
पत् १।५८४ प० (निष्पतति), ३. मुठि-
मुण्ठ १।१६४ आ० (मुण्ठते), ४. आ+
द्रु १।६७७ प० (आद्रवति, वि-विद्रवति,
समुप-समुपद्रवति), ५. द्रा २।४७ प०
(द्राति), ६. पला (परा)+इ १।२१५ प०
(पलायति), ७. प्र+अय १।३२० आ०
(प्लायते, परा-पलायते)।

भाग जाना, उड़ जाना=१. समुत्
+पल्-पत् १।५८४ प० (समुत्पतति)।

भागना=१. श्वल, श्वल्ल १।३७०
प० (श्वलति, श्वल्लति), २. पल १।५८०

प० (पलति), ३. धावु १।३६७ उ०
(धावति, ते)।

भाग, हिस्सा करना=१. प्लुस ४।६
प० (प्लुस्यति)।

भाग होना=१. सट १।२२६ प०
(सटति)।

भिगोना=१. च्युतिर-च्युत् १।३३
प० (च्योतति), २. शीकृ १।६१ आ०
(शीकते)।

भिगोना, गीला करना=१. निवि-
निन्व १।३६१ प० (निन्वति/प्र-प्रणि-
न्वति), २. पिवि-पिन्व् १।३६१ प०
(पिन्वति)।

भिगोना, डुबोना=१. चुल १०।६६
उ० (चोलयति, ते)।

भिन्नता दिखाना=१. शिण्लु ७।१४
प० (विशिण्लति)।

भिन्न होना=१. वि+रह १।४८६
(विहरति), १०।६४ उ० (विराहयति,
ते), १०।२८४ अदन्त उ० (विरहयति,
ते)।

भिगना=१. वर्ष १।४०८ आ०
(वर्षते), २. स्तिम, स्तीम ४।१७ प०
(स्तिम्यति, स्तीम्यति), ३. वनूयी १।
३२६ आ० (वनूयते)।

भीड़ होना=१. स्त्यै १।६५० प०
(स्त्यायति)।

भीतर होना=१. विश ६।१३१ प०
(विशति)।

भीतर बैठना=१. नि+सद्लू-सीद
१।५६३, ६।१३६ प० (निषीदति)।

भूल लगना=१. क्षुघ ४।७६ प०

(क्षुध्यति) ।

भूखा रहना=१. लवि-लङ्घ १। ७४, ७५ आ० (लङ्घते), २. उप+ वस १।७३१ प० (उपवसति), ३. निरा+हृञ् १।६४० उ० (निराहरति, ते) ।

भूजना=१. भूजी १।१०८ आ० (भर्जते), २. ऋजि-ऋञ्ज १।१०८ आ० (ऋञ्जते) ३. लज, लजि-लञ्ज १।१४७ प० (लजति, लञ्जति), ४. भ्रस्ज ६।४ उ० (भ्रज्जति, ते), श्रिषु १।४६७ प० (श्रेषति) ।

भूनना=१. लाज, लाजि-लाञ्ज १।१४८ प० (लाजति, लाञ्जति), २. लज, लजि-लञ्ज १।१४७ प० (लजति, लञ्जति), ३. श्रिषु १।४६७ प० (श्रेषति); ४. व्युप ४।८, १०५ प० (व्युष्यति) ।

भूमि स्पर्श करना=१. लुठ ६।९० प० (लुठति) ।

भूल जाना=१. दिव् ४।१ प० (दीव्यति) ।

भूलना=१. वि+स्मृ १।५४७ प० (विस्मरति), २. स्फुच्छर्, स्फुच्छर् १।१२८ प० (स्फुच्छति), ३. स्रम्भु १।२७६ आ० (स्रम्भते) ।

भूषित करना=१. मघि-मङ्घ १। ६३ प० (मङ्घति), ३. लाख् १।८६ प० (लाखति), ३. राख् १।८६ प० (राखति) ।

भेज देना=१. प्र+धाञ् ३।१० उ० (प्रदधाति, प्रधत्ते) ।

भेजना=१. इल ६।६७ प० (इलति), २. किल १० क्वा० प० (किल-

यति), ३. प्र+ईर १०।२३४ उ० (प्रेर-यति, ते), ४. क्षोट १०।३०० उ० (क्षोटयति, ते), ५. तमु ४।१०२ प० (तस्यति), ६. जुडि-जुण्ड १०।११५ पाठा० प० (जुण्डयति), ७. जुड १०।११५ उ० (जोडयति, ते), ८. डिप ४।१२१ प० (डिप्यति), ६।८० प० (डिपति), १०। १४२ उ० (डिपयति, ते), ९. प्रेष् १।४१२ आ० (प्रेषते), १०. वि+युजिर-युज् ७।७ उ० (वियुनक्ति, वियुङ्क्ते), ११. लाभ १०। ३६३ प० (लाभयति), १२. सू ६।११७ प० (सुवति), १३. व्रीड ४।१८ प० (व्रीडयति), १४. वी २।४१ प० (वेति), १५. वेवीड् २।७० आ० (वेवीते), १६. वर्ण १०।१९, २० उ० (वर्णयति, ते), १७. हि ५।११ प० (हिनोति), १८. नुद ६।२ उ० (नुदति, ते), ६।१३५ प० (नुदति), १९. क्षिप ४।१५ प० (क्षिप्यति), ६।५ उ० (क्षिपति, ते/समा-समाक्षिपति, ते) ।

भेजना, पठाना=१. उक्ष १।४३६ प० (उक्षति) ।

भेजना, प्रेरित करना=१. ई २। ४१ प० (एति) ।

भेजना (बिताना)=१. क्षप १०। ३६६ उदा० उ० (क्षपयति, ते) ।

भेंट के लिए दौड़ना=१. समुप+ धाव् १।३९७ उ० (समुपधावति, ते) ।

भेंट देना=१. उप+हृञ् १।६४० उ० (उपहरति, ते), २. परि+विश ६। १३३ आ० (परिविशते) ।

भेंटना, मिलना=१. समुप+द्र् १।६७७ प० (समुपद्रवति) ।

भोगना=१. निर्+विश ६।१३३
आ० (निर्विशते), २. अश ६।५४ प०
(अशनाति/उप-उपाशनाति) ।

भोंकना=१. भष १।४६३ प०
(भषति), २. बुक्क १।८४ प० (बुक्कति),
१०।१८२ उ० (बुक्कयति, ते) ।

भौरे का बोलना=१. गुञ्जि-गुञ्ज
१।११६ प० (गुञ्जति) ।

भौरे के समान शब्द करना=१. कुङ्
१।६८२ आ० (कवते), ६।१११ आ०
(कुवते), ६ क्वा० उ० (कुनाति,
कुनीते) ।

भंग करना=१. स्वद १।५१९ आ०
(स्वदते), २. प्र+कृञ् ८।१० आ०
(प्रकुरुते) ।

भ्रमण करना=१. भ्रमु ४।६५ प०
(भ्राम्यति/भ्रमति) ।

भ्रमित होना=१. कदि-कन्द १।
५२३ आ० (कन्दते), २. कद १।५२४

आ० (कदते), ३. कद ४ मतान्तरे आ०
(कद्यते) ।

भ्रूष्ट होना=१. भ्रंशु १।५०४ पाठा०
आ० (भ्रंशते), २. भ्रंमु १।५०४ आ०
(भ्रंसते), ३. भ्रशु १।५०६ आ० (भ्रशते),
४. भ्रशु १।५०६ आ० (भ्रंशते), ४।११५
प० (भ्रश्यति) ।

भ्रूष्ट होना (शारीरिक अयोग्यता
आदि से)=१. भ्रशु ४।११५ प०
(भ्रश्यति) ।

भ्रान्त न होना=१. स्तम १।५७२
प० (स्तमति) ।

भ्रान्त होना=१. भ्रमु ४।६५ प०
(भ्राम्यति/भ्रमति), २. लुभ ६।२२ प०
(लुभति), ३. रुष ४।१२४ प० (रुष्यति),
४. स्तम १।५७२ प० (स्तमति), ५.
ह्वल १।५४६ प० (ह्वलति), १० प०
(ह्वलयति) ।

म

मचान बनाना=१. मच्चि-मञ्च् १।
१०४ आ० (मञ्चते) ।

मज्जन करना=१. वि+प्लुङ् १।
६८४ आ० (विप्लवते) ।

मजदूरी देकर ले जाना=१. उप+
नीञ् १।६४२ आ० (उपनयते) ।

मजबूत होना=१. तुज १०।३५ उ०
(तोजयति, ते) ।

मण्डली में रहना=१. सम्+सद्लृ

१।५६३, ६।१३६ प० (संसीदति) ।

मति भ्रंस कराना=१. लुप ४।१२४
प० (लुप्यति) ।

मति भ्रंश होना=१. लुप ४।१२४
प० (लुप्यति), २. लुभ ६।२२ प०
(लुभति) ।

मति मन्द होना=१. स्कभि-स्कम्भ्
१।२७१ आ० (स्कम्भते/सौत्र-स्कम्भोति,
स्कम्भति) ।

मत्सर करना=१. द्विष २।३ उ० (द्वेषि, द्वेष्ये), २. सूक्ष्म १।३४१ प० (सूक्ष्मयति), ३. स्पर्धते १।३ आ० (स्पर्धते) ।

मत्सर (डाह) करना=१. इरज १।१८ प० (इरज्यति), २. इरञ्-इर १।१८ उ० (इर्यति, ते), ३. ईक्ष्य १।३४१ प० (ईक्षयति), ४. ईर्ष्य १।३४१ प० (ईर्ष्यति) ।

मथना=१. शुचिर्-शुच् ४।५४ उ० (शुचयति, ते), २. मन्य १।३५, ६।४४ प० (मन्यति/मन्यनाति) ३. शुच्य १।३४३ प० (शुचयति), ४. क्षुभ १।५०२ आ० (क्षोभते), ४।१२६ प० (क्षुभयति), ६।५१ प० (क्षुम्नाति), ५. मथे १।५८७ प० (मथति) ।

मथना, बिलोना=१. खडि-खण्ड् १।१८२ आ० (खण्डते) ।

मथना, मन्यम करना, हिलाना=१. खज १।१४१ प० (खजति) ।

मदद देना, सहायता करना=१. वि+गल १०।१६८ आ० (विगलयते) ।

मदोन्मत्त होना, मस्त होना=१. क्षेवु १।३८१ प० (क्षेवति), २. क्षीवृ १।२६६ आ० (क्षीवते), ३. क्षीवृ १।२६६ आ० (क्षीवते) ।

मदोन्मत्त, बेसुष होना=१. गज १।५२, ५३ प० (गजति) ।

मधुर होना=१. स्वाद १।२३ आ० (स्वादते), १०।२२६ उ० (स्वादयति, ते) ।

मन का भाव दिखाना=१. चिल्ल

१।३६० प० (चितलति) ।

मन की एकाग्रता करना=१. शील १।३५० प० (शीलति) ।

मन को रोकना=१. युज ४।६६ आ० (युज्यते) ।

मनन करना=१. शील १।३५० प० (शीलति), २. विद ७।१३ आ० (विन्ते), ३. सम्+विद २।५७ आ० (संवित्ते), ४. स्यम १०।१६२ आ० (स्यामयते), ५. सम्+पद ४।५८ आ० (सम्पद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (सम्पदयते), ६. वि=मृवा ६।१३४ प० (विमृवाति), ७. म्ना १।६६३ प० (मनति), ८. मथे १।५८७ प० (मथति), ९. व्युत्+पद ४।५८ आ० (व्युत्पद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (व्युत्पदयते), १०. आ+लोच् १०।२२३ उ० (आलोचयति, ते) ।

मन बहलाना=१. क्रीडृ १।२४१ प० (क्रीडति) ।

मन मारना, मन मसोसकर घुटते रहना=१. घुट ६।६४ प० (घुटति) ।

मन में आकृति लाना=१. रूप १०।३६० उ० (रूपयति, ते) ।

मन में बोलना=१. जप १।२८१, २८२ प० (जपति) ।

मन में भ्रम होना=१. विपरि+वृत् १।५०८ आ० (विपरिवर्तते) ।

मन में बिचार कर कहना=१. घुषिर्-घुष १०।१६५ उ० (घोषयति, ते) ।

मन या शरीर में जलना=१. तप १।७११ आ० (तपते), १०।२४२ उ० (तापयति, ते) ।

- मन या शरीर से टेढ़ा होना=१. कमर १।३७४ प० (कमरति) ।
- मन या शरीर से बक्र होना=१. बनसु ४।७ प० (बनस्यति) ।
- मन से बक्र होना=१. हुच्छा १। १२६ प० (हुच्छति) ।
- मन से सीधा होना=१. वसु ४। १०४ प० (वस्यति) ।
- मन स्वाधीन रखना=१. शमु ४।६१ प० (शाम्यति) ।
- मना करना=१. द्राख् १।८६ प० (द्राखति), २. यत् १०।२०३ उ० (यातयति, ते), ३. त्रस १०।२१० उ० (त्रासयति, ते), ४. नि, प्रति+सिघ् १।३८ प० (निषेधति, प्रतिषेधति), ५. अभिसम्+रुचिर्-रुच् ७।१ उ० (अभिसंरुणद्धि, अभिसंरुन्धे), ६. लाख् १।८६ प० (लाखति) ।
- मना करना, निषेध करना=१. ध्राख् १।८६ प० (ध्राखति) ।
- मानाना=१. मान १०।२७० उ० (मानयति, ते/मानति) ।
- मन्द-मन्द जाना=१. फक्क १।८१ (फक्कति) ।
- मन्दमति होना=१. स्तुभु १।२७८ प० (स्तोभति) ।
- मन्द हास्यकरना=१. स्मिद् १। ६७६ आ० (स्मयते) ।
- मन्द होना=१. मन १०।१७८ आ० (मानयते) ।
- मरणोन्मुख करना=१. उत्+कृञ् ८।१० आ० (उत्कुरुते) ।
- मरना=१. निर्+श्वस् २।६२ प० (निःश्वसति), २. मृद् ६।११३ आ० (म्रियते) ।
- मरोड़ना=१. पुट १।२१५ प० (पोटति) ।
- मर्दन करना=१. मुट १।२१५ प० (मोटति), २. मुट ६।८३ प० (मुटति), ३. मुट १०।८१ उ० (मोटयति, ते), ४. अद् १।५१८ आ० (अदते), ५. मथि-मन्थ् १।३६ प० (मन्थति), ६. दिव् १०। १६३ प० (देवयति, ते), ७. शुचिर्-शुच् ४।५४ प० (शुच्यति, ते) ।
- मर्म मेद करना=१. गाह् १।४३२ आ० (गाहते) ।
- मर्यादा तोड़ना=१. उत्+लघि-लङ्घ १।७४, ७५ आ० (उल्लङ्घते) ।
- मलना=१. मुट १।२१५ प० (मोटति), २. पुढि-पुण्ड् १।२१५ प० (पुण्डति) ।
- मलगुद्धि होना=१. वि+रिचिर्-रिच ७।४ उ० (विरिणक्ति/विरिङ्कते), २. रिचिर्-रिच ७।४ उ० (रिणक्ति, रिङ्कते) ।
- मंगल कर्म करना=१. सिघ् १।३८ प० (सेधति) ।
- मंहगा करना=१. अर्ध १।४६२ पाठा० क्षीर० गिष् ५० (अर्धयति) ।
- मात करना=१. अति+वृत् १। ५०८ आ० (अतिवर्तते) ।
- मान करना=१. सम्+अञ्जु-अञ्ज ७।२० प० (समनक्ति), २. आ+अञ्जु ७।२० प० (आनक्ति) ।

मान खण्डन करना = १. अत्र + ज्ञा
१।४० उ० (अत्रजानाति, अत्रजानीते) ।

मानना = १. मन ४।६५ आ०
(मन्यते), २. मनु ८।६ आ० (मनुते) ।

मानना, मान देना = १. प्रति +
ईक्ष १।४०५ आ० (प्रतीक्षते) ।

मानना, समझना = १. गण १०।
२८१ प० (गणयति) ।

मानसिक या शारीरिक व्यथा से
दुःखित होना = १. तमु ४।८२ प०
(ताम्यति) ।

मान्य करना = १. समा + दिश ६।३
उ० (समादिशति, ते), २. उप + यम १।
७१० उ० (उपयच्छति, ते), ३. मन ४।
६५ आ० (मन्यते), ४. मनु ८।६ आ०
(मनुते), ५. प्रतिसम् + श्रु १।६७५ आ०
(प्रतिसंश्रुयते), ६. वृक १।७२ आ०
(वर्कते), ७. हुडि-हुण्ड १।१६८, १७६
आ० (हुण्डते) ।

मान्य नहीं करना = १. अप + लप
१।२८५ प० (अपलपति), २. प्र + असु
४।६६ प० (प्रास्यति) ।

मापना, तोलना = १. निष्क १०।
१५५ आ० (निष्कयते) ।

मार जलाना = १. दुहिर-दुह १।
४६१ प० (दोहति) ।

मार डालना = १. स्तृह, स्तृह ६।
६० प० (स्तृहति, स्तृहति), २. वर्ह १।
४२६ आ० (वर्हते), ३. वस १०।३१३
उ० (वासयति, ते), ४. शठ १।२३१ प०
(शठति), ५. शर्व १।३८६ प० (शर्वति),
६. बल्ह १।४२६ आ० (बल्हते), ७. वृषु

१।४६८, ६६ प० (वर्षति), ८. सूद १.२०
आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति,
ते), ९. शूरी ४।४६ आ० (शूर्यते), १०.
रिह ६।२४ प० (रिहति), ११. रघ ४।
८२ प० (रघयति), १२. रूप १।४६२ प०
(रोषति), ४।१२० प० (रुषयति), १३.

रुश ६।१२६ प० (रुशति), १४. रुड्
१।६८६ आ० (रवते), १५. सिम्भु, सिम्भु
१।२६४ प० (सेभति/सिम्भति), १६.
बस्त १०।१५२ आ० (बस्तयते), १७.
मृधु १।६१३ उ० (मर्द्धति, ते), १८.

लुथि-लुन्थ १।३६ प० (लुन्थति), १९.
मष १।४६२ प० (मषति), २०. मीब्
६।४ उ० (मीनाति, मीनीते), २१ व्या +
पद ४।५८ आ० (व्यापद्यते), १०।३२०
अदन्त आ० (व्यापदयते), २२. पिठ
१।२३० प० (पिठति), २३. पिज, पिजि-
पिञ्ज १०।३५ उ० (पेजयति, ते/पिञ्ज-
यति, ते/पिञ्जति), २४. लुबि-लुम्ब

१।२६१ प० (लुम्बति), १०।१२५ उ०
(लुम्बयति, ते), २५. मृ ६।२१ प०
(मृणाति), २६. क्षिप् ६।५ उ० (क्षिपति,
ते), २७. क्षिणु ८।४ उ० (क्षिणोति,
क्षिणुते), मा० घा० (क्षेणोति, क्षेणुते),

२८. मेह १।६०६ उ० (मेदति, ते),
२९. मेथु १।६१० उ० (मेथति, ते), ३०.
मेधु १।६११ उ० (मेधति, ते) ३१.
जुष १०।२६१ उ० (जोषयति, ते/
जोषति), ३२. चन १।५४३ प० (चनति),

३३. गन्ध १०।१५२ आ० (गन्धयते);
३४. जष १।४६२ प० (जषति), ३५.
जूरी ४।४५ आ० (जूर्यते), ३६. नभ

११५०३ आ० (नभते/प्र-प्रणभते), ४।
 १२७ प० (नभ्यति), १५२ (नभ्नाति),
 ३७. भर्भ १४७५, ६१७ प० (भर्भति),
 ३८. अट्ट ११५५ आ० (अट्टते), ३९.
 क्षीञ् १ क्वा० उ० (क्षयति, ते), १३९
 प० (क्षीणाति), ४०. क्थ १५४२
 पाठा० प० (क्थयति), १०२५२ पाठा०
 प० (क्थयति), ४१. क्वि १३९४
 प० (क्वणीति), ४२. खद १४० प०
 (खदति), ४३. क्रथ १५४२ प०
 (क्रथति), १०२५२ उ० (क्रथयति, ते),
 ४४. खष १४६२ प० (खषति), ४५.
 क्रुथ १४६ पाठा० प० (क्रुथ्नाति),
 ४६. क्लेश १४०२ आ० (क्लेशते), ४७.
 क्षद १ क्वा० प० (क्षदति), ४८. खै १।
 ६५१ प० (खायति), ४९. कृञ् ११४
 उ० (कृणाति, कृणीते), ५०. कृ १२७
 प० (कृणाति), ५१. कृवि ५ क्वा प०
 (कृविणोति), ५२. क्लथ १५४२ प०
 (क्लथति), ५३. अर्व १३८९ प०
 (अर्वति), ५४. कश १ क्वा उ० (कशति,
 ते), २१९६ पाठा० आ० (कष्टे), ५५.
 ईष १४०६ आ० (ईषते), ५६. अत्र १।
 ३९६ प० (अत्रति), ५७. ऋषि ६७ प०
 (ऋषति), ५८. सम्+हृञ् १६४० उ०
 (संहरति, ते), ५९. ऋ ५३० पाठा०
 प० (ऋणीति), ६०. ऋम्फ ६३० प०
 (ऋम्फति), ६१. ऋफ ६३० प०
 (ऋफति), ६२. ऋक्ष ५३० पाठा०
 (ऋक्षणीति), ६३. ऋक्षि ५३० पाठा०
 प० (ऋक्षिणीति), ६४. भष १४६२ प०
 (भषति), ६५. उर्वी १३८२ प०

(उर्वति), ६६. कदि-कन्द १५२३ आ०
 (कन्दते), ६७. उत्+कृञ् ८१० आ०
 (उत्कुरुते), ६८. गूरी ४४४ आ०
 (गूर्यते), ६९. जसु १०१३८ उ० (जास-
 यति, ते), ७०. दृ ५३० प० (दृणीति),
 ७१. तर्द १३५ प० (तर्दति), ७२. कष
 १४६२ प० (कषति), १० क्वा० (कष-
 यति), ७३. चुत्रि-चुम्ब १०१०१ उ०
 (चुम्बयति, ते), ७४. तृदिर-तृद ७८ उ०
 (तृणति, तृन्ते), १ क्वा० प० (तर्दति),
 ७५. तुवि-तुम्ब १२९१ प० (तुम्बति),
 १०१२५ उ० (तुम्बयति, ते), ७६.
 तुम्प १२८७, ६२७ प० (तुम्पति), ७७.
 तु सौत्र ७३३९५ प० (तौति/तवीति),
 ७८. तृह ७१८ प० (तृणेहि), ७९. उक्ष
 १४३९ प० (उक्षति), ८०. तुप १२८७
 प० (तोपति), ६२७ प० (तुपति), ८१.
 अर्व १२८८ प० (अर्वति), ८२. तुफ
 १२८७ प० (तोफति), ६२७ (तुफति),
 ८३. तुभ १५०३ आ० (तोभते), ४।
 १२७ प० (तुभ्यति), १५२ (तुभ्नाति),
 ८४. तुम्फ १२८७, ६२७ प० (तुम्फति),
 ८५. चृती ६३५ प० (चृत्ति), ८६. घट
 १०१९१ उ० (घाटयति, ते), ८७. घुड
 ६१९४ पाठा० प० (घुडति), ८८. चट
 १०१९० उ० (चाटयति, ते), ८९. वि
 +द्रु १६७७ प० (विद्रवति), ९०.
 धुर्वी १३८२ प० (धूर्वति), ९१. दाशू
 ५३० प० (दाशनोति), ९२. तुर्वी १।
 ३८२ प० (तुर्वति/तूर्वति), ९३. द्रुञ्
 ११९ उ० (द्रूणाति, द्रूणीते), ९४.
 धुर्वी १३८२ प० (धूर्वति), ९५. तुजि-

तुञ्ज १०३५ उ० (तुञ्जयति, ते), ६६.
 तुहिर-तुह १४६१ प० (तोहति), ६७.
 कुथि-कुन्थ १३६ प० (कुन्थति), ६८.
 दय १३२२ आ० (दयते), ६९. तुज १।
 १५० प० (तोजति), १००. तूह-तूह
 ६।६० प० (तूहति), १०१. तुज १०३५
 उ० (तोजयति, ते), १०२. तुजि-तुञ्ज
 १।१५१ प० (तुञ्जति), १०३. स्वृ ६
 क्वा० उ० (स्वृणाति, स्वृणीते), १०४.
 धृ १।६७२ प० (ध्वरति), १०५. दक्ष
 १।५२१ आ० (दक्षते), १०६. ऋष, ऋफ
 ऋम्प, ऋम्फ १।२८७ प० (ऋषति,
 ऋफति, ऋम्पति, ऋम्फति), १०७. कृञ्
 ५।७ उ० (कृणाति, कृणुते), १०८. हुल
 १।५८४ प० (होलति), १०९. सृभु, सृम्भु
 १।२६३ प० (सर्भति/सृम्भति), ११०.
 रफ, रफि-रम्फ १।२८८ प० (रफति,
 रम्फति) ।

मार डालना, जान से मारना=१.
 क्षि ५।३० प० (क्षिणाति), ६ क्वा०
 (क्षिणाति) ।

मार डालना, दुःख देना=१. तूह
 ६।६० पाठा० प० (तूहति), २. तिघ
 पाठा० प० (तिघ्नोति), ३. बर्ह १।४२५
 उ० (बर्हयति, ते) ।

मार डालना, नष्ट करना=१.
 उहिर-उह १।४६१ प० (ओहति) ।

मारना=१. व्यघ ४।७० प०
 (विध्यति), २. स्फुट १०।१६० उ०
 (स्फोटयति, ते), ३. हिसि-हिंस ७।१८
 (हिनस्ति), १०।२५६ उ० (हिसयति,
 ते/हिसति), ४. विष्क १०।१५३ आ०

(विष्कयते), ५. वासु १।४८२ प०
 (वासति), ६. षष १।४६२ प० (षषति),
 ७. सट्ट १०।१०२ उ० (सट्टयति, ते),
 ८. शिष् १।४६२ प० (शेषति), ९. सघ
 ५।२१ प० (सघ्नोति), १०. सुभ, सुम्भ
 १।२६५ पाठा० ष० (सोभति, सुम्भति),
 ११. शुभ, शुम्भ १।२६५ प० (शोभति,
 शुम्भति), १२. रुठ १।२८८ प०
 (रोठति), १३. रुज १०।२२७ उ०
 (रोजयति, ते), १४. रिष ६।१२६ प०
 (रिषति), १५. रिष १।४६२ प०
 (रेषति), १६. रिष ४।१२० प०
 (रिष्यति), १७. श्रथ १।५४२ प०
 (श्रथति), १८. श्रथ १०।२४६ उ०
 (श्राययति, ते/श्रथति), १९. वृ ६।१७
 प० (श्रृणाति), २०. यूष १।४५७ प०
 (यूषति), २१. ब्रूष १०।१३२ उ० (ब्रूष-
 यति, ते), २२. भर्व १।३८७ प०
 (भर्वति), २३. मीळ् ४।२७ आ० (मीयते),
 २४. छष १।६३० आ० (छषते), २५.
 जजि-जञ्ज १।१४६ प० (जञ्जति),
 २६. प्र+हृञ् १।६४० उ० (प्रहरति, ते),
 २७. डिप १०।१४७ उ० (डिपयति, ते),
 २८. खुड १ क्वा० प० (खोडति), ६।
 ६७, ६८ प० (खुडति), १ क्वा० प०
 (खोडयति), २९. तडि-तण्ड १।१७६
 आ० (तण्डते), ३०. जूष १।४५८ उ०
 (जूषति, ते), ३१. जज १।१४६ प०
 (जजति), ३२. दघ ५।२८ प०
 (दघ्नोति), ३३. हन २।२ प० (हन्ति, प्र-
 प्रहन्ति, सम्-संहन्ति, आ० घा-
 आहते), ३४. स्वद १।५१६ आ० (स्वदते), ३५.

हिष्क १०१५४ आ० (हिष्कयते), ३६.
स्फिट्ट १०१०१ पाठा० उ० (स्फिट्टयति,
ते) ।

मारना, ठोकना=१. यत् १०१२०३
उ० (यातयति, ते), २. जप १०१६० उ०
(जापयति, ते) ।

मारना, ठोकना, नीचे गिराना=१.
ऊठ ११२२६ प० (ऊठति), २. उठ १।
२२८ प० (ओठति), १।५०० आ०
(ओठते) ।

मारना, ताड़न करना=१. तड
१०१४८ उ० (ताडयति, ते) ।

मारना, दुःख देना=१. चन १०।
२६७ (चनयति, ते/चनति), २. घूरी ४।
४४ आ० (घूर्यते) ।

मारना, पीटना=१. क्षणु दा३ उ०
(क्षणोति, क्षणुते) ।

मार पीट करना=१. अभि+हृञ्
१।६४० उ० (अभिहरति, ते) ।

मारना, बध करना=१. अर्द १।४५
गिज्भावे (अर्दयति, ते/शपि अर्दंति ते)

मारने का प्रयत्न करना=१. तिक
५।२० प० (तिकनोति), २. तिग ५।२०
प० (तिग्नोति), ३. द्रुह ४।८६ प०
(द्रुहति) ।

मारने का यत्न करना=१. सूद
१।२० आ (सूदते), १०११८६ उ० (सूद-
यति, ते), २. रिह ६।२४ प० (रिहति),
३. र्ष १।४६२ प० (रोषति), ४।१२०
प० (रष्यति), ४. रिष १।४६२ प०
(रेषति), ४।१२० प० (रिष्यति), ५.
रिष ६।१२६ प० (रिषति) ।

मार्ग दिखाना=१ नोञ् १।६४२
उ० (नयति, ते) ।

मार्ग देखना, प्रतीक्षा करना=१.
प्रति+ईक्ष १।४०५ आ० (प्रतीक्षते),
२. स्था १।६६२ प० (तिष्ठति) ।

मार्जन करना=१. अभि+सुञ्
५।१ उ० (अभिसुनोति, अभिसुनुते) ।

माल बाहर भेजना=१. निर्+
यत् १०१२०३ उ० (निर्यातयति, ते) ।

मालिश करना=१. क्षिक्वा १।४६७
आ० (क्षिक्वते), ४।१३० प० (क्षिक्वति),
२. क्षिक्वा ४।१३० पाठा० ष० (क्षिक्व-
यति) ।

मांगना=१. भिक्ष १।४०१ आ०
(भिक्षते), २. याचु १।६०५ उ० (याचति,
ते), ३. बस्त १०१५२ आ० (बस्तयते);
४. रेट्ट १।६०६ उ० (रेटति, ते), ५. वेथु
१।२७ आ० (वेथते), ६. विथु १।२७
आ० (वेथते), ७. वनु दा८ उ०
(वनोति, वनुते), ८. चदे १।६०७ उ०
(चदति, ते), ९. अय १।३६६ प०
(अयति), १०. ह्वेञ् १।७३३ उ०
(ह्वयति, ते), ११. अचु-अच १।६०३ उ०
(अचति, ते) ।

मांगना, चाहना=१. अचि-अञ्च्
१।६०४ उ० (अञ्चति, ते) ।

मांगना, याचना करना=१. नाथु १।६
उ० (नाथति, ते), २. गन्ध १०१५२ आ०
(गन्धयते), ३. चते १।६०७ उ० (चतति,
ते), ४. अर्थ १०१२६ आ० (अर्थयते/
क्वा० प० अर्थयति), प्र- (प्रार्थयति, ते) ।

मांजकर (स्वच्छ करना)=१. कुच

१।५६६ प० (कोचति) ।

मांजना, घोना=१. वि+घट्ट १।
१५६ आ० (विघट्टते); १०।६८ उ०
(विघट्टयति, ते) ।

मिल जाना=१. रा २५० प०
(राति), २. भू १०।२७१ आ० (भाव-
यते) ।

मिलना=१. कुस ४।१०८ प०
(कुस्यति), २. अत्र १।३६६ प० (अवति),
३. समा+सद्लु १।५६३, ६।१३६ प०
(समासीदति), ४. ली ६।३३ प०
(लीनाति), ५. लीङ् ४।२६ आ०
(लीयते), ६. मिल ६।१३८ उ० (मिलति,
ते), ७. प्रति+लप १।२८५ प० (प्रति-
लपति), ८. लभष्-लभ १।७०२ आ०
(लभते), ९. अनु+पद ४।५८ आ०
(अनुपद्यते), १०।३२० अदन्त आ०
(अनुपदयते) ।

मिलना, एकत्र होना=१. समा+
गम्लु-गच्छ १।७०६ प० (समागच्छति),
सम्-(संगच्छति) ।

मिलना, पाना, प्राप्त होना=१.
सम्+पल्लु-पत् १।५८४ प० (निपतति),
२. अधि+गम्लु-गच्छ १।७०६ प०
(अधिगच्छति) ।

मिलकर रहना=१. गोष्ठ १।१५८
पाठा० आ० (गोष्ठते), २. कुन्थ ६।४६
प० (कुन्थाति) ।

मिलकर रोना=१. आ+बुषिर-
बुष १०।१६५ उ० (घोषयति, ते) ।

मिलने का हेतु रखना=१. उप+
स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

मिलाना=१. ऋ १।६७० प०
(ऋच्छति), २. सर्ज १।१३४ प०
(सर्जति), ३. गुल्क १०।८४ उ० (गुल्क-
यति, ते), ४. ऋज १।१०७ आ० (अर्जते),
५. सम्+असु ४।६६ प० (समस्यति) ।

मिलाप करना=१ यु २।२२६ प०
(यौति), २. युजिर-युज ७७ उ०
(युनक्ति, युङ्क्ते/नि-नियुनक्ति, नियुङ्क्ते,
प्र-प्रयुङ्क्ते, सम्-संयुनक्ति, संयुङ्क्ते), ३.
सम्+बन्ध ८।४१ प० (सम्बध्नाति),
४. साम्ब १०।२६ उ० (साम्बयति, ते),
५. सम्ब १०।२४ उ० (सम्बयति, ते),
६. लुट ६।८६ प० (लुटति), ७. सम्+
सृज ४।६७ प० (संसृज्यति), ६।१२४
प० (संसृजति), ८. श्लिष ४।७५ प०
(श्लिष्यति), १०।४३ उ० (श्लेष-
यति, ते) ।

मिलाप होना=१. सप १।२८४
प० (सपति), २. लगे १।५३५ उ०
(लगति, ते), सम्+सृज ४।६७ प०
(संसृज्यति), ६।१२४ प० (संसृजति) ।

मिथ्यापवाद करना=१. शंसु १।
४८३ प० (शंसति) ।

मिथ्या बोलना=१. हृषु १।४७१
प० (हर्षति) ।

मिश्रित करना=१. कृप १०।२१८
उ० (कल्पयति, ते), २. यु २।२६ प०
(यौति), ३. मुद १०।२०६ उ० (मोद-
यति, ते), ४. मिश्र १०।३४६ उ०
(मिश्रयति, ते), ५. अक्ष १०।१३०
पाठा० उ० (अक्षयति, ते), ६. अछ
१०।१३० उ० (अच्छयति, ते), ७.

म्लक्ष १।४४५ पाठा० प० (म्लक्षति) ।

मिश्रित करना, मिलाना=१. गघ
४ क्वा० प० (गघ्यति) ।

मिश्रित होना, मिल जाना=१. गघ
४ क्वा० प० (गघ्यति) ।

मित्रता करना=१. स्निह् ४।८६
प० (स्निह्यति), १०।३६ उ० (स्नेह्यति,
ते) ।

मित्रवत् आतिथ्य करना=१. उप+
स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

मित्रवत् सत्कार करना=१. उप+
स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

मीठा बोलना=१. वल्लु १।१।३ प०
(वल्लुयति) ।

मीठा होना=१. स्वाद १।२३ आ०
(स्वादते), १०।२२६ उ० (स्वादयति,
ते) ।

मुकरंर करना=१. वृत्तु ४।४६ आ०
(वृत्त्यते), २. प्र+दिश ६।३ उ० (प्रदि-
शति, ते) ।

मुकाम (निवास) करना=१. तुज
१०।३५ उ० (तोजयति, ते), २. तुजि-
तुञ्ज १०।३५ उ० (तुञ्जयति, ते) ।

मुक्की मारना=१. मुट १।२।५ प०
(मोटति), २. क्षुदिर ७।६ उ० (क्षुण्णति
क्षुन्ते) ।

मुक्की मारना, कूटना=१. क्षद
१ क्वा० प० (क्षदति) ।

मुक्त करना=१. सूत्र १०।३२६ उ०
(सूत्रयति, ते), २. शुल्क १०।८४ उ०
(शुल्कयति, ते), ३. मुच्च-मुञ्च ६।१३६
उ० (मुञ्चति, ते), ४. मोक्ष १०।१७७

कीरप० (मोक्षयति), ५. श्रथ १०।२४६
उ० (श्राथयति, ते/श्रथति), ६. प्रति+पद
४।५८ आ० (प्रतिपद्यते), १०।३२० अदन्त
आ० (प्रतिपदयते), ७. अत्र+अर्ज १०।
१६४ उ० (अवाजंयति, ते), अनु-(अन्व-
जंयति, ते) ।

मुक्त करना, छोड़ देना=१. जसु
४।१०१ प० (जस्यति). २. क्षिदा १।
४६७ आ० (क्षिदेते), ४।१३० प०
(क्षिद्यति) ।

मुक्त करना, छोड़ना=१. जसि-
जंस १०।१३६ उ० (जंसयति, ते), २.
जिवि-जिन्व १।३६२ प० (जिन्वति),
३. च्युस १०।२१६ उ० (च्योसयति, ते) ।

मुक्त करना, ढीला करना=१.
चिल्ल १।३६० प० (चिल्लति) ।

मुक्ति पाना=१. निस+तृ १।
६६६ प० (निस्तरति) ।

मुख से बाहर फेंकना=१. स्नुसु ४।५
प० (स्नुस्यति) ।

मुख से बजाना=१. अभि+हन्
२।२ प० (अभिहन्ति) ।

मुख्य, प्रथम होना=१. प्र+धाञ्
३।१० उ० (प्रदधाति, प्रधत्ते) ।

मुख्य होना=१. पुर ६।५७ प०
(पुरति) ।

मुण्डन करना=१. मुडि-मुण्ड १।
२१७ प० (मुण्डति), २. दीक्ष १।४०४
आ० (दीक्षते) ।

मुरझाना=१. म्ल १।६४४ प०
(म्लायति), २. मुर्छा १।१२७ प०
(मूर्च्छति); ३. क्षदलू १।५६४, ६।१३७

आ० (शीयते), ४. सदलू १।५६३, ६।
१३६ प० (सीदति), ५. प्र+सदलू १।
५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति), ६. स्मिङ्
१।६७६ आ० (स्मयते) ।

मुंह काला करना=१. निर्+पल्लु-
पत् १।५८४ प० (निष्पतति) ।

मुंह छिपाना=१. लजी ६।१० आ०
(लजते) ।

मुंह देख के बोलना=१. स्तोम १०।
३५१ उ० (स्तोमयति, ते) ।

मुंह बन्द हो जाना=१. अ्रव+अद
२।१ प० (अवति) ।

मुंह से पानी आदि फेंकना=१.
ष्ठिवु १।३७७ प० (ष्ठीवति), ४४ प०
(ष्ठीवति) ।

मुंह से बजाना=१. ध्मा १।६६१
प० (धमति) ।

मूलना=१. मूत्र १०।३३० उ०
(मूत्रयति, ते) ।

मूर्ख होना=१. लोडू १।२४६ प०
(लोडति), २. स्तभि-स्तम्भ १।२७१ आ०
(स्तम्भते), ३. स्कभि-स्कम्भ १।२७२
आ० (स्कम्भते/सौत्र-स्कम्भोति, स्क-
म्भ्नाति), ४. स्तभु (सौत्र), प० (स्त-
म्भोति, स्तम्भ्नाति), ५. स्तुभु १।२७८
प० (स्तोभति), ६. शूरी ४।४६ आ०
(शूर्यते), ७. पील १।३४८ प०
(पीलति) ।

मूर्च्छित होना=१. मूर्च्छा १।१२७
पाठा० प० (मूर्च्छति), २. मुर्च्छा १।१२७
प० (मूर्च्छति), ३. निर्+विश ६।
१३३ आ० (निर्विशते) ।

मूल तत्त्व को ढूढना=१. व्युत्+
पद ४।५८ आ० (व्युत्पद्यते), १०।३२०
अदन्त आ० (व्युत्पद्यते) ।

मूल्यवान् होना=१. अर्घ १।४६२
पाठा० क्षीर० प० (अर्घति) ।

मूसना=१. मूष १।४५४ प०
(मूषति), २. स्तेन १०।३१८ उ०
(स्तेनयति, ते), २. हटि-हण्ट १।२१६
प० (हण्टति), ३. हठि-हण्ठ १।२२० प०
(हण्ठति), ४. ह्वञ् १।६४० उ० (ह्वरति,
ते), ५. लुटि-लुण्ट १।२१६ प० (लुण्टति/
क्वा० लुण्टयति), ६. लुठि-लुण्ठ १।२२०
प० (लुण्ठति) ।

मृगया करना=१. मृग ४ गणान्त
क्षीर० प० (मृगयति), १०।३२२ आ०
(मृगयते) ।

मृदुल होना=१. मिदा १।४६५
आ० (मेदते), ४।१२६ प० (मेद्यति),
१०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते) ।

मेघ का गरजना=१. स्तन १०।
२८५ उ० (स्तनयति, ते), २. गदी १०।
२८५ उ० (गदयति, ते), ३. स्फुर्जा १।
१४४ पाठा० (स्फूर्जा)प० (स्फूर्जति) ।

मेल करना=१. सम्+यम १।७१०
प० (संयच्छति), २. मेघु १।६११ उ०
(मेघति, ते) ।

मेहनत करना=१. व्या+यम १।
७१० आ० (व्यायच्छते), २. आ+यसु
४।१०० प० (आयस्यति) ।

मैथुन करना=१. यम १।७०८ प०
(यमति) ।

मोटा करना=१. पीब १।३८० प०

(पीवति) ।

मोटा होना=१. तीव १।३८० प० (तीवति), २. वठ १।२२३ प० (वठति), ३. स्थूल १०।३२५ आ० (स्थूलयते), ४. स्फायी १।३२८ आ० (स्फायते), ५. मीव १।३८० प० (मीवति), ५. लुजि-लुञ्ज १०।३५ उ० (लुञ्जयति, ते) ।

मोटा तुन्दिल होना=१. नीव १।३८० प० (नीवति/प्र-प्रणीवति), २. तुदि-तुन्द १ क्वा० प० (तुन्दति) ।

मोल (कीमत) पड़ना=१. अर्घ १।४६२ पाठा० क्षीर० प० (अर्घति) ,

मोहित करना=१. कुह १०।३२३ आ० (कुहयते) ।

मोहित होना=१. अनु+रञ्ज १।७२५, ४।५६ उ० (अनुरजति, ते/अनुरज्यति, ते), २. मूर्च्छा १।१२७ पाठा० प० (मूर्च्छति), ३. ह्वल १।५४६ प०

(ह्वलति), १० प० (ह्वलयति), ४. हप ४।८५ प० (हप्यति) ।

मौज करना=१. लड १।२४८ प० (लडति) ।

मौन धारना=१. शठ १०।२८२ उ० (शठयति, ते) ।

म्लान होना=१. ग्लै १।६४४ प० (ग्लायति), २. सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प० (सीदति), ३. दल १।३६६ प० (दलति), १०।२२२ उ० (दालयति, ते) ।

म्लान होना (कुम्हलाना)=१. क्षौ १।६५२ प० (क्षायति) ।

म्लान होना, मुरझाना=१. उखि-उड्ख १।८८ प० (उड्खति) ।

म्लेच्छ भाषा बोलना=१. म्लेच्छ १।१२१ प० (म्लेच्छति), १०।१३१ उ० (म्लेच्छयति, ते) ।

य

यत्न करना=१. बाह १।४२८ आ० (बाहते), २. यमु ४।१०० प० (यस्यति), ३. यती १।२५ आ० (यतते), ४. प्र+युजिर्-युज ७।७ उ० (प्रयुनक्ति, प्रयुङ्क्ते), ५. वृह ६।५८ प० (वृहति), ६. वेह १।४२८ आ० (वेहते), ७. उत्+सह १।५६१ आ० (उत्सहते), १०।२३३ उ० (उत्साहयति, ते/उत्सहति, ते) ।

यत्न करना, उद्यम करना=१. उत्+यम १।७१० उ० (उद्यच्छति, ते) ।

यथामति बोलना=१. अनु+लप १।२८५ प० (अनुलपति) ।

यथाशास्त्र वर्तना=१. अनु+स्था १।६६२ आ० (अनुतिष्ठते) ।

यशस्वी होना=१. साध ५।१७ प० (साध्नोति) ।

यज्ञ करना=१. दीक्ष १।४०४ आ० (दीक्षते), २. यज १।७२८ उ० (यजति, ते), ३. हु ३।१ प० (जुहोति) ।

यज्ञान्त स्नान करना=१. सुज ५।१

उ० (सुनोति, सुनुते) ।

याचना करना = १. विथू १।२७
आ० (वेथते), २. वनु ८।८ उ० (वनोति,
वनुते), ३. नाघू १।६ आ० (नाघते), ४.
रेट्ट १।६०६ उ० (रेटति, ते), ५. वेथू
१२७ आ० (वेथते), ६. याचू १।६०५
उ० (याचति, ते), ७. भिक्ष १।४०१
आ० (भिक्षते) ।

याचना करना, मांगना = १. अर्दं
१।४५ प० (अर्दति), २. अनु + नीञ् १।
६४२ उ० (अनुनयति, ते) ।

यातना देना = १. यत १०।२०३ उ०
(यातयति, ते) ।

याद करना = १. वहं १०।२२३ उ०
(वर्हयति, ते), २. वेणू १।६१६ उ०
(वेणति, ते), ३. वेनू १।६१७ उ० (वेनति,
ते), ४. स्मृ १।५४७ प० (स्मरति) ।

याद रखना = १. परि + कल १०।
२६० उ० (परिकलयति, ते) ।

युक्त करना = १. सम् + युजिर्-युज
७।७ उ० (संयुनक्ति, संयुङ्क्ते) ।

युक्त होना = १. धि ६।११५ प०
(धियते), २. ली ६।३३ प० (लीनाति),
३. लीड् ४।२६ आ० (लीयते) ।

युक्ति निकालना = १. समभिव्या +
ह्व १।६४० उ० (समभिव्याहरति, ते) ।

युद्ध करना = १. सम्प्र + ह्व १।६४०
आ० (संप्रहरते), २. रिफ ६।२३ प०

(रिफति), ३. युध ४।६२ आ० (युध्यते),
४. सङ्ग्राम १०।३५० आ० (सङ्ग्राम-
यते) ।

युद्ध, लड़ाई करना = १. जज १।
१४६ प० (जजति), २. जजि जञ्ज १।
१४६ प० (जञ्जति) । फारसी में 'जङ्ग'
शब्द युद्ध संस्कृत का घञ् प्रत्ययान्त है ।

युद्ध के लिए बुलाना = १. उप, नि,
वि, सम् आ + ह्वेञ् १।७३३ आ० (उप-
ह्वयते, निह्वयते, विह्वयते, संह्वयते,
आह्वयते), २. ह्वेञ् १।७३३ उ० (ह्वयति,
ते) ।

योगाभ्यास करना = १. सम् + विद
२।५७ आ० (सवित्ते) ।

योग्यकाल के पश्चात् जन्म लेना =
१. हिट ६ क्वा० प० (हिट्णाति) ।

योग्य होना = १. प्र + युजिर्-युज
७।७ उ० (प्रयुनक्ति, प्रयुङ्क्ते), २. राघू
१।७८ आ० (राघते), २. प्रोथू १।६०८
उ० (प्रोथति, ते), ४. अर्हं १।४६२ प०
(अर्हति), १०।१६६ उ० (अर्हयति, ते),
१०।२५७ आ० (अर्हयते) ।

योग्य, समर्थ होना = १. ध्राघ्ट
१।७८ आ० (ध्राघते) ।

योजना बनाना = १. आ + स्था १।
६६२ आ० (आतिष्ठते) ।

योजित करना = १. वृक्ष १।३६६
आ० (वृक्षते) ।

र

रक्षण करना = १. रक्ष १।१४० प० (रक्षति), परि-(परिरक्षति), २. धाव् ३।१० उ० (दधाति, धत्ते), ३. घृट ६।६४ प० (घुटति), ४. क्रमु १।३१६ आ० (क्रमते, क्रम्यते) ।

रक्षा करना = १. कुठि-कुण्ठ १०।५२ उ० (कुण्ठयति, ते), २. गुठि-गुण्ठ १०।५२ उ० (गुण्ठयति, ते), ३. कुडि-कुण्ड १०।५० उ० (कुण्डयति, ते), ४. दहि-दंह क्षीर० १०।११५ पाठा० प० (दंहयति), ५. तेज १।१४० प० (तेजति), ६. मुठि-मुण्ठ १।१६४ आ० (मुण्ठते), ७. दधि-दंघ क्षीर० १।६४ प० (दङ्घति), ८. तुजि-तुञ्ज १।१५१ प० (तुञ्जति), ९. गुप् १।२७६ प० (गोपति), १०. पा २।४६ प० (पाति), ११. पल १०।७६ पाठा० उ० (पालयति, ते) ।

रखना = १. उपसम् + हव् १।६४० उ० (उपसंहरति, ते), २. सूद १।२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति, ते), ३. शील १०।३०३ उ० (शीलयति, ते), ४. लल १०।१५६ आ० (लालयते), ५. दाण्-यच्छ १।६६४ प० (यच्छति), ६. नि + स्था १।६६२ आ० (नितिष्ठते), ७. नि + क्षिप ६।५ उ० (निक्षिपति, ते), ८. दाव् ३।६ उ० (ददाति, दत्ते) ।

रखना, धरना = १. क्षिप ६।५ उ० (क्षिपति, ते) ।

रखना धरना, स्थापित करना = १. नि + अमु ४।६६ प० (न्यस्यति) ।

रगड़ के निकालना = १. कुप ६।५० प० (कुण्णाति) ।

रगड़ना = १. कुट्ट १०।२८ उ० (कुट्टयति, ते) ।

रचना = १. रच १०।२८६ उ० (रचयति, ते), २. दभी ६।३४ प० (दभति) ।

रचना करना = १. सृज ४।६७ प० (सृज्यति), ६।१२४ प० (सृजति), २. घट १।५१४ आ० (घटते), ३. रूप १०।३६० उ० (रूपयति, ते), ४. श्रन्थ ६।४५ प० (श्रथ्नाति), १० उ० (श्रन्थयति, ते/श्रन्थति), ५. श्लोक १।६३ आ० (श्लो-कते) ।

रति करना = १. लल १०।१५६ आ० (लालयते) ।

रह करना = १. स्नुह ४।८८ प० (स्नुह्यति) ।

रमण करना = १. लल १०।१५६ आ० (लालयते), २. लस १।४७३ प० (लसति), वि-(विलसति) ।

रमना = १. रमु १।५६२ आ० (रमते) ।

रस्सी बाँटना = १. सूत्र १०।३२६ उ० (सूत्रयति, ते) ।

रहना = १. विद ४।६० आ० (विद्यते), २. वृत् १।५०८ आ० (वर्तते), ३. लुजि-लुञ्ज १०।३५ उ० (लुञ्जयति, ते), ४. लजि-लञ्ज १०।३५ उ० (लञ्जयति, ते/लञ्जति), ५. मठ १।२२४ प० (मठति), ६. अघ + स्थिष १।७२७ उ०

(अवत्वेपति, ते), ७. भू १११ प० (भवति),
 ८. उप+स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते),
 ९. विद १०।१७७ आ० (वेदयते), १०.
 नि+वस १।७३१ प० (निवसति), ११.
 पूर्व १०।१३५ पाठा० प० (पूर्वयति) ।

रहना, निवास करना, वसना—१.
 क्षि ६।११६ प० (क्षियति), २. गुर्दं
 १०।१३५ उ० (गुर्दयति, ते) ।

रहना, तसना—१. तुजि-तुञ्ज १०।
 ३५ उ० (तुञ्जयति, ते), २. तुज १०।
 ३५ उ० (तोजयति, ते), ३. पुर्व १०।
 १३५ उ० (पूर्वयति, ते) ।

रहना, वस जाना—१. पिज, पिजि-
 पिञ्ज १०।३५ उ० (पेजयति, ते/पिञ्ज-
 यति, ते/पिञ्जति) ।

रहना, स्थिर रहना—१. धृङ् ६।
 १२१ आ० (ध्रियते) ।

रंग देना—१. रञ्ज १।७२५ उ० (रजति,
 ते), २. रञ्ज ४।५६ उ० (रज्यति, ते), ३.
 वर्ण १०।१९, २० उ० (वर्णयति, ते) ।

रंगना—१. रञ्ज १।७२५ उ० (रजति,
 ते), २. रञ्ज ४।५६ उ० (रज्यति, ते), ३.
 वर्ण १०।१९, २० उ० (वर्णयति, ते), ४.
 पिजि-पिञ्ज २।२० आ० (पिङ्क्ते), ५.
 नील १।३४९ प० (नीलति/प्र-प्रणीलति) ।

रंगना, रंग देना—१. कवृ १।२६४
 आ० (कव्रते) ।

रंगना, रंग में डुबोना—१. कीट १०।
 १०९ उ० (कीटयति, ते) ।

रंगाना—१. लिगि-लिङ्ग १०।२०८
 उ० (लिङ्गयति, ते/लिङ्गति), २. नील
 १।३४९ प० (नीलति/प्र-प्रणीलति) ।

राशि करना—१. शम्ब १०।२५ उ०
 (शम्बयति, ते), २. ब्रुड ६।१०२ प०
 (ब्रुडति), ३. मुस्त १०।९९ उ० (मुस्त-
 यति, ते), ४. लोष्ट १।१५८ आ०
 (लोष्टते), ५. पिडि-पिण्ड १।१७३ आ०
 (पिण्डते), १०. १३९ उ० (पिण्डयति, ते/
 पिण्डति), ६. पिट १।२०४ प० (पेटति),
 ७. स्तूप ४।१२५ क्षीर० प० (स्तूप्यति),
 १०।१४३ पाठा० उ० (स्तूपयति, ते), ८.
 स्तुप ४।१२५ क्षीर० पाठा० प० (स्तु-
 प्यति), १०।१४३ उ० (स्तोपयति, ते) ।

राशि, ढेर होना—१. पुल १।५८२
 प० (पोलति), ६ क्वा० (पुलति), १०।
 ६८ उ० (पोलयति, ते) ।

रांधना—१. श्रै १।६५४ प०
 (श्रायति), २. श्रीम् ९।३ उ० (श्रीणाति,
 श्रीणीते), ३. श्रा २।४६ प० (श्राति) ।

रिक्त करना—१. दुह २।४ उ०
 (दोग्धि, दुग्धे) ।

रुकना—१. मन १०।१७८ आ०
 (मानयते) ।

रुचना—१. रुच १।४९८ आ०
 (रोचते) ।

रुचि लेना—१. रग १०।२०६ उ०
 (रागयति, ते), २. रघ १०।२०५ उ०
 (राघयति, ते) ।

रुक्ष होना—१. रुक्ष १०।३३१ उ०
 (रुक्षयति, ते) ।

रुद्धि में लाना—१. समा+विश ६।
 १३३ आ० (समाविशते) ।

रूपान्तर करना—१. मसी ४।१११
 प० (मस्यति) ।

रूपान्तर होना=१. समी ४।११२ प० (सम्यति) ।

रेखा करना=१. कृष १।७१६ प० (कर्षति), ६।६ उ० (कृषति, ते) ।

रेखा खींचना=१. रेखा ११।३३ प० (रेखायति) ।

रेचक दवा देना=१. रिच १०।२४० उ० (रेचयति, ते/रेचति) ।

रेतना=१. व्रचू ६।११ प० (वृश्चति) ।

रेतना, बारीक करना=१. त्वक्षू १।४३८ प० (त्वक्षति) ।

रेंगना=१. रग, रगि-रङ्ग १।८८ प० (रगति/रङ्गति) २. फक्क १।८१ प० (फक्कति), ३. एषू १।४१२ आ० (एषते), ४. अङ्ख १० क्वा० उ० (अङ्खयति, ते) ।

रोकना=१. हेठ १।१६५ प० (हेठति), २. परि+हृञ् १।६४० उ० (परिहरति, ते), ३. सिधु १।३७ प० (सिधति), ४. शुठि-शुण्ठ १।२३३, ३६ प० (शुण्ठति), ५. शूठ १।२३२ प० (शोठति), ६. मव १।३६५ प० (मवति), ७. मव्य १।३४० प० (मव्यति), ८. लुठि-लुण्ठ १।२३५ प० (लुण्ठति), ९. लुट १।५०० आ० (लोटते), १०. रुठ १।२८८ क्वा० आ० (रोठते), ११. रुधिर-रुध ७।१ उ० (रुणद्धि, रुन्धे), प्रति-(प्रतिरुणद्धि, प्रतिरुन्धे), १२. रुट १।५०० आ० (रोटते), १३. राखू १।८६ प० (राखति), १४. सन्नि+यम १।७१० प० (सन्नि-यच्छति), १५. यत् १०।२०३ उ० (यात्-

यति, ते), १६. यम १।७१० प० (यच्छति), १७. बाघू १।५ आ० (बाघते), १८. मुर्वी १।३८४ प० (मूर्वति), १९. स्तुभु १।२७८ प० (स्तोभति), २०. स्थगे १।५३४ क्षीर० प० (स्थगति), क्वा० उ० (स्थगयति, ते), २१. दवृ १।६६६ क्षीर० प० (द्ववरति), २२. स्कभि-स्कम्भ १।२७१ आ० (स्कम्भते/सौत्र-स्कम्भोति, स्कम्भाति), २३. स्तम्भु (सौत्र) प० (स्तम्भोति/स्तम्भाति), २४. स्तक १।५३१ प० (स्तकति), २५. स्तभि-स्तम्भू १।२७१ आ० (स्तम्भते), २६. व्या+हृन् २।२ प० (व्याहन्ति), २७. स्कुम्भु (सौत्र-स्कुम्भोति/स्कुम्भाति), २८. क्षमूष-क्षम १।३०१ आ० (क्षमते), ४।६६ प० (क्षाम्यति), २९. खिद-खिन्द ६।१४५ प० (खिन्दति), ३०. नि+शमु ४।६२ आ० (निशामयते), ३१. एठ १।१६६ आ० (एठते), ३२. स्पश १।६२७ प० (स्पशति) ।

रोकना, अड़ाना, प्रतिबन्ध लगाना=१. कुच १।५६६ प० (कोचति) ।

रोक रखना=१. स्तै १।६५६ प० (स्तायति), २. शुठि-शुण्ठ १।२३३, ३६ प० (शुण्ठति), ३. शूठ १।२३२ प० (शोठति) ।

रोग का प्रतीकार (चिकित्सा) करना=१. कित १।७१६ प० सन् (चिकित्सति) ।

रोग ग्रस्त होना=१. अम १०।१८६ उ० (आमयति, ते) ।

रोग से पीड़ित होना=१. रुजो

६।१२६ प० (रुजति)।

रोगी, बीमार होना=१. =नाथु
१।६ उ० (नाथति, ते), २. असु ११।४
प० (असूयति), ३. असू-असूञ् ११।५
उ० (असूयति, ते), ४. ऊष १।४६० प०
(ऊषति)।

रोगी होना=१. स्वृ १।६६६ प०
(स्वरति), २. शडि-शण्ड १।१७८ आ०
(शण्डते), ३. शट १।१६५ प० (शटति),
४. नाघृ १।६ आ० (नाघते)।

रोते रोते कहना=१. रुदिर-रुद
२।६० प० (रोदिति)।

रोना=१. वि+लप १।२८५ प०
(बिलपति), २. रुदिर-रुद २।६० प०
(रोदिति), ३. अनु+रुध ३।६३ आ०
(अनुरुध्यते), ४. मथि-मन्थ १।३६ प०

(मन्थति), ५. दिव् १०।१७५ आ०
(देवयते); ६. तेवृ १।३३६ आ० (तेवते),
७. क्लदि-क्लन्द १।५८ प० (क्लन्दति);
८. कण १।३०३ प० (कणति), ९. क्रदि-
क्रन्द १।५८ प० (क्रन्दति), १०. कदि-
कन्द १।५८ प० (कन्दति)।

रोना (कोसना)=१. कृश १।५६५
प० (क्रोशति)।

रोना, शोक करना=१. क्लदि-
क्लन्द १।१४ उ० (क्लन्दति, ते), १।५६
प० (क्लन्दति)।

रोपना=१. सिवु ४।२ प०
(सीव्यति)।

रो रोकर शान्त करना=१. उपा+
रुदिर-रुद २।६० प० (उपारोदिति)।

ल

लकीर खींचना=१. क्षुर ६।५५ प०
(क्षुरति)।

लक्ष्य, निशाना साधना=१. सम्+
धाञ् ३।१० उ० (संदधाति, संघते)।

लजाना=१. गन्ध १०।१५२ आ०
(गन्धयते)।

लज्जित होना=१. व्रीड ४।१८ प०
(व्रीडयति), २. द्रा २।४७ प० (द्राति),
३. नजी ६।१२ पाठा० क्षीर० आ०
(नजते) ४. लस्जी ६।१० आ० (लज्जते),
५. त्रपूब्-त्रप १।२६० आ० (त्रपते), ६.
लजी ६।१० आ० (लजते), ७. हृषीङ्

१।१३१ आ० (हृषीयते), ८. ह्री ३।३
प० (जिह्वेति), ९. ह्रीच्छ १।१२५ प०
(ह्रीच्छति)।

लज्जालु (डरपोक) होना=१.
क्लीवृ १।२६५ आ० (क्लीबते), २.
क्लीवृ १।२६५ पाठा० आ० (क्लीवते)।

लटकना=१. लबि-लम्ब १।२६२,
६३ आ० (लम्बते), अव-(अवलम्बते),
२. अनु+स्था १।६६२ आ० (अनु-
तिष्ठते), ३. अङ्ख १० क्वा० उ०
(अङ्खयति, ते), ४. अव+सञ्ज १।७१३
प० (अवसजति)।

लटकाना=१. मल, मल्ल १।३३२
प० (मलते, मल्लते) ।

लटके रहना=१. अघ+सञ्ज १।
७१३ प० (अघसजति) ।

लड़ना=१. सम्प्र+हृञ् १।६४०
आ० (सम्प्रहरते) ।

लड़ाई करना=१. रिह ६।२४ प०
(रिहति) २. रिफ ६।२३ प० (रिफति),
३. युध ४।६२ आ० (युध्यते), ४. सम्प्र+
हृञ् १।६४० आ० (सम्प्रहरते), ५. ह्वेञ्
१।७३३ उ० (ह्वयति, ते), ६. सङ्ग्राम
१०।३५० आ० (सङ्ग्रामयते) ।

लड़ाई मांगना=१. ह्वेञ् १।७३३
उ० (ह्वयति, ते) ।

लपेटना=१. सम+वी २।४१ प०
(सवेति), २. परि+वृत् १।५०८ आ०
(परिवर्तते), ३. कुश ४।१०८ पाठा० प०
(कुश्यति), ४. निवास १०।३१० उ०
(निवासयति, ते), ५. छदि-छन्द १०।४६
उ० (छन्दयति, ते/छन्दति), ६. थुड ६।६६
प० (थुडति), ७. उप+नह ४।५५ उ०
(उपनहति, ते), ८. स्तै १।६५६ प०
(स्तायति), ९. वेष्ट १।१५६ आ०
(वेष्टते), १०. मुर ६।५४ प० (मुरति),
११. स्फुड ६।१०२ प० (स्फुडति), १२.
हगे १।५३६ प० (हगति), १३. हेड १।
५२८ प० (हेडति), १४. ह्लगे १।५३६
प० (ह्लगति), १५. आ, परि, समा+
वृञ् ५।८ उ० (आवृणोति, आवृणुते/
परिवृणोति, परिवृणुते/समावृणुते) ।

लपेटना, घेरना=१. चुड ६।१०२
प० (चुडति) ।

लपेटना, ढांकना=१. त्वच ६।१८
प० (त्वचति) ।

लम्बा करना=१. तायु १।३२६
आ० (तायते), २. वि+तनु १०।२६६
उ० (वितानयति, ते/वितनति), सम्-
(संतानयति, ते/संतनति) ३. आच्छि-
आञ्छ १।२४ प० (आञ्छति) ।

लम्बा करना, तानना=१. द्राघृ
१।७८, ७६ आ० (द्राघते) ।

ललचाना=१. कुक १।७१ आ०
(कोकते) ।

लवलीन होना=१. अनु+रञ्ज
१।७२५ उ० (अनुरजति, ते), ४।५६ उ०
(अनुरज्यति, ते) ।

लंगड़ाकर चलना=१. खुडि-खुण्ड
१ क्वा० आ० (खुण्डते) ।

लंगड़ाना=१. वगि-वङ्ग १।८८
प० (वङ्गति), २. लगि-लङ्ग १।८८ प०
(लङ्गति), ३. रुठि-रुण्ठ १।२३७ प०
(रुण्ठति), ४. लुठि-लुण्ठ १।२३५ प०
(लुण्ठति), ५. शूठ १।२३२ प० (शोठति),
६. शूठि-शूण्ठ १।२३३, २३६ प०
(शूण्ठति), ७. खोर्क १।३७१ प०
(खोरति), ८. खोलू १।३७१ प० (खोलति) ।

लंगड़ाना, लंगड़ा होना=१. खजि-
खञ्ज १।१४२ प० (खञ्जति) ।

लाना=१. आ+नीञ् १।६४२ उ०
(आनयति, ते) ।

लाभ उठाना=१. अर्ज १।१३४ प०
(अर्जति) ।

लायक होना=१. लाघृ १।७८ आ०
(लाघते) ।

- लाल होना = १. शोणू १।३०६ प० (शोणति) ।
- लांघना = १. उव् + लघि-लङ्घ १।७४, ७५ आ० (उल्लंघते), २. अति + वृत् १।५०८ आ० (अतिवर्तते) ।
- लिखना = १. लिख ६।७४ प० (लिखति) ।
- लिखना, रेखा खींचना = १. कुच १।५९६ प० (कोचति) ।
- लीपना = १. लिप-लिम्प ६।१४२ उ० (लिम्पति, ते) २. दिह २।५ उ० (दिग्धि, दिग्धे), ३. अक्ष १।४४५ प० (अक्षति) ।
- लीपना, पोतना = १. गोम १०।३०१ उ० (गोमयति, ते) ।
- लीला करना = १. हिल ६।७१ प० (हिलति) ।
- लुकाना, छिपाना = १. ह्लुङ् २।७४ आ० (ह्लुते) आ, नि-(आह्लुते, निह्लुते), २. गुप १।६९७ आ० (जुगुप्सते), ३. अप + ज्ञा ६।४० उ० (अपजानाति, अपजानीते) ।
- लुङ्कना = १. लुठि-लुण्ठ १।२३७ प० (लुण्ठति) ।
- लुप्त करना = १. वि + लुप्त्-लुम्प ६।१४० उ० (विलुम्पति, ते) ।
- लुभाना = १. प्र, सम् + लुभ ४।१२५ प० (प्रलुभ्यति, संलुभ्यति) ।
- लूटना = १. स्तेन १०।३१८ उ० (स्तेनयति ते), २. लुटि-लुण्ठ १।२१६ प० (लुण्ठति/क्वा० लुण्ठयति), ३. लुण्ठ १०।३२ उ० (लुण्ठयति, ते) ।
- ले जाना = १. ह्व् १।६४० उ० (हरति, ते) २. ह्लुङ् २।७४ आ० (ह्लुते) ३. वि + नीज १।६४२ आ० (विनयते), ४. नीज १।६४२ उ० (नयति, ते), ५. निष १ क्वा० प० (नेषति), ६. ओणू १।३०५ प० (ओणति), ७. नृ ६।२६ प० (नृणाति) ।
- ले जाना, हरण करना = १. अप + नीज् १।६४२ उ० (अपनयति, ते) ।
- लेना = १. आ + कल १०।२६० उ० (आकलयति, ते), २. हु ३।१ प० (जुहोति), ३. हुडि-हुण्ड १।१६८, १७६ आ० (हुण्डते), ४. ह्व् १।६४० उ० (हरति, ते), ५. स्नुसु ४।५ प० (स्नुस्यति), ६. स्पश १०।१५० आ० (स्वाशयते), ७. ला २।५१ प० (लाति), ८. स्पर्श १०।१५० पाठा० आ० (स्पर्शयते), ९. दय १।३२२ आ० (दयते), १०. दिव् ४।१ प० (दीव्यति) ११. दुह २।४ उ० (दोग्धि, दुग्धे) १२. उय + इण् २।३८ प० (उपैति), १३. अस १।६२५ उ० (असति, ते), १४. घिणि-घिण्ण १।२६६ आ० (घिण्णते), १५. घृणि-घृण्ण १।२६६ (घृण्णते), १६. चीवृ १।६१६ उ० (चीवति, ते), १७. वृक १।७२ आ० (वर्कते) ।
- लेना, अंगीकार करना = १. आ + दाव् ३।६ उ० (आददाति, आदत्ते), २. आ + दाण्-यच्छ् १।६६४ प० (आयच्छति) ।
- लेना, ग्रहण करना = १. पिज्, पिजि-पिञ्ज १०।३५ उ० (पेजयति ते/ पिञ्जयति, ते/ पिञ्जति), २. तुज १०।३५ उ०

(तोजयति, ते), ३. ऋष १।६३१ प० (ऋषति) ।

लेना, सेवन करना = १. क्रवृ १। ३२८ पाठा० आ० (क्रवते) ।

लेना, स्वीकार करना = १. चीयृ १। ६१६ पाठा० उ० (चीयति, ते) २. गृह १०।३२१ आ० (गृहयते), ३. गृह १।४३३ आ० (गर्हते), ४. घृणि-घृण १।२६६ आ० (घृणते), ५. ग्रह ६।६४ उ० (गृह्णाति, गृह्णीते), ६. ग्लह १।४३४ उ० (ग्लहति, ते) १० क्वा० प० (ग्लहयति) ७. चीवृ १।६१६ पाठा० प० (चीवति) ।

ले लेना = १. वस १०।२१३ उ० (वासयति, ते) ।

लेपन करना = १. पुस्त १०।६० उ० (पुस्तयति, ते) ।

लोभ करना = १. लुभ ४।१२५ प० (लुभयति), २. काक्षि-काङ्क्ष १।४४६ प० (काङ्क्षति/आ-आकाङ्क्षति) ।

लोह आदि को खा जाना = १. कीट १०।१०६ उ० (कोटयति, ते) ।

लौट आना = १. अप+गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (अपगच्छति), २. प्रत्या+गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (प्रत्यागच्छति) ।

लौटना = १. अप+सृ १।६६६ प० (अपसरति), ३।१६ प० (अपसरति), २. वि, अप, नि, परि+वृतु १।५०८ आ० (विवर्तते, अपवर्तते, निवर्तते, परिवर्तते) ।

लौटना, पीछे आना = १. घुट १। ४६६ आ० (घोटते) ।

लौटाना = १. दाञ् ३।६ उ० (ददाति, दत्ते), २. दाण्-यच्छ १।६६४ प० (यच्छति) ।

व

वकवाद करना = १. विप्र+वद १०।२६८ उ० (विप्रवादयति, ते) ।

वक्र करना = १. वकि-वङ्क १।६६, ७४ आ० (वङ्कते) ।

वक्र घूमना या जाना = १. क्रुञ्च १।११३ प० (क्रुञ्चति) ।

वक्र होना = १. ह्वृ (ह्वृ) १।६६५ प० (ह्वरति), २. वकि-वङ्क १।६६, ७४ आ० (वङ्कते), ३. रुजो ६।१२६ प० (रुजति), ४. भुजो ६।१२७ प० (भुजति),

५. तुण ६।४४ प० (तुणति), ६. द्रुण ६।४६ प० (द्रुणति) ।

वक्र होना या करना = १. क्रुञ्च १। ११३ प० (क्रुञ्चति) ।

वक्र (टेढ़ा) होना = १. कुच १।५६६ प० (कोचति), २. ग्रथि-ग्रन्थ १।२६ आ० (ग्रन्थते) ।

वचन देना = १. मुण ६।४६ प० (मुणति), २. वि+घाञ् ३।१० उ० (विदधाति, विधत्ते), ३. प्र, प्रति, वि+

शब्द १०११८३ प० (प्रशब्दयति, प्रति-
शब्दयति, विशब्दयति) ।

वचन भंग करना=१. विसम्+वद
१।७३५ प० (विसंवदति) ।

वजन करना=१. तुल १ क्वा० प०
(तोलति), १०१६६ उ० (तोलयति, ते) ।

वञ्चक (ठग) होना, बनना=१.
कमर १।३७४ प० (कमरति) ।

वञ्चना करना=१. दम्भु ५।२३
प० (दम्भोति) २. सम्+लप १।२८५ प०
(संलपते) ।

वध करना=१. हिंसि-हिंस ७।१८
प० (हिनस्ति), १०१२५ उ० (हिसयति,
ते/हिसति) ।

वन्दन करना=१. वदि-वन्द १।१०
आ० (वन्दते) ।

वन्दना=१. वदि-वन्द १।१० आ०
(वन्दते) ।

वमन करना=१. वम १।५८८ प०
(वमति), २. छर्द १०।५६ उ० (छर्दयति,
ते) ।

वमन होना=१. छर्द १०।५६ उ०
(छर्दयति, ते) ।

वर देना=१. श्वठ १०।२८२ अदन्त
उ० (श्वठयति, ते) ।

वर्चस्व करना=१. परि+वृतु १।
५०८ आ० (परिवर्तते) ।

वर्चस्वी होना=१. परि+वृतु १।
५०८ आ० (परिवर्तते) ।

वर्जित करना=१. वुगि-वुङ्ग
१।६१ पाठा० प० (वुङ्गति), २. जुगि-
जुङ्ग १।६१ प० (जुङ्गति), ३. वृजी

२।२२ आ० (वृङ्कते), ७।२३ प०
(वृणक्ति), १०।२३६ उ० (वर्जयति,
ते/वर्जति), ४. अप+असु ४।६६ प०
(अपास्यति) ।

वर्णन करना=१. वर्ण १०।३३५
उ० (वर्णयति, ते); २. घृ १।६७२ प०
(घ्वनति), ३. कवृ १।२६४ पाठा० आ०
(कवते) ।

वर्तन करना=१. वृतु १।५०८ आ०
(वर्तते) ।

वर्तना=१. चुड्ड १।२३८ प०
(चुड्डति) ।

वर्ताव करना=१. वृतु १।५०८
आ० (वर्तते) ।

वश में रखना=१. यौट्ट १।१८८ प०
(यौटति), २. यौडू १।१८८ पाठा० प०
(यौडति), ३. युज १०।२३१ उ० (योज-
यति, ते/योजति) ।

वसति करना=१. वस १।७३१ प०
(वसति) ।

वसना=१. विद १०।१७७ आ०
(वेदयते), २. मठ १।२२४ प० (मठति) ।

वस्तु इकट्ठा करना=१. हट १।२०५
प० (हटति) ।

वस्त्र ओढ़ना=१. विल ६।६८ प०
(विलति) ।

वस्त्र ओढ़ाना=१. स्तुब् ६।१३
उ० (स्तृणाति, स्तृणीते) ।

वस्त्र धारण करना=१. स्थुड
६।६६ प० (स्थुडति) ।

वस्त्रादि धारण करना, पहिरना=१.
परि+धाञ् ३।१० उ० (परिदधाति,

परिधत्ते), २. ऋष १।६३१ प० (ऋषति) ।

वस्त्र पहनना = १. विल ६।६८ प० (विलति), २. वस २।१३ आ० (वस्ते) ।

वाक्य आदि का प्रतिपादन करना = १. अड्ड १।२३६ प० (अड्डति) ।

वाद करना = १. नि + रूप १०।३६० उ० (निरूपयति, ते), २. अभ्या + ह्वञ् १।६४० उ० (अभ्याहरति), ३. प्रवि + भञि-भञ्ज १०।२२३ उ० (प्रविभञ्जयति, ते) ।

वाद विवाद करना = १. तर्क १०।२२३ उ० (तर्कयति, ते), २. भट १।५२६ प० (भटति), ३. नि + रूप १०।३६० उ० (निरूपयति, ते), ४. नि + भल १०।१६६ आ० (निभालयते), ५. वि + वद १०।२६८ आ० (विवादयते), ६. सम्प्र + घाञ् ३।१० उ० (संप्रदधाति, संप्रधत्ते/प्रतिसम्-प्रतिसंदधाति, प्रतिसंधत्ते) ।

वाद्य आदि का शब्द करना = १. ध्रण १।३१० प० (ध्रणति) ।

वाद्य यन्त्र बजाना = १. वेणू १।६१६ उ० (वेणति, ते), २. वेनू १।६१७ उ० (वेनति, ते) ।

वाद्य यन्त्र हाथ में लेना = १. वेणू १।६१६ उ० (वेणति, ते), २. वेनू १।६१७ उ० (वेनति, ते) ।

वायु के समान जाना = १. सम् + ईर १०।२३४ उ० (समीरयति, ते) ।

वास करना = १. लुजि-लुञ्ज १०।३५ उ० (लुञ्जयति, ते), २. लजि-लञ्ज १०।३५ उ० (लञ्जयति, ते/लञ्जति), ३. नि + विश ६।१३३ आ० (निविशते),

४. विद १।१७७ आ० (वेदयते), ५. नि + वस १।७३१ प० (निवसति) ।

वास करना, रहना = १. अधि + आस् २।११ आ० (अध्यास्ते) ।

वासित करना = १. वास १०।३०६ उ० (वासयति, ते) ।

विकल चित्त होना = १. रूप ४।१२४ प० (रूप्यति) ।

विकल होना = १. क्रद १।५२४ आ० (क्रदते) ।

विकसित करना = १. स्फुट १०।१६० उ० (स्फोटयति, ते) ।

विकसित होना = १. उत् + श्वस २।६२ प० (उच्छ्वसति) ।

विक्री द्वारा धन प्राप्त होना = १. सेलू १।३६४ प० (सेलति) ।

विख्यात करना = १. अञ्जू-अञ्ज ७।२० प० (अनक्ति / क्व० आ० अङ्क्ते) ।

विघ्न करना = १. राखू १।८६ प० (राखति) ।

विचार करना = १. मन ४।६५ आ० (मन्यते), २. मनु ८।६ आ० (मनुते), ३. विद ७।१३ आ० (विन्ते), ४. स्थम १०।१६२ आ० (स्यामयते), ५. आ + लप १।२८५ प० (आलपति), ६. आ + लोचू १०।२२३ उ० (आलोचयति, ते), ७. जुष १०।२६१ उ० (जोषयति, ते/जोषति), ८. अधि + इक् २।४० प० (अध्येति), ९. वि + चर १०।२१४ उ० (विचारयति, ते), १०. मथे १।५८७ प० (मथति) ।

विचार करके देखना = १. कुस्म १०।
१८० आ० णिच् (कुस्मयते)।

विचारना = १. चर्च १।४७५, ६।१७
प० (चर्चति), २. मृश ६।१३४ प०
(मृशति) वि-(विमृशति), ३. म्ना १।
६६३ प० (मनति)।

विचार, चिन्तन करना = १. चिती
१।३२ प० (चेतति), २. चित १०।१४४
आ० (चेतयते)।

विदारण करना = १. वि+पट १०।
२२३ उ० (विपाटयति, ते), २. रद १।४३
प० (रदति)।

विद्यमान होना = १. विद ४।६०
आ० (विद्यते)।

विद्याबल से स्वाधीन रखना = १.
उप+यम १।७१० उ० (उपयच्छति, ते)।

विद्या से जोतना = १. उप+यम
१।७१० उ० (उपयच्छति, ते)।

विध्वंस (तहस-नहस) करना = १. सो
४।३८ प० (स्यति), २. अप+चिञ् ५।५
उ० (अपचिनोति, अपचिनुते), १०।६६
उ० (अपचयति, ते/ अपचयति, ते),
३. वि+इण् २।३८ प० (व्येति)।

विनति करना = १. स्या १।६६२
आ० (तिष्ठते), २. अभि+शसु १।४८२
प० (अभिशासति)।

विनय करना = १. वि+नीञ् १।
६४२ आ० (विनयते)।

विनोद करना = १. स्फुटि-स्फुण्ट
१०।४ उ० (स्फुण्टयति, ते/स्फुण्टति),
२. स्फुडि-स्फुण्ड १०।४ उ० (स्फुडयति,
ते/स्फुण्डति)।

विपक्ष का खण्डन करना = १. प्रति+
हन् २।२ प० (प्रतिहन्ति)।

विपक्ष की बात करना = १. वि+
वद १०।२६८ आ० (विवादयते)।

विपत्ति ग्रस्त होना = १. वि+पद
४।५८ आ० (विपद्यते), १०।३२० आ०
अदन्त (विपदयते)।

विपद् ग्रस्त होना = १. निर्+विद
२।५७ प० (निर्वेत्ति/निर्वेद)।

विपत्ति में पड़ना = १. विजी ६।६
आ० (विजते), ७।२२ प० (विनक्ति)
उत्-(उद्विजते), २. वि+मृष ४।५३ उ०
(विमृषयति, ते), ३. वि+मृष १०।२७६
उ० (विमर्षयति, ते/विमर्षति)।

विपत्ति में रहना = १. क्षजि-क्षञ्ज
१०।८७ उ० (क्षञ्जयति, ते/क्षञ्जति),
२. श्वभ्र १०।८६ उ० (श्वभ्रयति, ते)।

विप्रलाप करना = १. विप्र+वद
१०।२६८ उ० (विप्रवादयति, ते)।

विभक्त करना = १. वडि-वण्ड १।
१७१ आ० (वण्डते), १०।५५ उ० (वण्ड-
यति, ते), २. फला १।३४६ प०
(फलति), ३. विप्र+युजिर-युज ७।७
उ० (विप्रयुनक्ति, विप्रयुङ्क्ते)।

विभाग (हिस्सा) करना = १. व्युष
४।८, १०।५ प० (व्युषयति), २. ४।१०।५
पाठा० प० (व्युस्यति), ३. वठि-वण्ठ १०।
५४ उ० (वण्ठयति, ते/वण्ठति), ४. वट
१०।३४६ उ० (वटयति, ते), ५. अंश
१०।३४५ पाठा० उ० (अंशयति, ते), ६.
अंस १०।३४५ उ० (अंसयति, ते), ७.
वि+असु ४।६६ प० (व्यस्यति), ८. अक्

१।३६६ प० (अवति) ।

विभाग करना, बांटना=१. अंश १०।३४५ पाठा० उ० (अंशयति, ते), २. अंस १०।३४५ उ० (अंसयति, ते) ।

विभाग होना=१. प्युष ४।१०५ पाठा० प० (प्युष्यति) ।

विमुख होना=१. आ+द्रु १।६७७ प० (आद्रवति) ।

विरक्त होना=१. निर्+विद ४।६० आ० (निर्विद्यते), २. सन्नि+असु ४।६६ प० (सन्न्यस्यति), ३. अप, वि+रञ्ज १।७२५, ४।५६ उ० (अपरजति, ते/ अपरज्यति, ते, विरजति, ते/ विरज्यति, ते) ।

विरल करना=१. अप+कृ ६। ११८ प० (अपकिरति/वि-विकिरति) ।

विरल होना=१. व्यप+नीञ् १। ६४२ आ० (व्यपनयते) ।

विराम करना=१. वि+रमु १। ५६२ प० (विरमति), आ-(आरमति), उ० उप-(उपरमति, ते) ।

विरुद्ध बोलना=१. परि+वद १०। २६८ प० (परिवदति) ।

वीर्य रहित होना=१. क्लीवृ १. २६५ आ० (क्लीवते), २. क्लीवृ १।२६५ पाठा० आ० (क्लीवते) ।

विलास करना=१. वि=लस १। ४७३ प० (विलसति), २. वि+हृञ् १। ६४० उ० (विहरति, ते) ।

विलास, क्रीड़ा करना=१. खेला ११।२६ प० (खेलायति) ।

विलास (केली) करना=१. इला

११।२७ प० (इलायति) ।

विलेपन करना=१. लिप-लिम्प ६। १४२ उ० (लिम्पति, ते) ।

विलोडना=१. लुट १।२०७ प० (लोटति) ।

विवाह करना=१. उप+यम १। ७१० उ० (उपयच्छति, ते), २. परि+नीञ् १।६४२ आ० (परिणयते) ।

विवाह में मांगना=१. प्र+अर्थ १०।३२६ आ० (प्रार्थयते/क्वा० प० प्रार्थयति) ।

विवेक करना=१. विचिर-विच ७।५ उ० (विनक्ति, विङ्क्ते), २. विजिर-विज ३।१२ प० (वेवेक्ति) ।

विवेक की बातें कहना=१. सान्त्व १०।३७ उ० (सान्त्वयति, ते) ।

विवेचन करना=१. लक्ष १०।१६४ आ० (लक्षयते) ।

विशेषता देना=१. अञ्चू-अञ्च १०।६०७ उ० (अञ्चयति, ते) ।

विशेषता बताना=१. शिष्ट ७।१४ प० (विशिनष्टि) ।

विशेष प्रकाश करना=१. वि, प्र+भा २.४४ प० (विभाति, प्रतिभाति) ।

विश्वास करना=१. उत्+ग्रह ६। ६४ प० (उदगृह्णाति) २. वि+श्रम्भु १।२७७ आ० (विश्रम्भते), ३. व्यपा+

श्रिञ् १।६३८ उ० (व्यपाश्रयति, ते), ४. आ+लवि-लम्ब १।२६२, ६३ आ० (आलम्बते), ५. वि+इवस २।६२ प० (विश्वसिति), ६. परि+वृञ् ५।८ उ० (परिवृणोति, परिवृणुते), ७. वि+स्रम्भु

१।५०७ आ० (विश्रम्भते), ८. सेवृ
१।३३७ आ० (सेवते) ।

विश्वास न करना=१. वि+कित
१।७१६ प० सन् (विकित्सति) ।

विश्वास रखना=१. प्रति+इण्
२।३८ प० (प्रत्येति) ।

विश्लेषण करना=१. वि+श्लिष
४।७५ प० (विश्लिष्यति), १०।४३ उ०
(श्लेषयति, ते) ।

विस्तार करना=१. वि+स्तृञ्
५।६ उ० (विस्तृणोति, विस्तृणुते), २.
प्रस १।५१७ आ० (प्रसते), ३. पयस्
१।३६ प० (पयस्यति), ४. सत्र १०।
३२७ आ० (सत्रयते) ।

विस्तार पूर्वक कहना=१. निर्+
विश ६।३ उ० (निर्विशति, ते), २. पचि-
पञ्च १।१०५ आ० (पञ्चते) ।

विस्तार होना=१. वि+स्तृञ्
५।६ उ० (विस्तृणोति, विस्तृणुते) ।

विस्तृत करना=१. वर्ण १०।३३५
उ० (वर्णयति, ते), २. वि-अञ्चु-अञ्च
१।६०२ उ० (व्यञ्चति, ते) ।

विस्तृत होना=१. स्फूर्च्छा १।१२८
प० (स्फूर्च्छति) २. स्फूर्च्छा १।१२८
पाठा० प० (स्फूर्च्छति), ३. अह ५।२७
प० (अह्नोति) ।

विस्फोट होना=१. स्फुटिर-स्फुट
१।२२१ प० (स्फोटयति) ।

विस्मित होना=१. स्तभि-स्तम्भ
१।२७१ आ० (स्तम्भते) ।

विस्मृत होना=१. वि+स्मृ १।
५४७ प० (विस्मरति) ।

विहार करना=१. क्रीड् १।२४१
प० (क्रीडति) ।

विह्वल होना=१. ट्वल १।५७६
प० (ट्वलति) २. टल १।५७६ प०
(टलति), ३. कूड् ६।११० आ० (कुवते),
६ क्वा० उ० (कुनाति, कुनीते) ।

विह्वल (दुःखित) होना=१. क्लद
१।५२४ आ० (क्लदते) ।

वृद्ध होना=१. जृप् ४।२१ प०
(जीर्यति), २. जृ १०।२३८ उ० (जार-
यति, ते/जरति) ।

वृद्ध, पुराना होना=१. घुरी ४।४५
आ० (घूर्यते) ।

वृद्धि होना=१. वृह १।४८८ प०
(बर्हति), २. वृहि-वृंह १।४८८, ८६
(वृंहति), ३. वृहिर-वृह १।४८० उ०
(बर्हति, ते) ।

वृद्धि, बढ़ती होना=१. नदि-नन्द
१।५५ प० (नन्दति) ।

वृद्धि होना, करना=१. पुंस १०।
१०४ उ० (पुंसयति, ते) ।

वृद्धि प्राप्त होना=१. सम्+पद
४।५८ आ० (सम्पद्यते), १०।३२० अदन्त
आ० (सम्पदयते) ।

वृद्धिगत होना=१. द्रेकृ १।६४
आ० (द्रेकते), २. दृह, दृहि-दृंह १।
४८८ प० (दर्हति, दृंहति), ३. तट १।
२०१ प० (तटति) ।

वेग से जाना=१. रहि-रंह १।४८८
प० (रंहति) ।

वेष बदलना=१. आ+कृञ् ८।१०
आ० (आकृन्ते) ।

वेषान्तर करना=१. अप+दिश ६।३ उ० (अपदिशति, ते), २. आ+कृञ् ८।१० आ० (आकुरुते) ।

वेष्टित करना=१. स्त १।६५६ प० (स्तायति), २. (वस्त्रादि से) स्फुड ६।१०२ प० (स्फुडति) ।

व्यग्र होना=१. स्तम १।५७२ प० (स्तमति) ।

व्रत करना=१. श्रमु ४।९४ प० (श्राम्यति) ।

व्यभिचार करना=१. व्यभि+चर १।३७६ प० (व्यभिचरति) ।

व्यय (खर्च) करना=१. व्यय १०३५९ (व्याययति, ते), २. विनि+युजि-युज ७।७ (विनियुनक्ति, विनियुङ्क्ते), ३. वि+इण् २।३८ प० (व्येति) ।

व्यवस्था करना=१. पिश ६।१४६ प० (पिशति) ।

व्यवहार करना=१. व्या+यम १।७१० आ० (व्यायच्छते) ।

व्याकुल, भ्रान्त करना=१. गुप ४।१२३ प० (गुप्यति) ।

व्याकुल होना=१. आ+कुल १।५८३ प० (आकोलति), २. वि+कल

१०।२९० उ० (विकलयति, ते) ।

व्याकुल, भ्रान्त होना=१. गुप ४।१२३ प० (गुप्यति) ।

व्याख्यान करना=१. भल, भल्ल १।३३३ आ० (भलते, भल्लते) ।

व्याख्यान, बयान करना=१. कथ १०।२७९ उ० (कथयति, ते/ वृद्धी पुगि कथापयति, ते) ।

व्याजस्तुति करना=१. चीभृ १।२६८ प० (चीभति) ।

व्यापना=१. आप्लु-आप ५।१५ प० (आप्नोति/ वि-व्याप्नोति), २. इवि-इन्व क्षीर० १।३८६, ८८ प० (इन्वति), ३. वी २।४१ प० (वेति), ४. विष्णु ३।१२ उ० (वेवेष्टि, वेविष्टे) ।

व्याप्त होना=१. श्लाखू १।८७ प० (श्लाखति), २. वेवीङ् २।७० आ० (वेवीते), ३. अक्षू-अक्ष १।४३७ प० (अक्षति/अक्षोति) ।

व्यापार करना=१. दिवु ४।१ प० (दीव्यति), २. पण १।२९८ आ० (पणते) ।

व्यूह रचना करना=१. वि+ऊह १।४३१ आ० (व्यूहते) ।

श

शक्तिमान् होना=१. प्रोथृ १।६०८ उ० (प्रोथति, ते), २. पत् ४।४८ पाठा०

क्षीर० आ० (पत्यते), ३. पत्लू-पत् १।५८४ प० (पतति), ४. सह १।५९१ आ०

(सहते), १०।२३३ उ० (साहयति, ते/सहति, ते), ५. सुह ४।२० प० (सुहति), ६. शक्लू ५।१६ प० (शक्नोति), ७. वठ १।२२३ प० (वठति), ८. द्राख १।२६ प० (द्राखति), ९. द्राघृ १।७८, ७९ आ० (द्राघते), १०. अघ १।३६६ प० (अघति), ११. अल १।३४५ प० (अलति), १२. अोज १ व० प० (अोजति), १० उ० (अोजयति, ते) ।

शक्तिमान् (पराक्रमी) होना=१. ऊर्ज १०।१७ उ० (ऊर्जयति, ते) ।

शक्तिमान् (समर्थ) होना=१. कृपू १।५१२ आ० (कल्पते) ।

शक्ति हीन होना=१. सद्लू १।५६३, ६।१३६ प० (सीदति), २. श्रथ १०।२६३ अदन्त उ० (श्रथयति, ते) ।

शक्य होना=१. राघृ १।७८ आ० (राघते) ।

शत्रु की ओर चढ़ जाना=१. वि+गम्लु-गच्छ १।७०६ प० (विगच्छति) ।

शत्रुता करना=१. द्विष २।३ उ० (द्विष्टि, द्विष्टे) ।

शत्रु पर आक्रमण करना=१. घृ २।३३ प० (घीति) ।

शपथ करना=१. शप १।७२६ उ० (शपति, ते), ४।५७ उ० (शप्यति, ते) ।

शब्द करना=१. स्त्यै १।६५० (स्तयायति), २. ह्य १।३४२ प० (ह्यति), ३. लेपृ १।२४८ आ० (लेपते), ४. लबि-लम्ब १।२६२, ६३ आ० (लम्बते), ५. स्तन १।३१२ प० (स्तनति),

६. स्वन १।५७१ प० (स्वनति), ७. स्वर १०।२८८ उ० (स्वरयति, ते), ८. रेपृ १।२५८ आ० (रेपते), ९. रेभृ १।२६ आ० (रेभते), १०. रै १।६४९ प० (रायति), ११. रु २।२८ प० (रौति), १२. स्थमु १।५७१ प० (स्थमति), १३. हट १।२०५ प० (हटति), १४. स्क् १।६६६ प० (स्वरति), १५. रासृ १।४१६ आ० (रासते), १६. मुज, मुजि-मुञ्ज १।१५२ प० (मोजति, मुञ्जति), १७. मिश १।४७९ प० (मेशति), १८. घण १।३०४ प० (घणति), १९. ह्लस १।४७२ प० (ह्लसति), २०. ह्वे १।७३३ उ० (ह्वयति, ते), २१. वण १।३१० प० (वणति), २२. पिट १।२०४ प० (पेटति), २३. चन १।५४३ प० (चनति), २४. मार्च १०।११६ उ० (मार्जयति, ते), २५. मर्च १०।११७ उ० (मर्चयति, ते), २६. भ्रण १।३०३ प० (भ्रणति), २७. मश १।४७९ प० (मशति), २८. मीमृ १।३१५, १६ प० (मीमति), २९. गृड् १।६८३ आ० (गृवते), ३०. द्रेकृ १।६४ आ० (द्रेकते), ३१. रभि-रम्भ १।२७० आ० (रम्भते), ३२. रस १।४७२ प० (रसति), ३३. रवि-रम्ब १।२६२ आ० (रम्बते), ३४. ह्स १।४७२ प० (ह्सति), ३५. वण १।३०३ प० (वणति), ३६. रण १।३०३, १।५३६ प० (रणति), ३७. विट १।२१० प० (वेटति), ३८. वाशृ ४।५२ आ० (वाश्यते), ३९. व्रण १।३०३ प० (व्रणति), ४०. शब्द १०।१८३ प० (शब्दयति),

४१. वन १।३१२, १३० प० (वनति/क्वा० वनयति), ४२. अण १।३०३ प० (अणति), ४३. गृ ६।२६ प० (गृणाति), ४४. नम १।७०८ प० (नमति), ४५. ब्रुङ् १।६८३ आ० (ब्रुवते), ४६. नद १०।२२३ उ० (तादयति, ते), ४७. तुस् १।४७२ प० (तोसति), ४८. नर्द १।४४ प० (नर्दति/प्र-प्रणर्दति), ४९. धिष ३।२० प० (दिधेष्टि), ५०. गज १।१५२, ५३ प० (गजति), ५१. गज १०।११६ उ० (गाजयति, ते), ५२. गजि-गञ्ज १।१५२ प० (गञ्जति), ५३. गुङ् १।६८०, ८२ आ० (गवते), ५४. गुज ६।७८ प० (गुजति), ५५. वि+कृञ् ना१० आ० (विकृष्टे), ५६. क्वण १।३०३ प० (क्वणति), ५७. उङ् १।६८२ आ० (अवते), ५८. कल १।३३४ आ० (कलते), ५९. कच १।१०१ आ० (कचते), ६०. कुङ् १।६८२ आ० (कवते), ६।१११ (कुवते), ६ क्वा० उ० (कुनाति, कुनीते), ६१. कुर ६।५२ प० (कुरति), ६२. कु २।३५ प० (कौति), ६३. कण १।३०३ प० (कणति), ६४. कल्ल १।३३५ आ० (कल्लते), ६५. तनु १०।२६६ उ० (तानयति, ते/तनति), ६६. अत्रि-अम्ब १।२६२ आ० (अम्बते), ६७. अभि-अम्भ १।२७० आ० (अम्भते) ।

शब्द करना (घुने हुए चनों के समान थोथा शब्द करना) = १. चण १।५४० प० (चणति) ।

शब्द करना (श्वानवत्) = १. भष १।४६३ प० (भषति) ।

शब्द करना, आवाज करना = १. कै १।६५३ प० (कायति), २. ध्वन १।५५६, ७१ प० (ध्वनति), १०।३१४ उ० (ध्वनयति, ते/ध्वानयति, ते), ३. कनूञ् ६।८ उ० (कनुनाति, कनुनीते), ४. खूङ् १।६८३ आ० (ख्रवते), ५. ध्रोकृ १।६४ आ० (ध्रोकते), ६. नद १।४४ प० (नदति), ७. ध्वण १।३०३ प० (ध्वणति), ८. घुर ६।५६ प० (घुरति), ९. डुङ् १।६८२ आ० (डवते) ।

शब्द करना, गर्जना = १. गर्ज १।१३५ प० (गर्जति), १०।१३३ उ० (गर्जयति, ते), २. गर्द १।५६ प० (गर्दति), १०।१३३ उ० (गर्दयति, ते) ।

शब्द करना, बोलना = १. घटि-घण्ट १०।२२३ उ० (घण्टयति, ते), २. अम १।३१४ प० (अमति) ।

शब्दों से भर देना = १. व्यनु+नद १।४४ प० (व्यनुनदति) ।

शामन करना = १. शमु ४।६१ प० (शाम्यति) ।

शयन करना = १. शीङ् २।२५ आ० (शेते) ।

शरमाना = १. द्रा २।४७ प० (द्राति), २. व्रीड ४।१८ (व्रीडयति), ३. हूणीङ् १।१३१ आ० (हूणीयते), ४. ह्री ३।३ प० (जिह्वेति), ५. ह्रीच्छ १।१२५ प० (ह्रीच्छति), ६. लस्जी ६।१० आ० (लज्जते) ।

शरीर की सुध रखना = १. विद १०।१७७ आ० (वेदयते) ।

शरीर बुष्ट होना = १. स्थूल १०।

३२५ आ० (स्थूलयते) ।

शरीर से सीधा होना=१. वसु ४११०४ प० (वस्यति) ।

शास्त्र धारण करना=१. सम्+नह ४१५५ उ० (सन्नहति, ते) ।

शाखा फैलना=१. शाख् ११८७ प० (शाखति) ।

शादी करना=१. उप+यम् ११ ७१० उ० (उपयच्छति, ते) ।

शान धरना=१. शो ४१३६ प० (श्यति) ।

शान्त करना=१. दमु ४१६३ प० (दाम्यति), २. हिवि-हिव् ११३६२ प० (हिवति); ३. चप ११२८३ प० (चपति), ४. साम १०१३०४ प० (सामयति), ५. शमु ४१६१ णिच् प० (शमयति), उप- (उपशमयति) ।

शान्त होना=१. हिवि-हिव् ११ ३६२ प० (हिवति), २. शीक १०१ २५३ उ० (शीकयति, ते/ शीकति), ३. शमु ४१६१ प० (शाम्यति), प्र- (प्रशमयति) ।

शान्ति से विचार (मनन) करना= १. निश ११४७८ प० (नेशति), प्र- (प्ररोशति) ।

शान्ति से सहन करना=१. अधि+ कृञ् ८१० आ० (अधिकुरुते) ।

शाप देना=१. बिट ११२१० प० (बिटति), २. विट ११२१० प० (बिटति) ।

शासक होना=१. शासु २१६८ प० (शास्ति); २. उद्+अशूद्-अश ५११८

आ० (उदश्रुते), उप- (उपाश्रुते) ।

शासन करना=१. अधि+भू १११ प० (अधिभवति), प्र- (प्रभवति), २. शासु २१६८ प० (शास्ति), ३. अश+ हृञ् ११६४० उ० (अशहरति, ते) ४. दण्ड १०१३५४ उ० (दण्डयति, ते), ५. कश १ क्वा० उ० (कशति, ते), २११६ पाठा० आ० (कष्टे), ६. कस ३११५ आ० (कस्ते), ७. कसि-कंस २११४ आ० (कंस्ते), ८. कित ११७१६ प० सन् (चिकित्सति) ।

शिकार करना=१. मृग ३ गणान्त क्षीर० प० (मृगयति), १०१३२२ आ० (मृगयते) ।

शिक्षा करना=१. प्र+नीञ् ११ ६४२ आ० (प्रणयते) ।

शिथिल करना=१. श्रथि-श्रन्थ ११२८ आ० (श्रन्थते) ।

शिथिल होना=१. श्रथि-श्रन्थ २१२८ आ० (श्रन्थते), २. श्लथ ११५४२ प० (श्लथति) ।

शिल्प कार्य करना=१. रच १०१ २८६ उ० (रचयति, ते) ।

शीघ्र कार्य करना=१. दक्ष ११ ४०३ आ० (दक्षते) ।

शीघ्र निकल जाना=१. निर्+या २१४२ आ० (निर्याति) ।

शीघ्र समझना=१. मेधा १११११ प० (मेधायति) ।

शुद्ध करना=१. प्र+सद्लृ ११ ५६३, ६१३६ प० (प्रसीदति), २. शुन्ध १०१२५६ उ० (शुन्धयति, ते/ शुन्धति),

३. शुन्ध १।६० प० (शुन्धति), ४. सूद १।२० आ० (सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति, ते), ५. दैप् १।६५८ प० (दायति), ६. मार्ग १०।२७३ उ० (मार्गयति, ते/मार्गति) ।

शुद्ध (स्वच्छ) करना = १. समा + पल्-पव् १।५८४ प० (समापतति), २. निजिर्-निज ३।११ उ० (नेनेक्ति/नेनिकते), ३. पल्पूल १०।३०६ उ० (पल्पूलयति, ते), ४. पल्यूल १०।३०६ पाठा० उ० (पल्यूलयति, ते) ।

शुद्ध होना = १. रध ४।८२ प० (रधयति), २. शुचिर-शुच ४।५४ उ० (शुचयति, ते), ३. शुन्ध १०।२५६ उ० (शुन्धयति, ते/शुन्धति), ४. शुघ ४।८० प० (शुघयति), ५. शुन्ध १।६० प० (शुन्धति), ६. स्ना २।५४ प० (स्नाति) ।

शुद्धाशुद्ध का विचार करना = १. अम्या + हृच् १।६४० उ० (अम्याहरति, ते) ।

शुभ कर्म करना = १. भदि-भन्द १।११ आ० (भन्दते), २. भडि-भण्ड १०।५८ उ० (भण्डयति, ते / आ० भण्डते) ।

शुभ बोलना = १. इवठ १०।२८२ अदन्त उ० (इवठयति, ते) ।

शुभ होना = १. श्विता १।४६४ आ० (श्वेतते), २. श्विदि-श्विन्द १।६ आ० (श्विन्दते) ।

शुभ करना = १. आ + रभ १।७०१ आ० (आरभते), २. वधि-वङ्घ १।७६

आ० (वङ्घते) ।

शुल्क (कर) लगाना = १. शुल्क १०।८४ उ० (शुल्कयति, ते) ।

शुश्रूषा करना = १. मिवि-मिन्व १।३६१ प० (मिन्वति), २. अत्र + स्था १।६६२ आ० (अत्रतिष्ठते), ३. सेवृ १।३३७ आ० (सेवते), ४. म्लेवृ १।३३७ आ० (म्लेवते), ५. वावृत् ४।४६ आ० (वावृत्यते) ।

शुष्क होना = १. वै १।६५५ प० (वायति), २. सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प० (सोदति), ३. शुष ४।७२ प० (शुष्यति), ४. राखृ १।८६ प० (राखति), ५. स्त्रिवृ ४।३ प० (स्त्रीव्यति), ६. लाखृ १।८६ प० (लाखति), ७. लधि-लङ्घ १।६४ प० (लङ्घति) ८. रूक्ष १।३३१ उ० (रूक्षयति, ते) ।

शुष्क होना, सूखना = १. ध्राखृ १।८६ प० (ध्राखति), २. उखि-उङ्ख १।८८ प० (उङ्खति), ३. ओखृ १।८६ प० (ओखति, प्र-प्रोखति) ।

शूरवीर होना = १. वीर १०।३२४ उ० (वीरयति, ते), २. शूर १०।३२४ आ० (शूरयते/क्वा० शूर्यते) ।

शूल पर चढ़ाना = १. शूल १।३५३ प० (शूलति) ।

शूली देना = १. शूल १।३५३ प० (शूलति) ।

शृंगार करना = १. रूप १।४५५ प० (रूपति), २. लूप १।४५५ प० (लूपति) ।

शृंगार, शोभित करना = १. ध्रा

१।८६ प० (धाखति) ।

शेखी बघारना=१. शाङ् १।१८६
आ० (शाङते), २. शोट्ट १।१८७ प०
(शोटति), ३. स्तोम १०।३५१ उ०
(स्तोमयति, ते) ।

शेखी मारना=१. शल्भ १।२७३
आ० (शल्भते), २. शीभृ २।२६७ आ०
(शीभते) ।

शेष रखना=१. शिष १०।२४१ उ०
(शेषयति, ते/शिषति) ।

शोक करना=१. वि+लप १।२८५
प० (विलपति), २. अनु+रुध ४।६३
आ० (अनुरुध्यते), ३. मथि-मन्थ १।३६
प० (मन्थति), ४. शुच १।१११ प०
(शोचति), ५. तेवृ १।३३६ आ० (तेवते),
६. दिवृ १०।१७५ आ० (देवयते), ७.
उत्+कठि-कण्ठ १०।२७४ उ० (उत्क-
ण्ठयति, ते/उत्कण्ठति), ८. कठि-कण्ठ
१०।२७४ उ० (कण्ठयति, ते/कण्ठति) ।

शोक करना, रोकना=१. कठि-कण्ठ
१।१६३ आ० (कण्ठते) ।

शोध करना, ढूँढना=१. खट १।
२०२ प० (खटति), २. नि+ध्यै १।६४८
प० (निध्यायति) ।

शोभा पाना=१. शुभ १।५०१
आ० (शोभते), २. लेला १।१७ प०
(लेलायति) ।

शोभायमान होना=१. शुभ ६।३३
प० (शुभति) ।

शोभित करना=१. द्राखृ १।८६
प० (द्राखति), २. परिस्+कृञ् ८।१०
प० (परिखारोति), ३. गन्ध १०।१५२

आ० (गन्धयते), ४. अचि-अञ्च १।६०४
उ० (अञ्चति, ते) ।

शोभित होना=१. लेला १।१७ प०
(लेलायति), २. राजृ १।५६६ आ०
(राजले, वि-विराजते), ३. स्नै १।६५७
प० (स्नायति), ४. अव १।३६६ प०
(अवति) ।

शोभित, अलंकृत, शृंगारयुक्त
होना=१. धूस १०।१०८ उ० (धूस-
यति, ते), २. धूष १०।१०७ उ० (धूष-
यति, ते), ३. धूस १०।१०६ उ० (धूस-
यति, ते) ।

शोषण करना=१. शुठि-शुण्ठ १०।
११४ उ० (शुण्ठयति, ते) ।

शौच करना=१. हृद १।७०४ आ०
(हृदते) ।

शंका करना=१. भ्रूण १०।१५६ आ०
(भ्रूणयते), २. उत्+दशिर-दश १।७१४
प० (उत्पद्यति), ३. रेकृ १।६५ आ०
(रेकते), ४. तर्क १०।२२३ उ० (तर्क-
यति, ते), ५. शकि-शङ्क १।६७ आ०
(शङ्कते), ६. रगे १।५३४ प० (रगति),
७. सम्; वि+शीङ् २।२५ आ० (संशेते,
विशेते) ।

श्लोक बनाना=१. श्लोकृ १।६३
आ० (श्लोकते) ।

श्वासोच्छ्वास करना=१. अण
४।६४ आ० (अणयते), २. श्वस २।६२
प० (श्वसति) ।

श्वास लेना=१. श्वस २।६२ प०
(श्वसति) ।

श्रम करना=१. लुथि-लुन्थ १।३६

प० (लुन्थति), २. अर्धव-सिञ् ५।२ उ०
(अर्धवसिनोति, अर्धवसिनुते), ६।५ उ०
(अर्धवसिनाति, अर्धवसिनीते) ।

श्रमित होना, थक जाना=१. क्लमु
४।६७ प० (क्लाम्यति) ।

श्रवण करना=१. श्रु १।६७५ प०
(श्रृणोति, वेदे श्रवति) ।

श्रान्त करना=१. लुथि-लुन्थ १।३६
प० (लुन्थति), २. स्वद १।५१६ आ०
(स्वदते) ।

श्रान्त होना=१. म्लै १।६४४ प०
(म्लायति), २. मदी १।५५५ प० (मदति),
३. श्रमु ४।६४ प० (श्राम्यति), ४. वि +
सद्लृ १।५६३, ६।१३६ प० (विपीदति),
५. शट १।१६५ प० (शटति) ।

श्रान्त, शका होना=१. धिक्ष १।
३६८ आ० (धिक्षते) ।

श्रान्त होना, थक जाना=१. धुक्ष
१।३६८ आ० (धुक्षते) ।

श्राप देना=१. शप १।७२३ उ०
(शपति, ते), ४।५७ उ० (शप्यति,
ते) ।

श्रीमान् होना=१. नायृ १।६ उ०
(नाथति, ते), २. नाघृ १।६ आ०
(नाघते), ३. ऋधु ४।१३१ प०
(ऋध्यति), ५।२४ प० (ऋध्नोति), ४.
पत् ४।४८ पाठा० क्षीर० आ०
(पत्यते) ।

श्रीमान्, धनवान्, सम्पन्न होना=१.
जल १।५७५ प० (जलति) ।

श्रेष्ठ होना=१. बल्ह १।४२५ आ०
(बल्हते), २. वर्ह १।४२५ आ०
(वर्हते) ।

श्रेष्ठ पदवी पर चढ़ना=१. प्रणि +
घाञ् ३।१० उ० (प्रणिदधाति, प्रणि-
धत्ते) ।

श्रेष्ठ, वर्चस्वी होना=१. अति +
पत्लृ-पत् १।५८४ प० (अतिपतति) ।

ष

षट्कर्णी करना=१. प्र + वद १०।२६८ प० (प्रवदति) ।

स

सकना=१. शक्लृ ५।१६ प०
(शक्नोति) ।

सजातीयता से रहना=१. कुल १।
५८३ प० (कोलति) ।

सजाना, संवारना=१. प्रति +
अञ्जू ७।२० प० (प्रत्यनक्ति) ।

(स्वनति), २. तसि-तंस १०।१६८ उ०
(तंसयति, ते), ३. अर्ध + तसि-तंस १०।
१६८ उ० (अर्धतंसयति, ते) ।

सटे रहना=१. सञ्ज १।७१३ प० (सजति), २. अनु+स्था १।६६२ आ० (अनुतिष्ठते), ३. श्लिष ४।७५ प० (श्लिष्यति), १०।४३ उ० (श्नेपयति, ते)।

सताना=१. किट १।१६७ प० (केटति), २. खष १।४६२ प० (खषति), ३. कृवि १।३६४ प० (कृणोति), ४. खद १।४० प० (खदति), ५. तूरी ४।४३ आ० (तूर्यते), ६. दुर्वी १।३८२ प० (दूर्वति), ७. स्वृ १।६६६ प० (स्वरति), ८. हिसि-हिस् ७।१८ प० (हिनस्ति), १०।२५६ उ० (हिसयति, ते/हिसति)।

सताना, दुःख देना=१. कृवि ५ क्वा प० (कृविणोति)।

सत्ता चलाना=१. अधि+भू १।१ प० (अधिभवति)।

सत्कार करना=१. सनु ८।२ उ० (सनोति, सनुते), २. सम्+अमु १।५८६ प० (सम्भ्रमति, सम्भ्रम्यति), ३. यक्ष १०।१६१ उ० (यक्षयति, ते), ४. आ+मन्त्रि-मन्त्र १०।१४६ आ० (आमन्त्रयते, आमन्त्रति), ५. मान १०।२७० उ० (मानयति, ते/मानति), ६. पुस्त १०।६० उ० (पुस्तयति, ते)।

सत्कार पूर्वक अभिनन्दन करना=१. अभि+वद १०।२६८ प० (अभिवदति)।

सत्कार से कुशल पुछना=१. वदि-वन्द १।१० आ० (वन्दते)।

सत्त्व करके दिखाना=१. अव, बिर्+धुम् १।६४१ उ० (अवधरति, ते/

१० क्वा० अवधारयति, ते/निर्धारयति, ते/निर्धारयति, ते)।

सदाचार पूर्वक रहना=१. परा+कृञ् ८।१० प० (पराकरोति)।

सदैव जाते रहना=१. अत १।३१ प० (अतति)।

सन्तप्त होना=१. व्यथ १।५१५ आ० (व्यथते)।

सन्तापित करना=१. वि+कृञ् ८।१० प० (विहरोति)।

सन्तुष्ट करना=१. पृ ५।१२ प० (पृणोति), २. प्र+सद्लु १।५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति), ३. स्पृ ५।१३ प० (स्पृणोति), ४. ह्लादी १।२२ आ० (ह्लादते), ५. जुषी ६।८ आ० (जुषते), ६. जिवि-जिन्व् १।३६२ प० (जिन्वति), ७. अव १।३६६ प० (अवति)।

सन्तुष्ट, प्रसन्न करना=१. धिवि-धिव् १।३६२ प० (धिनोति), २. इवि-इन्व १।३८६, ८८ क्षीर० प० (इन्वति)।

सन्तुष्ट होना=१. सुह ४।२० प० (सुह्यति), २. सह १।५६१ आ० (सहते), १०।२३३ उ० (साहयति, ते/सहति, ते), ३. तुष ४।७३ प० (तुष्यति), ४. स्तुच १।१०६ आ० (स्तोचते), ५. ह्लादी १।२२ आ० (ह्लादते), ६. हृष ४।११६ प० (हृष्यति)।

सन्तुष्ट, प्रसन्न होना=१. धिवि-धिव् १।३६२ प० (धिनोति)।

सन्तोष पाना=१. पृण ६।४१ प० (पृणति), २. पृड ६।४० प० (पृडति)।

सन्तोष, आनन्द होना=१. पूरी ४।४२ आ० (पूर्यते), १०।२२६ उ० (पूरयति, ते)।

सन्दर्भ लगाना=१. दूभी १०।२४६ उ० (दर्भयति, ते/दर्भति), २. ग्रन्थ ६।४५ प० (ग्रन्थनाति), १०।२६४ प० (ग्रन्थयति)।

सन्देह करना=१. सम, वि+शीङ् २।२५ आ० (संशेते, विशेते)।

सपना देखना=१. वेद ११।१० प० (वेद्यति)।

संप्रति देखना=१. सभाज १०।३१२ प० (सभाजयति)।

सफल करना=१. फल १।३५७ प० (फलति)।

सफा करना=१. अप, प्र+मृजूप-मृज २।५६ प० (अपमार्ष्टि/प्रमार्ष्टि)।

सफेद होना=१. श्विता १।४६४ आ० (श्वेतते), २. श्विदि-श्विन्द १।६ आ० (श्विन्दते), ३. किल ६।६३ प० (किलति)।

सब ओर से जोड़ना=१. अड्ड १।२३६ प० (अड्डति)।

सब ओर से बांधना=१. अभि+नह ४।५५ उ० (अभिनहति, ते)।

सब से बढ़ के होना=१. जि १।३७८, ६७८, प० (जयति)।

सभी को एक साथ स्पष्ट बोलना=१. सम्प्र+वद १।७३५ प० (सम्प्रवदति)।

समक्ष बैठना=१. अभिनि+विश ६।१३३ आ० (अभिनिविशते)।

समझना=१. मन ४।६५ आ०

(मन्यते), २. मनु ८।६ आ० (मनुते);

३. मेधृ १।६१० उ० (मेधति, ते), ४.

मेदृ १।६०६ उ० (मेदति, ते), ५. मेधु

१।६११ उ० (मेधति, ते), ६. मी

१०।२५० उ० (माययति, ते/मयति);

७. मिथृ १।६१० उ० (मिथति, ते), ८.

मिदृ १।६०६ उ० (मेदति, ते), ९. मिधृ

१।६११ उ० (मेधति, ते), १०. गृ १०।

१७६ आ० (गारयते), ११. अनु+धावृ

१।३६७ उ० (अनुधावति, ते), १२. बुध

१।५६७ प० (बोधति), ४।६१ आ०

(बुध्यते), १३. बुधिर-बुध १।६१४ आ०

(बोधते/अव-अवबोधते), १४. अनु+भू

१।१ प० (अनुभवति), १५. विद २।५७

प० (वेत्ति, वेद), १६. विद १०।१७७

आ० (वेदयते), १७. वेणू १।६१६ उ०

(वेणति, ते), १८. वेनु १।६१७ उ०

(वेनति, ते), १९. अभि+पद ४।५८

आ० (अभिपद्यते), १०।३२० आ० अदन्त

(अभिपदयते)।

समझना, जानना=१. गृ १०।१७६

आ० (गारयते), २. गृ १।६७१ पाठा०

आ० (गारयते)।

समझना, बूझना=१. बुन्दिर-बुन्द

१।६१५ उ० (बुन्दति, ते)।

समझाना=१. वद १।७३५ प०

(वदति), सन्देशवचने १०।२६८ उ०

(वादयति, ते/वदति), २. वच २।५६ प०

(वक्ति), १०।२६६ उ० (वाचयति, ते/

वचति), ३. चप १।२८३ प० (चपति);

४. दिश ६।३ उ० (दिशति, ते), ५. निर्+दिश ६।३ उ० (निदिशति, ते),

६. व्या + कृञ् ८।१० आ० (व्या-
कुरुते), १।

समझाना, जताना = १. गृ १०।
१७६ आ० (गारयते) ।

समझाकर करना = १. उप + वद
१०।२६८ आ० (उपवादयते), २. विद
१०।१७७ आ० (वेदयते), ३. नि + रूप
१०।३६० उ० (निरूपयति, ते), ४.
नि + विद १०।१७७ आ० (निवेदयते),
वि- (निवेदयते), निर्- (निवेदयते) ।

समय की गिनती करना = १. वेल
१०।३०५ उ० (वेलयति, ते) ।

समय नियत करना = १. सङ्केत
१०।३१६ उ० (सङ्केतयति, ते) ।

समय पर समझाना = १. वेल १०।
३०५ उ० (वेलयति, ते) ।

समय बिताना = १. अति + इण
२।३८ प० (अत्वेति) ।

समर्थ होना = १. लाख् १।८६ प०
(लाखति), २. लाघृ १।७८ आ०
(लाघते), ३. शक्लृ ५।१६ प० (शक्नोति),
४. सुहृ ४।२० प० (सुह्यति), ५. राघृ
१।७८ आ० (राघते), ६. अन २।६३
प० (अनिति/ पाठा० आ० अन्यते), ७.
क्षमूष-क्षम १।३०१ आ० (क्षमते), ४।६६
प० (क्षाम्यति) ।

समर्पण करना = १. प्र + मुञ्चि-
मुञ्च १।१०३ आ० (प्रमुञ्चते) ।

समाधान करना = १. मद १०।१७४
आ० (मादयते), २. साम १०।३०४ प०
(सामयति), ३. सान्त्व १०।३७ उ०
(सान्त्वयति, ते), ४. शान्त्व १०।३७

पाठा० प० (शान्त्वयति), ५. उत् + श्वस्
२।६२ प० (उच्छ्वसिति), ६. आ + श्वस्
२।६२ प० (आश्वसिति), ७. समा +
धाञ् ३।१० उ० (समादधाति, समाधत्ते),
८. अनु + अशृङ्-अश् ५।१८ आ० (अन्व-
श्रुते) ।

समाना = १. समा + विश ६।१३३
आ० (समाविशते) ।

समाना, पूर्ण होना = १. परि +
अशृङ्-अश् ५।१८ आ० (पर्यंश्रुते), प्र-
(प्राश्रुते) ।

समाप्त करना = १. तीर १०।३३२
उ० (तीरयति, ते), २. उपसम् + हृञ्
१।६४० उ० (उपसंहरति, ते), ३. समा
+ पद ४।५८ आ० (समापद्यते), १०।३२०
अदन्त आ० (समापदयते), ४. रध ४।८२
प० (रधयति), ५. नि, निर् + वृञ् ५।८
उ० (निवृणोति, निवृणुते/निवृणोति,
निवृणुते), ६. श्व + सदल् १।५८३,
६।१३६ प० (श्वसीदति) ।

समाप्त (पूरा) करना = १. परि-
सम् + आप्लृ १०।२६५ उ० (परिसमाप-
यति, ते) ।

समाप्त न करना = १. शठ १०।३३
उ० (शाठयति, ते), २. श्वठ, श्वठि-श्वण्ठ
१०।३३ उ० (श्वठाठयति, ते/श्वण्ठयति,
ते) ।

समाप्त होना = १. सिधु ४।८१ प०
(सिध्यति) ।

समावेश होना = १. सम् + भू १।१
प० (संभवति) ।

सम्पत्ति युक्त करना = १. खव ६।६२

प० (खौनाति), २. खच १ क्वा० प० (खचति), ६।६१ प० (खच्नाति)।

सम्पर्क करना = १. कुच १।५६६ प० (कोचति)।

सम्पादन (कमाई) करना = १. भिक्ष १।४०१ आ० (भिक्षते), २. अर्ज १०।१६४ णिच् प० (अर्जयति)।

सम्पादन (प्राप्त) करना = १. ऋज १।१०७ आ० (अर्जते), २. ऋ १।६७० प० (ऋच्छति), ३. अर्ज १।१३४ प० (अर्जति)।

सम्पादित करना (क्व०) = १. लग १०।१८७ क्षीर० उ० (लागयति, ते), २. प्रवि + ली १०।२३५ उ० (प्रविलाययति, ते / प्रविलयति / प्रविलीनयति, ते), ३. विद् + लृ ६।१४१ आ० (विन्दते)।

सम्बन्ध करना = १. सत्र १०।३२७ आ० (सत्रयते)।

सम्बन्ध लगाना = १. दूभी १०।२४६ उ० (दर्भयति, ते/दर्भति)।

सम्बन्धी होना = १. सच १।७२३ उ० (सचति, ते), २. सञ्ज १।७१३ प० (सजति)।

सम्भालना = १. वृ ६।१६ उ० (वृणाति, वृणीते)।

सम्भावना करना = १. उप + स्था १।६६२ आ० (उपतिष्ठते)।

सम्भावण करना = १. रेट् १।६०६ उ० (रेटति, ते), २. रहि-रंह १०।२२४ उ० (रहयति, ते), ३. रुड् १।६८३ आ० (रवते), ४. सम् + भाष १।४०७ आ० (सम्भाषते), ५. रट १।१६३ प०

(रटति), ६. रठ १।२२६ प० (रठति)।

सम्मान करना = १. सम् + भ्रमु १।५८६ प० (सम्भ्रमति / सम्भ्रम्यति), २. मह १।४८५ प० (महति), १०।२६२ उ० (महयति, ते), ३. आ + मत्रि-मन्त्र १०।१४६ आ० (आमन्त्रयते/आमन्त्रति), ४. वल्गु १।१३ प० (वल्गुयति), ५. पूज १०।१११ उ० (पूजयति, ते)।

सम्मान देना = १. नम १।७०८ प० (नमति), २. उप + चर् १।३७६ प० (उपचरति)।

सम्मानित करना = १. अञ्चु-अञ्च १०।६०७ उ० (अञ्चयति, ते)।

समीप आना = १. शव १।४८० प० (शवति), २. विछ ६।१३२ प० (विच्छति), ३. लेपृ १।२५८ आ० (लेपते), ४. सन्नि + धाञ् ३।१० उ० (सन्निदधाति), सन्नि-घत्ते), ५. प्र + क्रमु १।३१६ प० (प्रक्रामति, प्रक्राम्यति), ६. द्रुण ६।४६ प० (द्रुणति)।

समीप, नजदीक आना = १. उप + गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (उपगच्छति), उपा-(उपागच्छति)।

समीप जाना = १. विछ ६।१३२ प० (विच्छति), २. शव १।४८० प० (शवति), ३. श्वि १।७३६ प० (श्वयति), ४. आ + श्रिञ् १।६३८ उ० (आश्रयति, ते), ५. कटे १।१६० प० (कटति), ६. कण १।५३६ प० (कणति) ७. उप + गूरी ४।४४ आ० (उपगूर्यते)। ८. द्यु २।३३ प० (द्यौति), ९. द्रुण ६।४६ प० (द्रुणति), १०. उप + चर १।

३७६ प० (उपचरति), ११. नेषृ १।४१२
आ० (नेषते), १२. अग्नि-अङ्ग १।८८
प० (अङ्गति) ।

समीप जाना, आना=१. एषृ १।
४१२ आ० (एषते), २. कनी १।३११ प०
(कनति), ३. क्रुञ्ज १।११३ प०
(क्रुञ्चति), ४. धिक्-धिक्व १।३६२ प०
(धिनोति), ५. नक्ष १।४४२ प० (नक्षति),
(प्र-प्रणक्षति), ६. धूरी ४।४४ आ०
(धूर्यते), ७. अभि+धावु १।३६७ उ०
(अभिधावति, ते), ८. नेदृ १।६१२ उ०
(नेदति, ते/ प्र-प्रणोदति, ते) ।

समीप जाना, पहुंचना=१. निद १।
६१२ उ० (नेदति, ते/प्र-प्रणोदति, ते) ।

समीप पहुंचना=१. नक्ष १।४४२
प० (नक्षति / प्र-प्रणक्षति) ।

समीप बुलाना=१. उप+गुर १०।
१६३ आ० (उगोरयते) ।

समीप लाना=१. उप+हृन् १।
६४० उ० (उपहरति, ते) ।

समीप ले जाना=१. उप+नीञ्
१।६४२ आ० (उपनयते) ।

समीप रखना=१. सन्नि+धाञ्
३।१० उ० (सन्निदधाति, सन्निधत्ते), २.
उप+ढौकृ १।७४ आ० (उपढौकते) ।

समीप रहना=१. आ+श्रिञ् १।
६३८ उ० (आश्रयति, ते), २. उप+पद
४।५८ आ० (उपपद्यते), १०।३२० आ०
अदन्त (उपपदयते) ।

समीप होना=१. सम्+स्था १।
६६२ आ० (संतिष्ठते) ।

सम्मुख (सामने) आना=१. अभ्युप

+ङ्ग २।३८ प० (अभ्युपेति) ।

समूल नष्ट करना=१. नि, परि+
हृन् २।२ प० (निहन्ति, परिहन्ति), २.
उत्+पठ १०।२२३ उ० (उत्पाठयति,
ते) ।

समूह के साथ उड़ना=१. सम्+
डोङ् १।६६५ आ० (संडयते), ४।२५
आ० (संडीयते) ।

समृद्ध होना=१. दक्ष १।४०३ आ०
(दक्षते) ।

समेटना=१. उपसम्+हृन् १।
६४० उ० (उपसंहरति, ते), २. सम्+
हृन् १।६४० उ० (संहरति, ते) ।

सरकना=१. श्वच, श्वचि-श्वञ्च
१।१०० आ० (श्वचते, श्वञ्चते), २.
श्वज १ क्वा० आ० (श्वजते), ३. श्वकि-
श्वङ्क १।७४ आ० (श्वङ्कते), ४.
श्वठ, श्वठि-श्वण्ठ १०।३३ उ० (श्वाठ-
यति, ते/श्वण्ठयति, ते), ५. वेलृ, वेल्ल १।
३६३ प० (वेलति, वेल्लति), ६. वेवीङ्
२।७० आ० (वेवीते), ७. व्ली १।३४
प० (व्लिनाति, व्लीनाति), ८. सु
१।६६६ प० (सरति), ३।१६ प०
(ससर्ति), ९. सल १।३६८ प० (सलति),
१०. शेलृ १।३६४ प० (शेलति), ११.
स्रकि-स्रङ्क १।६६ आ० (स्रङ्कते), १२.
स्रिवृ ४।३ प० (स्रीव्यति), १।६७३
प० (स्रवति), १३. स्पदि-स्पन्द १।३३
आ० (स्पन्दते), १४. हृडृ १।२४४ प०
(हृडति), १५. सृप्लृ १।७०६ (सर्पति),
१६. ह्रुड, ह्रुड क्वा० प० (ह्रुडति,
ह्रुडति) ।

सरल करना=१. दान १।७२० उ०
सन् (दीदांसति, ते) ।

सरापना=१. परि+हृज् १।६४०
उ० (परिहरति, ते) ।

सराहना=१. अञ्जू-अञ्जू ७।२०
प० (अनक्ति), क्व० आ० (अङ्क्ते) ।

सर्वत्र जाना=१. अभि+इण् २।३८
प० (अभ्येति) ।

सर्वोत्कर्ष से रहना=१. जि १।३७८,
६७८ प० (जयति) ।

सलना=१. शल १।३३० आ०
(शलते) ।

सलाह करना=१. अनु+रुध ४।
६३ आ० (अनुहृष्यते) ।

सलाह (विचार-विमर्श) करना=१.
गुण १०।३१६ उ० (गुणायति, ते) ।

सलाह देना=१. परा+मृश ६।
१३४ प० (परामृशति), २. केत १०।३१६
पाठा० उ० (केतयति, ते), ३. उप+
गम्लृ-मच्छ् १।७०६ प० (उपगच्छति),
४. कूट १०।३१५ उ० (कूटयति, ते),
५. सङ्कते १०।३१६ उ० (सङ्कतयति,
ते) ।

सशब्द भोजन करना=१. वि, अव+
स्वन १।५७१ प० (विष्वगति, अवष्व-
णति) ।

सशब्द मारना=१. पिट १।२०४
प० (पेटति) ।

सस्नेह देखना=१. सभाज १०।३१२
प० (सभाजयति) ।

सहगमन करना=१. अभि+सृ
१।६६६ प० (अभिसरति), ३।१६ प०

(अभिससति) ।

सहन करना=१. शक ४।७६ उ०
(शक्यति, ते), २. सुह ४।२० प०
(सुह्यति), ३. सह ४।२० प० (सह्यति),
४. सह १।५६१ आ० (सहते), १०।२३३
उ० (साह्यति, ते/सहति, ते), ५. शृषु
१०।२०२ उ० (शर्षयति, ते), ६. पृषु १।
४६८, ६६ प० (पर्षति), ७. क्षप १०।
३६६ उदा० उ० (क्षपयति, ते), ८. च्युस्
१०।२१६ उ० (च्योसयति, ते), ९. मृष
४।५३ उ० (मृष्यति, ते), १०. मृष १०।
२७६ उ० (मर्षयति, ते/मर्षति), ११.
(एके) तक १।८२ प० (तकति) ।

सहना=१. शृषु १०।२०२ उ०
(शर्षयति, ते), २. सुह ४।२० प०
(सुह्यति), ३. शीक १०।२५३ उ०
(शीकयति, ते/शीकति), ४. शक ४।७६
उ० (शक्यति, ते), ५. तिज १।६६८
सनि आ० (तितिक्षते), ६. सह १।
५६१ आ० (सहते), १०।२३३ उ०
(साह्यति, ते/सहति, ते) ।

सहना, सहन करना=१. च्यु १०।
२१५ उ० (च्यावयति, ते), २. क्षपि-
क्षम्प १०।८६ उ० (क्षम्पयति, ते/क्षम्पते),
३. चीक १०।३५४ उ० (चीकयति, ते/
चीकति), ४. क्षमूष्-क्षम १।३०१ आ०
(क्षमते), ४।६४ प० (क्षाम्यति) ।

सहवास करना=१. सम्+वस्
१।७३१ प० (संवसति) ।

सहाय करना=१. तनु २०।२६६
उ० (तानयति, ते/तनति) ।

सहायता करना=१. वन १।३१२,

१३ प० (वनति/क्वा० वनयति), २. उप+इण् २।३८ प० (उपैति), ३. उप+धाञ् ३।१० उ० (उपदधाति, उप-धत्ते) ।

साथ जाना=१. अभि+सृ १।६६६ प० (अभिसरति), ३।१६ प० (अभिससति), २. सम्+पल्-पत् १।५८४ प० (सम्प-तति), ३. सम्+चर १।३७६ प० (संचरति), ४. सम्+गम्लृ-गच्छ १।७०६ प० (संगच्छति) ।

साथ बोलना=१. अनु+वद १। ७३५ आ० (अनुवादयते) ।

साथ रहना=१. सम्+वस १।७३१ प० (संवसति) ।

सादृश्य भूम में तत्सम वस्तु को ग्रहण कर लेना=१. अधि+आस २।११ आ० (अध्यास्ते) ।

साधना करना=१. साध ५।१७ प० (साधनोति) ।

सान्त्वना करना=१. शान्त्व १०। ३७ पाठा० प० (शान्त्वयति), २. शम् ४।६१ प० (शाम्यति) ३. उत्+श्वस् २।६२ प० (उच्छ्वसति), ४. शान्त्व १०।३७ उ० (सान्त्वयति, ते), ५. साम १०।३०४ प० (सामयति) ।

साफ (स्वच्छ) करना=१. अञ्जु-अञ्ज् ७।२० प० (अनक्ति/क्व० आ० अङ्क्ते) ।

साफ कहना=१. निर्+वद १०। २६८ प० (निर्वदति) ।

साफ साफ कहना=१. विनिर्+ दिश ६।३ उ० (विनिदिशति, ते) ।

साफ साफ कहना, बोलना=१- चञ्चिङ्-चक्ष २।७ आ० (चष्टे) ।

सामने आना १. अभि+इण् २।३८ प० (अभ्येति), २. समुप+इण् २।३८ प० (समुपैति) ।

सामने जाना=१. प्रत्युत्+या २। ४२ प० (प्रत्युदयाति) ।

सामने धरना=१. परि+विश ६।१३३ आ० (परिविशते), २. विस ४।१०७ प० (विश्यति) ।

सामने बैठना=१. अभिनि+विश ६।१३३ आ० (अभिनिविशते) ।

सामने रखना=१. विस ४।१०७ प० (विश्यति) ।

सार निकालना=१. परि+हृञ् १।६४० उ० (परिहरति, ते), २. शुच्य १।३४३ प० (शुच्यति) ।

सारांश (तात्पर्य) निकाल कर कहना =१. सम्+कल १०।२६० उ० (संकलयति, ते) ।

सारासार विचारना=१. वेणू १। ६१६ उ० (वेणति, ते), २. वेनू १।६१७ उ० (वेनति, ते) ।

साबधान रहना=१. अव+रुधिर-रुध ७।१ उ० (अवरुणाद्वि, अवरुधे); २. सम, अव+धाञ् ३।१० उ० (सं-धाति, संधत्ते, अवदधाति, अवधत्ते) ।

साष्टांग नमन करना=१. व्यपा+श्रिञ् १।६३८ उ० (व्यपाश्रयति, ते) ।

साष्टांग नमस्कार करना=१. प्रनि+पल्-पत् १।५८४ प० (प्रशिपतति) ।

साहस करना=१. गल्भ १।२७५

आ० (गल्भते) ।

सांस भरना=१. निर्+श्वस
२।६२ प० (निःश्वसिति) ।

सिकुड़ना=१. चूर्ण १०।११० उ०
(चूर्णयति, ते) ।

सिकोड़ना=१. उपसम्+हृञ् १।
६४० उ० (उपसंहरति, ते), २. सम्+हृञ्
१।६४० उ० (संहरति, ते) ।

सिखाना=१. समा+धाञ् ३।१०
उ० (समादधाति, समाधत्ते) ।

सिखाना, समझाना=१. ज्ञप १०।
६० उ० (ज्ञापयति, ते) ।

सिद्ध करना=१. राघ ५।१७ प०
(राघ्नोति), २. सम्+राघ् ५।१७ प०
(संराघ्नोति), ३. साघ ५।१७ प०
(साघ्नोति), ४. तल १०।६५ उ० (ताल-
यति, ते), ५. वज १०/६६ क्षीर० उ०
(वाजयति, ते), ६. व्रज १०/८३ उ०
(व्राजयति, ते), ७. अघ्यव+सिञ् ५।२
उ० (अघ्यवसिनोति, अघ्यवसिनुते), ६।५
उ० (अघ्यवसिनाति, अघ्यवसिनीते) ।

सिद्ध करना (अग्नादि)=१. भज
१०।२०१ उ० (भाजयति, ते) ।

सिद्ध या स्थापित करना=१. अघ
+कृप ६।५० प० (अघकृष्णाति) ।

सिद्ध होना=१. राघ ४।६६ प०
(राघयति), २. सिधु ४।८१ प० (सिध्यति)
३. सस्ज १।११८ प० (सज्जति) ।

सिलाई करना=१. सिवु ४।२ प०
(सीव्यति) ।

सिचाई करना=१. शीकृ १।६१
आ० (शीकते) ।

सीखना=१. पठ १।२२२ प०

(पठति), २. शिक्ष १।४०० आ०
(शिक्षते) ।

सीखना, अग्यास करना=१. अधि
+इङ् २।३६ आ० (अधीते) ।

सीधा करना=१. दान १।७२० उ०
सन् (दीदांसति, ते) ।

सीधा बर्ताव करना=१. उञ्ज ६।
२० प० (उञ्जति) ।

सीधी रीति से चलना=१. उञ्ज
६।२० प० (उञ्जति) ।

सीधी रीति से बर्ताव करना=१.
उञ्ज ६।२० पाठा० (उञ्जति) ।

सीना=१. ऊयी १।३१४ आ०
(ऊयते), २. सिवु ४।२ प० (सीव्यति)
३. व्येञ् १।७३३ उ० (व्ययति, ते) ।

सींचना=१. स्तिपृ १।२५२ आ०
(स्तेपते), २. मृषु १।४६८ प० (मर्षति),
३. स्यन्दू १।५११ आ० (स्यन्दते), ४.
स्तेपृ १।२५२ आ० (स्तेपते), ५. मिवि-
मिन्व १।३६१ प० (मिन्वति), ६. मिषु
१।४६५ प० (मेषति), ७. मिह १।७१८
प० (मेहति), ८. निवि-मिन्व १।३६१
प० (निन्वति/प्र-प्रणिन्वति), ९. तेपृ १।
२५२, ५४ आ० (तेपते), १०. च्युतिर-
च्युत १।३३ प० (च्योतति), ११. थेपृ
१।२५३ आ० (थेपते), १२. थिपृ १।
२५३ आ० (थेपते), १३. गड १।५२७
प० (गडति) १० क्वा० (गडयति), १४.

श्चुतिर-श्चुत् १।३४ पाठा० प० (श्चो-
तति), १५. अभि+सुञ् ५।१ उ०
(अभिसुनोति, अभिसुनुते), १६. प्रुप ६।
५८ प० (प्रुष्णाति), १७. विषु १।४६५
प० (वेषति), १८. सच १।६७ आ०

(सचते), १९. वृषु १।४६८, ६९ प०
(वर्षति), २०. पिबि-पिन्व १।३६१ प०
(पिन्वति) ।

सींचना, गोला करना=१. गृ १।
६७१ प० (गरति) ।

सींचना, प्रोक्षण करना=१. घसि-
घंस् १ क्वा० आ० (घंसते) ।

सुखदायक होना=१. स्वाद १।२३
आ० (स्वादते) १०।२२६ उ० (स्वाद-
यति, ते) ।

सुख देना=१. मृड ६।३६ प०
(मृडति), ६।४८ प० (मृड्णाति) ।

सुख से तैर जाना=१. निस्+त्
१।६९६ प० (निस्तरति) ।

सुख से रहना (सुखी होना)=१. सम्
प्र+जीव १।३७६ प० (संजीवति, प्रजी-
वति) ।

सुखाना=१. शुठि-शुण्ठ १।२३३,
२३६ प० (शुण्ठति), २. शुठि-शुण्ठ १०।
११४ उ० (शुण्ठयति, ते) ।

सुखानुभव करना=१. सुख १०।
३५७ उ० (सुखयति, ते) ।

सुखी करना=१. सुख १०।३५७
उ० (सुखयति, ते), २. प्र+सद् १।
५९३, ६।१३६ प० (प्रसीदति) ।

सुखी होना=१. भदि-भन्द १।११
आ० (भन्दते), २. वात १०।३०७ उ०
(वातयति, ते), ३. आ+नदि-नन्द १।५५
प० (आनन्दति) ४. कज क्षीर० १।१४४
प० (कजति), ५. मृड ६।३६ प०
(मृडति), ६. ल्लादी १।२२ आ० (ल्लादते)
७. प्र+सद् १।५९३, ६।१३६ प०
(प्रसीदति) ।

सुगन्धित करना=१. वास १०।
३०६ उ० (वासयति, ते) ।

सुनना=१. आ+कर्ण १०।३५२
पाठा० उ० (आकर्णयति, ते) समा-(समा-
कर्णयति, ते), २. नि+श्रु ४।६१ प०
(निश्रुयति), ३. श्रु १।६७५ प०
(श्रुणोति/वेदे-श्रवति)

सुनना, सुनाना=१. अत्र १।३६६
प० (अवति) ।

सुने नहीं, ऐसा कहना=१. जप १।
२८१, ८२ प० (जपति) ।

सुन्दर देखना=१. भा २।४४ प०
(भाति) ।

सुन्दर होना=१. सुभ, सुम्भ ६।३३
पाठा० प० (सुभति, सुम्भति), २. शुभ
६।३३ प० (शुभति), ३. शुम्भ ६।३३
प० (शुम्भति) ।

सुन्दर करना=१. दमु ४।६३ प०
(दाम्यति) ।

सुशोभित करना=१. स्वन १।५५८
प० (स्वनति), २. लूष १।४५५ प०
(लूषति) ।

सूक्ष्मता से देखना=१. शमु ४।६१
शिक्वा आ० (शामयते) ।

सूक्ष्म होना=१. अट्ट १०।३१ प०
(अट्टयति) ।

सूक्ष्म, ह्लास कम होना=१. क्षि १।
१४५ प० (क्षयति) ।

सूख जाना, शुष्क होना=१. द्राख्
१।८६ प० (द्राखति) ।

सूखना=१. स्कन्दिर-स्कन्द १।७०६
आ० (स्कन्दते), २. स्रिवु ४।३ प० (स्री-
व्यति), ३. लघि-लड्घ् १।६४ प० (लड्-

वति), ४. रूक्ष १०३३१ उ० (रूक्ष-
यति, ते), ५. राख् ११८६ प० (राखति),
६. शुष ४१७२ प० (शुष्यति), ७. शुठि-
शुण्ठ ११२३३, ३६ प० (शुण्ठति); ८.
शुठि-शुण्ठ १०११४ उ० (शुण्ठयति, ते),
९. सद् लृ १५९३, ६१३६ प० (सीदति),
१०. वै ११६५५ प० (वायति), ११. पै
११६५५ प० (पायति) ।

सूचना करना=१. सूच १०१२६६
उ० (सूचयति, ते) ।

सूक्ष्मना=१. स्फुर ६१६६ प० (स्फु-
रति) ।

सूत से लपेटना=१. सूत्र १०१३२६
उ० (सूत्रयति, ते) ।

सूधना=१. नल २५७६ प०
(नलति/प्र-प्रणलति), २. शिधि-शिङ्घ
१ ६५ प० (शिङ्घति), ३. घ्रा-जिघ्र १।
६६० प० (जिघ्रति) ।

सेना द्वारा घेरना=१. उप+रुधिर
रुध् ७।१ उ० (उपरुणद्धि, उपरुन्धे) ।

सेवकवत् आज्ञा पालना=१. चिट
१।२०८ प० (चेटति) १० क्वा० (चेट-
यति) ।

सेवक होना=१. चिट १।२०८ प०
(चेटति), १० क्वा० (चेटयति) ।

सेवन करना=१. निवि-निन्व १।
३६१ प० (निन्वति/प्र-प्रणिन्वति), २.
सेवृ १।३३७ आ० (सेवते) ।

सेवा करना=१. स्तुब् २।३६ उ०
(स्तौति, स्तुते/वेदे-स्तवीति, स्तवीते), २.
अव+स्था १।६६२ आ० (अवतिष्ठते),
३. मेपृ १/२५८ आ० (मेपते), ४. मेवृ
१।३३७ आ० (मेवते), ५. सेवृ १।३३७

आ० (सेवते), ६. ह्य १।३४२ प०
(ह्यति), ७. म्लेवृ १।३३७ आ० (म्लेवते)
८. जिषु १।४६५ प० (जेषति), ९.
मिबि-मिन्व १।३६१ प० (मिन्वति), १०.
दुवस् ११।३४ प० (दुवस्यति), ११. उप
+चर १।३७६ प० (उपचरति, परि-
परिचरति), १२. जुषी ६।८ आ० (जुषते),
१३. ग्लेवृ १।३३७ आ० (ग्लेवते), १४.
गेवृ १।३३७ आ० (गेवते), १५. केवृ १।
३३८ आ० (केवते), १६. क्लेवृ १।३३८
पाठा० आ० (क्लेवते), १७. अर्च १।१२०
प० (अर्चति), १०।२३२ उ० (अर्चयति,
ते), १८. अम १।३१४ प० (अमति),
१९. श्रिन् १।६३८ उ० (श्रयति, ते),
२०. शेवृ १।३३८ आ० (शेवते), २१.
सभाज १०।३१२ प० (सभाजयति), २२.
सनु ८।२ उ० (सनोति, सनुते), २३.
सपर १।१६ प० (सपर्यति), २४. वात
१०।३०७ उ० (वातयति, ते), २५. वावृत्तु
४।४६ आ० (वावृत्यते), २६. वृत्तु ४।४६
आ० (वृत्यते), २७. वृड् ६।४२ आ०
(वृणीते), २८. सच १।६७ आ० (सचते),
२९. सन १।३१३ प० (सनति), ३०.
सनु ८।२ उ० (सनोति, सनुते), ३१. वन
१।३१२, १३ प० (वनति, क्वा० वन-
यति), ३२. भिष्णज् १।११६ प०
(भिष्णज्यति), ३३. पिबि-पिन्व १।३६१
प० (पिन्वति), ३४. पेवृ १।३३७ आ०
(पेवते), ३५. इवस् १।१ क्व० प० (इव-
स्यति) ।

सेवा (नौकरी) करना=१. खेवृ १।
३३८ आ० (खेवते), २. प्र+कृन् ८।१०
आ० (प्रकुरुते) ।

सेवा से सन्नुष्ट करना = १. सच १।
१७ आ० (सचते) ।

सैन्य आदि से बन्द करना = १.
सन्नि + रुधिर- रुध ७।१ उ० (सन्नि-
रुग्नादि, सन्निरुधे) ।

सो जाना = १. दिवु ४।१ प०
(दीव्यति) ।

सोना, नींद लेना = १. लेट, लोट
११।६ प० (लेट्यति, लोट्यति), २. मदि-
मन्द १।१२ आ० (मन्दते), ३. स्वप् २।
६१ प० (स्वपिति), ४. सस, ससि-संस्
२।७१ प० (सस्ति, संस्ति), ५. वेद ११।
१० प० (वेद्यति), ६. द्रै १।६४६ प०
(द्रायति/नि-निद्रायति), ७. शीङ् २।२५
आ० (शेते), ८. इल ६।६७ प०
(इलति) ।

सोना आदि घिसना = १. कष १।
४६२ प० (कषति/१० क्व० कषयति) ।

सोने आदि को घिसकर परखना =
१. कुष ६।५० प० (कुष्णाति) ।

सोने (स्वर्ण) की परीक्षा करना =
१. वि + कष १।४६२ प० (विकषति/
१० क्वा० विकषयति) ।

सोंपना = १. दासृ १।६३५ उ०
(दासति, ते), २. दाञ् ३।६ उ० (ददाति,
दत्ते/परि-परिददाति, परिदत्ते), ३. आ +
अशृङ्-अश् ५।१८ आ० (आश्नुते), ४.
दाण्-यच्छ १।६६४ प० (यच्छति/परि-
परियच्छति) ।

सौगन्ध खाना = १. शप १।७२३
उ० (शपति, ते), ४।५७ उ० (शप्यति,
ते) ।

सौम्य होना = १. प्रुष ६।५८ प०

(प्रुष्णाति) ।

संकट ग्रस्त होना = १. कुष ६।४६
प० (कुष्नाति) ।

संकट पार करना = १. दुस् + तृ १।
६६६ प० (दुस्तरति) ।

संकट में पड़ना = १. उप + दशि-दंश्
१०।२२३ उ० (उपदंशयति, ते) ।

संकुचित करना = १. यन्त्रि-यन्त्र
१०।३ उ० (यन्त्रयति, ते/यन्त्रति) ।

संकुचित होना = १. कूण १०।१५७
आ० (कूणयते), १०।३१७ उ० (कूण-
यति, ते), २. कून १०।१५७ पाठा० आ०
(कूनयते), ३. तञ्चु ७।२१ प० (तञ्चति)
४. सम् + कुच १।५६६ प० (संकोचति),

संकुचित होना या करना = १. सम्
+ कुच ६।७७ प० (संकुचति) ।

संकेत करना = १. अभि + नीञ् १।
६४२ उ० (अभिनयति, ते) ।

संकेत लगाना = १. लक्ष १०।५ उ०
(लक्षयति, ते) ।

संकोच करना = १. चूर्ण १०।१६
उ० (चूर्णयति, ते) ।

संकोच होना = १. तञ्चु ७।२१ प०
(तञ्चति) ।

संक्षेप करना = १. सम् + क्षिप ६।५
उ० (संक्षिपति, ते), २. ऊन १०।३१३
उ० (ऊनयति, ते) ।

संगत होना, मिलना = १. सम् +
इण् २।३८ प० (समेति) ।

संगति करना = १. यज १।७२८
उ० (यजति, ते), २. मेघु १।६११ उ०
(मेघति, ते) ।

संग्रह (राशि-देर) करना = १.

अशुद्ध-अशु ५।१८ आ० (अशुते) ।

संघर्ष करना=१. पृची २।२३ आ० (पृक्ते), २. पृजि-पृञ्ज २।२१ आ० (पृङ्क्ते) ।

सञ्चय करना=१. श्रोण् १।३०७ प० (श्रोणति), २. स्फुल ६।१०१ प० (स्फुलति) ।

सञ्चय करना, जोड़ना=१. सम्+चिञ् ५।५ उ० (संचिनोति, संचिनुते), १०।६६ उ० (संचपयति, ते/संचययति, ते/संचयति, ते) ।

संचित करना=१. पूल १।३५५ प० (पूलति), १०।१०२ उ० (पूलयति, ते) ।

संदिग्ध होना=१. रेकृ १।६५ आ० (रेकते), २. रये १।५३४ प० (रगति) ।

संन्यास लेना, प्रपंच छोड़ना=१. सन्नि+असु ४।६६ प० (संन्यस्यति) ।

संन्यासीवत् घूमना (भटकना)=१. परि+व्रज १।१५४ प० (परिव्रजति) ।

संन्यासीवत् यात्रा करना=१. परि+व्रज १।१५४ प० (परिव्रजति) ।

संभालना=१. तुजि-तुञ्ज १।१५१ प० (तुञ्जति), २. नि+सद्ल् १।५६३, ६।१३६ प० (निपीदति), ३. कुडि-कुण्ड १०।५० उ० (कुण्डयति, ते), ४. कुरा ६।४७ प० (कूरति) ।

संयत करना=१. युज १०।२३१ उ० (योजयति, ते/योजति) ।

संयमी होना=१. क्षप १ क्वा० उ० (क्षपति, ते) ।

संयुक्त करना=१. स्पर्श १०।१५० पाठा० आ० (स्पर्शयते), २. निघृ १।६११ उ० (मेघति, ते), ३. अड्ड १।

२३६ प० (अड्डति) ।

संयुक्त होना=१. साम्ब १०।२६ उ० (साम्बयति, ते), २. मिल ६।७३ प० (मिलति) ।

संयोग (सम्पर्क) करना=१. सम्ब १०।२४ उ० (सम्बयति, ते), २. साम्ब १०।२६ उ० (साम्बयति, ते), ३. लुट ६।८६ प० (लुटति), ४. यज १।७२८ उ० (यजति, ते), ५. यभ १।७०८ प० (यभति), ६. सम्+यम १।७१० प० (संयच्छति), ७. स्माश १०।१५० आ० (स्माशयते), ८. स्पृश ६।१३१ प० (स्पृशति), ९. पृची ७।२४ प० (पृणक्ति) ।

संयोग होना=१. लगे १।५३५ उ० (लगति, ते) ।

संयोजन करना=१. समभिव्या=हृम् १।६४० उ० (समभिव्याहरति, ते) ।

संरक्षण करना=१. अप+वृम् ५।८ उ० (प्रपवृणोति, अपवृणुते), २. भुज ७।१७ प० (भुनक्ति), ३. प्सा २।४८ प० (प्साति), ४. पा-पिब १।६५६ प० (पिबति), ५. तायू १।३२६ आ० (तायते), ६. पाल-पालय् १०।७६ उ० (पालयति, ते), ७. देङ् १।६८६ आ० (दयते), ८. जसि-जस् १०।१३६ उ० (जंसयति, ते), ९. त्रैङ् १।६६२ आ० (त्रायते), १०. दघ ५।२८ प० (दघ्नोति), ११. तय १।३२० आ० (तयते), १२. नय १।३२० आ० (नयते/प्र-प्रणयते), १३. भृ ६।२० प० (भृणाति), १४. स्मृ ५।१४ प० (स्मृणाति), १५. स्पृ ५।१३ प० (स्पृणोति), १६. सम्+अव प० (समवति), १७. गुडि-गुण्ड १०।५१ उ०

(गुण्डयति, ते), १८. गुड ६।७६ प० (गुडति) ।

संरक्षण करना, पालना=१. कडि कण्ड १०।४६ उ० (कण्डयति, ते/कण्डति)

संरक्षण करना, बचाना=१. अत्र १।३६६ प० (अवति) ।

संलग्न होना=१. सप १।२८४ प० (सपति) ।

सलग्न होना, मिलके रहना=१. कुथ ६।४६ पाठा० प० (कुथ्नाति) ।

संवारना=१. राखू १।८६ प० (राखति), २. रूप १।४५५ प० (रूपति),

३. लाखू १।८६ प० (लाखति), ४. लूष १।४५५ प० (लूषति), ५. द्राखू १।८६

प० (द्राखति), ६. मजू १०।२७५ उ० (मार्जयति, ते), ७. स्वन १।५५८ प०

(स्वनति), ८. मकि-मड्क १।७० आ० (मड्कते), ९. मधि-मड्घ १।६३ प०

(मड्घति), १०. मजूष-मूज २।५६ प० (मार्ण्टि), ११. अञ्चु-अञ्च १।११५ प०

(अञ्चति), १२. सम्+अञ्जू ७।२० प० (समनक्ति), १३. आखू १।८६ प०

(आखति/प्र-प्रोखति), १४. भूष १।४५६ प० (भूषति/भूषयति, ते), १५. मडि-

मण्ड १।२१३ प० (मण्डति), १०।५७ उ० (मण्डयति, ते/मण्डति), १६. अधि+अञ्जू

७।२० प० (अध्यनक्ति, वव०आ० अड्कते), १७. अचि-अञ्च् १।६०४ उ० (अञ्चति, ते) ।

संवारना, भूषित करना=१. अल १।३४५ प० (अलति) ।

संवारना, सजाना=१. ध्राखू १।८६ प० (ध्राखति), २. अञ्जू-अञ्ज ७।२०

प० (अनक्ति/क्वा० आ० अड्कते) ।

संशय करना=१. शकि-शंक १।६७ आ० (शङ्कते), २. उत्+इशिर-इश् १।७१४ प० (उत्पश्यति) ।

संशय निवारण करना=१. वृट ६।८४ प० (वृटति/वृटयति), १०।१६६ आ० (त्रोटयते) ।

संशय रहित होना=१. वि+चर १०।२१४ उ० (विचारयति, ते) ।

संशय होना=१. चर १०।२१४ उ० (चारयति, ते) ।

संसक्त होना=१. सप १।२८४ प० (सपति) ।

संसर्गी होना=१. सत्र १०।३२७ आ० (सत्रयते), २. सच १।७२३ उ० (सचति, ते) ।

संस्थापन करना=१. सम्+अर्च १।१२० प० (समर्चति), १०।२३२ उ० (समर्चयति, ते) ।

संज्ञा देना, नाम रखना=१. समा +ख्या २।५३ प० (समाख्याति) ।

स्तब्ध होना=१. शूरी ४।४६ आ० (शूर्यते), २. स्तभि-स्तम्भ १।२७१ आ० (स्तम्भते), ३. स्थल १।५७७ प० (स्थलति) ।

स्तम्भवत् अचल होना=१. स्तभि-स्तम्भ १।२७१ आ० (स्तम्भते) ।

स्तुति करना=१. वदि-वन्द् १।१० आ० (वन्दते), २. शाडू १।१८६ आ० (शाडते), ३. शल्भ १।२७३ आ० (शल्भते),

४. शठ १०।१६० आ० (शाठयते)

५. शंसु १।४८३ प० (शंसति) आ० (आशंसति), ६. शल १०।१६० पाठा०

उ० (शालयति, ते), ७. शीभृ २।२६७
 आ० (शीभते), ८. स्तुञ् २।३६ उ०
 (स्तौति, स्तुते/विदे-स्तवीति, स्तवीते), ९.
 रेखा १।१३३ प० (रेखायति), १०.
 तुस्य १।३६६ उ० (तुस्ययति, ते), ११.
 मदि-मन्द १।१२ आ० (मन्दते), १२.
 स्तोम १।३५१ उ० (स्तोमयति, ते),
 १३. उप+स्था १।६६२ आ० (उपति-
 ष्टते), १४. पन १।२६६ उ० (पनायति,
 ते) ।

स्थानान्तर करना (अन्य जगह जाना)
 = १. पडि-पण्ड १।१८० आ० (पण्डते),
 २. झुच्-झुञ्च १।११६ प०
 (झोचति, झुञ्चति), ३. मख, मखि-
 मङ्ख १।८८ प० (मखति, मङ्खति), ४.
 म्लुचु, म्लुञ्चु १।११६ प० (म्लोचति/म्लु-
 ञ्चति), ५. ढौकृ १।७४ आ० (ढौकते),
 ६. मय १।३२० आ० (मयते), ७. मभ्र १।
 ३७५ प० (मभ्रति), ८. दवि-दन्व क्षीर०
 १।३६३ प० (दन्वति), ९. ध्वज, ध्वजि-
 ध्वञ्ज १।३३२ प० (ध्वजति, ध्वञ्जति),
 १०. नख, नखि-नङ्ख १।८८ प० (नखति,
 नङ्खति/प्र-प्रणाखति, प्रणाङ्खति), ११.
 धवि-धन्व १।३६३ प० (धन्वति), १२.
 द्रूञ् ६।६ उ० (द्रूणाति, द्रूणीते), १३.
 ऋ ६।२८ प० (ऋणाति), १४. पद ४।
 ५८ आ० (पद्यते), १०।३२० आ० अदन्त
 (पद्यते), १५. वभ्र १।३७५ प०
 (वभ्रति), १६. वय १।३२० आ०
 (वयते), १७. पि ६।११४ प० (पियति),
 १८. सम्+क्रमु १।३१६ प० (संक्रामति,
 संक्राम्यति) ।

स्थानान्तर होना = १. त्रकि- त्रङ्क

१।७४ आ० (त्रङ्कते), २. त्रख १।८६
 प० (त्रखति), ३. त्रखि-त्रङ्ख १।८६
 पाठा० प० (त्रङ्खति), ४. घुज, घुजि-
 घृञ्ज १।१३२ प० (घर्जति, घृञ्जति),
 ५. ध्रज, ध्रजि-ध्रञ्ज १।१३२ प०
 (ध्रजति, ध्रञ्जति) ।

स्थापन करना = १. तल १।०६५
 उ० (तालयति, ते), २. प्रवि+पद ४।
 ५८ आ० (प्रविपद्यते), १०।३२० अदन्त
 आ० (प्रविपद्यते) ।

स्थापन करना, रखना = १. सम्+
 धाञ् ३।१० उ० (संदधाति, संघत्ते) ।

स्थापित करना = १. लल १।०१५६
 आ० (लालयते), २. आ+ धाञ् ३।१०
 उ० (आदधाति, आघत्ते), ३. नि+स्था
 १।६६२ आ० (नितिष्ठते) ।

स्थित होना = १. स्था १।६६२ प०
 (तिष्ठते) ।

स्थिर करना = १. स्खद १।५१६
 आ० (स्खदते), २. सम्+अर्च १।१२०
 प० (समर्चति), १०।२३२ उ० (समर्च-
 यति, ते) ।

स्थिर रहना = १. अय+स्था १।
 ६६२ आ० (अयतिष्ठते), २. अन १०।
 १७८ आ० (मानयते), ३. खद १।४०
 प० (खदति), ४. खै १।६५१ प०
 (खायति), ५. विद १०।१७७ आ० (वेद-
 यते), ६. आ+रमु १।५६२ प० (आर-
 मति/वि-विरमति/उप-उ० उपरमति, ते)

स्थिर होना = १. पर्यव+स्था १।
 ६६२ आ० (पर्यवतिष्ठते), २. स्थल १।
 ५७७ प० (स्थलति), ३. प्र+शमु ४।
 ६२ आ० (प्रशमयति), ४. बद १।४१

प० (बदति) ।

स्थूल होना + १. बठ १।२२३ प० (बठति), २. स्फायी १।३२८ आ० (स्फायते), ३. मीव १।३८० प० (मीवति), ४. हि ५।११ प० (हिनोति), ५. स्थूल १०।३२५ आ० (स्थूलयते) ।

स्थूल, पुष्ट होना = १. पीव १।३८० प० (पीवति) ।

स्नान करना = १. उप + स्पृश ६।१३१ प० (उपस्पृशति), २. स्ना २।५४ प० (स्नाति), ३. मस्ज ६।१२५ प० (मज्जति), ४. क्षुचिर-शुच ४।५४ उ० (क्षुच्यति, ते), ५. शुच्य १।३४३ प० (शुच्यति), ६. वाड् १।१८४ आ० (वाडते), ७. सुञ् ५।१ उ० (सुनोति, सुनुते), ८. अभि + सुञ् ५।१ उ० (अभिसुनोति, अभिसुनुते) ।

स्नान (अवगाहन) करना = १. अव + गाह् १।४३२ आ० (अवगाहते) वि- (विगाहते) ।

स्निग्ध, चिकना करना = १. प्लुष ६।५८ प० (प्लुष्याति) ।

स्निग्ध, चिकना होना = १. प्रुष ६।५८ प० (प्रुष्याति), २. प्लुष ६।५८ प० (प्लुष्याति), ३. तिल ६।६४ प० (तिलति) १०।७४ उ० (तिलयति, ते), ४. मिदा १।४६५ आ० (मेदते), ४।१२६ प० (मेदति), १०।८ पाठा० उ० (मेदयति, ते), ५. स्निह् ४।८६ प० (स्निह्यति), १०।३६ उ० (स्नेहयति, ते), ६. मिदि-मिन्द १०।८ उ० (मिन्दयति, ते/मिन्दति) ।

स्नेह करना = १. स्फिठ १०।४० उ० (स्फेठयति, ते), २. सभाज १०।३१२

प० (सभाजयति), ३. उप + अय प० (उपावति), ४. स्निह् ४।८६ प० (स्निह्यति), १०।३६ उ० (स्नेहयति, ते) ।

स्पष्ट उच्चारना = १. ह्लप १०।१२६ प० (ह्लापयति) ।

स्पष्ट करना = १. वि + अञ्जू ७।२० प० (व्यनक्ति), २. बल १०।६५ उ० (बालयति, ते), ३. सम् + दिश् ६।३ उ० (संदिशति, ते), ४. वि + वृञ् ५।८ उ० (विवृणोति, विवृणुते), ५. अजि-अञ्ज १०।२२४ उ० (अञ्जयति, ते) ।

स्पष्ट (प्रकट) करना = १. व्या + कृञ् ८।१० आ० (व्याकुरुते) ।

स्पष्ट कहना = १. वद १।७३५ प० (वदति), सन्देशवचने १०।२६८ उ० (वादयति, ते/वदति) ।

स्पष्ट जानना = १. वि + ज्ञा ६।४० उ० (विजानाति, विजानीते) ।

स्पष्ट बोलना = १. शच १।६६ आ० (शचते), २. रप १।२८५ प० (रपति), ३. नि + रूप १०।३६० उ० (निरूपयति, ते), ४. गद १।४२ प० (गदति), ५. लप १।२८५ प० (लपति), ६. ह्लप १०।१२६ पाठा० उ० (ह्लापयति, ते), ७. जप १।२८१, ८२ प० (जपति), ८. प्र, प्रति, वि + शब्द १०।१८३ प० (प्रशब्दयति, प्रतिशब्दयति, विशब्दयति) ।

स्पष्ट होना = १. स्फुल ६।१०१ प० (स्फुलति), २. वि + वृञ् ५।८ उ० (विवृणोति, विवृणुते), ३. लज, लजि लञ्ज १०।३४७, ४८ उ० (लजयति, ते/लञ्जयति, ते), ४. प्रति + इण् २।३८ प० (प्रत्येति) ।

स्पष्टता से दिखाना = १. शम १०। १६४ आ० (शामयते)।

स्फुरित होना = १. स्फुर ६।६६ प० (स्फुरति), २. स्फुल ६।१०१ प० (स्फुलति)।

स्मरण करना = १. वहं १०।२२३ उ० (वहंयति, ते), २. वेण १।६१६ उ० (वेणति, ते), ३. वेनृ १।६१७ उ० (वेनृति, ते), ४. स्मृ १।५४७ प० (स्मरति), ५. अघि + इक् २।४० प० (अघ्येति)।

स्मरण करना (उत्सुकता से) = १. स्मृ १।५४७ प० (स्मरति)।

स्मरण, याद करना = १. चित्ति-चिन्त १०।२ उ० (चिन्तयति, ते/चिन्तति), २. चित १०।१४४ आ० (चेतयते), ३. कठि-कण्ठ १०/२७४ उ० (कण्ठयति, ते/कण्ठति)।

स्मरण न होना = १. स्फुच्छा स्फुच्छा १।१२८ प० (स्फुच्छति)।

स्मित करना = १. प्र + सद् लृ १। ५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति)।

स्त्राव करना, बहाना = १. अप + कृष १।७१६ प० (अपकर्षति), ६।६ उ० (अपकृषति, ते)।

स्पर्धा करना = १. ह्वेञ् १।७३३ उ० (ह्वयति, ते), २. मिष ६।६२ प० (मिषति)।

स्पर्श करना, छूना = १. शीक १०। २५३ उ० (शीकयति, ते/शीकति), २. मृश ६।१३४ प० (मृशति), ३. आ + लभष-लभ १।७०२ आ० (आलभते), ४. सम् + मृश ६।१३४ प० (सम्मृशति), ५. स्पृश ६।१३१ प० (स्पृशति), ६. स्पश

१।६२७ प० (स्पशति), ७. पुञि-पृञ्ज २।२१ आ० (पृञ्जते), ८. पैण १।३०६ प० (पैणति), ९. पृच १०।२३१ उ० (पृचयति, ते/पृचति), १०. पृची २।२३ आ० (पृचते/पृचते), ११. कुच १।५६६ प० (कोचति)।

स्पर्श होना = १. लगे १।५३५ उ० (लगति, ते)।

स्वच्छ करना = १. वल्यूल १०।३०६ पाठा० उ० (वल्यूलयति, ते), २. प्र + सद् लृ १।५६३, ६।१३६ प० (प्रसीदति), ३. मस्ज ६।१२५ प० (मस्जति), ४. मुडि-मुण्ड १।१७४ आ० (मुण्डते), ५. मूजू १०।२७५ उ० (मार्जयति, ते), ६. मार्ग १०।२७३ उ० (मार्गयति, ते/मार्गति), ७. संस् + कृञ् ८।१० प० (संस्क्रोति), ८. कुच १।५६६ प० (कोचति), ९. परिस् + कृञ् ८।१० प० (परिष्क्रोति), १०. मूजूष-मृज् २।५६ प० (मार्ष्टि) अप, प्र-(अपमार्ष्टि, प्रमार्ष्टि)।

स्वच्छ करना, संवारना = १. उपस् + कृञ् ८।१० प० (उपस्करोति)।

स्वच्छ (निर्मल, पवित्र) करना = १. निजि-निञ्ज २।१८ आ० (निङ्क्ते/प्र-प्रणिङ्क्ते)।

स्वच्छ-पवित्र करना, धोना = १. क्षल १०।६४ उ० (क्षालयति, ते) २. खव ६।६२ प० (खीनाति)।

स्वच्छ (साफ) करना = १. घुषि-घुष् १।४३५ आ० (घुषते), २. खर्ज १। १३८ प० (खर्जति)।

स्वच्छ (मल रहित) करना = १. धावु १।३६७ उ० (धावति, ते)।

स्वच्छ बोलना=१. निर्+वद १०।
२६८ प० (निर्वदति) ।

स्वच्छ होना=१. मुडि-मुण्ड १।
१७४ आ० (मुण्डते), २. धावु १।३६७
उ० (धावति, ते) ।

स्वस्ति वाचन करना=१. नाथु १।
६ आ० (नाथते) ।

स्वस्थ रहना=१. बव १।४१ प०
(वदति) ।

स्वस्थ होना=१. वमु ४।६१ प०
(वाम्यति) ।

स्वाद लेना=१. स्वद १।१७ आ०
(स्वदते), १०।२२८ उ० (स्वादयति, ते)
२. स्वाद १।२३ आ० (स्वादते), १०।
२२६ उ० (स्वादयति, ते), ३. स्वदं १।
१७ आ० (स्वदंते), ४. रस १०।३५८
उ० (रसयति, ते), ५. रग १०।२०६ उ०
(रागयति, ते), ६. रघ १०।२०५ उ०
(राघयति, ते), ७. लग १०।१८७ क्षीर०
उ० (लागयति, ते), ८. कल १०।२०४
उ० (कलयति, ते) ।

स्वाधीन करना=१. दमु ४।६३
प० (दाम्यति), २. यम १०।६१ उ०
(यमयति, ते) ।

स्वाधीन रखना=१. यन्त्रि-यन्त्र
१०।३ उ० (यन्त्रयति, ते/यन्त्रति) ।

स्वीकार करना=१. उप+यम १।

७१० उ० (उपयच्छति, ते), २. मन ४।
६५ आ० (मन्यते), ३. मनु ८।६ आ०
(मनुते), ४. पक्ष १।४४७ प० (पक्षति),
१०।१८ उ० (पक्षयति, ते), ५. अभि
+नदि-नन्द १।५५ प० (अभिनन्दति),
६. आ+धाव् ३।१० उ० (आदधाति,
आघत्ते), ७. वृञ् ६।१५ उ० (वृणाति,
वृणीते); ८. वृक् १।७२ आ० (वर्कते),
९. व्रीड् ४।३० आ० (व्रीयते), १०. प्रति
+पद ४।५८ आ० (प्रतिपद्यते), १०।
३२० आ० अदन्त (प्रतिपद्यते) ।

स्वीकार-सान्य करना=१. निर्+
नुद उ० (निर्गुदति, ते), ६।१३५ प०
(निर्गुदति), २. प्रणि+धाव् ३।१० उ०
(प्रणिदधाति, प्रणिघत्ते), ३. समुप+
गम्लु-गच्छ १।७०६ प० (समुपगच्छति),
४. अनु+जा ६।४० उ० (अनुजानाति,
अनुजानीते) ।

स्वीकार (वरस) करना=१. द्वृ
क्षीर० १।६६६ प० (द्वरति) ।

स्वीकार नहीं करना=१. प्र+अमु
४।६६ प० (प्रास्यति), २. अप+लप
१।२८५ प० (अपलपति), ३. ओखृ १।
८६ प० (ओखति, प्र-प्रोखति) ।

स्वेच्छया पवित्र (पावन) करना
=१. खच १ क्वा० प० (खचति), ६।
६१ प० (खचनाति) ।

ह

हगना, दस्त होना (भाड़ा होना)
=१. गु ६।१०७ प० (गुवति/पाठा० गु
प० (गुवति) ।

हजामत करना=१. वप १।७२६
उ० (वपति, ते), २. मुडि-मुण्ड १।२१७
प० (मुण्डति) ।

हटना=१. हुच्छा १।१२६ प०
(हुच्छति), २. अप+सृष्ट् १।७०६ प०
(अपसर्पति) ।

हटा देना=१. अप+अञ्चु-अञ्च
१।६०२ उ० (अपाञ्चति, ते) ।

हटाना=१. धक्क १०।६२ उ०
(धक्कयति, ते), २. छद १०।२६० स्व०
उ० (छादयति, ते/छदति), १०।३६२
उ० अदन्त (छदयति, ते), ३. अप+हृव्
१।६४० उ० (अपहरति, ते), ४. स्वद
१।५१६ आ० (स्वदते) ।

हटाना, पृथक् करना=१. अञ्चु-
अञ्च १०।६०७ उ० (अञ्चयति, ते) ।

हठ करना=१. गर्व १।३८८ प०
(गर्वति), २. खर्व १।३८८ प० (खर्वति) ।

हरकत करना=१. स्कुम्भु (सौत्र-
स्कुम्भान्ति, स्कुम्भोति), २. क्लिषू १।५३
प० (क्लिष्णान्ति), ३. स्तक १।५३१ प०
(स्तकति), ४. स्कभि-स्कम्भ् १।२७१
आ० (स्कम्भते/सौत्र-स्कम्भोति, स्क-
म्भान्ति) ५. पृच १०।२३१ उ० (पर्चय-
ति, ते/पर्चति) ।

हरण करना=१. त्रस १०।२१०
उ० (त्रासयति, ते), २. अस १०।२२०
उ० (आसयति, ते) ।

हरा करना=१. पर्ण १०।३६६ उ०
(पर्णयति, ते) ।

हराना=१. अन्वव+अर्ज १०।
१६४ उ० (अन्ववार्जति, ते) ।

हरा होना=१. पर्ण १०।३६६ उ०
(पर्णयति, ते) ।

हर्षित करना=१. मदि १।५५५ प०
णिच् (मदयति) ।

हर्षित-आनन्दित होना=१. मदी
१।५५५ प० (मदति), २. मदी ४।६८ प०
(माद्यति), ३. ध्रोक १।६४ आ०
(ध्रोकते) ।

हल चलाना=१. हल १।५७८ प०
(हलति) ।

हल से रेखा करना=१. अप=कृ
६।११८ प० (अपकिरति) ।

हल्ला करना=१. स्तिघ ५।१६
आ० (स्तिघ्नते), २. तिक ५।२० प०
(तिकनोति), ३. तिग ५।२० प०
(तिग्नोति), ४. अभि+हृव् १।६४० उ०
(अभिहरति, ते), ५. अव+स्कन्द-
स्कन्द १।७०६ आ० (अवस्कन्दते), ६.
अड्ड १।२३६ प० (अड्डति) ।

हल्का, कमीना, हीन करना=१.
अप+कृष १।७१६ प० (अपकर्षति), ६।
६ उ० (अपकृषति, ते) ।

हवन करना=१. यज १।७२८ उ०
(यजति, ते) ।

हवा करना (पंखे से)=१. बीज
१०।३६६ प० (बीजयति) ।

हंसना=१. हसे १।४७७ प०
(हसति), २. च्यु १०।२१५ उ० (च्याव-
यति, ते), ३. कर्क १ क्वा० प० (कर्कति)
४. जक्ष २।६४ प० (जक्षति), ५. च्युस्
१०।२१६ उ० (च्योसयति, ते), ६.
गघ १।६२ पाठा० प० (गघति), ७.
खक्ख १।८५ पाठा० प० (खक्खति) ।

हंसना, उपहास करना=१. घघ
१।६२ पाठा० प० (घघति), २. घघ १।
६२ प० (घघति) ।

हंसना, मुस्कराना=१. कक्क १।

८५ पाठा० प० (कक्कति), २. कक्ख
१८५ पाठा० प० (कक्खति), ३. कक्
१८५ प० (कक्खति), ४. कक्खे ११३३३
प० (कक्खति) ।

हाथ पसारना=१. आ+यम १।
७१० आ० (आयच्छते) ।

हाथ पांव से चलना=१. अङ्ख १०
क्वा० उ० (अङ्खयति, ते) ।

हाथ से लेना=१. स्पृश ६।१३१ प०
(स्पृशति) ।

हाथापाई करना=१. व्या+सञ्ज
१।७१३ प० (व्यासजति) ।

हानि करना=१. मिह १।६०६ उ०
(मेदति, ते) ।

हाव भाव करना=१. हिल ६।७१
प० (हिलति) ।

हास प्रत्युपहास करना=१. व्यति
+तक १।८२ प० (व्यतितकति) ।

हासिल करना=१. अति+अन्त
१।५० प० (अत्यन्तति) ।

हांकना, चलाना=१. सम्+नुद
उ० (सन्नुदति, ते), ६।१३५ प० (सन्नु-
दति) ।

हांकना दौड़ाना=१. अज १।१३६
प० (अजति) ।

हांक मारना=१. ह्वे १।७३३ उ०
(ह्वयति, ते) ।

हिचकिचाने से रोकना=१. सम १।
५७२ प० गिच् (समयति) ।

हिचकी आना=१. हिक्क १।६०१
उ० (हिक्कति, ते) ।

हिचकी लेना=१. हिक्क १।६०१
उ० (हिक्कति, ते) ।

हिनहिनाना=१. हेषू १।४१३ आ०
(हेषते), २. रेषू १।४१३ आ० (रेषते),
३. हेषू १।४१३ आ० (हेषते) ।

हिलना=१. अत्र+सञ्ज १।७१३
प० (अवसजति), २. स्फुल ६।१०१ प०
(स्फुलति), ३. स्फुर ६।६६ प० (स्फुरति),
४. चेलू १।३६३ प० (चेलति), ५. तेषू
१।२५२, ५४ आ० (तेपते), ६. त्रखि-
त्रङ्ख १।८६ पाठा० प० (त्रङ्खति), ७.
त्रख १।८६ प० (त्रखति), ८. त्रकि-
त्रङ्क १।७४ आ० (त्रङ्कते), ९. चञ्चु
१।११६ प० (चञ्चति), १०. नय १।
३२० आ० (नयते/प्र-प्रणयते), ११. प्रुङ्
१।६८४ आ० (प्रवते), १२. मथे १।
५८७ प० (मथति), १३. लख, लखि-
लङ्ख १।८८ प० (लखति, लङ्खति),
१४. रय १।३२३ आ० (रयते), १५.
लुट १।२०७ प० (लोटाति), १६. पेलू १।
३६४ प० (पेलति) ।

हिलना, कांपना=१. क्षमायी १।
३२७ आ० (क्षमायते), २. ग्लेपू १।२५५,
५७ आ० (ग्लेपते), ३. कस १।५६६ प०
(कसति), ४. जुन ६।३८ प० (जुनति),
५. कम्पि-कम्प १।२६१ आ० (कम्पते) ।

हिलना, चलना, कांपना=१. चल
१।५७४ प० (चलति/कम्पने णिच्-चल-
यति/गतौ चालयति) ।

हिलाना=१. सुञ् ५।१ उ० (सुनोति,
सुनुते) ।

हिलाना, कांपना=१. क्षमायी १।
३२७ आ० (क्षमायते), २. ईर २।८ आ०
(ईरते) ।

हिलाना, कम्पित करना=१. उद्

+अस् २।११ आ० (उदास्ते) ।

हिलाना, हुलाना=१. अन्दोल १०।
३६६ प० (अन्दोलयति) ।

हिस्सा करना=१. भिदि-भिन्द १।
५२ प० (भिन्दति), २. वटि-वण्ट १०।
३४८ उ० (वण्टयति, ते/वण्टति) ।

हिस्सा होना=१. सट १।२०६ प०
(सटति) ।

हिस्से करना=१. पट १०।२८३ उ०
(पटयति, ते) ।

हिंसा करना=१. स्फुटिर-स्फुट १।
२२१ प० (स्फोटति), २. हुल १।५८४
प० (होलति), ३. सम्+हन् २।२ प०
(संहन्ति), ४. उल्+छिदिर-छिद ७।३
उ० (उच्छिनन्ति, उच्छिन्ते), ५. बल्ह
१।४२५ आ० (बल्हते), ६। भर्व १।३८७
प० (भर्वति), ७. प्रतिस्+कृ ६।११८
प० (प्रतिष्करति/प्रतिकिरति), ८. उष
१।४६४ प० (ओषति), ९. जिरि ५।३०
प० (जिरिणोति), १०. चुबि-चुम्ब १०।
१०१ उ० (चुम्बयति, ते), ११. जर्ज १।
४७५, ६।१७ प० (जर्जति), १२. जर्भ
६।१७ पाठा० प० (जर्भति), १३. ऋ
५।३० पाठा० प० (ऋणोति), १४. जट
१।१६६ प० (जटति), १५. दुहिर-दुह १।
४६१ प० (दोहति), १६. मन्थ १।३५,
६।४४ प० (मन्थति, मथ्नाति), १७.
मथि-मन्थ १।३६ प० (मन्थति), १८.
उपम्+कृ ६।११८ प० (उपस्करोति,
उपकरोति) ।

हिंसा करना, दुःख देना=१. घुरी
४।४५ आ० (घूर्यते) ।

हिंसा करना, मारना=१. बध १।

७०० (बधते), १०।१५ उ० (बाधयति,
ते) ।

हुकम करना=१. सिधू १।३८ प०
(सेधति), २. व्यव+स्था १।६६२ आ०
(व्यवतिष्ठते), ३. नि+युजि-युज ७।७
उ० (नियुनक्ति, नियुङ्क्ते) ।

हूकना=१. क्षप १०।३६६ उदा०
उ० (क्षपयति, ते) ।

हूदोगी होना=१. टल १।५७६
प० (टलति) ।

हूष्ट होना=१. मदी १।५५५ प०
(मदति), २. मदी ४।६८ प० (माद्यति),
३. हूष ४।११६ प० (हूषयति) ।

हेतु पूर्ण करना=१. अध्यव+सिञ्
५।२ उ० (अध्यवसिनोति, अध्यवसिनुते),
६।५ उ० (अध्यवसिनाति, अध्यवसिनीते) ।

होकर जाना=१. उप+स्था १।
६६२ आ० (उपतिष्ठते) ।

होड़ करना=१. होड़ १।२४४ प०
(होड़ति) ।

होना=१. अनु+पद ४।५८ आ०
(अनुपद्यते), १०।३२० अदन्त आ० (अनु-
पद्यते), २. आस २।११ आ० (आरते),
३. भू-भव १।१ प० (भवति), ४. सम्
+भू-भव १।१ प० (संभवति), ५. अव
१।३६६ प० (अवति), ६. वृत् १।५०८
आ० (वर्तते), ७. होड़ १।२४४ प०
(होड़ति) ।

होना, घटना होना=१. घट १।
५१४ आ० (घटते) ।

होना, रहना=१. अस २।५८ प०
(अस्ति) ।

होड़ लगाना=१. हूड़ १।२४४ प०

(होडति) ।

होश में आना=१. चित्ती १।३२ प०
(चेतति) ।

हो सकना=१. सम्+भू+भव १।१

प० (संभवति) ।

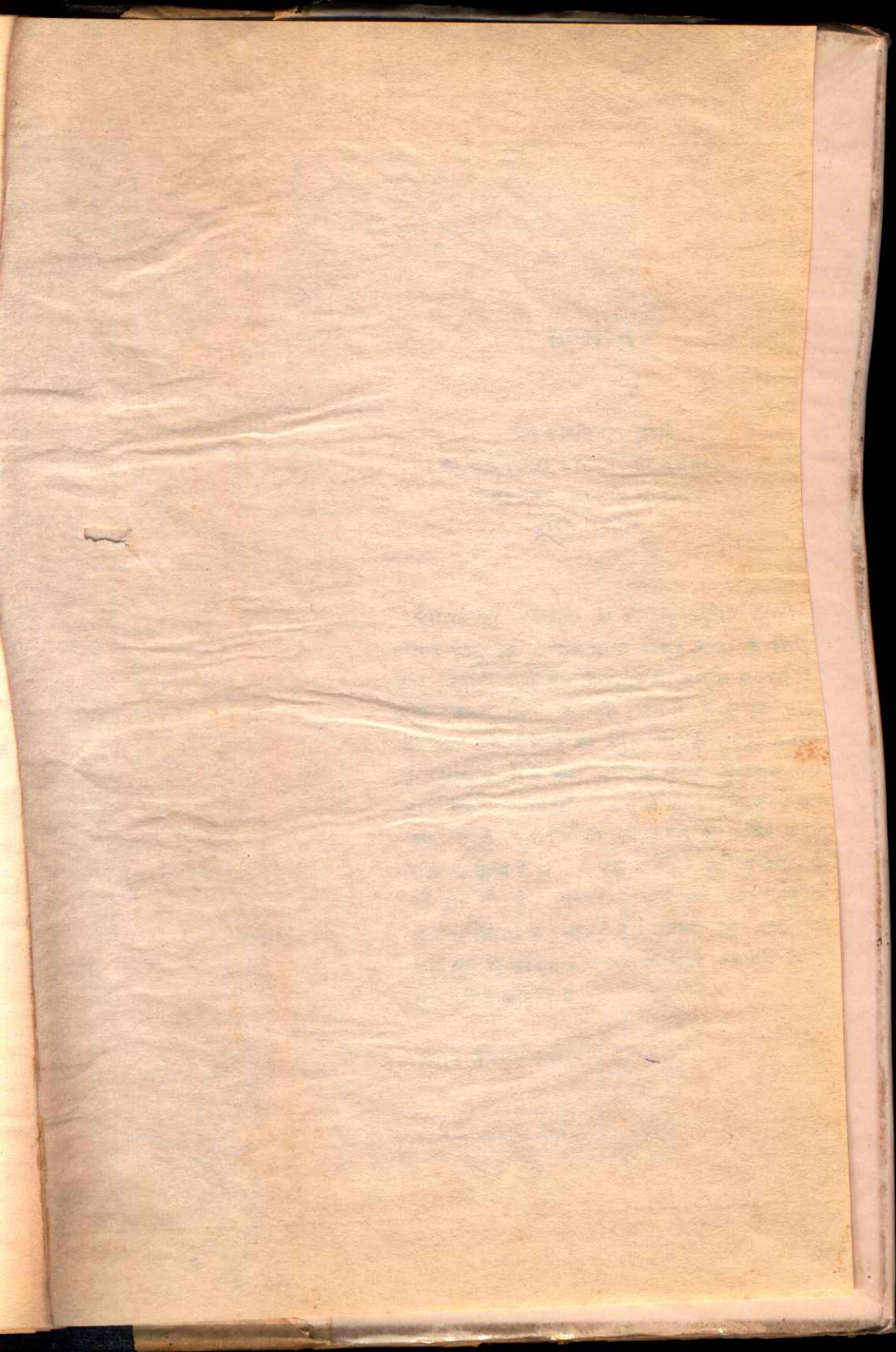
ह्लास होना=१. सी १।६५२ प०
(सायति), २. दीङ् ४।२४ आ० (दीयते) ।

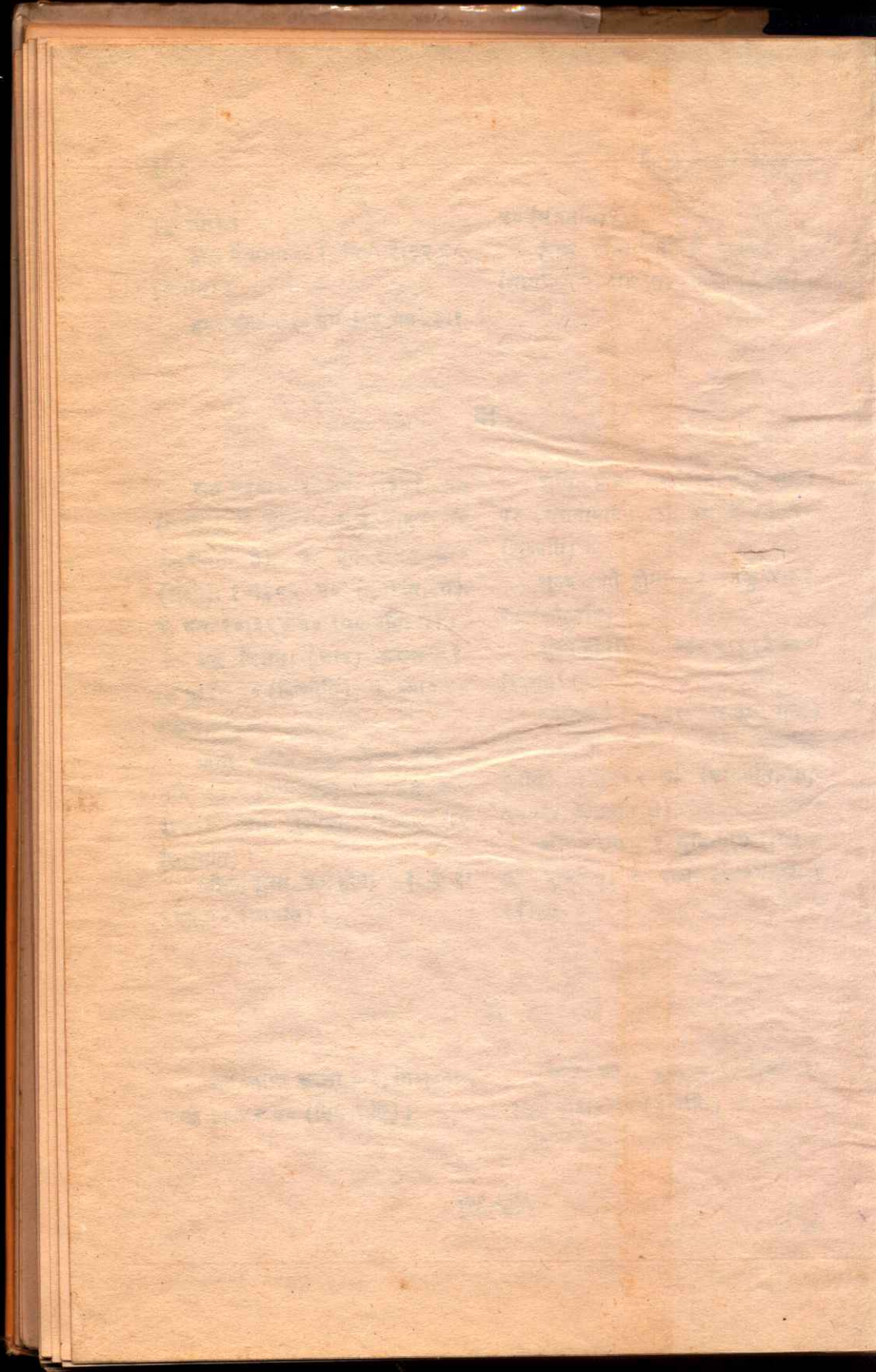
क्ष

क्षत करना=१. शर्व १।३८६ प०
(शर्वति), २. शुचिर—शुच ४।५४ उ०
(शुच्यति, ते), ३. सूद १।२० आ०
(सूदते), १०।१८६ उ० (सूदयति, ते),
४. व्रण १०।३६४ उ० (व्रणयति, ते) ।क्षत विक्षत (घाव) करना=१.
क्षि ५।३० प० (क्षिणोति), ६ क्वा० प०
(क्षिणाति) ।क्षमा करना=१. तिज १।६६८
सनि आ० (तितिक्षते), २. क्षमूष-क्षम
१।३०१ आ० (क्षमते), ४।६६ प०
(क्षाम्यति) ।क्षीण, ह्लास, कम होना=१. जं १।
६५२, प० (जायति) ।क्षुधित होना=१. नाम धातु अशन
प० (अशनायति), २. शुध ४।७६ प०
(क्षुध्यति) ।क्षुब्ध नहीं होना=१. शमु ४।६१
प० (शाम्यति) ।क्षुब्ध होना=१. व्यथ १।५१५ आ०
(व्यथते) ।क्षोभित करना=१. धुञ् ५।६ पाठा०
उ० (धुनोति, धुनुते), ६।१६ (धुनाति,
धुनीते), १०।२६२ उ० (धावयति, ते/
धूनयति, ते/ववति, ते) ।क्षौर करना=१. मुडि-मुण्ड १।२१७
प० (मुण्डति), २. दीक्ष १।४०४ आ०
(दीक्षते) ।

ज्ञ

ज्ञान प्राप्ति करना=१. नि+गम्लु
गच्छ १।७०६ प० (निगच्छति) ।ज्ञान रहित होना=१. सूर्छा १।
१२७ पाठा० प० (सूर्च्छति) ।





सम्मति

श्री रामकृष्ण शर्मा

सहायक शिक्षा परामर्शदाता (संस्कृत)

शिक्षा तथा संस्कृति मन्त्रालय

भारत सरकार

आचार्य श्री रामदयालु जी द्वारा सम्पादित 'हिन्दी-संस्कृत धातुकोष' संस्कृत भाषा सीखने वालों के लिए बड़ा उपयोगी कार्य है। हिन्दी के माध्यम से संस्कृत में प्रवेश करने वाले सामान्य विद्यार्थी से लेकर प्रौढ़ संस्कृतज्ञ तक के लिए यह कृति, सामग्री प्रदान करती है। आचार्य जी ने तपः स्वाध्याय पूर्वक पाणिनीय तथा पाणिनीयेतर व्यावहारिक धातुओं का पर्याप्त संग्रह कर तथा उनके प्रयोगार्थ यथास्थान समुचित संकेत करके कोश-साहित्य के क्षेत्र में एक सामयिक बड़ी आवश्यकता की पूर्ति की है। एतदर्थ आचार्य श्री रामदयालु जी वस्तुनः प्रशंसा के भाजन हैं। उनका इस प्रकार का कार्यकलाप, संस्कृत-प्रचार-प्रसार रूपी राष्ट्रिय यज्ञ में एक पवित्र आहुति है।

पुस्तक सचमुच संग्रहणीय है।

सम्मति

डा० राम करण शर्मा

पूर्व-संयुक्त शिक्षा परामर्शदाता (संस्कृत)
शिक्षा तथा संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार
तथा
पूर्व कुलपति-सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालय
वाराणसी (उ. प्र.)

आचार्य रामदयालु सम्पादितो "हिन्दी संस्कृत धातु कोषः" संस्कृत विद्यार्थिनां कृते परमामुपयोगितां बिभर्ति ।

अभिनन्दनीयस्य प्रयासः सुरभारती-सेवापितस्वान्तस्याचार्यरामदयालोरित्याशास्ते ।

डा० सी० आर० स्वामिनाथन्

पूर्व-उपशिक्षा परामर्शदाता (संस्कृत)
शिक्षा तथा संस्कृति मन्त्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली

आचार्य रामदयालु के 'हिन्दी-संस्कृत धातुकोष' को मैं एक संघटनात्मक प्रयत्न के रूप में मानता हूँ और इसको हिन्दी क्षेत्र में विशेषतः छात्रों के लिये सन्दर्भ पुस्तक के रूप में परिचय कराना चाहता हूँ । इसे अनुवाद, प्रस्ताव एवम् अन्य रचना आदि में प्रयोग करने के लिये प्रोत्साहन देना न केवल संस्कृत के लिये उपयोगी है, अपितु हिन्दी को संस्कृतमय बनने में और तद्द्वारा राष्ट्रीय एकता का माध्यम होने में भी यह कोष अत्यन्त उपयोगी है ।

मैं आचार्य रामदयालु जी को साधुवाद करता हूँ और यह भी आशा करता हूँ कि इसका एक संक्षिप्त सम्पादन भी निकलेगा, जिसमें पूरे हिन्दी क्रिया पदों के सामने प्रकृति प्रत्ययों से मिले हुए प्रायशः प्रचलित संस्कृत सिद्ध रूपों का समावेश होगा । इससे आरम्भिक संस्कृत-शिक्षुओं को भी अत्यन्त लाभ होगा । जैसे—चलता है—चलति, खाता है—खादति । इत्यादि प्रकार से संस्कृत का व्यावहारिक रूप सीखने में सभी को सुविधा होगी ।